राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक: 05] पन्द्रहवीं विधान सभा के पांचवें सत्र का आठवां दिवस [संख्या: 02

शुक्रवार,

21 अगस्त 2020

(राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे

राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई)

(श्री सी.पी. जोशी, अध्यक्ष, पदासीन)

शोकाभिव्यक्ति एवं श्रद्धांजलि

पृथ्वी सिंह, श्री, पूर्व सदस्य

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, शोकाभिव्यक्ति के इस अवसर पर मैं इस विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री पृथ्वी सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए यह शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं।

पूर्व सदस्य श्री पृथ्वी सिंह का जन्म 01 सितम्बर, 1936 को जोधपुर में हुआ। आपने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री पृथ्वी सिंह चौथी राजस्थान विधान सभा में बाली निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप राजकीय उपक्रम समिति, प्राक्कलन समिति तथा राजस्थान धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 1970 पर गठित प्रवर समिति के सदस्य रहे। आप अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री पृथ्वी सिंह ग्राम पंचायत बिसलपुर के सरपंच रहे। आप पंचायत समिति बाली की प्रशासन, वित्त, करारोपण एवं पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी स्थायी समिति के सदस्य तथा अध्यक्ष भी रहे। कृषकों की समस्याओं के निराकरण के लिए समर्पित रहे श्री सिंह कृषि उपज मण्डी समिति, सुमेरपुर के उपाध्यक्ष रहे।

श्री पृथ्वी सिंह का दिनांक 27 नवम्बर, 2019 को निधन हो गया।

मैं अपनी ओर से तथा इस सदन के सभी माननीय सदस्यों की ओर से दिवंगत के प्रति शोक प्रकट करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं तथा दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे तथा उनके शोक-संतप्त परिजनों को उनका बिछोह सहन करने की शक्ति दे।

(श्री अध्यक्ष)

माननीय सदस्यगण, कृपया दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें।

(तदनन्तर सदन द्वारा दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी)

अनुपस्थिति के लिए अनुमति।

अनुपस्थिति अनुमति

भंवरलाल मेघवाल, मास्टर, सदस्य को 14 अगस्त, 2020 से सत्रांत तक

मुझे सदन को सूचित करना है कि मास्टर भंवरलाल मेघवाल, सदस्य, राजस्थान विधान सभा ने अपनी अस्वस्थता के कारण दिनांक 14 अगस्त, 2020 से सत्रांत तक सदन की बैठकों से अनुपस्थित रहने की अनुमति चाही है।

क्या सदन की अनुमति है कि उन्हें सदन की बैठकों से अनुपस्थित रहने की अनुमति प्रदान कर दी जाए?

(स्वीकृत)

अनुमति प्रदान की गई।

कार्य सलाहकार समिति का प्रतिवेदन। डा. महेश जोशी।

समिति प्रतिवेदन

कार्य सलाहकार समिति का प्रतिवेदन (क्रम संख्या 17)

डा. महेश जोशी (सरकारी मुख्य सचेतक): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सलाहकार समिति के सत्रहवें प्रतिवेदन का उपस्थापन करता हूं।

कार्य सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 20 अगस्त, 2020 को माननीय अध्यक्ष के वेश्म (चैम्बर) में हुई। समिति ने शुक्रवार, दिनांक 21 अगस्त, 2020 को सदन में निम्नांकित कार्यों को लिए जाने का निर्णय लिया है:-

(डा. महेश जोशी)

शुक्रवार, दिनांक 21 अगस्त 2020	1. कोविड-19 प्रबंधन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुए असर पर चर्चा। 2. राजस्थान भिखारियों या निर्धन व्यक्तियों का पुनर्वास (संशोधन) विधेयक, 2020 पर विचार एवं पारण। 3. राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण। 4. राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण। 5. राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण। 6. राजस्थान आबकारी (संशोधन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण। 7. राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण। 8. राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण। 9. राजस्थान विशेष न्यायालय (निरसन) विधेयक, 2020 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति के सत्रहवें प्रतिवेदन पर अपनी सहमति प्रकट करता है।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति के सत्रहवें प्रतिवेदन पर अपनी सहमति प्रकट करता है?

(स्वीकृत)

सदन द्वारा प्रतिवेदन पर सहमति प्रदान की गयी।

सदन की मेज पर रखे जाने वाले पत्रादि। अधिसूचनाएं। श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

सदन पटल पर रखे गये पत्र

अधिसूचना

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार वित्त विभाग की 77, आबकारी विभाग की 14, आयोजना विभाग की 2, प्रशासनिक सुधार विभाग की 1 एवं गृह विभाग की 1 अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं:-

वित्त विभाग

(1) अधिसूचना संख्या: एफ.12(25)वित्त/कर/2019-145 दिनांक 21.3.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियिम 2003 की अनुसूची-VI में संशोधन किया गया है;

(2) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-147 दिनांक 23.3.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 के अन्तर्गत एयरलाइन्स के लिए फार्म GSTR-9C भरने से छूट प्रदान की गई है;

(3) अधिसूचना संख्या: एफ.12(97)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-148 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2006 में संशोधन किया गया है;

(4) अधिसूचना संख्या: एफ.6(2)वित्त/कर/2019-149 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.6(2)वित्त/कर/2019-88 दिनांक 19.11.2019 का अधिक्रमण किया गया है;

(5) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-150 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा दिवालिया और शोधन क्षमता कोड, 2016 के तहत कारपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के अन्तर्गत कारपोरेट देनदारों के संबंध में विशेष प्रक्रिया निर्धारित की गई है;

(6) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-151 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-05 दिनांक 23.4.2019 में संशोधन किया गया है;

(7) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-152 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-105 दिनांक 20.12.2019 का अधिक्रमण किया गया है;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(8) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-153 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-107 दिनांक 20.12.2019 का अधिक्रमण किया गया है;

(9) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-154 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 में संशोधन किया गया;

(10) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-155 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा कतिपय व्यक्तियों को आधार प्रमाणीकरण से मुक्त रखा गया है;

(11) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-156 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा रजिस्ट्रीकरण हेतु आधार प्रमाणीकरण आवश्यक योग्यता बनाने के लिए तिथि निर्धारित की गई है;

(12) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-157 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा कतिपय व्यक्तियों को आधार प्रमाणीकरण से मुक्त रखा गया है;

(13) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-158 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा ऐसे पंजीकृत व्यक्तियों जिनका कुल कारोबार पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष या वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1.5 करोड़ तक हो, उन्हें तिमाही अप्रैल, 2020 से जून, 2020 एवं जुलाई, 2020 से सितम्बर, 2020 तक भरे जाने वाले फार्म GSTR-1 के लिए तिथि नियत की गई है;

(14) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-159 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(56)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-49 दिनांक 29.6.2017 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(15) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-160 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(56)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-40 दिनांक 29.6.2017 में संशोधन किया गया है;

(16) अधिसूचना संख्या: एफ.6(2)वित्त/कर/2019-161 दिनांक 30.3.2020 जिसके द्वारा राजस्थान भूमि कर नियम, 2020 विरचित किये गये हैं;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(17) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-162 दिनांक 07.4.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 में संशोधन किया गया है;

(18) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-163 दिनांक 07.4.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(56)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-39 दिनांक 29.6.2017 में संशोधन किया गया है;

(19) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-164 दिनांक 07.4.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-147 दिनांक 31.12.2018 में संशोधन किया गया है;

(20) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-165 दिनांक 07.4.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-IV-159 दिनांक 23.01.2018 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(21) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-166 दिनांक 07.4.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-05 दिनांक 23.04.2019 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(22) अधिसूचना संख्या: एफ.2(10)वित्त/कर/2020-167 दिनांक 07.4.2020 जिसके द्वारा पंजाब नेशनल बैंक द्वारा राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के पक्ष में रुपये 1000 करोड़ के लोन एग्रीमेन्ट पर संदेय स्टाम्प डयूटी से छूट प्रदान की गई है;

(23) अधिसूचना संख्या: एफ.12(25)वित्त/कर/2019-168 दिनांक 15.4.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-VI में संशोधन किया गया है;

(24) अधिसूचना संख्या: एफ.2(11)वित्त/कर/2020-169 दिनांक 22.4.2020 जिसके द्वारा विभिन्न बैंकों द्वारा राजफैड के पक्ष में निष्पादित लोन एग्रीमेंट पर संदेय स्टाम्प डयूटी से छूट प्रदान की गई है;

(25) अधिसूचना संख्या: एफ.2(11)वित्त/कर/2020-170 दिनांक

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

24.4.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.2(11)वित्त/कर/2020-169 दिनांक 22.04.2020 के संबंध में शुद्धिपत्र जारी किया गया है;

(26) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-171 दिनांक 01.5.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2019 के प्रावधानों को प्रभावी करने की तिथि निर्धारित की गई है;

(27) अधिसूचना संख्या: एफ.6(2)वित्त/कर/2019-172 दिनांक 01.5.2020 जिसके द्वारा दिनांक 30.06.2020 तक देरी से संदत्त भूमि कर पर संदेय ब्याज एवं शास्ति से छूट प्रदान की गई है;

(28) अधिसूचना संख्या: एफ.12(25)वित्त/कर/2019-173 दिनांक 07.5.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-VI में संशोधन किया गया है;

(29) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-174 दिनांक 08.5.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 में संशोधन किया गया;

(30) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-175 दिनांक 08.5.2020 जिसके द्वारा एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-150 दिनांक 30.3.2020 में संशोधन किया गया है;

(31) अधिसूचना संख्या: एफ.2(9)वित्त/कर/2020-176 दिनांक 15.5.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.4(3)वित्त/कर/2017-130 दिनांक 31.3.2017 का अधिक्रमण किया गया है;

(32) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-177 दिनांक 18.5.2020 जिसके द्वारा दिनांक 20.03.2020 से 29.06.2020 तक की नियत तारीख से संबंधित अनुपालन को दिनांक 30.06.2020 तक बढ़ाने एवं राजस्थान माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 168-ए के अधीन ई-वेबिल की वैधता को बढ़ाया गया है;

(33) अधिसूचना संख्या: एफ.12(76)वित्त/कर/2017-पार्ट-178 दिनांक 27.5.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12 (76)वित्त/कर/2017-102 दिनांक 20.12.2019 में संशोधन किया गया है;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(34) अधिसूचना संख्या: एफ.12(18)वित्त/कर/2012-179 दिनांक 27.5.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(26)वित्त/कर/2018-54 दिनांक 22.06.2018 में संशोधन किया गया है;

(35) अधिसूचना संख्या: एफ.12(18)वित्त/कर/2012-180 दिनांक 27.5.2020 जिसके द्वारा राजस्थान विनिर्मित मदिरा की कर दर निर्धारित की गई है;

(36) अधिसूचना संख्या: एफ.12(18)वित्त/कर/2012-181 दिनांक 27.5.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची II में संशोधन किया गया है;

(37) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-182 दिनांक 11.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(56)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-40 दिनांक 29.06.2017 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(38) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-183 दिनांक 11.6.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर (पंचम संशोधन) नियम, 2020 के प्रावधानों को प्रभावी करने की तिथि निर्धारित की गई है;

(39) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-184 दिनांक 11.6.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल एवं सेवाकर अधिनियम, 2017 की धारा 54(7) के अधीन आदेश पारित करने की अवधि में विस्तार किया गया है;

(40) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-185 दिनांक 11.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ. 12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-177 दिनांक 18.05.2020 में संशोधन किया गया है;

(41) अधिसूचना संख्या: एफ.12(18)वित्त/कर/2012-186 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(18)वित्त/कर/2012-180 दिनांक 27.05.2020 में संशोधन किया गया है;

(42) अधिसूचना संख्या: एफ.12(25)वित्त/कर/2020-187 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा आरजीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत कर का भुगतान करने की शर्त पर आरटीजीएसएलए अधिनियम, 1999 के तहत माल पर देय प्रविष्टि कर से छूट प्रदान की गई है;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(43) अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-188 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा हाई और लाइट स्पीड डीजल आयल, पेट्रोल और एविएशन टरबाइन ईंधन की बिक्री के कराधान की शर्तों को परिभाषित किया गया है;

(44) अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-189 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-II में संशोधन किया गया है;

(45) अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-190 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-80 दिनांक 10.11.2008 (समय-समय पर यथा संशोधित) का विखण्डन किया गया है;

(46) अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-191 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-80 दिनांक 10.11.2008 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(47) अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-192 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-81 दिनांक 10.11.2008 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(48) अधिसूचना संख्या: एफ.12(33)वित्त/कर/2008-193 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-II में संशोधन किया गया है;

(49) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-IV-194 दिनांक 26.6.2020 जिसके द्वारा पुनरीक्षण प्राधिकारी की नियुक्ति की गई है;

(50) अधिसूचना संख्या: एफ.2(11)वित्त/कर/2020-195 दिनांक 29.6.2020 जिसके द्वारा सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया द्वारा राजफैड के पक्ष में 1000 करोड़ रुपये के निष्पादित लोन एग्रीमेंट पर संदेय स्टाम्प ड्यूटी से छूट प्रदान की गई है;

(51) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-195-A दिनांक

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

01.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 में संशोधन किया गया है;

(52) अधिसूचना संख्या: एफ.2(20)वित्त/कर/2017-196 दिनांक 01.7.2020 जिसके द्वारा अलवर जिले के ग्रुप हाउसिंग की दरों को पुनरीक्षित किया गया है;

(53) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-197 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2020 की धारा 11 को लागू करने की तिथि निर्धारित की गई है;

(54) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-198 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2020 की धारा 2 एवं 12 को लागू करने की तिथि निर्धारित की गई है;

(55) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-199 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 में संशोधन किया गया है;

(56) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-200 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(56)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-39 दिनांक 29.6.2020 में संशोधन किया गया है;

(57) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-201 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-147 दिनांक 31.12.2018 में संशोधन किया गया है;

(58) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-202 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-IV-159 दिनांक 23.01.2018 में संशोधन किया गया है;

(59) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-203 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर (कठिनाइयों का निवारण) आदेश, 2020 जारी किये गये हैं;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(60) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-204 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-177 दिनांक 18.05.2020 में संशोधन किया गया है;

(61) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-205 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-184 दिनांक 11.06.2020 में संशोधन किया गया है;

(62) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-206 दिनांक 06.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम, 2017 में संशोधन किया गया है;

(63) अधिसूचना संख्या: एफ.2(6)वित्त/कर/2014-पार्ट-207 दिनांक 08.7.2020 जिसके द्वारा स्टाम्प ड्यूटी पर संदेय ब्याज और शास्ति में छूट दिये जाने हेतु एमनेस्टी स्कीम लागू की गई है;

(64) अधिसूचना संख्या: एफ.12(97)वित्त/कर/2017-पार्ट-I-208 दिनांक 14.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2006 में संशोधन किया गया है;

(65) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-209 दिनांक 15.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-05 दिनांक 23.04.2019 में संशोधन किया गया है;

(66) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-210 दिनांक 15.7.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-197 दिनांक 06.07.2020 के संबंध में शुद्धिपत्र जारी किया गया है;

(67) अधिसूचना संख्या: एफ.2(1)एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 06.4.2020 जिसके द्वारा RTPP Act, 2012 की धारा 58 के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग व उनके अधीन उपापन संस्थाओं, चिकित्सा शिक्षा विभाग व उनके अधीन उपापन संस्थाओं तथा जिला कलक्टर्स को उपापन संस्था के रूप में कोविड-19 के प्रबंधन हेतु RTPP Act, 2012 के प्रावधानों से छूट प्रदान की गई है;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(68) अधिसूचना संख्या: एफ.2(1)एफडीG&T-एसपीएफसी/2017 दिनांक 06.4.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.1(8)एफडी/जीएफ एण्ड एआर/2011 दिनांक 04.9.2013 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(69) अधिसूचना संख्या: एफ.2(1)एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 20.4.2020 जिसके द्वारा RTPP Act, 2012 की धारा 58 के तहत खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलात विभाग, राजस्थान राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड तथा जिला कलक्टर्स (आपूर्ति) को कोविड-19 के प्रबंधन हेतु RTPP Act, 2012 के प्रावधानों से छूट प्रदान की गई है;

(70) अधिसूचना संख्या: एफ.2(1)एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.2(1) एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 06.4.2020 को विखण्डित किया गया है;

(71) अधिसूचना संख्या: एफ.2(1)एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.2(1) एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 20.4.2020 को विखण्डित किया गया है;

(72) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-211 दिनांक 04.8.2020 जिसके द्वारा राजस्थान माल और सेवा कर नियम 2017 में संशोधन किया गया है;

(73) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-III-212 दिनांक 04.8.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-152 दिनांक 30.3.2020 में संशोधन किया गया है;

(74) अधिसूचना संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/2017-पार्ट-V-213 दिनांक 06.8.2020 जिसके द्वारा आदेश संख्या: एफ.12(46)वित्त/कर/ 2017 -पार्ट-V-146 दिनांक 23.3.2020 में संशोधन किया गया है;

(75) अधिसूचना संख्या: एफ.2(11)वित्त/कर/2020-214 दिनांक 13.8.2020 जिसके द्वारा राजफैड के पक्ष में निष्पादित ऋण इकरारनामों पर स्टाम्प ड्यूटी में छूट प्रदान की गई है;

(76) अधिसूचना संख्या: एफ.2(11)वित्त/कर/2020-215 दिनांक 13.8.2020 जिसके द्वारा राजफैड द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

किसानों से उनकी उपज खरीद हेतु लिए गए ऋण के लिए निष्पादित दस्तावेजों पर स्टाम्प ड्यूटी की छूट प्रदान की गई है; एवं

(77) अधिसूचना संख्या: एफ.2(42)वित्त/कर/2009-216 दिनांक 13.8.2020 जिसके द्वारा विद्युत वितरण निगमों, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा 31.03.2025 तक निष्पादित ऋण इकरारनामों पर स्टाम्प ड्यूटी की छूट प्रदान की गई है।

आबकारी विभाग

(1) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा राजस्थान आबकारी एक्ट, 1950 में राजस्थान निर्मित मदिरा (RML) को जोड़ा गया है;

(2) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: प.4(62)वित्त/आब/96, दिनांक 31.03.1997 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(3) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा राजस्थान आबकारी नियम, 1956 में संशोधन किया गया है;

(4) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा राजस्थान एक्साइज (ग्राण्ट आफ रेस्टोरेन्ट बार लाइसेंसेज) रूल्स, 2004 में संशोधन किया गया है;

(5) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा राजस्थान आबकारी (ग्रांट आफ होटल बार/क्लब बार लाइसेंसेज) नियम, 1973 में संशोधन किया गया है;

(6) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना प.4(1)वित्त/आब/2019-पार्ट-I दिनांक 26.04.2019 को प्रतिहारित किया गया है;

(7) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा राज्य में विगत तीन वर्ष एवं अधिक अवधि से असंचालित Distellry, Bottling Plant एवं Breweries को फीस से छूट प्रदान की गई है;

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

(8) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा राज्य में विगत तीन वर्ष एवं अधिक अवधि से असंचालित Hotel Bars and Restaurant Bars को फीस में छूट प्रदान की गई है;

(9) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 जिसके द्वारा देशी मदिरा एवं राजस्थान निर्मित मदिरा अधिक उठाने पर EPA में छूट प्रदान की गई है;

(10) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 20.04.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/ 2020-पार्ट-I दिनांक 01.04.2020 में संशोधन किया गया है;

(11) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 29.04.2020 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या: प.4(62)वित्त/आब/96 दिनांक 31.03.1997 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन किया गया है;

(12) अधिसूचना संख्या: प.4(1)वित्त/आब/2020-पार्ट-I दिनांक 29.04.2020 जिसके द्वारा राजस्थान आबकारी नियम, 1956 में संशोधन किया गया है;

(13) अधिसूचना संख्या: एफ.3(4)वित्त/आब/2015-पार्ट-लूज दिनांक 07.05.2020 जिसके द्वारा RTDC को वर्ष 2020-21 के तहत राजस्थान आबकारी (ग्रांट आफ होटल बार/क्लब बार लाइसेंसेज) नियम, 1973 के अन्तर्गत देय वार्षिक लाइसेंस फीस एवं स्पेशल वेण्ड फीस को माफ किया गया है; एवं

(14) अधिसूचना संख्या: एफ.3(4)वित्त/आब/2015-पार्ट-लूज दिनांक 02.06.2020 जिसके द्वारा आबकारी योग्य वस्तुओं पर सरचार्ज लगाया गया है।

आयोजना विभाग

(1) अधिसूचना संख्या: 17(8)14/डी.ई.एस./रा.ज.आ.यो./अधिसूचना/2019 दिनांक 05.05.2020 जिसके द्वारा राजस्थान जन आधार प्राधिकरण की स्थापना व गठन किया गया है; एवं

(2) अधिसूचना संख्या: 17(8)14/डी.ई.एस./रा.ज.आ.यो./अधिसूचना/2019

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

दिनांक 05.05.2020 जिसके द्वारा राजस्थान जन आधार प्राधिकरण की कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है।

प्रशासनिक सुधार विभाग

अधिसूचना संख्या: एफ(2084)प्रसु/सुअप्र/2009) दिनांक 22.8.2019 जिसके द्वारा राजस्थान सूचना का अधिकार नियम, 2005 में संशोधन किया गया है।

गृह विभाग

अधिसूचना संख्या: एफ33(5)गृह-9/2005 पार्ट दिनांक 24.12.2019 जिसके द्वारा Rajasthan Private Security Agencies (Private Security to Cash Transportation Activities) Rules, 2019 विरचित किये गये हैं।

श्री अध्यक्ष: श्री प्रताप सिंह खाचरियावास, परिवहन मंत्री।

श्री प्रताप सिंह खाचरियावास (परिवहन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार परिवहन विभाग की निम्नांकित 6 अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं:-

परिवहन विभाग

(1) अधिसूचना संख्या: एफ6(298)परि/कर/मु./2015/30470 दिनांक 10.12.2019 जिसके द्वारा आई.ए.टी.ओ से सम्बद्ध वातानुकूलित यात्री वाहनों को मोटरवाहन कर में छूट प्रदान की गई है;

(2) अधिसूचना संख्या: एफ6(96)परि/कर/मु./उर्स/10/3644 दिनांक 16.2.2020 जिसके द्वारा उर्स मेला, अजमेर में आने वाले अन्य राज्य के यात्री वाहनों को मोटरवाहन कर में छूट प्रदान की गई है;

(3) अधिसूचना संख्या: एफ6(327)परि/कर/मु./2020/9602 दिनांक 24.6.2020 जिसके द्वारा मंजिली वाहन, संविदा वाहन एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के वाहनों को कोविड-19 संक्रमण की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए मोटर वाहन कर में छूट प्रदान की गई है;

(4) अधिसूचना संख्या: एफ6(262)परि/कर/मु./2007/12391 दिनांक 08.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मोटरयान कराधान नियम, 1951 में संशोधन किया गया है;

(श्री प्रताप सिंह खाचरियावास)

(5) अधिसूचना संख्या: एफ7(03)परि/नियम/मु./2005/13033 दिनांक 16.7.2020 जिसके द्वारा राजस्थान मोटरयान नियम, 1990 में संशोधन किया गया है; एवं

(6) अधिसूचना संख्या: एफ6(327)परि/कर/मु./2020/15710 दिनांक 11.8.2020 जिसके द्वारा स्पेयर यात्री वाहन (वाहन जो किसी भी परमिट से कवर नहीं है) को मोटरवाहन कर में छूट प्रदान की गई है।

श्री अध्यक्ष: प्रतिवेदन, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

प्रतिवेदन एवं लेखे

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नांकित प्रतिवेदन सदन की मेज पर रखता हूं:-

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन (सामान्य एवं सामाजिक क्षेत्र) (वर्ष 2018-19)

(I) भारत के नियंत्रक-महा लेखापरीक्षक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्रतिवेदन (सामान्य एवं सामाजिक क्षेत्र)।

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन (राज्य के वित्त पर लेखा परीक्षा) (वर्ष 2018-19)

(II) भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राज्य के वित्त पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन (राजस्व एवं आर्थिक क्षेत्र) (वर्ष 2018-19)

(III) भारत के नियंत्रक-महा लेखापरीक्षक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्रतिवेदन (राजस्व एवं आर्थिक क्षेत्र)।

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों) (वर्ष 2018-19)

(IV) भारत के नियंत्रक-महा लेखापरीक्षक का सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्रतिवेदन।

श्री अध्यक्ष: याचिका का उपस्थापन। श्री अभिनेश महर्षि।

याचिका

जयपुर के विधान सभा नगर, धावास में सड़क निर्माण

श्री अभिनेश महर्षि (रतनगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्यसूची में किये गये उल्लेख के अनुसार विधान सभा नगर, धावास (हीरापुरा पावर हाउस के पीछे) जयपुर में सड़क का निर्माण किये जाने बाबत एक याचिका का उपस्थापन करता हूं।

श्री अध्यक्ष: विधायी कार्य, पुर:स्थापित किये जाने वाले विधेयक। राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

विधायी कार्य: विधेयक का पुर:स्थापन

राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रभारी मंत्री प्रक्रिया के नियम-63 (1) के अंतर्गत राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्यांक-3) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखेंगे।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: पहले कारण वाला, पहले वाले में कारण वाला आप रखें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम-63(1) के अंतर्गत राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्यांक-3) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल। हां, थर्ड वाला। हां, वह करेक्ट कर रहे हैं। (व्यवधान)

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020 ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, थर्ड वाला रखें।

राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री विधेयक को पुर:स्थापित भी करेंगे।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, पुर:स्थापित करेंगे। प्लीज।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की ...(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 चल रहा है, इसको इन्होंने अभी ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप उम्र का भी ख्याल रखें। माननीय सदस्य, कुछ उम्र का भी ख्याल रखें। आप बैठें। माननीय मंत्रीजी। प्रभारी मंत्री विधेयक को पुर:स्थापित करेंगे।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, कारणों का विवरण भी प्रस्तुत करें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, 63(1) के अन्तर्गत राजस्थान माल और सेवा कर (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2020 का अध्यादेश क्रमांक संख्या 3 को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020

श्री अध्यक्ष: राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्रीजी।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: कारणों का विवरण भी प्रस्तुत करें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) के अन्तर्गत राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) अध्यादेश (2020 का अध्यादेश संख्या 4) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

राजस्थान आबकारी (संशोधन) विधेयक, 2020

श्री अध्यक्ष: राजस्थान आबकारी (संशोधन) विधेयक, 2020 प्रस्तुत करेंगे। श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान आबकारी (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान आबकारी (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्रीजी।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान आबकारी (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: कारणों का विवरण भी रखें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) के अन्तर्गत राजस्थान आबकारी (संशोधन) अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्या-6) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020

श्री अध्यक्ष: राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्रीजी।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: कारणों का विवरण भी रखें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) के अन्तर्गत राजस्थान कृषि उपज मण्डी (संशोधन) अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्या-2) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान महामारी विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

राजस्थान महामारी विधेयक, 2020

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान महामारी विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान महामारी विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

अनेक माननीय सदस्य: नो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: दुबारा बोल देता हूं। जो पक्ष में हो, हां कहें। जो विपक्ष में हो न कहें।

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्री विधेयक को पुर:स्थापित करेंगे।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान महामारी विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: कारण भी रखें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) के अन्तर्गत राजस्थान महामारी अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्या-1) एवं राजस्थान महामारी (संशोधन) अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्या-5) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्रीजी।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: कारणों का विवरण भी रखें।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) के अन्तर्गत राजस्थान पुलिस (संशोधन) अध्यादेश, 2020 (2020 का अध्यादेश संख्या-4) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री गुलाब चन्द कटारिया (नेता, प्रतिपक्ष): संख्या-8 है।

श्री अध्यक्ष: संख्या-8, करेक्ट करें।

राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2020

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्रीजी।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान विशेष न्यायालय (निरसन) विधेयक, 2020, श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

राजस्थान विशेष न्यायालय (निरसन) विधेयक, 2020

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विशेष न्यायालय (निरसन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान विशेष न्यायालय (निरसन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्रीजी।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विशेष न्यायालय (निरसन) विधेयक, 2020 को पुर:स्थापित करता हूं।

घोषणा/व्यवस्था

कोविड-19 प्रबन्धन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुए असर पर चर्चा के लिए समय का बंटवारा

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आज कोविड-19 प्रबन्धन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर चर्चा छह घंटे तक होगी। समय का निर्धारण किया गया है-

इंडियन नेशनल कांग्रेस	- 3 घंटे 10 मिनट
भारतीय जनता पार्टी	- 2 घंटे 10 मिनट
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	- 6 मिनट
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया	- 4 मिनट
भारतीय ट्राइबल पार्टी	- 4 मिनट
राष्ट्रीय लोकदल पार्टी	- 2 मिनट
निर्दलीय	- 24 मिनट
कुल	**- 6 घंटे**

सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि यह जो टाइम दिया है उसमें प्रतिपक्ष के नेता और सदन के नेता, दोनों का समय भी इन्क्लूड है। डिबेट 5 बजे समाप्त हो जाएगी, उसके बाद बिल लेने हैं। इसलिए सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि समय के अंदर ही अपनी बात को कहें। जो पार्टी के

(श्री अध्यक्ष)

प्रथम वक्ता हैं, वह 15-20 मिनट में अपनी बात कह सकते हैं। बाकी सभी माननीय सदस्य 10-10 मिनट में अपनी बात समाप्त करेंगे तो मैं समझता हूं कि चर्चा को हम सार्थक रूप से 5 बजे समाप्त कर पाएंगे। प्रतिपक्ष के नेता से मैं अपेक्षा करता हूं कि 30 से 45 मिनट बोलेंगे तो उस हिसाब से अपने समय का निर्धारण करें और ऐसा ही सदन के नेता से निवेदन है कि समय का निर्धारण उसके अन्तर्गत करें। चर्चा प्रारम्भ करेंगे माननीय चिकित्सा मंत्रीजी।

विभिन्न विषयों पर विचार

कोविड-19 प्रबन्धन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुआ असर

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मार्च के महीने में जब विधान सभा का सत्र चल रहा था, आपने व्यवस्था दी थी, तब भी मैंने एक वक्तव्य कोरोना महामारी को लेकर सदन के सामने रखा था। तब लगभग उसके बाद में विधान सभा का सत्र कोरोना के चलते हुए स्थगित भी हुआ और कोरोना महामारी से पूरी दुनिया आज चिन्तित है। हमारा देश भी चिन्तित है, पूरा प्रदेश भी चिन्तित है। हमारे मुख्य मंत्रीजी ने राजस्थान में इस महामारी से मुकाबला करने के लिए 'राजस्थान सतर्क है', के संकल्प के साथ टीम के ऊपर काम करना शुरू किया। पहला केस 02 मार्च को आया था। 02 मार्च को पहला केस आने के बाद मुख्य मंत्रीजी ने, क्योंकि पूरे देश में महामारी का प्रकोप था, सारी राजनीतिक पार्टियों ने मिलकर प्रधान मंत्रीजी के नेतृत्व में पूरे देश में इस महामारी से हमने मुकाबला किया है और अभी भी कर रहे हैं। राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर जिस तरीके से सारे राजनीतिक दलों के नेताओं को बुलाकर उनसे बात की गयी और उनको कान्फिडेंस में लिया गया। धर्मगुरुओं को कान्फिडेंस में लिया गया, हमारे जो सामाजिक संगठन हैं, एन.जी.ओज. हैं उनसे बातचीत की गई। प्रदेश में कोई तबका ऐसा नहीं था, क्योंकि जो चिकित्सक थे, रिटायर्ड चिकित्सक थे, उनसे भी बात की गई, उनकी भी राय जानी गई।

(श्री रघु शर्मा)

राजस्थान में पहले शटडाउन किया, आधे कर्मचारी आएंगे और आधे कर्मचारी घर पर काम करेंगे लेकिन जैसे-जैसे पॉजिटिव केसेज बढ़ने लगे, राजस्थान पहला राज्य था, 21 मार्च को ही हमारे मुख्य मंत्री जी ने पूरे देश में सबसे पहले लॉकडाउन की घोषणा की थी कि 22 मार्च से 31 मार्च तक राजस्थान में लॉकडाउन रहेगा। इसी अवधि में प्रधान मंत्री जी ने भी 22 मार्च को जनता कर्फ्यू की घोषणा की। उसके बाद में थाली भी बजी, ताली भी बजी, दीपक भी जले लोगों की मानसिकता टटोलने के लिए कि इस महामारी से लड़ने के लिए पूरा देश एकजुट है कि नहीं है। ये प्रयोग भी इस देश में किये गये।

पहला लॉकडाउन जो भारत सरकार द्वारा किया गया 25 मार्च से, फिर लॉकडाउन टू हुआ, लॉकडाउन थ्री हुआ, लॉकडाउन फोर हुआ। फिर अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हुई अनलॉक वन, अनलॉक टू और अभी हम अनलॉक थ्री में चल रहे हैं। यह जो लॉकडाउन हुआ तब प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि जान है तो जहान है और फिर जब हम लंबे समय तक देश के लोगों को लॉकडाउन में नहीं रख सकते थे तब फिर जब उन्होंने अनलॉक की प्रक्रिया शुरू की, तब उन्होंने कहा कि जान भी है और जहान भी है। हम दोनों चीजों पर ध्यान रखें क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतर गई थी, जो हमारे रेवेन्यू रिसोर्सेज थे वो एकदम खतम हो गये थे। ऐसी परिस्थिति में लंबे समय तक लॉकडाउन नहीं रह सकता था। उन्होंने अनलॉक किया, कुछ रियायतें दीं अनलॉक वन में, फिर अनलॉक टू में रियायतें दीं, फिर अनलॉक थ्री में रियायतें दीं और अभी हम अनलॉक थ्री में चल रहे हैं।

पहले राजस्थान पूरी कंट्री में कोरोना महामारी के मामले में चौथे स्थान पर था, लेकिन मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमने जो प्रबंधन किये, आज हम पहले 10 राज्यों में भी नहीं हैं बल्कि 13वें नंबर पर हैं। पूरे कंट्री में जो प्रबंधन हमारे हुए, क्योंकि इस दौर में प्रधान मंत्री जी ने राज्यों के मुख्य मंत्रियों के साथ बराबर वीडियो कान्फ्रेंसिंग की और मैं खुद भी मुख्य मंत्री जी के साथ ही बैठा रहता था। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत जी ने राजस्थान के अंदर जो इनीशिएटिव्ज लिए हैं वो शानदार इनीशिएटिव्ज हैं और दूसरे राज्यों को भी इन इनीशिएटिव्ज को फोलो करना चाहिए, यह हमारे लिए बहुत सुकून की बात है। चूंकि कोरोना बाहर से आता है, देश में तो था नहीं, अध्यक्ष

(श्री रघु शर्मा)

महोदय, तो सबसे पहला इंतजाम, क्योंकि विदेशों से हमारी 8 फ्लाइट्स जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आती हैं, बाद में वो 6 रह गईं। उस दौर में जितने यात्री थे, क्योंकि पॉजिटिव केस तो जयपुर में 2 मार्च को आया लेकिन हमने जनवरी, 28 से जितने यात्री जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे उनकी स्क्रीनिंग का काम, 24 घंटे वहां डाक्टर्स की ड्यूटी लगाई गई, नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई और हर व्यक्ति जो बाहर से आया, उसकी स्क्रीनिंग का इंतजाम हमने किया।

जिस तरह से वीडियो कान्फ्रेंसेज हुई हैं, मैं समझता हूं कि 21 घंटे तक राजस्थान के पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों से, सभी सांसदों को आमंत्रित किया गया। दो-चार लोगों को छोड़कर बाकी सब लोग उस वीडियो कांफ्रेंस में उपस्थित रहे। दो दिन चली, 21 घंटे लगातार माननीय सदस्यों से, क्या प्रबंधन में कमी है और हम इसमें क्या इम्प्रूवमेंट कर सकते हैं आपके इलाकों में, मुझे खुशी है यह कहते हुए कि जिस समर्पण के साथ राजस्थान के जन प्रतिनिधियों ने, चाहे पक्ष के हैं चाहे विपक्ष के हैं, अपने-अपने क्षेत्रों में इस महामारी से बचाने के लिए जो काम किया है वो काम काबिले तारीफ है, सब ने एकजुटता से राजस्थान में इस महामारी का मुकाबला किया।

इसके साथ-साथ मुख्य मंत्री जी ने धर्मगुरुओं से भी वीडियो कान्फ्रेंसेज कीं। पहले यहां जो स्थानीय धर्मगुरु थे उनसे की। उसके बाद राजस्थान में जो प्रमुख धार्मिक स्थल हैं जहां पर हमारे अलग-अलग धर्मों के मानने वाले धर्मगुरु बैठे हैं, उन लोगों से वीडियो कान्फ्रेंसेज कीं। उसके बाद हमारे पूर्व सैनिकों से की। मीडिया कर्मियों से तो बराबर हमारी 11 बार वीडियो कांफ्रेंसेज हुई, प्रेस ब्रीफिंग भी हुई। चिकित्सा कर्मियों के साथ की गई, पुलिस के कान्स्टेबल तक से, क्योंकि जिस तरह से इस लड़ाई को हमारे प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा, हमारे डाक्टर्स के द्वारा, हमारे पैरामेडिकल स्टाफ के द्वारा, हमारे नर्सिंग कर्मचारियों के द्वारा, हमारे सफाई कर्मियों के द्वारा और हमारी पुलिस फोर्सेज के द्वारा अपनी जान को जोखिम में डालकर लड़ी गई, उन लोगों से मुख्य मंत्री जी ने वीडियो कांफ्रेंसेज के माध्यम से संवाद किया। पुलिस कर्मियों में कान्स्टेबल तक के आदमी से बात की, सरपंचों से बात की गई, ग्राम सेवक और पटवारियों से बात की गई और सफाई कर्मचारियों से बात की गई, कर्मचारी संगठनों से बात की गई। लगातार वीडियो कांफ्रेंसेज हुई

(श्री रघु शर्मा)

हैं और हर रोज ब्रीफिंग हुई हैं कि इस महामारी के प्रकोप से प्रदेशवासियों को बचाने के लिए हम क्या कदम उठा सकते हैं, उसके बारे में हर रोज हमारी रिव्यू मीटिंग्स होती रहीं और इसीलिए देश में हमारा प्रदेश अग्रणी राज्यों के अन्दर शुमार रहा।

अध्यक्ष महोदय, इस वक्त पूरी दुनिया में 2 करोड़ 28 लाख 61 हजार 688 पॉजिटिव केसेज हैं और पूरे वर्ल्ड में जो मृत्यु हुई है वो करीब आठ लाख लोग इस महामारी से मौत का शिकार हो चुके हैं। हमारी कंट्री में भी 28 लाख 36 हजार 925 पॉजिटिव केसेज आज दिनांक तक हैं और उनमें से 53 हजार 866 लोगों की इस देश में भी मृत्यु हुई है। राज्य में अब तक 67 हजार 314 पॉजिटिव केसेज के रूप में चिन्हित किये गये हैं, उसमें से 926 लोगों की मृत्यु हमारे अपने राज्य में भी सारी सावधानियों के बावजूद रही है लेकिन हमने जिस ढंग से उपाय किये हैं, हमारी रिकवरी रेट जिस तरह से शानदार रही है, आज एक्टिव केसेज मात्र 14 हजार 961 रह गये हैं।

इस दौरान माइग्रेट लेबर भी आई, हमारे प्रवासी राजस्थानी भी आये, यहां से गये भी। करीब 14 लाख 16 हजार 100 प्रवासी राजस्थानी और माइग्रेट लेबर अन्य राज्यों से राजस्थान में आये और प्रदेश से जो माइग्रेट लेबर गयी वो 6 लाख 21 हजार 500, उनके साथ दूसरे व्यक्ति भी गये। यह संख्या आने और जाने वालों की पूरे राजस्थान में रही है।

जो लॉकडाउन वन था, अध्यक्ष महोदय, उसमें टोटल पॉजिटिव केसेज हमारे 38 थे, वो पीरियड 25 मार्च से 14 अप्रैल तक का था। उसके बाद में लॉकडाउन टू में हमारे 1076 पॉजिटिव केसेज रहे। लॉकडाउन थ्री में 3061 पॉजिटिव केसेज रहे। लॉकडाउन फोर में 5507 पॉजिटिव केसेज रहे। फिर जब अनलॉक हुआ, छूट दी गई, लोगों की आवाजाही बढ़ी तो अनलॉक वन में 9100 पॉजिटिव केसेज बढ़े, अनलॉक टू में 18 हजार 312 पॉजिटिव केसेज हुए और अनलॉक थ्री में अब जब हम चल रहे हैं तो 67 हजार 314 पॉजिटिव केसेज हैं। मृत्यु भी पहले लॉकडाउन वन में 10 हुई, फिर लॉकडाउन टू में 71 हुई, फिर लॉकडाउन थ्री में 131 हुई, फिर लॉकडाउन फोर में 194 हुई। फिर अनलॉक वन में 413, अनलॉक टू में 680 और अनलॉक थ्री में 926 हुई हैं, अध्यक्ष महोदय।

हमारा सिर्फ यह कहना है कि राजस्थान में अब तक हमने 20 लाख टैस्ट किये हैं जो दूसरे राज्यों की तुलना में सर्वाधिक टैस्ट हैं। राजस्थान ने

(श्री रघु शर्मा)

टैस्टिंग पर सबसे ज्यादा फोकस किया है क्योंकि, अध्यक्ष महोदय, 100 केसेज में से आठ परसेंट केसेज तो वो हैं जो सिम्पटोमैटिक केसेज हैं। हमने शुरुआत के दौर में जब इस महामारी का मुकाबला किया तो हमने आई.एल.आई. केसेज को चिह्नित किया, जिनमें लक्षण दिखते हैं लेकिन अब हमारे पास समस्या दूसरी आ गई है। अभी हमारे 92 परसेंट जो पॉजिटिव केसेज हैं वे एसिम्पटोमेटिक हैं। उसका कोई तरीका नहीं है। हम राजस्थान में टैस्टिंग फेसिलिटी बढ़ाएं और राजस्थान में ज्यादा से ज्यादा टैस्ट करें। उसी के माध्यम से हम पॉजिटिव केसेज को चिह्नित कर सकते हैं। जब हम पॉजिटिव केसेज को चिह्नित करेंगे तो उनको आइसोलेट करेंगे। उनको अस्पताल में भर्ती करेंगे। अगर कोई सीरियस है तो उसको आक्सीजन वाले बैड पर लेंगे। इससे वह फरदर संक्रमण फैलाएगा नहीं, इसलिए ही सबसे ज्यादा टैस्टिंग पर फोकस किया गया।

अध्यक्ष महोदय, 2 मार्च को राजस्थान में जब पहला पॉजिटिव केस आया तो हमारे पास टैस्टिंग फेसिलिटी कहां थी? हमने स्वाब लिया और उसको पूना की वायरोलॉजी टैस्टिंग लैब में भेजा। उसमें 2 दिन लगे। इटालियन ट्यूरिस्ट आए थे, उनकी जांच रिपोर्ट आई। उनकी पत्नी उनके साथ थी। उनका भी फिर वहीं पर टैस्ट करने के लिए भेजा। उसके 2 दिन बाद फिर टैस्ट की रिपोर्ट आई। तभी से संकल्प लिया था मुख्य मंत्री जी ने कि राजस्थान में सबसे ज्यादा फोकस, हमारी टैस्टिंग फेसिलिटी को हम डवलप करेंगे। अब हम राजस्थान के अंदर 20 लाख कोरोना केसेज के टैस्ट कर चुके हैं। यह इन 4-5 महीनों की हमारी उपलब्धि है।

अध्यक्ष महोदय, आईसीएमआर ने रैपिड टैस्टिंग किट के लिए भी 14 कंपनियों को अप्रूव किया था। हम जो 20 लाख टैस्ट कर रहे हैं राजस्थान में, वह सारे टैस्ट कर रहे हैं आरटीपीसीआर टैस्ट, जिसको कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा कन्फरमेटरी टैस्ट कहा जाता है। रैपिड टैस्टिंग किट आई, हमारे पास भी आई। जो भर्ती मरीज थे, उन मरीजों में जिनको आरटीपीसीआर टैस्ट में पॉजिटिव बताया गया, हमने कहा कि पहले इनको एक्सपैरीमेंट करना चाहिए कि इनकी एक्यूरेसी कितनी है? 168 मरीजों को, हमने जो भर्ती थे, आलरेडी आरटीपीसीआर टैस्ट से जिनको पॉजिटिव घोषित किया गया था, उन

(श्री रघु शर्मा)

पर रैपिड टैस्टिंग किट को इस्तेमाल किया। उसके परिणाम हमारे अनुकूल नहीं आए। वे रैपिड टैस्ट किट फेल हुए।

पहले-पहले तो यह कहा गया कि राजस्थान के लोग राजनीति कर रहे हैं, लेकिन जब हमने आईसीएमआर को कहा कि आप अपने स्तर पर इनकी जांच कराइए। मुझे खुशी है सदन को बताते हुए कि राजस्थान ने इसमें पहल की और इससे पूरे देश का न केवल पैसा बचा, बल्कि इस महामारी में पता नहीं कितने लोग गलत जांच की वजह से पॉजिटिव के शिकार हो जाते। उसको आईसीएमआर ने बंद किया। वह चाइनीज कंपनी थी, जिसके पहले रैपिड टैस्ट किट आये थे।

अध्यक्ष महोदय, उसके बाद आईसीएमआर ने एंटीजन रैपिड टैस्ट किट लिए। उन्होंने एक कोरियन कंपनी के अप्रूव किए। हम बराबर भारत सरकार से कह रहे हैं कि ये किट हमको दीजिए। हमने पहले भी रैपिड टैस्टिंग किट को देखा है। हमको यह किट दीजिए। कंपनी ने हमको वह रैपिड एंटीजन टैस्ट किट दी नहीं। लेकिन हमारी चिंता तो थी ही। यह जो पूरे देश के आंकड़े आ रहे हैं कि कितने पॉजिटव केस हैं और कितनी रिकवरी रेट है और कितना क्या है, यह हमारी टैस्टिंग के बेसिस पर आ रहा है। अब पूरे कंट्री में यह एंटीजन टैस्ट भी हो रहे हैं।

मैं आपको दिल्ली का ही आंकड़ा बताता हूं। वहां पर 18 हजार टैस्ट पर-डे हो रहे हैं। उन 18 हजार में से सिर्फ 6 हजार आरटीपीसीआर टैस्ट हो रहे हैं, 12 हजार वह एंटीजन टैस्ट कर रहे हैं। जब हमें उन्होंने नहीं दिया तो एक प्राइवेट हास्पिटल से 200 किट लिए। उनका फिर भर्ती मरीजों पर हमने प्रयोग किया। सदन को सूचित करते हुए मुझे अफसोस है कि 51.4 परसेंट एक्यूरेसी पर वह फेल हुए। वह अभी देश में चल रहे हैं। हमारे पीएचएस ने आईसीएमआर को चिट्ठी लिखी कि इनकी भी एक्यूरेसी पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। यह भारत सरकार का पैसा बरबाद नहीं हो, देश की जनता को मूर्ख नहीं बनाया जाए। यह जो रैपिड एंटीजन टैस्ट है, इनकी उपयोगिता पर भी सवालिया निशान है, लेकिन यह बदस्तूर पूरे देश में जारी है, लेकिन सौभाग्य से राजस्थान में हम सिर्फ आरटीपीसीआर टैस्ट कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में जो हमारा पैरामीटर्स है, वह सभी राज्यों से बेहतर है। देश के जो पहले 10 राज्य हैं, बड़े राज्य हैं, उनसे हर रोज तुलना करते हैं। भारत सरकार का जो राष्ट्रीय औसत है, उससे तुलना करते

(श्री रघु शर्मा)

हैं। आज राजस्थान में कोरोना मरीजों की रिकवरी 76 परसेंट से ज्यादा है। बीच में यह और भी ज्यादा, 80 से ज्यादा चला गया था, लेकिन जब अनलॉक के बाद में पॉजिटिव केसेज की संख्या बढ़ती है तो रिकवरी के परसेंटेज पर भी फर्क आता है, लेकिन देश में रिकवरी का परसेंटेज 73 है और राजस्थान का 76 से ज्यादा है। इसके अलावा जो हमारा पॉजिटिविटी का रेट है, वह आज 3.24 है और देश का औसत पॉजिटिविटी में 8.99 है, लगभग 9 परसेंट है। देश के 10 राज्यों की अगर तुलना करें तो सबके पॉजिटिविटी परसेंट हमसे कई गुणा ज्यादा है। पैरामीटर्स में उनके जो आंकड़े आ रहे हैं, देश के जो आंकड़े आ रहे हैं, मैंने पहले ही कहा कि यह एंटीजन बेस टैस्ट के और आरटीपीसीआर टैस्ट के कम्बाइंड आंकड़े हैं। हमारे आंकड़े तो सिर्फ आरटीपीसीआर टैस्ट जो कन्फरमेटरी टैस्ट है, उसके आंकड़े हैं। अगर उनकी तुलना एंटीजन को कटाकर की जाए तो हमारे यह आंकड़े कहीं और आगे निकलेंगे।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा राजस्थान में मृत्यु दर, मुख्य मंत्री जी का 2 चीजों पर फोकस था कि जब अनलॉक हो गया, सामान्य गतिविधि हो गई, हम पॉजिटिविटी को रोक नहीं पाएंगे। लोगों की आवाजाही होगी। शादी-ब्याह भी होंगे। सामाजिक समारोह भी होंगे। हम आफिसेज में भी काम करेंगे। बैंक्स में भी जाएंगे। इससे पॉजिटिव केसेज की संख्या बढ़ेगी, लेकिन पॉजिटिव केसेज की संख्या बढ़ना चिंता की बात नहीं है। सबसे बड़ी चिंता की बात है कि जो प्रदेश रिकवरी रेट अच्छी करता है और जो प्रदेश मृत्यु दर में कमी लाता है, वह नियंत्रित स्थिति कहलाती है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने सबसे ज्यादा जोर दिया कि हमारी रिकवरी रेट शानदार रहनी चाहिए। जो मैंने आपको बता दी। मृत्यु दर निरंतर कम होती जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, जैसे ही मुख्य मंत्री जी ने कहा कि कोरोना महामारी के इस दौर में एक व्यक्ति भूखा नहीं सोये। आज हमारा राजस्थान में संकल्प है कि कोविड से एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं हो। उस संकल्प को सामने रखकर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। हम काम कर रहे हैं। हम मृत्यु दर 1.38 परसेंट लेकर के आए हैं, जो कि निरंतर, हर रोज कम होता जा रहा है। राष्ट्रीय औसत जो मृत्यु दर का है, वह 1.92 परसेंट है। अन्य राज्यों का तो बहुत खतरनाक आंकड़ा है।

(श्री रघु शर्मा)

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हम अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर क्यों हैं? सामान्य बीमारी की स्थिति होती थी तो हमसे इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से, प्राइवेट सैक्टर की दृष्टि से, सुविधाओं के मामले में गुजरात, हम कहते थे कि अहमदाबाद ले जाओ, बंबई ले जाओ, पूना ले जाओ। वहां प्राइवेट सैक्टर में, चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत बढ़िया इन्फ्रास्ट्रक्चर था। लेकिन वे फेल क्यों हुए? मेरा यह मानना है कि प्राइवेट सेक्टर के अस्पताल राजस्थान में भी आए हैं, लेकिन राजस्थान में जोर दिया गया सरकारी सुविधाओं में इजाफा करने में भी। यह जो हमारे पैरामीटर्स नियंत्रित रहे, वहां हाथ खड़े कर दिए। बैड्स की संख्या नहीं है। यहां मैं बैड की संख्या बताऊंगा कि कितनी है। कितना इन्फ्रास्ट्रक्चर हमने बढ़ाया है? यहां कोविड महामारी को राज्य में नियंत्रित करने के लिए, सबसे बड़ा जो जोर दिया गया, हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, हमारे रिकवरी रेट को बढ़ाने के लिए, मृत्यु दर को घटाने के लिए। इन पर ही हमारी सरकार लगातार पिछले 5 महीने से काम कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, यह जो लॉकडाउन है, उसको यहां पर अवसर में बदला है। लॉकडाउन में सर्वाधिक काम हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए किया गया है। हमारे राजस्थान में डैडीकेटेड कोविड केयर सेंटर्स 286 हैं। हमारे पास 57 डैडीकेटेड कोविड हैल्थ सेंटर्स हैं, 57 डैडीकेटेड कोविड हास्पिटल हैं, 40 निजी चिकित्सालयों को हमने उपचार के लिए अधिकृत किया है। बैड की सुविधा, 42306 आइसोलेशन बैड आज हमारे पास हैं और 8090 आक्सीजन सपोर्टेड बैड हैं। कल भी एक रिव्यू मीटिंग हुई थी। हमारा फोकस क्या है? लोगों की मृत्यु क्यों हो रही है? इस बात पर मुख्य मंत्री जी जब रिव्यू करते हैं तो उसका कारण भी हम हर रोज पता करते हैं। यह जो आक्सीजन का सैचुरेशन है, यह रात के समय कम होता है। सबसे ज्यादा जरूरत, जो पॉजिटिव केसेज आते हैं, गंभीर मरीज हैं, उनको आक्सीजन सपोर्ट की रहती है। हमने यह जो आक्सीजन सपोर्टेड बैड हैं, यह राज्य में 8090 क्रिएट किए हैं। 1672 आईसीयू बैड हमने क्रिएट किए हैं। अभी कल डाइरेक्शन जारी किया गया, जो पुराने 6 मेडिकल कालेज हैं, उनमें 300 बैड High Flow Oxygen के कम्पलसरी होने चाहिए। 150 बैड आरएमएससीएल के कालेजों में High Flow Oxygen के कम्पलसरी होने चाहिए और हमारा विभाग इस पर

(श्री रघु शर्मा)

काम कर रहा है और साथ में जितने जिला चिकित्सालय हैं वहां पर 20 बैड High Flow Oxygen के, आक्सीजन जनरेटर प्लांट लगे, High Flow Oxygen के बैड वहां पर रहें, यह हमारी कोशिश है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, प्लाज्मा थैरेपी जो बहुत कारगर थैरेपी सिद्ध हुई है। राजस्थान में बहुत सारे लोग पॉजीटिव से नेगेटिव हुए उनमें जो एंटीबाडी डवलप होता है, वह एंटीबाडी किसी गंभीर मरीज की जिंदगी बचाने के काम आ सकता है। कोई भी व्यक्ति जो पोजीटिव से नेगेटिव हुआ है, 14 दिन के बाद अपना टैस्ट कराए और अपना प्लाज्मा डोनेट करे। उसके ब्लड ग्रुप से मैच करते हुए व्यक्ति को जो भर्ती है, गंभीर रूप से बीमार है, उसको अगर प्लाज्मा थैरेपी देंगे, अब तक के जो परिणाम हमारे आए हैं, हण्ड्रेड परसेंट, हण्ड्रेड परसेंट हमने क्योर किया है, गंभीर से गंभीर रोगी को। हमारे पास 294 यूनिट प्लाज्मा की प्राप्त हुई हैं अब तक, क्योंकि यह सुविधा हमने पांच जगह तो शुरू कर दी है, जयपुर में शुरू की है, बीकानेर में शुरू की है, जोधपुर में शुरू की है, कोटा में शुरू की है, उदयपुर में शुरू की है। एक वीक के अंदर-अंदर हम अजमेर में भी शुरू कर देंगे। सभी जगह प्लाज्मा बैंक भी होगा और प्लाज्मा थैरेपी की सुविधा भी हम दे रहे हैं। 294 यूनिट प्लाज्मा मिला है हमको अभी तक, हमने 211 मरीजों को प्लाज्मा दिया है अभी राजस्थान में, 211 के 211 ही रिकवर करके गए हैं अभी। गंभीर अवस्था में थे वे सारे लोग।

High-flow nasal cannula, 2 लाख रुपये जिसकी कीमत है, यह भी हम उपलब्ध करवा रहे हैं सब जगह, जहां पर गंभीर स्थिति में मरीज भर्ती हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, अमीर आदमी तो कितनी भी महंगी दवा का इस्तेमाल करके अपनी जिंदगी बचा सकता है, लेकिन राजस्थान वह राज्य है जहां के मुख्य मंत्री की सोच है कि गरीब व्यक्ति भी, चाहे 40 हजार रुपये का इंजेक्शन हो, एक गरीब व्यक्ति की जिंदगी भी बचाने के लिए हम कृत संकल्प हैं। 40 हजार रुपये का इंजेक्शन राजस्थान में आना चाहिए और हमने आरएमएससीएल को डाइरेक्शन जारी किए हैं, 2 इंजेक्शन, Remdesivir और Tocilizumab, ये इंजेक्शन जो अब तक हमने राजस्थान में काम में लिए हैं, उनका भी परिणाम शत प्रतिशत अच्छा आया है। राजस्थान में इन इंजेक्शंस का भी प्रयोग जो हमने अब तक किया है उसका भी परिणाम शत प्रतिशत अच्छा आया है। क्योर हुए हैं लोग हमारे पास। कुल मिलाकर अभी 1743

(श्री रघु शर्मा)

Remdesivir हमने प्रोक्योर किए हैं, कंज्यूम किए हैं 1335, अवेलेबल हमारे पास 408 है, और जरूरत पड़ेगी तो और प्रोक्योरमेंट करेंगे। इसके अलावा Tocilizumab हमने प्रोक्योर 192 किए, 122 इस्तेमाल किए, 70 हमारे पास हैं।

जिला अस्पताल तक गरीब आदमी की जिंदगी बचाने के लिए मुख्य मंत्रीजी ने कहा कि धन की कोई कमी नहीं आएगी, 40 हजार रुपये के इंजेक्शन से भी यदि गरीब की जिंदगी बचती है तो हम बचाएंगे। यह हमारा संकल्प है और हम बचा रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, ट्रीटमेंट का प्रोटोकाल और उसकी निगरानी की हमारी व्यवस्था शानदार है ताकि उपचार में लोगों को, रोगियों को मूलभूत सुविधाएं हम दे सकें। निजी अस्पतालों के लिए भी हमने दरें तय की हैं। जनरल वार्ड में जो मरीज भर्ती होगा, उससे आप 2000 रुपये मैक्सिमम ले सकते हैं और जो आईसीयू में भर्ती होगा उससे आप 4000 रुपये ले सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, लम्बे समय तक लॉकडाउन चलना, किसी परिवार में कोरोना हो जाना, इससे लोगबाग मानसिक अवसाद की स्थिति में आ जाते हैं। सबसे ज्यादा स्थिति तब खराब बनती है जब आप लम्बे समय तक घर में कैद रहेंगे। कोरोना यदि घर में आ गया, तो उस व्यक्ति की मानसिकता, उसके परिवार की मानसिकता, वे अवसाद की स्थिति में आ जाते हैं। हमने यह भी इंतजाम किया है राजस्थान के अंदर, हमने मेंटल हैल्थ की काउंसलिंग के सेंटर्स पूरे जिले में स्थापित किए हैं ताकि कोई भी आओ, अपनी कांउसलिंग कराओ और जो भी उसके मन में भ्रांतियां हैं, जो उसको अवसाद की स्थिति में ले जाती है, उनको दूर करने की भी व्यवस्था पूरे राजस्थान में टीम बनाकर की गई है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने कहा कि 2 मार्च को टैस्टिंग फैसिलिटी तो जीरो थी, हमने सबसे पहले एसएमएस हास्पिटल में जांच की सुविधा 8 मार्च को शुरू की। 8 मार्च से लेकर अब तक का जो सफर रहा है कोरोना का, राजस्थान में 25 सरकारी जगह पर जांच की सुविधा हमने शुरू की है, 10 निजी प्रयोगशालाओं को अनुमत किया गया है। कुल मिलाकर 35 जगह पर आज पूरे प्रदेश में जांच की सुविधा है। जांच की क्षमता की जहां तक बात है, जहां 'जीरो' थी मार्च में, आज हम खड़े हैं 21 अगस्त को,

(श्री रघु शर्मा)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी है यह कहते हुए कि राजस्थान में हमारी जांच की क्षमता 46 हजार पर-डे की हो गई है, जो पूरे कंट्री में सर्वाधिक है। अभी 22 जिलों में जयपुर में, जोधपुर में, झालावाड़ में, उदयपुर में, बीकानेर में, अजमेर में, कोटा में, भीलवाड़ा में, डूंगरपुर, चूरू, भरतपुर, सीकर, बाड़मेर, पाली, झुंझनूं, सिरोही, जालौर, बांसवाड़ा, नागौर, चित्तौड़गढ़, गंगानगर, अलवर, हम सब नि:शुल्क जांच की सुविधा इन सब स्थानों पर उपलब्ध करवा रहे हैं, ये 22 जगह हैं। हमने जो 11 जिले बचे हैं उनमें भी हमारा काम तेजी से चल रहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर बन रहा है, उनमें भी आने वाले समय में क्योंकि लक्ष्य जो सीएम साहब ने हमको दिया है कि राजस्थान में एक भी जिला ऐसा नहीं होना चाहिए जहां जांच की सुविधा न हो। हमारा विभाग उस पर काम कर रहा है। 11 जिले जो बचे हुए हैं इनमें भी आने वाले महीने-पन्द्रह दिन के अंदर हम जांच की सुविधा विकसित कर देंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा आयुर्वेद डिपार्टमेंट है हमारा, राजस्थान में जब से कोरोना महामारी का प्रकोप आया है, अब तक हमने 20 लाख 48 हजार लोगों को काढ़ा वितरित किया है ताकि उनका इम्यून सिस्टम मजबूत हो। एक दवा का दावा हुआ था, वो के वो कंटेंट हैं इसमें, वो के वो कंटेंट हैं। नि:शुल्क वितरित कर रहे हैं, साढ़े तीस लाख लोगों को काढा वितरित किया गया पूरे राजस्थान के अंदर। होम्योपैथी की ARSENICUM ALBUM 30, इसकी हमने 10 लाख 8 हजार लोगों को डोज दी है। यह भी प्रिवेंशन में मददगार सिद्ध होती है। यूनानी चिकित्सा पद्धति का जोशांदा, वह हमने 2 लाख 18 हजार लोगों को दिया है राजस्थान के अंदर।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जांच की मशीनें। राजकीय संस्थानों पर 78 RT-PCR machine, 37 RNA extraction machine और निजी संस्थानों पर 12 RT-PCR machine और 6 RNA extraction machine उपलब्ध कराई हैं।

एक और है सर, अमेरिका से हमने 2 Cobos 8800 machines आर्डर की हैं। ये जो हमारी जांच क्षमता 46 हजार है, ये 60 हजार के ऊपर पहुंचेगी माननीय अध्यक्ष महोदय। एक मशीन की कैपेसिटी 4500 पर डे टैस्ट करने की है। अभी शुरुआती दौर के लिए हमने जोधपुर के लिए और जयपुर के लिए 2 मशीनें प्रोक्योर करने के आर्डर दिए हैं। 15 दिन के अंदर-अंदर ये जोधपुर में काम करना शुरू कर देंगी Cobos 8800 machines. जयपुर में क्योंकि आर्डर देने के बाद भी पहले वे मशीनें आईं, प्रधान मंत्रीजी ने कहा कि

(श्री रघु शर्मा)

पटना में हालात खराब हैं तो वह मशीन वहां पर डाइवर्ट की गई। हमें कोई दिक्कत नहीं है। ये जो जांच क्षमता हमने विकसित की है माननीय अध्यक्ष महोदय, इसीलिए ही राजस्थान के मुख्य मंत्रीजी ने सार्वजनिक घोषणा की कि जिन राज्यों में टैस्टिंग फैसिलिटी अच्छी नहीं है, ये महामारी का दौर है, हमारा एक दूसरे के प्रति फर्ज बनता है कि हम उनकी जिंदगी बचाएं। यह फैसला किया गया कि पड़ोसी राज्यों के, कोई राज्य हो, जहां पर टैस्टिंग फैसिलिटी अच्छी नहीं है, 5 हजार टैस्ट राजस्थान करने के लिए तैयार है, इसलिए हमने यह किया था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी सरकारी क्षेत्र में तो हम नि:शुल्क जांच कर ही रहे हैं पर जो प्राइवेट लैबोरेटरीज हैं, जिन 10 को हमने अधिकृत किया है, उनके शुल्क का निर्धारण भी हमने किया है 2200 रुपये पर टैस्ट।

इसके अलावा हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में जितने हमारे एसडीएच हैं, सब-डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल्स और जिला अस्पताल, उनमें हमने सैन्ट्रलाइज्ड आक्सीजन पाइपलाइन और आक्सीजन जनरेटर प्लांट की स्थापना की है। इसके अलावा सभी जिला अस्पतालों में 20 आईसीयू के बैड्स और 20 वैंटीलेटर्स के प्रोविजन हमने किये हैं। क्वारंटाइन और आइसोलेशन सेन्टर, जैसा मैंने पहले ही आपसे कहा, राजस्थान में 14 लाख से ज्यादा लोग आये। प्रवासी श्रमिक आये और हमारे प्रवासी राजस्थानी आये। हमारे सामने पहले तो हमारे शहरी क्षेत्रों में पॉजिटिव केसेज थे। हमारे पूरे गांव बचे हुए थे, लेकिन जब ये आने लगे तो हम इन्हें मना भी नहीं कर सकते थे।

सबसे बड़ी व्यवस्था, जिसकी आज भी जरूरत है, वह व्यवस्था की गयी थी पंचायत लेवल पर जो कमेटियां हमारी बनायी गयीं, एसीएस लेवल के अधिकारी को राजस्थान के क्वारंटाइन का प्रबंधन दिया गया। हमारे जो दो वरिष्ठ अधिकारी हैं। उन्हें उन पांच-सात जिलों में लगाया गया जहां पर सर्वाधिक पॉजिटिव केसेज थे या सर्वाधिक माइग्रेंट्स या हमारे प्रवासी राजस्थानी आये थे, उन्हें मोनिटर करने के लिए गांवों में जिस ढंग की कमेटी बनी, हैडमास्टर, हमारे पटवारी, ग्राम सेवक, चिकित्सा विभाग की टीमें, हमारे स्वयं सेवी संगठन के प्रतिनिधि और पुलिस डिपार्टमेंट के लोग। जिस ढंग से उन्होंने होम क्वारंटाइन और इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाइन का प्रबंधन किया, उसी की वजह से राजस्थान में ज्यादा प्रकोप फैलने से बचा है। उन कमेटियों ने

(श्री रघु शर्मा)

राजस्थान में शानदार काम किया। आज भी वे कमेटियां हैं। आज भी उनकी उपयोगिता है।

तीन चीजें हमारे इसमें सबसे ज्यादा, एक एक्टिव सर्विलांस का काम, पैसिव सर्विलांस का काम और कान्टैक्ट ट्रेसिंग का काम। अगर कोई एक पॉजिटिव केस आ गया तो उसके कान्टैक्ट में कौन-कौन लोग आये, उनकी हम कान्टैक्ट ट्रेसिंग करते थे, उन सबके सैम्पल लेते थे। आपका भीलवाड़ा माडल जिसकी पूरी दुनिया में तारीफ हुई, भीलवाड़ा में जिस ढंग से 26 लोग पॉजिटिव हुए, उन्हें जिस तरह से कंटेन किया गया, 1 किलोमीटर, 3 किलोमीटर, 5 किलोमीटर के दायरे में जिस ढंग से कर्फ्यू लगाया गया और जिस ढंग से हमारे स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने काम किया, शहर में अलग टीम घूम रही है, देहात में अलग टीम घूम रही है। हमने करीब 28 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की वहां पर, 18 हजार केसेज को आइडेंटीफाई किया वहां पर। उन्हें क्वारंटाइन किया गया, होम आइसोलेशन में रखा गया और जो गम्भीर थे, उनकी जांच के लिए जयपुर रैफर किया गया, बार्डर सील किये गये। इसीलिए भीलवाड़ा माडल की तारीफ पूरी दुनिया ने की।

रामगंज में जब हुआ, रामगंज में ओमान से एक यात्री आया था पॉजिटिव केस के रूप में। अब आप रामगंज की बसावट देख सकते हैं, वह वाल सिटी है। एक घर में कई-कई फैमिलीज और उन फैमिलीज में कई-कई मैम्बर्स। आप कैसे सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन करेंगे? यह चुनौती थी, लेकिन रामगंज में जिस ढंग से हमने पूरे इलाके की 2011 के सैंसस के आधार पर मैपिंग की, 30 सैक्टर्स में उसे बांटा और उन सैक्टर्स में से हर रोज रैंडमली 30-30 सैम्पल्स को 6 भागों में बांटा और हर भाग से 30-30 सैम्पल्स पर-डे हमने लिये। लोगों को धर्म गुरुओं के माध्यम से, माइकिंग के माध्यम से, क्योंकि जब जगह नहीं है तो नायला में हमने यह सरकारी क्वारंटाइन फैसिलिटी की, उन लोगों को रिक्वेस्ट करके निकाला वहां से। उन्हें वहां शिफ्ट किया गया। जिस ढंग से रैंडम सैम्पलिंग की गयी, 960 सैम्पल्स पर-डे लेकर उनकी टैस्टिंग की गयी। फिर भारत सरकार ने जिन चार शहरों का जिक्र किया, मुझे सदन को बताते हुए खुशी है कि भीलवाड़ा माडल के बाद एक सक्सेसफुल माडल हमारा रामगंज माडल भी था जो कि चुनौती से कम नहीं था। आज भी हम भीलवाड़ा माडल को, रामगंज माडल को आधार बनाकर आगे काम कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: मान्यवर, एक घंटा हो गया।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): सर आप मुझे बोलने दें, क्योंकि इस काम में इतनी मेहनत हुई है मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में।

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी, आपके सारे प्रयासों की हम प्रशंसा कर रहे हैं। आज की इस चर्चा में मेन मुद्दा मेरे हिसाब से यह है कि जो माननीय सदस्य नीचे ग्राउंड लेवल से फीडबैक लेकर आये हैं, उन्हें आप सुनें। आपकी जितनी प्रशंसा है, उसमें और एडिशन होगा, इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप पांच-सात मिनट में वाइण्ड-अप करें। भारतीय जनता पार्टी ने जिन 30 माननीय सदस्यों के नाम दिये हैं, उनसे भी निवेदन है, be brief. To the point बात करेंगे तो सरकार को मदद मिलेगी। कोरोना क्यों है, सारी हिस्ट्री सबको मालूम है। अब प्रैक्टिकल यह है कि जो समस्या है, उसका समाधान करने के लिए आपके मन में जो सुझाव हैं, वे सरकार के नोटिस में लाएं, जिससे सरकार उनका प्रबंधन अच्छे और बेहतरीन ढंग से कर सके।

माननीय मंत्री जी, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं आपने विस्तृत रूप से अपनी बात कही। जो प्रयास सरकार ने किये, उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। आखिर में आप अपनी बात सम-अप करें। मैं समझता हूं कि आप माननीय सदस्यों को उनके सुझाव देने के लिए मोटिवेट करेंगे, जिससे हम सार्थक रूप से राजस्थान की जनता को यह आश्वस्त कर सकें कि सारे विधायक और सरकार मिलकर इस महामारी का मुकाबला बहुत अच्छे ढंग से करेगी और जनता के सहयोग से हम इस कठिन समय को पार करेंगे। माननीय मंत्री जी।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, बोलना तो मुझे अभी और था, लेकिन अब आपकी व्यवस्था के आगे लाचार हूं।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, मैं फिर कह रहा हूं। टाइम फिक्स है। तीन घंटे फिक्स कर रखे हैं। एक घंटा आप भी बोल लेंगे, माननीय मुख्य मंत्री जी भी बोलेंगे तो जो 120 माननीय सदस्य हैं, उन्हें दो-दो मिनट का समय मिलेगा। उनका भी ध्यान रखें, जिससे वे भी बोल सकें। आपने बहुत विस्तृत चर्चा की है और आप लगभग 45 मिनट बोल चुके हैं।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): 120 नहीं, 123 सदस्य।

श्री अध्यक्ष: नहीं, 125 कर रहे हैं अब। कम क्यों कर रहे हैं आप? माननीय मंत्री जी।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): क्वारंटाइन फैसिलिटी, जिसके ऊपर हमने सबसे ज्यादा जोर दिया है और आज भी जिसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, क्योंकि आगे जिस तरह से पॉजिटिव केसेज बढ़ रहे हैं, हमारे पास राज्य में 1,14,288 इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाइन बैड्स हैं और अस्पतालों में 43,283 आइसोलेशन बैड्स हैं। अध्यक्ष महोदय, जो लोग अच्छा काम कर रहे हैं, उनके लिए 25 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी रखी गयी है। अभी कल ही मुख्य मंत्री जी ने फैसला लिया है कि जो लोग हार्ड ड्यूटी दे रहे हैं नर्सिंग स्टाफ और बाकी सहयोगी लोग जो कि रात के समय में ड्यूटी देते हैं, रात में आक्सीजन के सैचुरेशन का ध्यान रखते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए हमारी सरकार पैकेज के रूप में आर्थिक सहायता देगी।

उसके अलावा यह जो 50 लाख रुपये का बीमा कवरेज है, प्रधान मंत्री गरीब कल्याण पैकेज, इसके 16 क्लेम्स हमें प्राप्त हुए हैं। उन्हें राशि दी जा रही है। स्टेट पैकेज में हमने जोड़ दिया है। सफाई कर्मी हों, चाहे संविदा कर्मी हों, जो दायरे में नहीं भी आते थे, उन्हें और जोड़ दिया है ताकि कोविड से अगर किसी की मृत्यु हो तो 50 लाख का बीमा उनका भी सुरक्षित रहे और उन्हें भी राशि मिले। जागरूकता अभियान चलाया हमने, क्योंकि यह बीमारी ऐसी है जिसका न तो वैक्सीन बना है, न इसकी दवाई है, रिसर्च चल रही है, लेकिन इसमें बचाव ही उपचार है, इस थीम पर हम लोग काम कर रहे हैं। इसीलिए हमने यह सोचा कि 21 जून से 30 तक पूरे राजस्थान में जन-जागरूकता अभियान आम आदमी को अवेयर करने के लिए चलाया जाए।

आपको ध्यान होगा, जब एक साल पूरा हुआ तो मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की थी कि राजस्थान में 'नीरोगी राजस्थान' कार्यक्रम चलाया जाएगा और हर रेवेन्यू विलेज से हमारी एक बहन और एक भाई को स्वास्थ्य मित्र के रूप में चयनित किया जाएगा। वे घर-घर जाएंगे। वैसे तो हमारी आशा सहयोगिनी, एएनएम और हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ट्रिपल ए, ये पहले से कार्य कर रहे हैं, लेकिन एक और टीम बनेगी राजस्थान में जो कि घर-घर जाएगी। आम आदमी को स्वास्थ्य के प्रति अवेयर करने का जो काम हमने हाथ में लिया था, उसी बीच कोरोना आया।

अभी हमने 80 हजार लोग चयनित कर लिए हैं ग्रामीण क्षेत्रों में। अब शहरी क्षेत्रों के लिए भी कल डायरेक्शंस मिले हैं। उसके लिए भी समयबद्ध

(श्री रघु शर्मा)

तरीके से स्वास्थ्य मित्रों का चयन हो जाएगा। इसके अलावा आईईसी की प्रचार-प्रसार की हमारी गतिविधियां चल रही हैं। अंतरविभागीय समन्वय बेहतर है। हमने आरआरटी (Rapid Response Team) शुरुआती दौर में ही सभी मेडिकल कालेजों में गठित कर दी थी। विशेषज्ञों की एक कमेटी स्थायी रूप से जो आरयूएचएस के वाइस-चांसलर हैं डा. राजा बाबू, उनकी अध्यक्षता में बना रखी है, जिनसे हम समय-समय पर कंसल्टेशंस लेते हैं। वार-रूम बना है, स्टेट में भी बना है और जिलों में भी बना है और एक समय पर हमारे ब्लाक लेवल पर भी बना था। जिलों में एडीएम लेवल आफिसर को उसका इन्चार्ज बनाया गया है। यहां एसीएस लेवल के अधिकारी को उसका इन्चार्ज बनाया गया है। राज्य में एक्टिव सर्विलांस, यह मैंने बता दिया ग्राम सभाओं का आयोजन हुआ।

(12.00 बजे)

रेंडम सैम्पलिंग, अब ये जो सुपर स्प्रैडर्स हैं, जिनकी वजह से पॉजिटिव केसेज बढ़ रहे हैं, उनकी पहचान करने के लिए भी रेंडम सैम्पलिंग का काम हम लोग कर रहे हैं। चाहे वे घरेलू नौकर हो, किराने की दुकान हो, दूध की दुकान हो, सब्जी की दुकान हो, मण्डी हो, वर्क-प्लेस हो, राजकीय कार्यालय हो, धोबी हो, प्रेस वाला हो, ब्यूटीपार्लर हो, इन तमाम जगहों पर रेंडम सैम्पलिंग का काम हम कर रहे हैं। मिशन लीसा का काम हो रहा है, डैथ की आडिट हो रही है कि डैथ होती क्यों है, किस स्टेज में मरीज आता है और इस डिजीज का नोटिफिकेशन भी हमारी सरकार ने जारी किया है। हमने पूरे राजस्थान में 550 मोबाइल ओपीडी वैन लगाई है ताकि कोरोना महामारी के दौर में जो हमारे अन्य बीमारियों के मरीज हैं, किसी के कैन्सर है, हार्ट की बीमारी है, किडनी की बीमारी है, हाइपरटेंशन है या और कोई बीमारी है तो वे लोग सफर नहीं करें। अध्यक्ष महोदय, इनके लिए 550 मोबाइल ओपीडी वैन चलाई जो सफलतापूर्वक चल रही हैं और उनके माध्यम से ही हमारी जो निःशुल्क दवा योजना है उसका लाभ भी आम आदमी तक पहुंच जाए तो उन्हीं मोबाइल ओपीडी वैन के माध्यम से निःशुल्क दवा भी हम आज तक दे रहे हैं। टेली-मेडिसन की सुविधा भी हमने शुरू की। आज कोई भी आदमी अपने मोबाइल पर टेली-मेडिसन के बारे में चिकित्सकों से चर्चा कर सकता है। हमने दवाओं का अधिग्रहण भी किया और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन और बाकी जो ओसेल्टामीविर है, इनका अधिग्रहण किया गया। चिकित्सक और नर्सिंग,

(श्री रघु शर्मा)

पुलिसकर्मियों को भी बचाव हेतु दवा दी गई। बस दो मिनट। लास्ट है फिर खतम कर देता हूं।

जो सबसे इम्पोर्टेंट चीज थी, जो हमारे नेशनल कार्यक्रम हैं, टीकाकरण है, नवजात बच्चों के टीकाकरण की बात है, मातृ और शिशु की देखभाल है, हमारा जो टीबी उन्मूलन का कार्यक्रम है, ये जो हमारे राष्ट्रीय कार्यक्रम हैं, ये सफर नहीं करें। इनके आंकड़े भी हमारे पास में हैं कि कोविड के इस दौर में हमने उनका भी पूरा ध्यान रखा है और उसमें भी कोई कमी राजस्थान में नहीं आने दी है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्थान की जनता को अपील करना चाहता हूं, बोलने को बहुत था लेकिन मेरी यह अपील रहेगी कि यह महामारी कब खतम होगी, कोई नहीं कह सकता और जैसा मैंने पहले कहा कि बचाव ही इसका उपचार है और जब बचाव ही इसका उपचार है तो राजस्थान में जिस तरह से लोगों ने सावधानी छोड़ी है, वह खतरे की घंटी है और मैं कई जगह देखता हूं। हालांकि हम पुलिस के माध्यम से, प्रशासन के माध्यम से एनफोर्स करें, यह अच्छी बात नहीं है। यह सब जन-प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि राजस्थान में जो व्यक्तिगत सावधानियां हैं जैसे दो गज की दूरी, समूह में एकत्रित नहीं होना, सार्वजनिक जगह पर नहीं थूकना, मास्क लगाना, इनका जब तक हम ध्यान नहीं रखेंगे (व्यवधान) माननीय सदस्य, यह मजाक का विषय नहीं है, बहुत गम्भीर विषय पर हम चर्चा कर रहे हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, क्या कर रहे हैं आप? माननीय मदन जी, आपको रोज ही रिकार्ड करना पड़ेगा? आप पार्टी के जिम्मेदार आदमी हैं, पार्टी के भी पदाधिकारी हैं, आप क्या मैसेज देंगे पार्टी के कार्यकर्ता को? प्लीज, आप सदन पर कृपा रखें। माननीय मंत्री जी, प्लीज।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, इस अपील के साथ कि राजस्थान में मास-अवेयरनैस हम सब लोग मिलकर चलाएं ताकि कोरोना महामारी का प्रभाव राजस्थान में कम से कम हो और दो संकल्प जो मैंने पहले बताये कि रिकवरी रेट राजस्थान में निरन्तर आगे बढ़ेगा, मृत्यु दर को हम जीरो पर लेकर आएंगे, इस संकल्प के साथ हमारी सरकार काम कर रही है। बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष: श्री कालीचरण सराफ।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): +++

(12.07 बजे)

(श्री महेन्द्रजीत सिंह मालविया, सभापति, पदासीन)

श्री सभापति: विधान सभा की बैठक आधे घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनंतर सदन की बैठक 12:19 बजे 12:49 तक के लिए स्थगित हुई)

(12.49 बजे)

पुन: समवेत होने पर

(श्री राजेन्द्र पारीक, सभापति, पदासीन)

+++

+++

श्री सभापति: बैठ जाइए। सदन की बैठक 15 मिनट के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनंतर सदन की बैठक 12.56 बजे 13.11 बजे तक के लिए स्थगित हुई)

(13.11 बजे)

पुन: समवेत होने पर

(श्री राजेन्द्र पारीक, सभापति, पदासीन)

श्री सभापति: सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनंतर सदन की बैठक 13.12 बजे 14.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई)

(14.00 बजे)

पुन: समवेत होने पर

(श्री सी.पी. जोशी, अध्यक्ष, पदासीन)

विभिन्न विषयों पर विचार

कोविड-19 प्रबन्धन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुआ असर

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, राजस्थान विधान सभा की परम्पराओं से आप सब परिचित हैं और राजस्थान की विधान सभा के सभी

(श्री अध्यक्ष)

माननीय सदस्यों ने देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कोरोना के संबंध में। मुख्य मंत्री जी के साथ सभी 200 विधायकों ने वीडियो कांफ्रेंस में अपनी बात की। आज राजस्थान की जनता हम सब की तरफ देख रही है कि हम किस तरह से राजस्थान की जनता को विश्वास दिलाएं कि इस महामारी का मुकाबला हम सब मिलकर कैसे कर सकें? इसलिए सभी माननीय सदस्यों की राय से आज चर्चा प्रारम्भ की और यह इच्छा थी की इस सदन की गरिमा के अनुरूप हम चर्चा कर सकें।

कभी-कभी अन-एक्सपेक्टेड चीजें हो जाती हैं जैसी महामारी हो रही है, वैसे सदन में भी कुछ चीजें अन-एक्सपेक्टेड हो जाती हैं। इसलिए मैंने यह निर्णय किया है कि जो कार्यवाही कालीचरण जी सराफ ने बोलना शुरू किया, वहां से लगाकर अभी तक सारी कार्यवाही को बाहर निकाला जाता है और अब जो चर्चा हम प्रारम्भ करेंगे, उसमें मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि वैज्ञानिक दृष्टि से कोरोना के संबंध में जितना लिटरेचर, सबको जानकारी है, आज की डेट में इसके संबंध में कोई विस्तृत चर्चा करके हम अपने ज्ञान को और कंट्रीब्यूट कर पाएं, ऐसा हमारी जानकारी नहीं है। जिसके बारे में लोगों को जानकारी नहीं है, न तो इसकी वैक्सीन के बारे में जानकारी है, न इसके लक्षण के बारे में जानकारी है। घर में जब एक आदमी कोरोना से बीमार हो जाता है तो उसका पूरा का पूरा परिवार तकलीफ में आ जाता है। इसलिए मेरी यह इच्छा है कि आप सब यदि इसे उचित मानें तो सरकार जिस तरह का प्रयत्न कर रही है, उस प्रयत्न में हम सहयोग दें कि कैसे जो प्रैक्टिकल प्राब्लम है, जो समस्याएं आज आ रही हैं, जैसे मैं जिस क्षेत्र का विधायक हूं, मेरे भी क्षेत्र में लोगों ने बताया कि किसी के घर में जब कोरोना हो जाता है तो कोरोना के पेशेंट को वहां गांव से डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल में ट्रांसफर कर देते है। डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल में ट्रांसफर करने के बाद, उस आदमी के बारे में वहां के अधिकारियों को जानकारी नहीं है। घर वाले आदमी उससे मिल नहीं सकते हैं और जो प्राइवेट हास्पिटल में उसकी व्यवस्था हो रही है, उसकी जानकारी उस परिवार के प्रति नहीं है। क्या हम ऐसी व्यवस्था कर सकते हैं जिससे जो कोरोना का पेशेंट है, उसकी जानकारी उसके परिवार को मिल सके? और डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल में, जहां वेंटीलेटर पर वो है या आक्सीजन की कमी के कारण उसको अटेंड करने के लिए क्या स्थिति है, उसकी जानकारी उसको मिल सके, ऐसी व्यवस्था हम कर सकें, जो सम्भव है इस आईटी के युग में।

(श्री अध्यक्ष)

ऐसे बहुत-से प्रश्न हैं, जो आपके मन में भी होंगे। मैं आशा करता हूं कि माननीय सदस्य ऐसी जो प्रैक्टिकल प्रोब्लम आ रही है, उसके संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित करें जिससे हम सब मिलकर जो हमने वातावरण बनाया है, पूरे देश के अंदर कि 200 विधान सभा के सदस्यों ने कोरोना के संबंध में चर्चा की और हम अच्छे ढंग से कोरोना का मुकाबला राजस्थान की जनता के सामने कर रहे हैं। उसी परम्परा को आगे बढ़ाकर हम सदन के इन अनुभवों का लाभ लेकर सरकार और अच्छे ढंग से इस कोरोना की महामारी का मुकाबला कर सके, ऐसी हम जनता के बीच में भावना पैदा कर सकें। इसी विश्वास के साथ मैं आप सबसे अपेक्षा करूंगा, संक्षेप में वे बातें कहें जो सार्थक हों, जिसके संबंध में सरकार कोग्नीजेंस लेकर उसका प्रैक्टिकल इम्प्लीमेंटेशन कर सके। हम सब मिलकर इस चर्चा को पांच बजे तक समाप्त कर दें क्योंकि बिल भी पास करने हैं।

मैं आशा करता हूं कि माननीय सदस्य बोलने वाले बहुत हैं क्योंकि 31 माननीय सदस्य भारतीय जनता पार्टी के बोलना चाहते हैं और सभी सदस्य बोलना चाहते हैं क्योंकि महामारी सब जगह है। समय का निर्धारण जो प्रथम दो बोलना चाहें, जो कटारिया जी बोलेंगे वे भले ही दस-पन्द्रह मिनट ले लें, बाकी पांच मिनट में अपनी बात कह दें तो ज्यादा से ज्यादा सदस्य अपनी बात कह सकेंगे। इस विश्वास के साथ मैं चर्चा को प्रारम्भ करता हूं और आप सबसे फिर सानुरोध प्रार्थना करता हूं कि इसकी गंभीरता को समझते हुए क्योंकि न तो हमें जानकारी है, न वैज्ञानिकों को जानकारी है, न डाक्टर्स को जानकारी है। हम ही चुने हुए प्रतिनिधि इस राजस्थान की जनता को विश्वास दिला सकते हैं कि हम सब मिलकर सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस महामारी का मुकाबला करने के लिए हम सब, सदन एकजुट होकर इस काम को करेंगे। यह विश्वास हम दिला सकें तो मैं समझता हूं कि चर्चा की सार्थकता रहेगी। इसी भावना के साथ, मैं पुन: प्रारम्भ करने के लिए कटारिया जी जिनको भी पहले बोलने के लिए, कालीचरण जी सराफ, दस मिनट में अपनी बात कहेंगे और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से जितना बचें, उतना अच्छा रहेगा। धन्यवाद।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): ठीक है, साहब। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके निर्देशों की पालना करते हुए मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश में 3500 डाक्टर्स के पद रिक्त हैं। माननीय मुख्य मंत्रीजी ने

(श्री कालीचरण सराफ)

बजट सत्र के दौरान अपने बजट भाषण में यह कहा था कि 2000 डाक्टर्स की नियुक्ति शीघ्र ही कर दी जाएगी। 6 महीने हो गए, अभी तक भर्ती नहीं हो पाई है। 12 जुलाई को आरयूएचएस ने ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की परंतु अभी तक परीक्षा परिणाम नहीं निकला है। प्रदेश के काफी सीएचसी और पीएचसी डाक्टर्स के पद वहां पर रिक्त पड़े हैं। डाक्टर्स नहीं होने के कारण दूर-दराज के कोरोना मरीजों को शहर में आना पड़ता है। मैं चिकित्सा मंत्रीजी से चाहूंगा कि जब वे अपना जवाब दें तो यह बताएं कि इन 2000 डाक्टर्स की नियुक्ति कब तक कर दी जाएगी?

दूसरा, आपने यह निर्णय किया कि जो 40 हजार रुपये का इंजेक्शन है, वह तो आप फ्री गरीबों को दे रहे हैं।

(14.06 बजे)

(श्री राजेन्द्र पारीक, सभापति, पदासीन)

परंतु उसके साथ जो डोनेटेड प्लाज्मा है, उसके 16500 रुपये आप वसूल कर रहे हैं। मेरा कहना यह है कि जब 40 हजार के इंजेक्शन आप फ्री दे रहे हैं तो जो प्लाज्मा डोनेट करता है व्यक्ति, उसके 16500 रुपये वसूल करें, यह गरीबों के साथ अन्याय है। आप अपने जवाब में, मैं निश्चित रूप से यह अपेक्षा करता हूं कि यह घोषणा करेंगे कि हम जिस प्रकार 40 हजार का इंजेक्शन गरीबों के लिए नि:शुल्क दे रहे हैं, उसी प्रकार जो डोनेटेड प्लाज्मा है, उसको भी हम फ्री में मुहैया कराएंगे।

एक बात और मैं यह कहना चाहूंगा कि किसी भी घर में जब कोई संक्रमित व्यक्ति मिलता है तो उसके जो परिजन लोग हैं, उनकी जांच में कई-कई दिन लग जाते हैं जिसके कारण पूरा का पूरा परिवार संक्रमित हो रहा है। इस प्रकार की व्यवस्था करें कि जब भी किसी परिवार में कोई संक्रमित व्यक्ति मिलता है तो उसके परिवार के सभी लोगों की जल्दी से जल्दी जांच हो जिससे प्रोपर इलाज हो सके और पूरा परिवार संक्रमित होने से बच जाए। जहां तक निजी अस्पतालों का सवाल है, माननीय मंत्रीजी मैं यह बताना चाहूंगा कि सरकार से कौड़ियों के दाम पर सस्ती जमीन लेकर प्रदेश में कई चिकित्सालय कार्यरत हैं। प्राइवेट हास्पिटल्स अभी कार्यरत हैं। हाई कोर्ट ने भी एक जनहित याचिका में फैसला देते हुए कहा कि सरकार से रियायत और विभिन्न सुविधाएं लेने वाले निजी और चैरिटेबल अस्पतालों को कोरोना मरीजों

(श्री कालीचरण सराफ)

के लिए नि:शुल्क इलाज करने के लिए निर्देशित करें। परंतु आज क्या स्थिति है सरकार ने निजी लैब में कोरोना जांच के लिए 2200 रुपये निर्धारित कर रखे हैं। सामान्य बैड के लिए आपने जैसा अपने वक्तव्य में बताया, 2000 रुपये प्रति दिन और वेंटीलेटर सहित आईसीयू बैड के 4000 रुपये से अधिक नहीं ले सकते। मैं आपको पूछना चाहता हूं कि आज किसी भी निजी अस्पताल में कोई कोरोना का मरीज यदि भर्ती होता है तो कहीं एक लाख रुपये, कहीं दो लाख रुपये, कहीं चार लाख रुपये, कहीं पांच लाख रुपये जिस प्रकार से प्राइवेट हॉस्पिटल्स ने लूट मचा रखी है, सरकार का उस पर कोई नियंत्रण नहीं है। मैं उदाहरण के तौर पर बताना चाहता हूं हमारे अलवर जिला के पूर्व अध्यक्ष धर्मवीर जी शर्मा, उनकी पत्नी दुर्लभ जी हास्पिटल में भर्ती हुई। सात दिन, 12 तारीख तक उनका बिल आया 1 लाख 60 हजार और उसके बाद वह वेंटीलेटर पर गई तो बिल आ गया 4 लाख रुपए। मैंने वहां फोन किया कि यह क्या है?

श्री सभापति: माननीय सदस्य, इधर बोलिए।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): आखिर इस प्रकार निजी अस्पताल जिन्होंने लूट मचा रखी हैं। जब हमने रेट तय कर दी, 4000 रुपये वेंटीलेटर के साथ बैड के, 2000 रुपये साधारण बैड के, जांच के 2200 रुपये तो ये जो लाखों रुपये ले रहे हैं, ऐसे प्राइवेट हॉस्पिटल्स की जानकारी कीजिए और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही कीजिए। इतना ही नहीं, वहां प्राइवेट हॉस्पिटल्स में क्या है कि सीनियर डाक्टर्स तो आते ही नहीं हैं। वे अपने रेजीडेंट डाक्टर्स को भेज देते हैं और वह केवल दूर से देखकर चले जाते हैं। मंत्री महोदय मैं चाहूंगा कि इस प्रकार की जो स्थिति है, जो प्राइवेट हास्पिटल्स हैं, उनके बारे में जानकारी प्राप्त करके, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करें। यदि उनका लाइसेंस रद्द करने की आवश्यकता हो तो लाइसेंस भी रद्द किया जाना चाहिए।

मंत्री महोदय, कोरोना के खिलाफ हमने युद्ध लड़ा है, उसमें सबसे बड़े योद्धा डाक्टर्स हैं। परन्तु उनको जो हथियार बांटे जा रहे हैं, उनको घटिया क्वालिटी के पीपीई किट बांटे जा रहे हैं। एक दिन समाचार पत्र में छपा कि एसएमएस हास्पिटल में, यह डाक्टर्स ने आरोप लगाया है कि उनको जो पीपीई किट दिए जा रहे हैं वे घटिया क्वालिटी के हैं, पहनते ही फट जाते हैं। डाक्टर्स

(श्री कालीचरण सराफ)

का कहना है कि इस किट से कोरोना तो दूर, सामान्य वायरस से भी नहीं बचा जा सकता है। जो कोरोना पॉजिटिव केस के बीच काम कर रहे हैं, संदिग्ध के सैम्पल ले रहे हैं, उनकी जान को खतरा है।

मंत्री महोदय, मैं पूछना चाहूंगा कि जिसके पास ड्रग लाइसेंस नहीं है, उसे 14 करोड़ का आर्डर और जिसकी दो जांचें चल रही हैं, उसी से आप पीपीई किट खरीद रहे हैं। आखिर इसके लिए कौन अधिकारी जिम्मेदार है? आपकी नालेज में यह मामला है या नहीं है? उनके खिलाफ कोई जांच चल रही है? उसके पास ड्रग्स लाइसेंस नहीं है, उससे पीपीई किट क्यों खरीदे जा रहे हैं? आपने मई में टेंडर किया कि जून तक कम्पनी वेंटिलेटर सप्लाई करेगी। जून में सप्लाई करने थे, अगस्त में भी वेंटिलेटर सप्लाई नहीं कर पाई। आज यह स्थिति है कि जोधपुर, उदयपुर, कोटा में तो एक भी वेंटिलेटर नहीं भेजा, जयपुर में भी वेंटिलेटर्स की कमी है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा, मंत्री जी जब जवाब दें, तब बताएं कि जो कम्पनी वेंटिलेटर सप्लाई करने की स्थिति में नहीं है, उसको यह आर्डर क्यों दिया गया?

इसी प्रकार, समाचार पत्रों में समाचार छपा कि एसएमएस हास्पिटल में एन-95 ढाई लाख मास्क 11 करोड़ रुपये के गायब हो गए। (व्यवधान)

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): गलत खबर है।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): मैं तो समाचार पत्रों के माध्यम से बता रहा हूं, आप अपना जवाब दे देना। (व्यवधान) नहीं है, तो ठीक है, बहुत अच्छी बात है। सबसे गंभीर बात, आपने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बहुत अच्छी व्यवस्था है। आपने पढ़ा होगा, नवरत्न महावर आरयूएचएस में भर्ती हुआ और वहां की अव्यवस्थाओं से त्रस्त होकर उसने वीडियो बनाया, वीडियो में उसने कहा कि मैं यहां की अव्यवस्थाओं से तंग होकर आत्महत्या कर रहा हूं। फिर उसने आत्महत्या कर ली। मंत्री महोदय, मैं पूछना चाहूंगा इस प्रकार का अमानवीय कृत्य किसने किया, किसके कारण से उसको आत्महत्या के लिए, मौत के लिए मजबूर होना पड़ा?

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): क्या इसकी कोई जांच करवाई है? जांच करवाई है तो इसके लिए कौन दोषी है? दोषी के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई? आप अपने जवाब में यह भी बताएं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): कुछ सुझाव देना चाहूंगा। मंत्री महोदय, कोरोना मरीजों की तीन-तीन दिन में रिपोर्ट आ रही है। वीआईपीज की रिपोर्ट तो तीन घंटे में और जो गरीब कोरोना मरीज है उसकी तीन दिन में रिपोर्ट आ रही है।

श्री सभापति: समाप्त करें। प्लीज, सहयोग करें।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): तीन दिन में......

श्री सभापति: डा. जितेन्द्र सिंह।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): क्या हुआ?

श्री सभापति: समाप्त करें, और क्या हुआ?

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): साहब, मुझे दस मिनट नहीं हुए।

श्री सभापति: आपको बोलते हुए दस मिनट हो गए हैं।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): दो मिनट।

श्री सभापति: प्लीज, सहयोग करें। डा. जितेन्द्र सिंह।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): आप कहें तो सुझाव दे दूं?

श्री सभापति: काफी सुझाव आ गए। काफी बहुमूल्य सुझाव आने हैं।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): सुझाव तो दे दूं?

श्री सभापति: प्लीज विराजिए। डा. जितेन्द्र सिंह।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): माननीय सभापति महोदय, मैं दो मिनट में सुझाव दे देता हूं।

श्री सभापति: प्लीज विराजिए। डा. जितेन्द्र सिंह। अंकित नहीं होगा।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): 000

श्री सभापति: प्लीज सहयोग करें। अंकित नहीं होगा। डा. जितेन्द्र सिंह।

श्री जितेन्द्र सिंह (खेतड़ी): माननीय सभापति महोदय, कोरोना पर हाउस में चर्चा हो रही है। डाक्टर होने के नाते मेरी यह जिम्मेदारी है कि ...(व्यवधान) इस विषय में मैं हाउस को अवगत कराऊं।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): 000

श्री सभापति: माननीय सदस्य, सहयोग करें।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): 000

श्री सभापति: माननीय सदस्य, प्लीज विराजिए।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): 000

श्री जितेन्द्र सिंह (खेतड़ी): आनरेबल सभापति महोदय, कोरोना पर बहुत ही इम्पोर्टेंट चर्चा हो रही है। पहले तो मैं पूरे हाउस को धन्यवाद देना चाहूंगा कि कोरोना के वक्त, माननीय विधायक महोदय ने अपने बजट से 50 लाख रुपये, करीब-करीब अधिकतर विधान सभा क्षेत्रों में दिये। मेरा सभी माननीय विधायकों से आग्रह है कि अगर अपना एक-एक दिन का वेतन देंगे तो पूरे राजस्थान में इसके अंदर इनकरेज करेगा।

सभापति महोदय फ्रांस में 450 साल पहले नास्त्रेदमस पैदा हुए थे। वह भविष्यवेत्ता थे। उन्होंने कहा था कि 2016 और 2023 के बीच में, 26 के बीच में दो बार वर्ल्ड वार हो चुका, तीसरा विश्व युद्ध होगा। मैं समझता हूं, it'll be an accidental war जो कोरोना का हुआ and it is also a bacterial war which is affecting the whole World. माननीय सभापति महोदय, डब्ल्यूएचओ को इसको महामारी घोषित करना पड़ा।

माननीय सभापति महोदय, मिनिस्टर आफ मेडिकल हैल्थ ने चर्चा करके बहुत विस्तार से बता दिया है कि कोरोना की वर्ल्ड में क्या पोजिशन है। ईवन, जो राजस्थान माडल था या भीलवाड़ा माडल था, माननीय प्रधान मंत्री जी ने इसको एप्रिशिएट किया and a Country like USA जहां पर ह्यूस्टन के अंदर मेरी बच्ची डाक्टर है and this Rajasthan model was discussed there अगर सबसे कम कोरोना है तो ह्यूस्टन के अंदर टैक्सास में हैं। राजस्थान का आइसोलेशन मॉडल वहां पर अख्तियार किया गया।

माननीय सभापति महोदय, राजस्थान में कोरोना का जिस तरह से मैनेजमेंट हुआ, निश्चित रूप से आप बधाई के पात्र हैं, हैल्थ मिनिस्टर जी, मुख्य मंत्री जी। भीलवाड़ा माडल, माननीय सभापति महोदय, कोरोना itself, यह इस तरह का वायरस है जिसका कोई ट्रीटमेंट नहीं है। इसका कोई वैक्सीन भी नहीं है it is simply यह तीन तरह का होता है। फर्स्ट स्टेज में गले में हल्की खराश, जुकाम होता है, हल्की सी खांसी होती है। सैकण्ड स्टेज में रेस्पिरेटरी डिप्रेशन होता है। थर्ड स्टेज में वेंटिलेटर की जरूरत पड़ती है। सभापति महोदय, जो सबसे ज्यादा खतरनाक बात है, कामन मैन है, जैसे

(श्री जितेन्द्र सिंह)

डाक्टर्स, हमारे पोलीटिशियंस हैं they are the soft target for Corona तो इसलिए इसके अंदर बहुत सावधान रहने की जरूरत है। सबसे बढ़कर सोसाइटी में, कोरोना पेशेंट को इस तरह से देखा जाता है जैसे पहले लेपर्स को देखा जाता था, उनको आइसोलेशन में पटक देते थे, Corona is a normal disease and we have to live with Corona. हमको कोरोना के साथ जिंदा रहना पड़ेगा। इसलिए हमें सारा का सारा स्टेबिलिटी के साथ करना है। Bhilwara model itself पूरी कंट्री का एक लैंड मार्क थी, उसके अंदर 6 हजार टीमें बनाई गईं, पर आलमोस्ट 24 लाख लोगों का स्क्रीनिंग हुआ। उन्होंने वही थ्री फेजेज में किया। उन्होंने कर्फ्यू लगाया, उन्होंने क्वारंटीन किया, अल्टीमेटली वह वहीं चैक हुआ।

झुन्झुनूं मेरा विधान सभा क्षेत्र है, वहां के लाइन आफ ट्रीटमेंट के अंदर, तीन तरह का कोरोना, फर्स्ट स्टेज में जुकाम होता है, सैकण्ड मैंने बताया, लेकिन जो लाइन आफ ट्रीटमेंट है, माननीय हैल्थ मिनिस्टर ने डिस्क्रिप्शन करके बताया, उसके अंदर लेटेस्ट इंट्रोडक्शन है that is Plasma donation. माननीय मंत्री जी बैठे हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र झुन्झुनूं से, फर्स्ट टीम प्लाज्मा डोनर की बनी, वह खुद आई और उन्होंने प्लाज्मा डोनेट किया। डोनेट करने वाले 50 लोग थे। फर्स्ट फेज में उन्होंने डोनेट किया and it is very essential जिस तरह से ब्लड डोनेशन करते हैं, उस तरह से प्लाज्मा डोनेशन के लिए इनकरेज करना चाहिए।

सभापति महोदय, चाइना में जिस तरह से फैला और पूरे विश्व में फैल गया लेकिन राजस्थान में, जैसा कि माननीय मंत्री महोदय ने कहा - death rate is 1.4 percent only, पूरी कंट्री के अंदर सबसे बैस्ट है। सबसे ज्यादा इम्पोर्टेंट जो चीज है, माननीय सभापति महोदय, वह यह है कि ‘prevention is better than cure’ तो प्रिवेंशन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, mask, social distancing and washing hands. It should not be taken lightly. इसीलिये एकदम में outburst हो रहा है। लोग भूल गये कि इसकी गम्भीरता क्या है। मैं हमारे माननीय मंत्रीजी से यह कहना चाहूंगा कि जब कोरोना के 300 पेशेंट्स पर-डे आ रहे थे, उस वक्त डाक्टर्स को एक वीक की ड्यूटी के बाद क्वारंटीन किया जा रहा था। आज 1300 आ रहे हैं, लेकिन क्वारंटीन हटा दी गई है। सबसे खतरनाक जो बात हो रही है, माननीय सभापति महोदय, SMS Hospital was previously meant for Corona.

(श्री जितेन्द्र सिंह)

इधर से उसको रोककर उन्होंने आर.यू.एच.एस. बनाया जहां 500 पेशेंट्स हैं और उनका ट्रीटमेंट चल रहा है। लेकिन यह अत्यन्त आवश्यक है। आज इम्पोर्टेंट सर्जरीज सब बंद हैं। किडनी ट्रांसप्लांट नहीं हो सकती है। किडनी ट्रांसप्लांट की क्यू लग रही है क्योंकि अगर उसको स्पेसिफिकली नहीं किया गया। बाई-पास सर्जरी एस.एम.एस. में रुकी पड़ी है। सारी की सारी मेजर सर्जरीज रुकी हुई हैं। इसीलिये उनको हमको देखना पड़ेगा कि कोरोना, जो कि मैं कहूंगा कि जुकाम का एक रूप है, उसकी आड़ के अन्दर कई जो गम्भीर रोगी हैं, वे सफर नहीं करें। वे सफर कर रहे हैं। इसीलिये we have to look after it.

सभापति महोदय, मुझे बहुत लम्बी बात नहीं कहनी है। मैं तो एक ही बात कहना चाहूंगा कि सोसायटी के अन्दर जिस तरह से माननीय मुख्य मंत्रीजी ने इसको मैनेज किया है, वह निश्चित रूप से देखने वाली बात थी कि राजस्थान पूरे कंट्री के अन्दर एक रोल माडल बना। लाइन आफ ट्रीटमेंट के अन्दर, जो हिन्दुस्तान के अन्दर था क्लोरोक्वीन फास्फेट, माननीय डिप्टी लीडर आफ अपोजिशन तो हैल्थ मिनिस्टर रहे हैं। सामने बहुत देर से हमारे बोल रहे थे, वे भी हैल्थ मिनिस्टर रहे हैं। Chloroquine was the first line of treatment and which was even appreciated by President Donald Trump तो उसके बाद में बाकी डिस्क्रिप्शन बहुत लम्बे रूप से आपने दे दिये, माननीय हैल्थ मिनिस्टर ने, तो राजस्थान के अन्दर, फर्स्ट लाइन राजस्थान पूरे कंट्री के अन्दर अपने आप में एक रोल माडल रहा। जिस तरह से इन्होंने अलग-अलग पूरे डिस्ट्रिक्ट्स के अन्दर 33 मेडिकल कालेजेज थे, जिस तरह से लाइन आफ ट्रीटमेंट उन्होंने किया, उन्होंने जो बार्डर थी, वह सारी सील की गई। हर डिस्ट्रिक्ट में पहले लैब नहीं थी, माननीय सभापति महोदय, 33 डिस्ट्रिक्ट्स में आज इन्वेस्टीगेशन लैब हैं जिसके अन्दर कोरोना का डायग्नोसिस हो सकता है। Almost every district Hospital is treating Corona patients, कुछ झुंझुनूं में हमारे कोरोना पेशेंट्स हैं। क्वारंटीन और कोविड केयर सेन्टर बने और सैम्पलिंग की व्यवस्था की। आज हर जगह, 50,000 सैम्पल राजस्थान में लिए जा रहे हैं। माननीय मंत्रीजी बता रहे हैं कि और भी फैसिलिटीज हैं। लेकिन डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जब हम इसको एनकरेज करेंगे, तब एक्चुअल इसका डिसीजन हो पायेगा।

(श्री जितेन्द्र सिंह)

सुपर स्प्रैडर्स, सुपर स्प्रैडर्स छोटे दुकानदार होते हैं। खुद मेरे विधान सभा क्षेत्र खेतड़ी के बाजार में 40 कोरोना पोजिटिव निकल गये। कोई जयपुर से आया, कोई वहां से गया, they became infected and सारी फैमिली को and it was an alarming situation. अगर सुपर स्प्रैडर्स हैं, दुकानदार है, वही कोरोना का हो गया तो वह रोज 50 को कोरोना कर देगा। Super spreaders should be checked.

माननीय सभापति महोदय, इसके अलावा, जो महत्वपूर्ण बात थी, वह इन एडवर्स सरकमस्टांसेज के अन्दर पूरे राजस्थान में, जिस तरह से माननीय मुख्य मंत्रीजी ने साढ़े पांच करोड़ लोगों के लिए, करीबन 65 परसेंट के लिए 51.4 परसेंट गेहूं की व्यवस्था की, दाल की व्यवस्था की, पर-फैमिली, किसी को भूखा नहीं रहने दूंगा, यह अपने आप में बहुत बड़ी बात थी, उसको चरितार्थ करके दिखाया। यह हमारे इन्दिरा रसोई योजना चली, यह गरीबों के लिए 8 रुपये के अन्दर भोजन की व्यवस्था हुई। मैं समझता हूं Rajasthan is a role model in every sector. जिस तरह से राजस्थान में सबसे कम हमारी मोर्टेलिटी हुई, सबसे कम हम राजस्थान में पूरे कंट्री में 13वें नम्बर पर हैं, जो सबसे सेफ है तो यह अपने आप में बहुत बड़ी बात थी।

श्री सभापति: समाप्त करें, माननीय सदस्य।

श्री जितेन्द्र सिंह (खेतड़ी): माननीय सभापति महोदय, मैं लास्ट बताना चाहूंगा। यह अत्यन्त आवश्यक है। इस समय कोरोना ने होटल बिजनस को, एजुकेशन को, हमारी दुकान को, सबको समाप्त कर दिया है। The important thing जिस तरह से यूनाइटेड स्टेट्स ने, सबने कर रखा है कि we should involve government agencies with strict compliance of the public health order ताकि हर एक को मौका मिले। बच्चों की एजुकेशन खराब नहीं हो। माननीय मुख्य मंत्रीजी ने हमारे मजदूरों के लिए, बच्चों के लिए जो व्यवस्था की, ट्रांसपोर्टेशन की, फ्री ट्रांसपोर्टेशन की, यह अपने आप में बहुत जरूरी है। अंत में मैं सभी साथियों से आग्रह करूंगा कि कोरोना को सीरियसली लेना चाहिए और आप सब लोग ले रहे हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री ज्ञानचंद पारख।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): माननीय सभापति महोदय, इस कोरोना की चर्चा के दौरान माननीय मंत्री महोदय ने अपनी कुछ उपलब्धियों को लेकर

(श्री ज्ञानचंद पारख)

अपनी पीठ थपथपाई, वाहवाही भी आपने लूटने का पूरा प्रयास किया। नो-डाउट, हम राजस्थान वाले भाग्यशाली हैं कि जो महामारी पूरे देश को या पूरे विश्व को खौफ में ला रही थी, यहां न डर है, न खौफ है। पर मात्र एक आप इस वाहवाही के अकेले हकदार नहीं हो। आपने भी काम किया है, पर केन्द्र सरकार ने जो योगदान दिया है न, उसका जिक्र करते तो शायद यह चर्चा सार्थक होती। केन्द्र ने भी आपको, जो आपने चाहा, उसको देने में कमी नहीं रखी। चाहे टैस्टिंग की आप बात करते हो कि हमने 33 जिलों में टैस्टिंग चालू कर दी तो देश के अधिकांश प्रांतों में यह टैस्टिंग की संख्या बढ़ी है, मात्र अपने यहां नहीं बढ़ी। वेंटीलेटर्स जितने केन्द्र ने दिये हैं न, मेरे यहां 22 वेंटीलेटर आये, 23 हमको केन्द्र से मिले हैं। जब हम राजनीति से ऊपर उठकर इस पर चर्चा करना चाहते हैं तो हम सबके योगदान की सराहना करें, मात्र अपनी सराहना नहीं।

माननीय मंत्री महोदय, कुछ कमियों की ओर मैं जरूर आपका ध्यान चाहूंगा। माननीय सभापति महोदय, मेरे यहां 22 वेंटीलेटर हैं और एनेस्थीसिया के डाक्टर मात्र दो हैं। अब वे सीजेरियन भी करवायें, कोई इमर्जेंसी आपरेशन हो तो वह भी उसके जिम्मे तो यह वेंटीलेटर कौन आपरेट करेगा? लगभग 30 परसेंट मरीज ऐसे थे, जिनको वेंटीलेटर की आवश्यकता थी पर कोई आपरेट करने वाला था नहीं, तो मेरा आग्रह रहेगा कि जहां वेंटीलेटर है, वहां पर्याप्त मात्रा में एनेस्थीसिया के डाक्टर्स मिल जाएं। कई डाक्टर ऐसे होंगे जो कहीं बेकार बैठे होंगे।

माननीय सभापति महोदय, अब तक जो मृत्यु का बड़ा कारण रहा है इस कोरोना में, वह फेफड़ों में कफ का जमाव, निमोनिया का पैच, उसकी वजह से सांस में दिक्कत, उसकी वजह से आक्सीजन लेवल में कमी। ऐसा कोई सिम्प्टोमेटिक केस है, जिसको सांस में दिक्कत आती है, जिसको खांसी है, उसकी एच.आर.सी.टी. थोरेक्स की व्यवस्था हमारे यहां, मेडिकल कालेज पाली में कह रहा हूं विशेष तौर से मैं, वहां आपने चालू नहीं की। अधिकांश केस वे ही हैं, जिनकी मौत हुई है। अगर समय पर उनकी एच.आर.सी.टी. थोरेक्स हो जाती और समय पर उनको माकूल इलाज मिल जाता न तो शायद हम कइयों को बचा देते। कई बार असिम्प्टोमेटिक केस है, लेकिन उसमें

(श्री ज्ञानचंद पारख)

निमोनिया का पैच है, उसको पता ही नहीं है। थोड़ा डाक्टर्स को आग्रह करें, कहें, आप उनको आदेश दें कि इसमें कोताही, लापरवाही कहीं नहीं हो। लगता है, जरूरी है, करवा दें।

आपने अभी प्लाज्मा थिरैपी का जिक्र किया कि प्रदेश में 211 गम्भीर रोगियों को प्लाज्मा थिरैपी चढ़ाई गई और प्लाज्मा थिरैपी के कारण 211 के 211 मरीज, सबके सब ठीक हो गये। माननीय मंत्री महोदय, आपको गलत जानकारी दी है। अच्छी थिरैपी है। लेकिन इसमें सारे ठीक हो गये, यह सही नहीं है। मेरे पाली के दो व्यक्ति, जिनको मैं जानता हूं, जिनको मैंने एम्स में भिजवाया था, श्याम सुन्दर डाणी और प्रकाश अग्रवाल, दोनों को प्लाज्मा थिरैपी मिली पर बचे नहीं, तो प्लाज्मा थिरैपी बहुत अच्छी है, अगर अच्छी है तो जो मेडिकल कालेज हैं, वहां आप इसको चालू क्यों नहीं करवाते? ये सारी की सारी प्लाज्मा थिरैपी या तो एस.एम.एस. में या एम्स, जोधपुर में, यहां तक कि आपका जो जोधपुर का जो महात्मा गांधी अस्पताल है, जो पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा कोविड सेन्टर है, वहां भी अभी आपकी प्लाज्मा थिरैपी अभी चालू नहीं हुई।

यह जो आपके कोविड की जांच होती है न, यह आपकी RT-PCR के जरिए होती है और ICMR ने भी यह कहा है कि 70 परसेंट परिणाम ही सही हैं, 30 परसेंट सही होते हुए भी वह, पॉजिटिव होते हुए भी निगेटिव आते हैं, यह वह खुद मान रहा है। यह जो 30 परसेंट हैं न, वह भी हमारे दायरे में आ जाए, उसकी जांच भी प्रमाणित हो जाए तो उसमें जो भी एंटीजन बाडी टैस्ट है वह भी आप कम से कम करवाएं तो उससे अपनी प्रामाणिकता रहेगी, उसको इलाज मिल जाएगा। उसकी HRCT करवा दोगे तो भी आपकी रिपोर्ट, वह आपके काफी सहायक हो जाएगी तो यह जांच भी, आप एंटीजन बाडी जांच भी कम से कम चालू करवा दें।

मंत्री महोदय, यह आपने मशीनें भेजीं सी-पैक और वी-पैक, आपने भिजवा तो दीं, तीन महीने हो गये। आप थोड़ा पता लगाएं कि कौन-कौनसे कॉलेज में ये इन्स्टाल हो गईं और कौन-कौनसे में बाकी हैं। इस गंभीर स्थिति में भी मशीनें भेजने के तीन-तीन महीने बाद में भी अगर इंस्टालेशन नहीं होता है तो उसके लिए जो भी जिम्मेदार है, उसके विरुद्ध अगर आप कार्यवाही की बात नहीं करोगे तो शायद हो सकता है कि और लंबा समय लग

(श्री ज्ञानचंद पारख)

जाएगा। पाली में आई हुई है मगर अभी तक भी इन्स्टाल नहीं हुई है तो अब तो आप फ्री हो गये। बीच में तो आप 35-40 दिन लॉकडाउन में चले गये थे पर अब तो आप बिलकुल फ्री हो तो ...(व्यवधान)

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): मैं पूरे टाइम फ्री था।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): पहले पब्लिक लॉकडाउन में थी फिर आप चले गये तो आपकी मशीनें जो हैं न, ये आपकी उपयोगी मशीनें अभी लॉकडाउन के अंदर हैं, उनको आप थोड़ा बाहर निकालो।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): दो मिनट में ही बात कह रहा हूं। मैंने बात ही कहां की? दस मिनट का समय दिया है, पांच मिनट हुए हैं, मैं देख रहा हूं घड़ी। दस मिनट दें।

श्री सभापति: श्री रामनारायण मीना। प्लीज, सहयोग करें।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): माननीय सभापति महोदय, कोविड-19 के बारे में ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, एक मिनट। मैं सभी माननीय सदस्यों से यह आग्रह करूंगा कि 44-45 माननीय सदस्य बोलने वाले हैं और माननीय नेता, प्रतिपक्ष और अध्यक्षजी के बीच में यह चर्चा हुई कि पांच बजे आप इस पर चर्चा समाप्त करेंगे। मुझे कोई एतराज नहीं है कि यदि सारा टाइम एक साथ एक ही आदमी बोलना चाहे तो मुझे कोई दिक्कत नहीं। प्लीज, सहयोग करें। 45 आदमी यदि बोलेंगे और पांच-पांच मिनट भी बोलेंगे तो आप अंदाजा लगा लें कि कितने बजे सदन की कार्यवाही पूरी होगी। बोलना तो आपको ही है। आपको यदि मैं ज्यादा टाइम दूंगा तो वे लोग वंचित होंगे जो शाम तक बैठे रहते हैं। प्लीज।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): माननीय सभापति महोदय, मेरा समय निकल रहा है।

श्री सभापति: मैं यह स्लिप आपके पास भिजवा देता हूं, आप टाइम तय कर दीजिए।

श्री गुलाब चन्द कटारिया (नेता, प्रतिपक्ष): निश्चित रूप से 45 लोग हैं, आपने कहा तो इनमें से कटौती हो जाएगी, लेकिन क्या है कि माननीय सदस्य श्री ज्ञानचंद पारख का अधिकांश समय हास्पिटल और हास्पिटल की

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

सेवा में ही गुजरता है। जितना नालेज इनको प्रैक्टिकल है, हम तो पढ़कर बोलते हैं और यह एक्चुअल में उस जगह की नालेज के आधार पर बोलते हैं इसलिए इन्हें मौका मिले तो उपयोगी सुझाव इनके आएंगे। अब तक भी उपयोगी सुझाव आए हैं, आपने देखे होंगे, टू द पाइंट इनके सुझाव हैं। बाकी हममें से कम कर देना।

श्री सभापति: माननीय नेता, प्रतिपक्ष, मुझे कोई असुविधा नहीं है। बोलने वाले लास्ट तक जो लोग बैठे हुए हैं या तो वे वंचित होंगे।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): कोई उपयोगी सुझाव है तो मैं माननीय सदस्य से यह कहूंगा कि आप मुझे लिखकर दे दें। राज्य के हित में होगा तो जरूर उन पर विचार करेंगे।

श्री सभापति: अब आप दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): सदन की जानकारी में भी आ जाए, पांच मिनट का समय और दें, पांच मिनट में कह देता हूं।

श्री सभापति: दो मिनट में समाप्त करें। (व्यवधान)

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): पांच मिनट। माननीय मंत्री महोदय, आपने अपने वक्तव्य, उद्‌बोधन में कहा, ब्रोंकोस्कोपी उपकरण के बारे में आपने जिक्र किया। आप थोड़ा पता लगा लो कि कौन-कौनसे मेडिकल कालेज में कितने-कितने ब्रोंकोस्कोपी हैं? पाली मेडिकल कालेज में मात्र एक ब्रोंकोस्कोपी है, वह भी पहले की सरकार की दी हुई है। जब आपका यह इतना उपयोगी उपकरण है तो पांच साल में आपने यह ब्रोंकोस्कोपी क्यों नहीं उपलब्ध कराई? इसका गुनहगार कौन है? इसका भी आप थोड़ा एनालिसिस कर देना।

माननीय मंत्री महोदय, प्रत्येक मेडिकल कालेज में आपका हाई फ्लो नोजल केनुला, जिससे कोविड का जो निमोनिया का मरीज है, जिसको सांस लेने में दिक्कत आती है, बहुत जरूरी है। आपने ऐसे कई उपकरण जिनकी आवश्यकता कम थी, वे ज्यादा भिजवा दिये और कई ऐसे उपकरण जिनकी ज्यादा आवश्यकता थी, आप पांच महीने में भिजवा नहीं पाये। कम से कम ऐसे उपकरण जो डाक्टर आपको लिखकर देते हैं भले ही कम संख्या में भेजो, पर आप भिजवाएं। इस उपकरण की भी बहुत ज्यादा आवश्यकता है।

माननीय मंत्री महोदय, यह कोविड आने के बाद में अपन ने अपना दूसरा सारा काम छोड़ दिया है। चाहे हार्ट का मरीज है, चाहे किडनी का है,

(श्री ज्ञानचंद पारख)

चाहे छोटा-मोटा अपेंडिक्स का है, आपने सारे बंद कर दिये और उसके बाद में क्या किया? भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना जो निजी अस्पतालों के जरिए गरीब अपना फ्री में आपरेशन करवा सकता था, आपने अस्पतालों को, आपने बीमा कंपनी को पेमेंट ही नहीं किया छह महीने से और बीमा कंपनी ने अस्पतालों को पेमेंट नहीं किया और पिछले छह महीने से यह प्राइवेट अस्पताल, चाहे कैसा भी छोटा आपरेशन है, एक आपरेशन जो खाद्य सुरक्षा में हकदार बनता था, उसका भी नहीं कर रहे हैं। कम से कम मेहरबानी करके ऐसे काल में जहां आपके सरकारी आपरेशन थियेटर बंद हो चुके हैं, आपके आपरेशन थियेटर सरकार के बंद हो चुके हैं तो जब तक आपके बंद रहे न, बाद में आपकी योजना आप नहीं चला पाओ तो बंद कर देना, लेकिन जब कि आपके यह कोविड सेंटर बने हुए हैं सरकारी अस्पताल और आपरेशन पहले भी वहां पर नहीं होते थे तो यह भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना में जितना भी है न जो पहले की सुविधा थी, वह सुविधा जारी करके अस्पतालों को पाबंद करें कि वह चाहे आर्थोपेडिक्स का हो और चाहे जनरल सर्जरी का कोई भी केस हो, वह उसका आपरेशन करे और माननीय मंत्री महोदय, शुरुआती समय में आपने आनन-फानन में जो परचेज के अधिकार दे दिये, चाहे पी.पी.ई. किट हो या मास्क हो, मेहरबानी करके एक-डेढ़ महीने में जो भी परचेज हुआ है, एक बार उसकी जांच कराएं तो आपको पता लग जाएगा कि हमने तो अच्छे काम के लिए उनको राशि दी थी, चाहे विधायक कोष का पैसा गया और चाहे किसी और कोष से पैसा गया है, पर आपके अधिकारियों ने जो लूट मचायी है न, आपकी आंखें खुली की खुली रह जाएंगी कि ऐसे काल में भी उन्होंने भ्रष्टाचार करने में कोई कोताही नहीं की है। इतना बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है, माननीय मंत्री महोदय।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): माननीय सभापति महोदय, धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री रामनारायण मीना।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): माननीय सभापति महोदय, कोविड-19 के बारे में काफी चर्चा हुई। माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रीजी भी विराजमान हैं और पहले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रीजी भी यहां पर विराजमान हैं। एक मर्तबा पहले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रीजी ने यह कहा

(श्री रामनारायण मीना)

था कि मुझे शर्म आती है कि मैं राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री हूं। कहीं न कहीं, कोई न कोई कमी है विभाग में। अब हम उम्मीद करते हैं कि वर्तमान स्वास्थ्य मंत्रीजी इसको देखेंगे। जिस प्रकार से विश्व में कोरोना की बीमारी फैल रही है, कोविड-19 का प्रसार हो रहा है, यह हमारे लिए बहुत चिंता का विषय है। भारत जैसे देश में 50 लाख से ऊपर पहुंच जाना और राजस्थान में पचास हजार से ऊपर पहुंच जाना, कोई इसका ट्रीटमेंट नहीं होना और ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना जिस कदर फैलता जा रहा है, ट्रीटमेंट नहीं हो रहा है, लेकिन, माननीय सभापति महोदय, यह भी देखना पड़ेगा कि वह कोरोना से संक्रमित होने के बाद ठीक भी होते जा रहे हैं बिना ट्रीटमेंट के ही। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का इतना प्रसार होते हुए भी माननीय मंत्रीजी, मैं आपसे यह अर्ज करना चाहूंगा कि आप कितनी ही ईमानदारी से काम करो, कितनी ही मेहनत करो, कितना भी ध्यान दो लेकिन विभाग में कहीं न कहीं, कोई न कोई खामी है, इसको हम सबको मानना पड़ेगा। मैंने यह उदाहरण दिया आपको पहले वाले चिकित्सा मंत्रीजी का। एक मीटिंग में, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब यहां पर विराजमान हैं, वह हमारे कोटा के इंचार्ज मिनिस्टर हैं, ये गवाह हैं इस बात के। मैं यह नहीं कहना चाहता कि आप कुछ कहें। हमारे कोटा के सी.एम. एण्ड एच.ओ. ने खुले आम कहा कि साहब, हमने नाकों पर इस-इस तरह से काम किया।

माननीय सभापति महोदय, मैं शायद यह तो नहीं कहता लेकिन मैंने मैक्सिमम ट्यूर किये हैं इस कोरोना काल में, मुझे किसी नाके पर कुछ नहीं मिला और जो सी.एम. एण्ड एच.ओ. यह बात कहे, उस बात की हमारे इंचार्ज मिनिस्टर के सामने कोई बात हो और प्रशासन पूरा बैठा हो और उस बात की जांच नहीं की जाए तो यह कहीं न कहीं, कोई न कोई त्रुटि है तो जो अधिकारी कहीं न कहीं त्रुटि कर रहे हैं, उनके बारे में एक्शन लें। मैं आपसे दो दफा मिला भी हूं। व्यवस्थाएं सुधरनी चाहिए, यह सरकार वह सरकार नहीं जो बेईमानों का प्रश्रय दे तो आपसे हमें पूरी उम्मीद है कि आप जिस ढंग से इसको लेकर चल रहे हैं, सुधार करें।

एक मैं आपसे अर्ज करना चाहता हूं मंत्री महोदय, कि यह आइसोलेशन का जो चल रहा है कि किसी भी मरीज को, मेरे खातोली में एक मरीज का मेरे पास टेलीफोन आता है कि साहब, मेरी न कभी जांच हुई और न कभी किसी डाक्टर ने देखा। मेरे पास सीधा यह मैसेज आया है कि मेरे को

(श्री रामनारायण मीना)

आइसोलेशन में जाना है, यहां कोटा मेरे को बुला रहे हैं, एम्बुलेंस में ले जा रहे हैं तो यह जो बातें हुई हैं यह यहीं नहीं हो रही हैं। मणिपुर में भी हो रही हैं, दिल्ली में भी हो रही हैं, पूरे देश में हो रही हैं। इसके लिए मैं राजस्थान के बारे में अर्ज नहीं करना चाहता। जस्टिस का एक दफा हो जाए पोजिटिव, फिर आ जाए निगेटिव और तीसरा टैस्ट हो जाए पोजिटिव, यह खामी कहां है। हमें यह बीमारी पकड़नी पड़ेगी और उसी के आधार पर चलेंगे तो शायद ठीक हो जाएगा।

एक जरूर बहुत गंभीर बात है कि हम किसी भी सरकार को दोष दें, बड़ाई करें, कोई बात नहीं है। केन्द्र सरकार ने कितना दिया है, वह तो केन्द्र सरकार जाने, लेकिन कोविड-19 के कारण आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियां प्रभावित होने से हमारे राजस्व में भारी कमी आयी है। माननीय सभापति महोदय, यह भी सही है कि राजस्व में जब कमी आएगी तो गवर्नमेंट सही ढंग से काम नहीं कर पाएगी। यह जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की है, क्योंकि संघीय ढांचा है, लेकिन हमारा दुर्भाग्य है कि आज स्टेट यह कहती जा रही है कि हमारे यहां दूसरे स्टेट के लोगों को नौकरी नहीं देंगे। यह हिन्दुस्तान है, भारत है। यहां किसी समय तिब्बत के लोगों को भी नौकरी दी जाती थी, बर्मा के लोगों को नौकरी दी जाती थी, रंगून के लोगों को नौकरी दी जाती थी, श्रीलंका के लोगों को नौकरी दी जाती थी, नेपाल के लोगों को तो अभी तक नौकरी दी जाती रही हैं। स्टेट गवर्नमेंट जिस तरह से कर रही है, मैं किसी पार्टी को दोष नहीं देता हूं। हरियाणा ने किया, किसकी गवर्नमेंट थी, मैं नहीं कहना चाहता, लेकिन यह देश में जो संघीय शासन है, उसके खिलाफ हो रहा है। आर्थिक कमियां हैं। इसके साथ ही आपको यह भी ध्यान है कि संघ मजबूत है, मैं संघ का मतलब यह नहीं कह रहा हूं कि सुबह नेकर पहनकर पार्क में घूमकर आ जाऊं। कालीचरण जी साहब, मैं यह अर्ज नहीं कर रहा हूं। संघ का मतलब केन्द्र से है, संघीय ढांचा है।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): माननीय सभापति महोदय, आपने घड़ी में मेरा टाइम नहीं देखा। मैं माफी चाहता हूं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें। प्लीज, सहयोग करें।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): मैं आपको दुरुस्त नहीं कर सकता। आप हमारे सभापति हो, उच्च आसन पर विराजमान हो। थोड़ा समय लिख दीजिए, पांच मिनट।

श्री सभापति: श्रीमती अनिता भदेल।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): मैं आपको यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह सारी बातें जिस तरह से हो रही हैं देश में .... (व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज सहयोग करें। विराजिए।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): उसके बारे में ध्यान रखें और माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रीजी, कृपा करके आप अपनी मजबूती को अधिकारियों को दिखाएं तो कोविड-19 से हम छुटकारा पा जाएंगे, निश्चित तौर पर पा जाएंगे। बहुत-बहुत शुभकामनाएं धन्यवाद।

श्री सभापति: श्रीमती अनिता भदेल।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत धन्यवाद। माननीय सभापति महोदय, जैसा माननीय अध्यक्ष महोदय ने कहा कि हम कोविड-19 प्रबन्धन और लॉकडाउन में आर्थिक स्थिति पर हुए असर की यहां चर्चा कर रहे हैं। कोविड के कारण से जो लॉकडाउन हुआ और उस लॉकडाउन के कारण से जो आर्थिक स्थितियां बनीं, उन पर यहां पर चर्चा हो रही है।

अभी मुझसे पूर्व जो माननीय सदस्य बोले और माननीय मंत्री महोदय ने जो वक्तव्य दिया, माननीय सभापति महोदय, मैं एक छोटी-सी बानगी आपको बताना चाहती हूं कि पूरे प्रदेश में जब किसी भी जिले से कोई मंत्री आता है तो ऐसा लगता है कि वह पूरा जिला मंत्री है और लगता है कि हमारे जिले में तो विशेष व्यवस्थाएं होंगी। मैं भी माननीय मंत्री महोदय के जिले से ही आती हूं और मुझे जब व्यवस्थाएं देखने को मिलती हैं तो मुझे लगता है कि मंत्रीजी जिस जिले से आते हैं, यदि उस जिले का यह हाल है तो बाकी के जिलों का क्या हाल होगा? माननीय सभापति महोदय, अजमेर जिले में जिस तरह से क्वारंटाइन सेंटर्स बनाये गये, जिस तरह से उनमें अव्यवस्थाएं हुईं और जैसे पहले कहा गया, माननीय ज्ञानचंद पारख जी ने कहा कि जिस तरह के टैस्ट हम राजस्थान में कर रहे हैं, उन टैस्टों में भी 30 प्रतिशत ऐसे टैस्ट हैं, जहां पर रिपोर्ट सही नहीं आती है। ऐसे अजमेर में सैकड़ों उदाहरण थे। मैं निवेदन करना चाहती हूं कि जिन निजी हास्पिटल्स की आपने बात की है कि

(श्रीमती अनिता भदेल)

हमने निजी हास्पिटल्स में आई.सी.यू. बैड बनाये हैं, कोरोना के लिए रिजर्व किया है, लेकिन वहां पर भी बिना सिफारिश के वह लोग एडमिट नहीं कर रहे हैं। माननीय मंत्री महोदय, मैं महात्मा गांधी हास्पिटल की बात कर रही हूं। जितने भी पेशेंट मैंने अजमेर से भेजे हैं, उनके लिए जब तक मैंने रिक्वैस्ट नहीं किया, तब तक उन्होंने एडमिट नहीं किया।

माननीय सभापति महोदय, सबसे बड़े हास्पिटल की यह स्थिति है। नहीं तो आप उनसे जाकर पूछ लें कि मैंने कितनी बार बात की है। जैसा ज्ञानचन्द जी पारख ने कहा कि इस कोरोना काल में न तो हार्ट के पेशेंट, न किडनी के पेशेंट, न कैंसर के पेशेंट, यह निजी हास्पिटल में, जिनका कन्टीन्यू पहले इलाज चलता था, वे लोग इतने परेशान हैं, क्योंकि जिसके पास पैसा नहीं है, वह भामाशाह में या जो भी शब्द आप कहें, उसका नाम दें, जन-आधार दें, उसमें उनका इलाज नहीं कर रहे हैं और वह लोग इतने रोते हैं, क्योंकि पैसा उनके पास है नहीं। उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह से चौपट हो गयी है। उनके पास पैसा पहले से था नहीं और अब पूरी तरह से खतम हो गया है। ऐसी स्थिति में यदि हास्पिटल में इलाज कराने जाएं, मैं एक उदाहरण देती हूं, मुझे आपके ए.सी.एस. को फोन करके रिक्वैस्ट करना पड़े कि माननीय सर, आप उन हास्पिटल वालों को फोन कर दीजिये कि ब्रेन ट्यूमर का एक बच्चा है सात साल का, उसका इलाज होना है। उसके पास जन-आधार कार्ड है, वह ऑनलाइन है, लेकिन हास्पिटल वाले उसका इलाज नहीं कर रहे हैं। चार बार कन्टीन्यू मैंने उनको रिमाइंडर किया है, तब भी हास्पिटल वालों के कानों पर जूं नहीं रेंगी। यानी कि सरकार की भी कुछ बात हास्पिटल वाले नहीं सुन रहे हैं और वह इसलिए नहीं सुन रहे हैं क्योंकि उनको पिछले छह महीने से पैसा नहीं मिला है। यह जो ज्ञान जी पारख कह रहे हैं, यह बिलकुल सच है, हकीकत है और प्रदेश में जिस तरह से बखान आपने किया है, उससे तो ऐसा लग रहा है कि प्रदेश में कुछ भी गड़बड़ नहीं है, सब चीजें आलमोस्ट बहुत अच्छी हैं लेकिन यदि हकीकत जमीन पर आप जाकर देखोगे तो आपको लगेगा कि कुछ भी ठीक नहीं है। सरकार में जो चीजें खरीदी गयीं, यदि प्राइवेट वह चीजें हम खरीदें तो आधे से भी कम दाम में हमने खरीदी हैं। एक उदाहरण, जो भास्कर में खबर छपी, फेसशील्ड की। आपने उसको 500 रुपये में खरीदा और भास्कर वालों ने वही फेसशील्ड 250 रुपये में खरीदी। वही कम्पनी, वही फेसशील्ड के दुगुने दाम कैसे? तो कहां भ्रष्टाचार हुआ है? लोग

(श्रीमती अनिता भदेल)

यह मान रहे हैं कि सरकार की तो मौज हो गयी। इसमें अच्छा काम मिल गया। जितनी भी खरीद हुई है, उसमें कैसे-कैसे करप्शन हम कर सकते हैं, वह अवसर हमको मिल गया है। माननीय सभापति महोदय, मैं आपके ऊपर आरोप नहीं लगा रही हूं, आपको दोष नहीं दे रही हूं, लेकिन जो सिस्टम है, उस सिस्टम को जब तक आप चैक नहीं करेंगे, तब तक उसके ऊपर पाबन्दी नहीं लगने वाली है। इतना मैं निवेदन कर रही हूं।

माननीय सभापति महोदय, मेरा दूसरा पाइंट, जो बहुत ही इम्पोर्टेंट है, उसके बारे में आपसे निवेदन करना चाहती हूं। माननीय सभापति महोदय, अभी खेतड़ी से आने वाले माननीय सदस्य ने कहा कि हमारे मुख्य मंत्रीजी ने घोषणा की है कि किसी को भूखा नहीं सोने देंगे, उनको गेहूं दिया, उनको दाल दी। माननीय सदस्य, मैं आपको हाथ जोड़कर विनती करना चाहती हूं कि इस सदन में जब हम बैठते हैं तो यह लिखा हुआ है कि हम सिर्फ सत्य बोलें और सत्य बोलें, सत्य के अलावा कुछ भी न बोलें। कम से कम उस सत्य का आधा पक्ष भी बता देते कि यह सारा का सारा गेहूं माननीय प्रधान मंत्रीजी ने भेजा है, यह दाल माननीय प्रधान मंत्रीजी ने भेजी है।

माननीय सभापति महोदय, मैं सरकार का, माननीय मंत्री महोदय का और विभाग का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं, माननीय कल्ला साहब बैठे हैं, आप सीनियर हैं। आपकी भावना होगी कि हम गरीबों को सहायता दें, लेकिन अधिकारी किस तरह से इस व्यवस्था पर चूना लगाते हैं, एक उदाहरण सिर्फ, उससे आप समझ जाएंगे कि कैसे यह अधिकारी लोग करते हैं। माननीय मंत्री महोदय, माननीय मुख्य मंत्रीजी ने एक विज्ञापन जारी किया। विज्ञापन में उन्होंने कहा कि हम इन-इन श्रेणी के लोगों को फ्री में गेहूं देंगे, उनसे कोई पैसा नहीं लेंगे और वह लोग ई-मित्र पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो गया। रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होने के बाद में यह विज्ञापन, मेरे पास वह विज्ञापन भी है, मैंने इसके लिए सवाल भी लगाया है। विज्ञापन में नीचे लिखा है कि लॉकडाउन अवधि में राज्य सरकार द्वारा जिन्हें पूर्व में 2,500 रुपये की सहायता दी गयी, वह इसके पात्र नहीं हैं। ठीक है, आप किसी को सहायता दे रहे हैं तो इसको इसमें इन्क्लूड नहीं कर रहे हैं। इसमें अलग-अलग प्रकार की श्रेणी के लोग हैं। माननीय सभापति महोदय, ई-मित्र पर रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ। हमने भी लोगों को कहा कि आप लोग जाइए और ई मित्र पर अपना रजिस्ट्रेशन कराइए। लोग ई-मित्रों पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने

(श्रीमती अनिता भदेल)

के लिए गये। माननीय सभापति महोदय, जब लोग ई-मित्रों पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए गये तो ई-मित्र वालों ने रजिस्ट्रेशन करना प्रारम्भ कर दिया। रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होने के बाद में हर दिन आपका सर्वर बंद। एक दिन में छह घंटे, एक दिन में सात घंटे, उस समय जब लॉकडाउन था, उस समय लोग ई-मित्र पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जा रहे थे और लोगों की लाइन लगी हुई थी और ऐसे में वहां पर भीड़ जबकि हम कह रहे हैं कि वहां पर भीड इकट्ठी न करो, हम खुद भीड़ लगवा रहे हैं। फिर हमारा सर्वर डाउन हो रहा है छह-सात-आठ घंटे और मजेदार बात यह हुई कि जिनका रजिस्ट्रेशन हो गया, जिनको मोबाइल पर मैसेज आ गया कि आपका रजिस्ट्रेशन हो गया है, फिर उसके बाद में एक मैसेज आता है ई-मित्र पर, कि आपके यहां पर यह जो 400 रजिस्ट्रेशन हुए हैं, वह किसी टैक्निकल कारण से रद्द हो गये हैं, इनको आप वापस रजिस्ट्रेशन कराएं। अब जिन 400 लोगों ने ई-मित्र पर जाकर रजिस्ट्रेशन कराये हैं, वह ई-मित्र वाला उनको ढूंढने जाए कि आपका रजिस्ट्रेशन रद्द हो गया और आप वापस आओ और वापस रजिस्ट्रेशन कराओ। वह गरीब व्यक्ति तो यह तसल्ली करके खुश होकर बैठा था कि मेरा रजिस्ट्रेशन हो गया है और मुझे तीन महीने तक गेहूं फ्री मिलेगा, पर आज तक उसको गेहूं फ्री नहीं मिल रहा है। माननीय मंत्री महोदय, मैं आपसे निवेदन करती हूं, आप समझदार हैं, आप इन अधिकारियों को निर्देश दे सकते हैं। जब सरकार ने रजिस्ट्रेशन कर लिया, तीन महीने माननीय प्रधान मंत्रीजी ने दिया। तीन महीने के गेहूं के लिए सरकार ने रजिस्ट्रेशन कर लिया और रजिस्ट्रेशन करके सरकार ने गेहूं बांटना शुरू कर दिया।

माननीय प्रधान मंत्री जी ने उस गेहूं को बढ़ा करके नवम्बर-दिसम्बर तक कर दिया कि भाई, हम आठ-नौ महीने तक फ्री देंगे। अब सरकार एक नया आदेश निकालती है कि नये तरीके से रजिस्ट्रेशन वापस कराओ। भाई, जब आपके पास पहले से रजिस्टर्ड लोग हैं तो उनको ही दे दो न। लोगों को मैसेज नहीं गया, लोगों के पास दूसरा मैसेज नहीं गया और दूसरा मैसेज नहीं किया गया, इस वजह से लोगों ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। अब वो जो सूचना आई है उस सूचना के आधार पर लोग कह रहे हैं हमने तो रजिस्ट्रेशन करा लिया। लोगों को तो यही भ्रम है कि हमारा तो रजिस्ट्रेशन हो गया, हमें तो नवम्बर तक मिलेगा लेकिन जब वो राशन की दुकान पर जा रहा है तो उसको पता पड़ रहा है कि तुमने दोबारा रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। यह कैसी

(श्रीमती अनिता भदेल)

अव्यवस्थाएं हैं? इतना दिमाग हमारे एक आम आदमी में, एक अंधे में भी यह दिमाग होता है, सरकार कहां सो रही है? यह सरकार इनको ध्यान नहीं दिलाना चाह रही है कि क्या बात है।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): बस, एक लास्ट पाइंट कह करके मैं अपनी बात को समाप्त कर रही हूं। मैं ज्यादा विषय नहीं उठाऊंगी क्योंकि बाकी के लोग हैं विषय उठाने वाले पर जिनको मैंने प्रैक्टिकल रूप से भुगता है वो मैं आपको बता रही हूं।

माननीय सभापति महोदय, एक बात आई कि हम निर्माण श्रमिकों को एक हजार रुपये देंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी ने वी.सी. में कहा, मुझे फोन करके भी कहा कि हम एक-एक हजार रुपये देंगे। उसको देने के बाद उन्होंने कहा, हम ढाई-ढाई हजार रुपया देंगे। ढाई हजार रुपया देने के बाद में लगभग अजमेर के मेरे शहर के, मैं जिले की बात नहीं कर रही हूं, 508 या 509 लोग ऐसे थे जिनको यह ढाई हजार रुपये नहीं मिले जो निर्माण श्रमिक थे। मैंने मुख्य मंत्री जी की वी.सी. में ये बात उठाई। मुझे दर्द सिर्फ इतना है, मैं अधिकारियों से अपेक्षा नहीं करती हूं पर मैं एक चुने हुए जन प्रतिनिधि से अपेक्षा करती हूं, जो मुख्य मंत्री हैं, उनसे अपेक्षा करती हूं कि वो हमारा दर्द जानेंगे। मैंने मुख्य मंत्री जी की वी.सी. में यह बात कही कि आप ये 506 लोगों को पैसे दिलवा दीजिए।

श्री सभापति: समाप्त करें। सुश्री दिव्या मदेरणा।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): और उसके बाद में सब लोगों को रिमाइंडर किया, मैंने अखिल जी को कहा, उनके नीचे डायरेक्टर को कहा और कल भी मैं डायरेक्टर महोदय को यह बात कहकर आई हूं, वो 506 लोगों को आज तक पैसा नहीं मिला।

श्री सभापति: प्लीज सहयोग करें। सुश्री दिव्या मदेरणा। आपको नहीं बोलना है?

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): तो इसलिए वो क्या सोच रहे हैं कि सरकार किसको मदद कर रही है और सरकार कैसे मदद कर रही है? भारत सरकार ने जितनी मदद की है, माननीय मंत्री महोदय, यदि उस मदद को ही हम लोगों तक ठीक ढंग से पहुंचा दें..

श्री सभापति: सुश्री दिव्या मदेरणा। अंकित नहीं होगा।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): 000

श्री सभापति: सुश्री दिव्या मदेरणा, आप नहीं बोलना चाह रही हैं, दूसरा नाम पुकारूं?

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): 000

श्री सभापति: प्लीज सहयोग करें, विराजिये अब आप।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): 000

श्री सभापति: श्री जगदीश चंद्र। आप बोलिए न, मैं दूसरा नाम बुलाऊंगा। प्लीज सहयोग करें।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): 000

श्री सभापति: अंकित नहीं होगा। प्लीज आप इस तरह से नहीं कर सकते, सहयोग करें आप। अंकित नहीं होगा।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): 000

श्री सभापति: माननीय सदस्या, प्लीज सहयोग करें। माननीय सदस्या, प्लीज सहयोग करें।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): 000

श्री सभापति: प्लीज सहयोग करें। माननीय श्रीमती अनिता भदेल, यह तरीका कतई गलत है। जब आसन ने आपको टोक दिया, उसके बाद आप बार -बार बोले जा रही हैं। नहीं, मैं बिलकुल अलाउ नहीं करता। समय की सीमा माननीय नेता प्रतिपक्ष ने की है और यदि आप सभी सहयोग नहीं करेंगे तो काम नहीं चलेगा। मैं बिलकुल अलाउ नहीं करता। गंभीरता से नहीं लेना है तो मैं अभी कटारिया साहब को बुलाता हूं। नहीं, आप लोग चर्चा में शामिल नहीं होना चाहते तो कटारिया साहब का नाम बुलाता हूं, राजेंद्र जी का नाम बुलाता हूं। मजाक बनाकर रखते हो आप।

सुश्री दिव्या मदेरणा, नाम बुलाने पर आप खड़ी होंगी और अपना भाषण बोलना शुरू करेंगी, आसन ने आपको इजाजत दी है।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): व्यवस्था देना आप ही का काम है।

सभापति महोदय, कोविड-19 प्रबंधन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुए असर की इस चर्चा में आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत -बहुत धन्यवाद। हम एक गंभीर दौर से गुजर रहे हैं। पहली बार यह वायरस

(सुश्री दिव्या मदेरणा)

वुहान के अन्दर हुबेई प्रोविंस में दिसम्बर, 2019 में आईडेंटिफाई हुआ और मैं यहां यह तारीखें क्रमबद्ध तरीके से इसलिए दे रही हूं क्योंकि इसकी अहमियत है। 31 दिसम्बर को पहली बार चीन के अंदर निमोनिया के तरीके से एक नया वायरस आया। 1 जनवरी को वहां पर सी फूड मार्केट बंद किया गया। 9 जनवरी को डब्ल्यू.एच.ओ. ने रिकाग्नाइज किया। 10 जनवरी को कोविड-19 दुनिया के साथ साझा किया गया। 11 जनवरी को पहली मौत हुई और 13 जनवरी के बाद में दूसरे देशों में, भारत में, ईरान में यह फैलने लग गया। 12 मार्च को डब्ल्यू.एच.ओ. ने इसे पैंडेमिक घोषित कर दिया व ग्लोबल हैल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया। फ्लैटनिंग कर्व की इम्पोर्टेंस को डब्ल्यू.एच.ओ. ने दर्शाया, जिसको सेंटर फोलो नहीं कर पाया, जिसका औचित्य था कि कर्व को फ्लैटर करने से, नये केसेज, लोंग पीरियड तक करने से लोगों को बेहतर केयर एक्सेस हो पायेगी। 12 फरवरी को ही राहुल गांधी जी ने अपने ट्वीट में सरकार को चेताया और कहा कि इस वायरस से जो भयावह आने वाला है, जिससे आर्थिक स्थिति और जान-माल का जो भयानक खतरा आने वाला है उससे सचेत कराया ताकि सरकार इसका नियंत्रण, प्रबंधन कर सके लेकिन 12 फरवरी को सरकार ने उन पर ध्यान नहीं दिया लेकिन फरवरी में दिल्ली दहल रही थी, सुलग रही थी। सी.ए.ए., ट्रिपल तलाक, एन.आर.सी., नेशनल पापुलेशन रजिस्टर, ये एजेंडाज आपकी प्राथमिकता रहे, स्वास्थ्य आपकी प्राथमिकता नहीं थी।

देश के साथ क्या आपको दूरदर्शिता की सोच रखनी थी, उसकी प्लानिंग आप नहीं कर रहे थे। होम मिनिस्टर की पुलिस दिल्ली को सुलगने से रोकने से विफल रही। एक विशेष सेईंग है रोम के बारे में “Emperor Nero was fiddling while Rome was burning” उसके बाद में आप लॉकडाउन घोषित करते हैं और 24 मार्च को 4 घंटे के नोटिस पर बिना किसी प्लानिंग के आप लॉकडाउन घोषित करते हैं। मैं इन तारीखों को इसलिए कह रही थी क्योंकि this lockdown was purposely delayed. पूरे देश के स्वास्थ्य और जन मानस को ताक पर रख दिया अपने पोलिटिकल मोटिव को हासिल करने के लिए। आप मध्य प्रदेश की सरकार को टोपल करने के लिए इस लॉकडाउन को स्थगित कर रहे थे। 23 मार्च को नौ बजे शिवराज सिंह जी चौहान मुख्य मंत्री की शपथ लेते हैं और 24 मार्च को देश में नेशनल लॉकडाउन लगता है।

(सुश्री दिव्या मदेरणा)

अभी पहले बहुत सारी तोहमतें लगा रहे थे कि सरकार होटल में थी, कोरोना का आप ध्यान नहीं देते, आप कोरोना का प्रबंधन नहीं करते, सरकार संवेदनशील नहीं है। 8 मार्च को जब तीन चार्टर प्लेन छह मंत्री और 9 एम.एल.ए. को बैंगलुरु के होटल में रखती है तब आपको कोविड की चिंता नहीं नहीं हुई। 10 मार्च को रेजिग्नेशन एक्सेप्ट हो जाते हैं और जब यह सब कुछ हो जाता है तब आप लॉकडाउन की व्यवस्था करते हैं मात्र 4 घंटे में। आप सोचते नहीं, आप प्लानिंग नहीं करते। तालियां बजवाईं, आपने थालियां पिटवाईं, मोमबत्तियां जलाईं लेकिन वो मजदूर रोड पर आ गये, उनके चूल्हे कैसे जले इसका आपने नहीं सोचा और सबसे पहली मौत भी कोविड से कर्नाटका में हुई। बिना तैयारी के जल्दबाजी में, सब्जियां खेतों में सड़ीं, मंडियों में सड़ीं, ग्राहकों तक नहीं पहुंच पाईं, किसानों को कीमत नहीं मिली, उपभोक्ता को सब्जी नहीं मिली, एसैंशियल कमोडिटीज की आवक घटी, 60 परसेंट ट्रक्स सड़क पर थे, एक करोड़ दुकानें बंद हो गईं, ट्रांसपोर्ट की कीमतें 4 गुना बढ़ गई, राज्यों के बीच की सप्लाई चेन चरमरा गईं। नतीजतन जमाखोरी, कालाबाजारी और इन्फ्लेशन पूरे हिन्दुस्तान के अंदर बढ़ गया। यह आपने किया, यह प्रबंधन था आपका।

नेशनल डिजास्टर एक्ट है जो यह कहता है, जिसका सैक्शन 6(2) यह कहता है The National Disaster Management Authority under the National Disaster Management Act which is to be presided over by the Prime Minister with 9 nominated Members and will have a National plan for a National Disaster and 'CoVid-19' is certainly a National Disaster, लेकिन आप कोई नेशनल प्लान के साथ नहीं आये। आप 4 घंटे में ऐसे लॉकडाउन के साथ में आये जिसमें आपने पूरे आर्थिक रूप से, हर रूप से, हर समाज के वर्ग को आपने चरमरा कर रख दिया। अचानक लॉकडाउन कर दिया जिससे लाखों लोग सड़क पर चले आये, कोई सुविधाएं नहीं दीं। अगर आप नेशनल प्लान के साथ में आते जो कि सैक्शन 2(डी) के अंदर कहता है that is approved by the National Authority तो आप रिलीफ कैंप्स देते, शैल्टर, फूड, ड्रिंकिंग वाटर, मेडिकल, इन सबको आप सुनिश्चित करते जो आपने नहीं किया।

(सुश्री दिव्या मदेरणा)

मैं मजदूर की एक व्यथा कहना चाहूंगी कि हमने हृदय विदारक देखा कि किस तरीके से मजदूर आया था, हमारे रोंगटे खड़े हो गये, आपने उसको तिरस्कृत किया, उसे दरकिनार किया। कंस्ट्रक्शन लेबर जितना भी, 39 से 45 करोड़ हमारी आबादी मजदूर की है, आपने इनके रिहैबिलिटेशन के लिए, इनके एम्प्लायमेंट के लिए आप कोई पालिसी लेकर नहीं आये। फिर आपने बसेज चलाने का, थोड़े टाइम बाद में, कुछ अवधि के बाद में जब पूरा देश एक स्वर में इनके लिए इनकी व्यथा को बोलने लगा तब आपने कहा पाइंट ए टू पाइंट बी बसेज जायेंगी जोकि पोसिबल नहीं थी। आप बाहर से लाने के लिए प्लेन ला सकते हो लेकिन मजदूरों के लिए आपकी प्राथमिकता नहीं है। फिर आपने ट्रेन लाने की बात की और उसके फेयर भी आपने नहीं दिये, कांग्रेस प्रेसिडेंट ने उसी वक्त तुरंत पी.सी.सी. चीफ को लैटर लिखा कि सारा फेयर कांग्रेस वहन करेगी। तब आपके स्पोक्सपर्सन ने कहा कि आप झूठ और राजनीति कर रहे हैं, 85 परसेंट हम दे रहे हैं और 15 परसेंट दे रहे हैं। उसके लिए कोई सर्कुलर नहीं था लेकिन आप अपना झूठ बोलते रहे। आपने मजदूर के लिए कोई फाइनेंशल स्टिम्यूलस नहीं दिया।

(15.00 बजे)

बस पी.एम. ने आखिर में जाकर के माफी मांग ली कि मुझे माफ कर दो। तबाह करके आपका माफी मांगने का अंदाज भी गजब है। मैं मजदूर की एक व्यथा पढ़ना चाहूंगी। जा रहे हैं हम, जैसे आए थे वैसे ही जा रहे हैं। दो-चार पोटलियां साथ थीं तब भी, आज भी और यह देह है, लेकिन आत्मा पर खरोंचे अब इतनी बढ़ गई हैं, कौन देखता है। कोई रोकता तो शायद रुक भी जाते। कोई दिखलाता आंख में पानी। इतना कहता कि यह शहर तुम्हारा भी है। उन्होंने भी नहीं देखा पलटकर, जिनके घर की दीवारें हमने चमकाईं। उन्होंने भी कुछ नहीं किया, जिनकी 1300 डिग्री पर कांच पिघलाकर चूड़ियां बनाईं। इन सब पलास, हथौड़े के पीछे एक हाथ है। यह हाथ कोई नहीं देखता। यह वह हाथ, जिसे दूसरे हाथ की उष्मा चाहिए। वह उस उष्मा की बात कर रहा है। उस सोशल सिक्योरिटी, नैट की बात कर रहा है, जिसको गवर्नमेंट आफ इंडिया को देना चाहिए था। इसे सिक्योर करने में आप विफल रहे। यह आपकी खीझ है। अभी आप कह रहे थे कि आप हमारी सराहना क्यों नहीं करते।

मैं किसान वर्ग से आती हूं और किसान की बात करूंगी। रबी की कीमतों के अंदर 50 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ। आपने एक पैसा

(सुश्री दिव्या मदेरणा)

किसान को नहीं दिया। गेहूं, सरसों, चने की प्रिक्योरमेंट बढ़ाने की जरूरत थी, लेकिन आप नहीं बढ़ा पाए। लोन अदायगी को 6 मंथ डिले करना चाहिए था, वह आपने नहीं किया। क्रेडिट सीड्स आपको देने चाहिए थे, आपने नहीं किया। You should have purchased every ounce of food grains at MSP, आपने नहीं किया। आपको फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड्स और एग्रीकल्चर इक्विपमेंट पर जीएसटी हटा देनी चाहिए थी, लेकिन आपने नहीं किया। आपको कम से कम 10 हजार रुपये, 8.22 करोड़ पी.एम. किसान योजना अकाउंट्स में ट्रांसफर करने चाहिए थे, आपने नहीं किया। उनको पैसा देकर के आर्थिक सिक्योरिटी देनी चाहिए थी, जो कि आपने नहीं की।

इससे कहीं पहले आपने फसल बीमा योजना, मौसम आधारित बीमा योजना में केन्द्र वाली प्रीमियम राशि को 100 प्रतिशत कट कर दिया और आप किसान के लिए घड़ियाली आंसू बहाते हैं। एग्रीकल्चर सबसे बड़ी इकोनोमिक एक्टिविटी का हिस्सा है। फिर बात करिए रिटेल सैक्टर, जो 35.41 परसेंट इकोनोमिक एक्टिविटी का हिस्सा है। 20 परसेंट एम्प्लायमेंट जनरेट करता है। उसे भी इन्होंने कुछ नहीं दिया। छोटी दुकानें बंद हो गईं, सप्लाई चेन्स टूट गईं, लेकिन इन्होंने कुछ नहीं किया। एक विकट इकोनोमिक इमरजेंसी की सिचुएशन में, क्राइसिस में लाकर हमारे देश को इन्होंने खड़ा कर दिया। आप कहते हैं कि हमारी सराहना क्यों नहीं करते। अनएम्प्लायमेंट 27 ईयर्स में सबसे ज्यादा पहले ही था।

श्री सभापति: समाप्त करें।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): वह कोरोना के कारण और ज्यादा हो गया लेकिन आप एम्प्लायमेंट के लिए कोई रीहैबिलिटेशन पालिसी नहीं लेकर आए। डिमांड क्रिएट करेंगे तो सप्लाई क्रिएट होगी। डिमांड बंद है, इसलिए सप्लाई बंद है। डिमांड क्रिएट करने के लिए इकोनोमी के अंदर पैसा फ्लो करने की जरूरत है। जो आपने नहीं किया, you didn't do it. कांग्रेस यह कह रही थी कि साढ़े 7 हजार का कैश बेनिफिट ट्रांसफर आप दीजिए। पैसा दीजिए। इकोनोमी को पंप कीजिए। इन लोगों को financial stimulus and फाइनेंशियल प्रोटेक्शन दीजिए, लेकिन आपने नहीं दिया।

श्री सभापति: समाप्त करें।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): 11 करोड़ लोग आउट आफ पीडीएस

(सुश्री दिव्या मदेरणा)

के, एक सुरक्षा की बात कर रहे थे। खाद्य सुरक्षा की बात कर रहे थे। हमें कह रहे थे, लेकिन 11 करोड़ लोग पीडीएस से बाहर थे। उसके लिए आपने कुछ नहीं किया। नरेगा की बात करते हैं। आपको शायद अपना वाक्य नरेगा के लिए याद आ रहा होगा, जब आपने कहा था कि यह कांग्रेस की विफलताओं का मकबरा है। आज एम्प्लायमेंट देने के लिए रुरल में...

श्री सभापति: सहयोग करें। प्लीज, सहयोग करें।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): टू मिनट्स।

श्री सभापति: नहीं, एक मिनट में समाप्त करें अपनी बात को।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): टू मिनट्स। एम्प्लायमेंट देने के लिए आपको 200 कर देना चाहिए था, आपको 300 रुपये कर देना चाहिए था। आपको जॉब कार्ड धारकों को एडवांस पेमेंट कर देना चाहिए था, लेकिन आपने नहीं किया। हां, मैं मानती हूं कि 61 हजार करोड़ की जगह आपने 1 लाख करोड़ अलाटमेंट कर दिया, जिसमें 84 हजार करोड़ आउटस्टैंडिंग लाइबिलिटीज के साथ, इट्स ओनली 84 हजार करोड़। यह भी कांग्रेस के प्रेशर में किया। आपने कोई डायरेक्ट ट्रांसफर्स नहीं किए। आप अगर 5 हजार करोड़ से भी करते तो 65 थाउजेंड करोड़ बनते लोगों के लिए। आपने नहीं किया, लेकिन आपने क्या किया? आपने लोन्स राइट आफ किए 68 थाउजेंड करोड़ के, जो आरटीआई में पता चला।

राहुल गांधी जी ने संसद में पूछा कि वे 50 कौनसे घोटालेबाज हैं जो डिफाल्टर्स हुए हैं। आपने उसकी सूची नहीं दी, लेकिन 24 अप्रैल को आरटीआई में पता लगा कि मेहुल चौकसी, नीरव मोदी और विजय माल्या जो विलफुल डिफाल्टर्स थे, उनके 65 थाउजेंड करोड़ के करीब आपने राइट आफ कर दिए।

श्री सभापति: समाप्त करें। श्री वासुदेव देवनानी।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): 65 थाउजेंड करोड़ आप यहां दे देते।

श्री सभापति: प्लीज, सहयोग करें। विराजिए।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): माननीय सभापति महोदय... (व्यवधान)

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): आपने डीजल, पैट्रोल की 12 बार कीमतें टैक्स लगाकर के हाइक कीं।

श्री सभापति: सहयोग करिए। विराजिए। प्लीज।

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): I am concluding in one minute, Sir.

श्री सभापति: विराजिए। प्लीज, सहयोग करें। श्री वासुदेव देवनानी ...(व्यवधान)

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): देश को लाकर खड़ा कर दिया।

श्री सभापति: अंकित नहीं होगा।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): माननीय मंत्री जी ने कोरोना बीमार के लिए ...(व्यवधान)

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): 000

श्री सभापति: प्लीज, सहयोग करें। नहीं, समाप्त हो गया। (व्यवधान)

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): 000

श्री सभापति: बैठ जाइए आप। नहीं, अलाउ नहीं करूंगा।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): भीलवाड़ा माडल, आखिर जयपुर और जोधपुर माडल क्यों नहीं अपनाया?

सुश्री दिव्या मदेरणा (ओसियां): 000

श्री सभापति: अंकित नहीं होगा।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): वहां भीलवाड़ा माडल नहीं हुआ ...(व्यवधान) वहां 1600 से ज्यादा संक्रमित हैं। वहां पर आज भी हालत खराब है।

श्री सभापति: माननीय सदस्य। आप लोग यदि इसको गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, मेरे पास समय की सीमा है। उस समय की सीमा को दोनों तरफ के, माननीय शान्ती धारीवाल जी और माननीय नेता, प्रतिपक्ष ने तय की है। इसका मतलब तो यह हो गया कि आप तो जो मर्जी आए सो बोलेंगे। बोले और बाहर निकले। बोले और बाहर निकले। लास्ट के जो सदस्य बैठे रहते हैं, वे इंतजार करते रहते हैं। प्लीज, प्लीज, सहयोग करें ...(व्यवधान) प्लीज, आप विराजें। आपको इंडिविजुवल नहीं कह रहा हूं। आप विराजिए। अगर आप सब लोग समय की सीमा का ध्यान रखेंगे तो आप सबको आसन सहयोग करेगा। समय की मर्यादा है। समय को अगर बांधने की स्थिति होती

(श्री सभापति)

तो मैं समय को बांध देता और आप जितना बोलना चाहते हैं उतनी इजाजत देता। समय की अपनी सीमा है। आप बोलेंगे और लास्ट में जो लोग बैठे रहते हैं, वे नहीं बोल पाएंगे तो मुझे भी पीड़ा होगी। उनको भी तकलीफ होगी। वे भी अपनी तैयारी करके आए हैं। इस कारण मुझे बार-बार आपको टोकना पड़ता है। मेहरबानी करके 5 और 7 मिनट में अपनी बात समाप्त करें। यह सहयोग आप देंगे तो जितनी समय की सीमा हम लोगों ने तय की है, उसमें आराम से हो जाएगा। प्लीज, सहयोग करें। श्री वासुदेव देवनानी।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): सभापति महोदय, अब 3 बजकर 6 मिनट हुए हैं। अभी चिकित्सा मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में खूब अपनी पीठ थपथपाई कि हमारी सरकार ने कोरोना को रोकने में बहुत सारे काम किए। इस समय जब उन्होंने भीलवाड़ा माडल की चर्चा की, उसके बाद आज जो 1600 से ज्यादा संक्रमित मरीज हैं, लेकिन वह आप जयपुर और जोधपुर में क्यों नहीं, जोधपुर में 10 हजार के करीबन संक्रमित मरीज हैं, जरा उस माडल की सराहना करें।

दूसरा बिन्दु आपने कहा कि राजस्थान में एक भी भूखा नहीं मरा। यह सत्य है। राजस्थान ही नहीं, पूरे देश में एक भी भूख से व्यक्ति नहीं मरा। इसका आप पर नहीं है। इसके लिए भारतीय संस्कृति को वाह-वाह है कि जिसके कारण से पड़ौसी भी भूखा नहीं सोये, इसकी चिंता भामाशाहों ने की। उसके साथ दूसरा यदि श्रेय है तो माननीय मोदी जी को है। क्या आपको 67 हजार टन गेहूं नहीं मिला? आपको रुपये मिले। आपको आपदा में पैसे मिले। आपको मेडिकल क्षेत्र में पैसे मिले। आपको जीएसटी के पैसे मिले। आपको डीएमएफटी के पैसे यूज करने का आश्वासन मिला। आपके पास पैसों की कोई कमी नहीं थी। केवल आपको उस वास्तविकता पर जाना चाहिए। यदि मैं आपको कहूं कि माननीय मंत्री जी, आप तो 32 दिन क्या 4 महीने में ही फील्ड में नहीं गये।

सभापति महोदय, आप अजमेर जिले के जेएलएन हास्पिटल अचानक चले जाएं। आप आइसोलेशन वार्ड और क्वारंटीन वार्ड में चले जाएं। वहां के टायलेट को देख लें। मरीज वैसे न मरे, लेकिन वहां की अव्यवस्थाओं से जरूर मरता है। इस प्रकार की वहां पर स्थिति है। वहां न तो कोई सीनियर डाक्टर रहता है, रेजीडेंट डाक्टर्स भी नहीं जाते हैं। वार्ड ब्वाय के द्वारा उसको पैकेट

(श्री वासुदेव देवनानी)

और दवाई दी जाती है। वहां टायलेट्स में ऐसी बदबू है कि कोई घुस नहीं सकता। ऐसी अस्पताल की दुर्दशा शायद देश में कहीं नहीं होगी। यह स्थिति बनी है कि नर्सिंग की रोटेशन में ड्यूटी नहीं लगती। जो नए नर्सिंग स्टाफ आते हैं, उनको कहते हैं कि लगातार ड्यूटी देते रहो और पुराने लोग बैठे रहते हैं। इस तरह की वहां पर लापरवाही है। इधर उनके पास न तो पीपीई किट पूरे हैं, न ग्लव्ज हैं, न एन 95 मास्क हैं। इस प्रकार की स्थिति के बाद भी यह दावा करना कि राजस्थान के अंदर सब कुछ ठीक है, तो निश्चित रूप से इस पर विचार करना पड़ेगा कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी।

दूसरा प्राइवेट हास्पिटल्स की मनमानी, जब चाहो तब रिपोर्ट पॉजिटिव आ जाए। जब चाहो तब रिपोर्ट नेगेटिव आ जाए। इसका कोई पता नहीं लगता। नेगेटिव को भी पॉजिटिव बताकर अपने यहां भर्ती करा लेंगे। मनमाने पैसे लेते हैं। ऐसी दुर्दशा है कि लाखों का बिल बनना शुरू हो जाता है। आखिर व्यक्ति जाए तो जाए कहां? सरकारी अस्पताल में अव्यवस्था, वहां पर हालत खराब। प्राइवेट हास्पिटल में जाएं तो बिल का करंट। आखिर राजस्थान में मरीज की स्थिति यह है। मरीजों की संख्या 70 हजार के आसपास पहुंच रही है। 1 हजार लोग मृत्यु ग्रास में जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में निश्चित रूप से सरकार को गंभीरता से विचार करके व्यवस्थाओं में सुधार करना चाहिए।

दूसरा आपने कहा खरीद, चिकित्सा मंत्री जी आप मेरे जिले से आते हैं। आज अजमेर जिले की जितनी खरीद हुई है निष्पक्ष एजेंसी के साथ आप उसकी यदि जांच करवा दें तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। आज कोई मास्क लिया गया 10 रुपये में, 3 दिन के बाद वही मास्क लिया गया 13 रुपये में, लाखों इस प्रकार के मास्क, सेनिटाइजर और पता नहीं क्या -क्या खरीदा गया है। शुद्ध रूप से वहां पर भ्रष्टाचार हुआ है। उसकी जांच होगी तो पता चल जाएगा।

जहां तक मैं आर्थिक प्रबंधन की बात करूं तो आर्थिक दृष्टि से आपने जिस प्रकार की व्यवस्थाएं बनाईं, आज स्कूली बच्चों के अभिभावक परेशान हैं। लगातार प्राइवेट मैनेजमेंट उनको फोन कर रहा है कि फीस जमा कराओ। 3-4 महीने से उनका धंधा बंद है। आय नहीं है। शिक्षा मंत्री जी का वक्तव्य आ जाता है कि 3 महीने तक फीस स्थगित की जाती है। कैसे स्थगित की, वे

(श्री वासुदेव देवनानी)

पैसे कैसे देंगे? जरा उस पर कहीं न कहीं विचार किया जाना चाहिए। आपने बात की पैट्रोल-डीजल की, आपने इन पर वैट बढ़ा दिया, आज दिल्ली सरकार ने वैट कम करके, 8 रुपये कम करके पैट्रोल-डीजल को सस्ता कर दिया तो राजस्थान सरकार क्यों नहीं कर सकती राहत देने के लिए? लेकिन सरकार की नींद नहीं खुल रही है और साथ के अंदर आपने एक पेशेंट के लिए 2440 रुपये का प्रावधान रखा, खर्च कितना हुआ? आपकी व्यवस्था तो देखो, आज आपके एक बैड पर, पलंग और चद्दर के लिए 550 रुपये दे रहे हो, जो प्राइवेट होटल्स आपने लिए हैं, उन होटल वालों को आप 238 रुपये प्रतिदिन दे रहे हो, उनका भी खर्चा है, बिजली का खर्चा। बिजली में स्थायी शुल्क और बाकी का करंट मारा जा रहा है। आज जो आर्थिक स्थिति से टूट गए हैं, मन से वैसे ही बीमारी का उन पर भार और दूसरा आर्थिक रूप से भार, लेकिन सरकार इस पर केवल मौन धारण किए हुए है। कहते हैं कि नया राजस्थान बनाएंगे लेकिन मेरे को लगता है कि यदि यही अवस्था रही तो यह रोगी राजस्थान बनने में कोई देरी नहीं लगेगी। यह मैं आज आपसे कह रहा हूं कि आज गरीब लोगों की तो फिर भी कुछ चिंता की, मध्यम वर्ग आज बुरी तरह से पीड़ित है। मध्यम वर्ग मारे शर्म के किसी के सामने हाथ भी नहीं फैला सकता, उसकी कोई व्यवस्था नहीं हुई, जो राशन कार्ड लेकर घूमते रहे, उनको किसी प्रकार की कोई सहायता नहीं मिली। लेकिन यह तो आप कहो कि 80 करोड़ लोगों को आज मोदीजी के द्वारा गेहूं और अन्य सहायता मिल रही है।

माननीय सभापति महोदय, जैसा आपने कहा कि समय नहीं है, मैं अपनी समय सीमा में आपको कुछ अच्छे सुझाव दूंगा। इस समय आप पांच-छह बातें यदि आप करेंगे तो काफी लाभ होगा।

(1) इस समय जिस प्रकार से संक्रमण बढ़ रहा है, हर शनिवार और रविवार को हास्पिटल्स के अलावा बाकी सारे सरकारी संस्थान बंद रहते हैं, निजी भी बंद रहते हैं। क्या वापस ये दो दिन इस राजस्थान में यदि लॉकडाउन शुरू करेंगे तो निश्चित रूप से उससे संक्रमण कुछ बचेगा।

(2) निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक। आप वक्तव्य दे देते हैं, उसकी क्रियान्विति नहीं होती। आज एक भी निजी अस्पताल के

(श्री वासुदेव देवनानी)

खिलाफ आपने कार्यवाही की हो तो जरा सदन में बताएंगे तो ध्यान में रहेगा।

(3) जो प्रवासी आए हैं उनके बच्चों के एडमिशन हों। जो प्रवासी मजदूर आए हैं, 14 लाख आपके वक्तव्य के अनुसार हैं, 6 लाख यहां से चले गए तो इन 14 लाख लोगों के रोजगार की व्यवस्था कैसे होगी? वह वहां से व्यवस्था करते थे क्या? यहां उच्च शिक्षा मंत्री नहीं बैठे हैं, उनको आईटीआई के अंदर उसी ट्रेड के अंदर थोड़ा प्रशिक्षण देकर क्या उनको हम रोजगार के लिए प्रयास नहीं कर सकते कि वे राजस्थान में ही रहकर अपना रोजगार कर सकें? क्या इसके लिए आप तैयार कर सकते हैं क्या?

(4) सारे निगम, वार्ड, इनमें सेनिटाइजेशन, शुरू में बड़ा जोर-शोर से अभियान चला। आज कहीं कोई सैनिटाइज नहीं हो रहा है, बिना इसके बीमारी बढ़ेगी।

(5) आपके जो होम आइसोलेशन में हैं, उनका होम आइसोलेशन कर दिया। उनको कोई डाक्टर पूछता नहीं है, यदि डाक्टर उसके घर नहीं जा सकता तो उससे पूछ तो सकते हैं टेलीफोन से कि कौनसी दवाई ले रहे हो, कितनी लेनी है, तुम्हारी स्थिति क्या है, क्या उनकी चिंता करने की व्यवस्था नहीं हो सकती?

जब हम इन सारे लोगों की चिंता करेंगे, आपके हाथ में कितना है यह पता नहीं, लेकिन मैं आपके माध्यम से मांग करूंगा कि मध्यम वर्ग के लिए बिजली के स्थायी शुल्क माफ किए जाएं। तीन महीने, चार महीने के माफ किए जाएं, स्थायी शुल्क कम किया जाए। प्राइवेट स्कूलों में जिस तरह से मनमानी हो रही है, चिकित्सालयों की मनमानी पर रोक लगे, तब जाकर आपकी कुछ व्यवस्थाएं ठीक होंगी। नहीं तो इस समय जिस प्रकार की स्थिति रही है, आपके वार्ड हैं हास्पिटल्स के, कम से कम उनमें सीसी टीवी कैमरा लगा दें, वहां पर वाई-फाई टीवी लगा दें ताकि व्यक्ति अपना जीवन तो वहां पर जी सके, नहीं तो इधर वैसे ही परेशान है, उधर वैसे परेशान है। उसकी सारी स्थिति इतनी दयनीय है, माननीय सभापति महोदय, जिसके कारण से आज सारा राजस्थान परेशान है। हम वाहवाही न करके वास्तविकता पर दु:खी को सहायता मिले और गरीबों, मध्यम वर्ग की सबकी चिंता करो और जब तक सरकार यह चिंता नहीं करेगी, तब तक यहां की स्थिति सुधरेगी नहीं।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): आपने कहा कि 40 हजार का इंजेक्शन है। यह तो बताओ कि कितनों को लगा, मुझे पता नहीं कि अजमेर में किसी को लगा हो। यह भी एक प्रकार का इंजेक्शन रखे हुए हैं लेकिन वह गरीब को नहीं मिलता, जिसकी अप्रोच होगी उसको भले ही लग रहा हो। आज वास्तव में आप गरीब की चिंता करो, आप मेरे जिले से आते हैं, इसलिए आप पर हमारा हक है। इन पांच महीनों में आपने एक भी बार अजमेर आकर न किसी को संभाला, न हमसे कोई पूछताछ की। यदि आप इसकी मोनिटरिंग करेंगे, आप ही नहीं करेंगे तो नीचे के अधिकारी नहीं करेंगे। ये नीचे के अधिकारी मोनिटरिंग करें तो यह व्यवस्था सुधर सकती है। आपका और मेरा, सबका उद्देश्य है कि एक भी मृत्यु न हो, संक्रमण तुरंत रुके तो इसके लिए प्रभावी कदम भी उठाने की आवश्यकता पड़ेगी। माननीय सभापति महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

श्री सभापति: श्री जगदीश चन्द्र।

श्री जगदीश चन्द्र (सादुलशहर): माननीय सभापति महोदय, आपने बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद। बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो रही है। सबसे पहले तो मैं राजस्थान के मुख्य मंत्रीजी को और स्वास्थ्य मंत्रीजी को धन्यवाद देना चाह रहा हूं कि इस विषय पर सदन में वास्तव में बहुत विस्तार से चर्चा की। हिन्दुस्तान का पहला राज्य है जहां पर स्वास्थ्य के बारे में चर्चा करते हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्रीजी को इस बात का भी धन्यवाद देना चाह रहा हूं कि लॉकडाउन के दौरान लोगों की जिस तरह से दुर्गति हुई थी, खाने की दिक्कत थी, रोजगार की दिक्कत थी, मुख्य मंत्रीजी ने एक जोरदार प्रदर्शन करके, जोरदार व्यवस्था करके उनको राहत प्रदान की, इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, भारत सरकार ने 6 लॉकडाउन किए हैं और 6 नोटिफिकेशन किए हैं। पहला नोटिफिकेशन 24 तारीख को, दूसरा 29 तारीख को, तीसरा 15 अप्रैल को और चौथा 16 अप्रैल को, 19 अप्रैल को और 1 मई को। जिस तरीके से ब्रिटिश हुकूमत ने कलेक्टर के माध्यम से सरकार चलाने का प्रयास किया, उसी तरीके से भारत सरकार ने कलेक्टर के माध्यम से सरकार चलाकर इस देश में प्रजातांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकारों को नपुंसक करने की कोशिश की है, मैं इसकी निंदा करना चाह रहा हूं।

(श्री जगदीश चन्द्र)

माननीय सभापति महोदय, जिस दिन लॉकडाउन हुआ, सरकार ने बगैर सोचे समझे, 24 घण्टे के नोटिस पर देश को लॉकडाउन कर दिया। आजादी के बाद में या तो हिन्दुस्तान-पाकिस्तान बना था 1947 के अंदर 10 लाख लोग बेघर हुए थे, वहीं केन्द्र सरकार के बगैर सोचे-समझे फैसले के माध्यम से 14 करोड़ लोगों को बेरोजगार कर दिया गया, बेघर कर दिया गया, छोटे-छोटे बच्चे सड़कों पर चल रहे थे, गर्भवती महिलाएं सड़कों पर चल रही थीं, खाने की व्यवस्था नहीं, पांच-पांच सौ, चार-चार सौ किलोमीटर चल रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार तो राजनीतिक उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए अपने काम में लगी हुई थी।

माननीय सभापति महोदय, इस तरीके का फैसला इस देश में पहले कभी नहीं हुआ। जो 14 करोड़ लोग बेघर हुए हैं, जिनकी आज तक व्यवस्था नहीं की गई और देश की वित्त मंत्री 26 मार्च को एक प्रेस कांफ्रेंस करती हैं और पांच आर्थिक पैकेज की घोषणा करती हैं, बीस लाख करोड़ रुपये का माननीय प्रधान मंत्रीजी आत्म निर्भर भारत की घोषणा करते हैं कि आर्थिक पैकेज के माध्यम से इस देश के लोगों को संबल प्रदान किया जाए। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाह रहा हूं कि जो चौथी घोषणा है, मैं उसकी चर्चा करूंगा। इस पैकेज के अंदर डिफेंस, इस पैकेज के अंदर स्पेस, कोल माइंस, सरकार के जो हजारों पीएसयूज थे उन सबको प्राइवेटाइज करके 45 परसेंट से 74 परसेंट किया गया, सरकार द्वारा इसे लूट का एक सोर्स बनाया गया। कोरोना वायरस आपदा के दौरान सरकार ने उनकी रक्षा नहीं की, देश के लोगों की रक्षा नहीं की, सरकार ने अपने आर्थिक हित साधे हैं, अपने राजनीतिक हित साधे हैं। इस बात की मैं आज चर्चा करना चाहता हूं।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जो फैसला 8 तारीख को, 26 तारीख को, देश की वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि 8 करोड़ लोग सड़कों पर बेघर हैं, 2011 का आंकड़ा दिया गया, जबकि 2011 की जनसंख्या और आज 2020 की जनसंख्या को देखते हुए आप अंदाज लगा सकते हो कि देश के कितने लोग आज बेरोजगार हुए हैं। आज तक जो लोग गये थे अपने घरों से वे वापस नहीं आए हैं, उनमें खौफ पैदा हो गया है कि किस तरीके से हमारा पुनर्वास होगा। इस बात की उनको चिंता है, लेकिन मैं राजस्थान की मुख्य मंत्रीजी को बधाई देना चाह रहा हूं कि 17 लाख लोगों की व्यवस्था की गई, 45 लाख लोगों को अपने घरों में बसाया गया बाहर से लाकर।

(श्री जगदीश चन्द्र)

माननीय सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे एक साथी ने चर्चा की थी कि एक दिन का वेतन हमारे सभी माननीय विधायकों का और सांसदों का कोविड फण्ड में देना चाह रहे हैं। मेरा निवेदन है कि भारत सरकार ने एमपी लैड खतम कर दिया लेकिन माननीय मुख्य मंत्रीजी और हमारे स्वास्थ्य मंत्रीजी बधाई के पात्र हैं कि हमारा जो एमएलए लैड फण्ड को जारी रखा और दो-दो करोड़ रुपये मेडिकल और हैल्थ के बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, ढांचे को मजबूत करने के लिए जो प्रावधान किया गया है, आपने राजस्थान के स्वास्थ्य के ढांचे को मजबूत करने का प्रयास किया है।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि जिस तरीके से आत्मनिर्भर भारत की जो चर्चा की है वह सरकारी चाल थी और देश के बहुत बड़े अर्थशास्त्री, प्रोफेसर एनआर भानुमति ने कहा है कि हमारी जो जीडीपी है उसमें 12.5 प्रतिशत तक की गिरावट आएगी। 10 परसेंट जीडीपी का खर्च करने की जो बात कही गई थी आर्थिक पैकेज के माध्यम से उसका एक परसेंट खर्च होगा इस देश के अंदर। माननीय सभापति महोदय, किस तरीके से सरकारी खजाने को, किस तरीके से लोन मेला लगाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया गया है, न कि देश की आर्थिक दशा को ठीक करने का प्रयास किया गया है। इस तरीके का भ्रमजाल, एक बीमारी को बहाना बनाकर, एक बीमारी को इस्तेमाल करके इस देश के लोगों को लूटने का प्रयास किया गया, इस सदन के माध्यम से मैं निवेदन करना चाह रहा हूं कि इस बात की भी चर्चा होनी चाहिए कि अब तक भारत सरकार का कितना पैसा वास्तव में कोरोना पर खर्च किया गया है।

माननीय सभापति महोदय, ज्यादा लम्बी बात नहीं करूंगा, क्योंकि आपने समय की सीमा बांध रखी है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाह रहा हूं, जब कोरोना के दौरान डाक्टर किसी से मिलते नहीं थे और मरीजों को देखना बंद कर दिया गया था, मुख्य मंत्री जी और स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस बात की व्यवस्था की कि चाहे किसी भी प्रकार की बीमारी का मरीज हो, उसकी पूर्ण देखभाल की जाए। सारी की सारी पीएचसी और सारे के सारे सब-सेन्टर और सारे के सारे डिस्ट्रिक्ट अस्पतालों में डाक्टरों की व्यवस्था की। आपने भर्तियां कीं, नर्सेज की व्यवस्था की ताकि लॉकडाउन में किसी व्यक्ति को परेशान न होना पड़े, इसलिए मुख्य मंत्री जी और स्वास्थ्य मंत्री जी बधाई के पात्र हैं।

(श्री जगदीश चन्द्र)

माननीय सभापति महोदय, आज कोरोना पर चर्चा हो रही है। निश्चित तौर पर आज इस बात पर चर्चा थी कि किसी तरह से कोरोना काल में जिन लोगों के धंधे उजड़ गये हैं, जिन गरीबों के रोजगार चले गये हैं, उनको कैसे पुनर्स्थापित किया जाए। इस बात पर आज चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन हमारे साथियों ने वह चर्चा नहीं करके एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने शुरू कर दिये, इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि राजस्थान सरकार इस बात पर चिंता करे कि आज कितने लोग बेघर हो गये हैं। जो हाथ से काम करने वाले थे, चाहे लोहार हों, चाहे कुम्हार हों, चाहे नाई हों, चाहे सुथार हों, जो लोग हाथ की दस्तकारी करते थे, जिनकी रोजी-रोटी की व्यवस्था खतम हो गयी, माननीय मुख्य मंत्री जी ने 3500 रुपये उनके अकाउंट में डालकर उन्हें सम्बल प्रदान करने का प्रयास किया, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि पूरे राजस्थान का सर्वे कराकर, किनकी फैक्ट्रीज बंद हो गयी हैं, कौन मजदूर विस्थापित हो गये हैं, कौन मजदूर बाहर चले गये हैं, दोबारा से उन्हें भेजने की व्यवस्था की जाए ताकि इस कोरोना की बीमारी से ठीक से लड़ सकें। आपने मुझे बोलने का समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री बलजीत यादव।

श्री बलजीत यादव (बहरोड़): सभापति महोदय, धन्यवाद। आपने कोरोना पर चर्चा में मुझे भाग लेने का मौका दिया। सबसे पहले मैं हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं स्पीकर महोदय और मुख्य मंत्री जी का, जिन्होंने काफी जद्दोजहद करके विधान सभा का यह सत्र बुलाया। मैं समझता हूं कि सभी सदस्यों की यह इच्छा थी कि कोरोना पर चर्चा हो, लेकिन पता नहीं क्या कारण रहे कि बार-बार राज्यपाल महोदय द्वारा मना किया गया कि सदन नहीं बुलाया जा सकता, पर अंतत: बुलाया गया।

अभी पारख साहब बोल रहे थे 35 दिन लॉकडाउन में रहे मंत्री महोदय। व्यंग्य कर रहे थे वे और मीडिया में भी कई बार पढ़ने को मिला। मैं सिर्फ यही कहूंगा कि मैं बहुत छोटा आदमी हूं। पहली बार जीतकर आया हूं। बहुत बड़े-बड़े लोग हैं, बहुत उनमें ताकत है, वे किसी को भी लॉकडाउन में कभी भी भेज सकते हैं, लेकिन मेरी उनसे हाथ जोड़कर विनती है कि ये लॉकडाउन में गये, मुझे नहीं पता कौन डरा, कौन नहीं डरा, लेकिन राजस्थान की आठ करोड़ जनता भयभीत थी, गरीब मजदूर भयभीत था कि पहले अंग्रेजों

(श्री बलजीत यादव)

का राज था, मुगलों का राज था, पता नहीं कितने लोग शहीद हुए और कितने लोगों ने आजादी की लड़ाई लड़ी और लड़कर उसको यह अधिकार मिला कि उसके वोट के दम से सरकार बनेगी और उसके वोट के दम से सरकार गिरेगी। उसको लगा कि कहीं मेरा यह अधिकार छिनने वाला तो नहीं, लेकिन भगवान की मेहरबानी कहें या सदस्यों की कहें, उस गरीब को लगा कि नहीं, उसके वोट की अहमियत है। रही बात कि फाइव स्टार होटल में मजे कर रहे थे, मीडिया के लोग छापते थे, विपक्ष के लोग आरोप लगाते थे। मैं इस सदन में कहना चाहता हूं, कांग्रेस के लोग फाइव स्टार में गये तो हो सकता है उनकी पार्टी ने उनका खर्चा दिया हो, भाजपा के लोग बाड़े में गये तो हो सकता है उनकी पार्टी ने उनका खर्चा दिया हो, आपकी पार्टियों को बड़े-बड़े लोग चंदा देते हैं, लेकिन हम इंडिपेंडेंट लोग हैं, हम जीरो से उठकर आये हैं और जनता के दम पर आये हैं और सारी पार्टियों को गिराकर सदन में आये हैं, जनता ने हमें यहां चुनकर भेजा है। जनता ने कहा कि हमारे वोट की कीमत को बचाएं तो हम मीटिंग में गये और अपनी जेब के पैसे से पानी पीया। एक नम्बर का चेक भी मुख्य मंत्री को दिया है। आपका पानी नहीं पीएंगे, आपकी चाय नहीं पीएंगे, बिलकुल नि:स्वार्थ हम सपोर्ट करेंगे, क्योंकि हमें उस वोट की कीमत को बचाना है। इसलिए कभी यह आरोप नहीं लगाइएगा कि हम फाइव स्टार होटल में जाकर मजे कर रहे थे। एक नम्बर से मेरा चेक गया हुआ है, होटल के एक-एक रुपये का बिल बलजीत यादव ने अपनी मेहनत की कमाई से चुकता किया है। किसी कांग्रेस पार्टी या मुख्य मंत्री के पैसे से चुकता नहीं किया है। यह आन रिकार्ड है। आप चाहे इनकम टैक्स से पता करवा लें कि कितना पैसा मेरे अकाउंट से गया है।

मैं कोरोना पर बात करना चाहता हूं। सभापति महोदय, विदेशों से बड़े लोग यहां एक बीमारी लेकर आ गये और जान पर आ पड़ी गरीब, मेहनतकश और मिडिल क्लास लोगों की। तरह-तरह की बातें होती हैं, तरह-तरह के आदेश जारी होते हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत केन्द्र सरकार ने एक आदेश जारी किया। हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने कहा कि जो गरीब लोग हैं, मजदूर लोग हैं, जो फैक्ट्रियों में काम करते हैं, उन्हें लॉकडाउन के समय का पूरा वेतन फैक्ट्री मालिक देंगे, लेकिन एक भी गरीब को हिन्दुस्तान में, अगर

(श्री बलजीत यादव)

सच्चाई आप जानना चाहते हैं तो आपने बोला और स्टेट गवर्नमेंट ने भी, मैं कोई पक्ष नहीं लूंगा, अगर गलती राज्य सरकार की होगी तो निश्चित रूप से छाती ठोक कर विरोध भी मैं करूंगा कि यह चीज गलत है। हिन्दुस्तान की सभी राज्य सरकारों ने आदेश जारी कर दिया, डायरेक्शन जारी कर दिये कि हां, सबको लॉकडाउन के समय का वेतन दिया जाएगा, लेकिन एक को भी नहीं मिला। इसलिए मैं मांग करता हूं इस सदन के अंदर कि आप कोई बिल लेकर आएं और बिलकुल इस चीज के लिए स्ट्रिक्ट होकर उसे जारी करवाएं। केवल बोलने से और सस्ती लोकप्रियता हासिल करके पीछा नहीं छूटेगा। आप उस गरीब को उसका हक दिलाएं। उसकी नौकरी छूट गयी, उसे निकाला गया, उसका वेतन नहीं मिल रहा है, वह उसको दिलाएं। स्कूलें लगी नहीं। मैंने कभी नहीं सुना कि ऐसा हो सकता है कि एक दिन भी बच्चा स्कूल नहीं जाए, किसी टीचर ने उसे पढ़ाया नहीं, गरीब मजदूर है, महंगी-महंगी फीस है, उसके घर पर रोजाना कॉल आ रहे हैं और आप ऑनलाइन क्लास चालू करके उस गरीब मजदूर के बच्चे को बेइज्जत करते हैं- ''फलां लड़के, आपकी फीस जमा नहीं हुई है। आपके पेरेंट्स को बोलिए फीस जमा कराए।'' मैं कहना चाहता हूं इस सदन के अंदर एक भी व्यक्ति नहीं है जिसने इस बात पर चर्चा की हो कि गरीब के बच्चे की स्कूल की फीस कैसे माफ होगी। अभिभावक जब सुप्रीम कोर्ट में गये तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर स्टेट की अलग-अलग स्थितियां हैं, अलग-अलग प्रोब्लम्स हैं। आप हाई कोर्ट में जाइए, वहां की सरकार से बात करें, लेकिन मैं कहना चाहता हूं, आपने बोल दिया एक बार, बोलने से नहीं होगा।

मैंने बहरोड़ में सारे स्कूल मालिकों को बुलाकर कहा कि जब तक बलजीत यादव जिंदा है, यहां पर कोई किसी गरीब मजदूर की फीस नहीं ले सकता। मेरी छाती पर चढ़कर फीस ले सकते हो, उसके लिए चाहे मुझे अरेस्ट कर लेना, चाहे कह देना कि यह कानून को नहीं मान रहा है, लेकिन कानून या तो बनाइए और नहीं बनाएंगे तो निश्चित रूप से अन्याय नहीं होने देंगे, हम लड़ेंगे। जनता की डिमाण्ड होती है, वैसे ही कानून नये बनाये जाते हैं, इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि एक बिल लेकर आये और अभी कई स्टेट्स ने किया, यूपी ने किया, नहीं माना तो यूपी सरकार एक बिल लेकर आयी, आर्डिनेंस जारी करवाया “Self Financed Independent Schools

(श्री बलजीत यादव)

Act, 2020", क्योंकि स्कूल मालिक को अगर आप कुछ नहीं कहेंगे तो वह रुकेगा नहीं। केवल आपके भाषण से नहीं रुकेगा। आप इसके लिए कोई आर्डिनेंस लेकर आइए, कोई एक्ट बनाइए। यह कतई भी व्यावहारिक नहीं है कि एक दिन भी बच्चा स्कूल नहीं गया और उससे फीस ली जाए।

सभापति महोदय, गरीब का, किसान का बेटा यहां कोचिंग में पढ़ता है, तैयारी करता है, वह कालेज-यूनिवर्सिटी में पढ़ता है, किराये पर मकान लेकर रहता है। आपने लॉकडाउन कर दिया, वह अपने घर पर अटक गया। उसका सामान पड़ा है यहां पर मकान-मालिक के पास, मकान-मालिक कह रहा है कि मुझे किराया चाहिए लॉकडाउन के वक्त का भी। वह कैसे किराया दे? उस के किसान पिता की कमाई बंद। फसल उसकी उजड़ गयी, मजदूर की फैक्ट्री में नौकरी छूट गयी, सब कुछ बर्बाद हो गया उसका। उसका बिजली का बिल आ रहा है, वह बिल माफ करना चाहिए उसका। मकान किराया, अगर कोई वास्तव में जरूरतमंद है, वास्तव में गरीब है मकान-मालिक कि उसका सब कुछ उसी पर चलता है तो सरकार सर्वे कराए और राज्य सरकार और केन्द्र सरकार मिलकर के उस मकान का किराया दे। कोई बहुत ज्यादा किराया नहीं है। आप सेनिटाइजर छिड़का रहे हैं, सब बातें कर रहे हैं, कुछ नहीं होना सेनिटाइजर से, पानी छिड़केंगे और खा जाएंगे लोगबाग, इसलिए आप यह चीज करने की बजाय मकान किराया दें, बिजली का बिल माफ करें और उस मजदूर को उसका हक दिलाएं, उसे उसका वेतन मिले। यह चीज सुनिश्चित करें।

पड़ोस का स्टेट मध्य प्रदेश अभी कह रहा है, केवल मध्य प्रदेश के लोगों को सरकारी नौकरी मिलेगी। मैंने पहले पिछले सदन में भी इस बात को उठाया था, 21 स्टेट हिन्दुस्तान के ऐसे हैं, जिनमें राजस्थान के अभ्यर्थियों के सलेक्शन की परसेंटेज जीरो है। वहां उन्हें नहीं लिया जा रहा है। या तो यह होना चाहिए कि पूरे हिन्दुस्तान में कोई भी स्टेट यह बाउण्ड नहीं करे कि हमारे ही स्टेट का आदमी नौकरी लगेगा और अगर लगेगा तो राजस्थान के जवान के साथ फिर अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार यहां भी कानून लेकर आये। सारा ठेका राजस्थान के युवा ने नहीं उठा रखा कि सारी की सारी कीमत राजस्थान का युवा उठाएगा। आपके बिजली विभाग में, मंत्री जी यहां बैठे हैं, एईएन-जेईएन के एग्जाम होते हैं, उसके लिए कहते हैं राजस्थान में नहीं करा सकते, बाहर होते हैं।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री बलजीत यादव (बहरोड़): पहले राजस्थान का जी.के. आता था 25 परसेंट, तब सलेक्शन होते थे बाहर के लोगों के 5 परसेंट। अभी उसको हटा दिया यहां के राजस्थान के जी.के. को तो सलेक्शन में अभी कितना रिजल्ट आया, 61.80 परसेंट बाहर के लोग यहां पर आ गये।

श्री सभापति: प्लीज, प्लीज विराजिए।

श्री बलजीत यादव (बहरोड़): इसलिए मैं मांग करता हूं कि राजस्थान के बेरोजगार युवाओं के हक की रक्षा करे यह सदन।

श्री सभापति: विराजिये, विराजिये।

श्री बलजीत यादव (बहरोड़): गरीब, मजदूर और जो किरायेदार हैं उनके हक की यह सदन रक्षा करे और इसके ऊपर बिल लाया जाना चाहिए यह मैं मांग करता हूं। धन्यवाद सभापति महोदय।

श्री सभापति: श्री मदन दिलावर।

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): माननीय सभापति महोदय, कोरोना वायरस जब राजस्थान में डरावनी स्थिति में आया तब राजस्थान भर के डाक्टर्स, पैरा मेडिकल स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सफाई कर्मचारी, शिक्षक, अनेक लोगों ने बहुत ताकत के साथ काम किया। उनको पता था कि कोरोना वायरस हमारे ऊपर भी आक्रमण कर सकता है, हम भी बीमार हो सकते हैं, हमारा परिवार भी खतरे में आ सकता है, पर फिर भी उन्होंने अपनी ड्यूटी समझते हुए पूरी ताकत के साथ काम किया, लेकिन दूसरी तरफ कुछ असामाजिक तत्व उनके ऊपर हमले कर रहे थे, उनकी पिटाई कर रहे थे, उनके साथ अश्लील हरकतें कर रहे थे, पत्थर मार रहे थे पर यह सरकार कुछ नहीं कर रही थी। मैंने कई बार माननीय मुख्य मंत्री जी को पत्र लिखकर निवेदन किया, मैंने एक प्रशासनिक अधिकारी को पत्र लिखा कि ऐसे लोगों पर रासुका लगाइये ताकि इस प्रकार की हरकतें नहीं करें, लेकिन करते रहे-करते रहे और किसी ने सुना नहीं। वे लोग अपमानित होते रहे, वे पिटते रहे। पर जब मैंने कहा तो मैंने जैसे राजद्रोह का काम किया और मेरे ऊपर राजद्रोह की धाराएं इस सरकार में बैठे एक मंत्री ने एक कांग्रेसी कार्यकर्ता जो कि अतिक्रमणकारी है, जिसने करोड़ों रुपये की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है, उसको धमकाकर कराया कि यदि आपने मदन दिलावर के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज कराया तो आपका अतिक्रमण कल हटा देंगे इसलिए मेरे ऊपर

(श्री मदन दिलावर)

मुकदमा दर्ज करवाया। मैं कह रहा था कि जो कोरोना की लड़ाई लड़ रहे योद्धा हैं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जो हमारी बहनें हैं, पैरा मेडिकल स्टाफ है, डाक्टर्स हैं उन पर लगातार हमले हो रहे हैं पर कोई सुनने वाला नहीं है तो आखिर में यह क्या है? यह मेरी समझ में नहीं आया। कोरोना वायरस लगातार बढ़ रहा था और जयपुर और कोटा में क्या हो रहा था? यहां लॉकडाउन लगा हुआ है, कर्फ्यू लगा हुआ है और वहां पर सैकड़ों की तादाद में, हजारों की तादाद में लोग इकट्ठे होकर आंदोलन कर रहे हैं और हमारा गरीब आदमी किसी कारण से, बीमारी में भी किसी की परमिशन लेकर नहीं गया तो उसको लाठियां खाने पड़ रही है, उस गांव के आदमी को पुलिस पकड़ कर ले जा रही है। यहां बीच में मंत्री खड़े हैं, एमएलए खड़े हैं, कर्फ्यू लग रहा है और वे उनके बीच में मीटिंग कर रहे हैं, आनन्द कर रहे हैं। क्या यह है ड्रामा? इस सरकार ने ऐसा क्यों किया? आखिर में उनसे क्या समझौता था? क्योंकि वे लोग ऐसे थे जो देश को बर्बाद करना चाहते थे, वे पूरी तरह से संक्रमण फैलाकर इस राजस्थान को मटियामेट करना चाहते थे। वे जमाती लोग थे, वे इनके वोटर्स थे, इनकी पार्टी के लोग थे जिन्होंने राजस्थान भर में संक्रमण फैला दिया। ये क्या कहते हैं? हमारी मृत्यु दर यह हो गई है, हमने फैलने नहीं दिया है, हमने यह उपाय किये हैं पर कोई उपाय नहीं किये। आपने फैलाया है, मैं कहता हूं कि राजद्रोह का मुकदमा, राष्ट्रद्रोह का मुकदमा तो सरकार के ऊपर चलना चाहिए जिन्होंने चलाकर संक्रमण फैलाया है, लोगों को मरवाया है, सैकड़ों लोगों को मरवा दिया। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि दिल्ली से जो जमाती लोग आये, योजना से आये, हर जिले में चले गये। हमने कहा कि इनकी पहचान करो, इनको पकड़ो, इनको डालो, पर कुछ नहीं किया। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने ही कोरोना फैलाया है।

सोशल डिस्टेंसिंग की पालना की तो सब बात करते हैं। मेरे सामने जो बैठे हुए लोग हैं इनके बच्चों की सौगन्ध खिलाकर पूछो कि इन्होंने 34 दिन तक सोशल डिस्टेंसिंग की पालना की क्या? पूछो इनसे कि क्या कर रहे थे, राजस्थान की जनता पूछ रही है। (व्यवधान)

श्री सभापति: मैं आपसे अपेक्षा कर रहा था कि आप बहुमूल्य सुझाव देंगे। समाप्त करिये।

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): हां, मैं बहुमूल्य सुझाव दे रहा हूं।

(श्री मदन दिलावर)

(व्यवधान) माननीय सभापति महोदय, मैं लगातार कह रहा था कि होम क्वारंटाइन वहां होता है जहां समझदार लोग होते हैं। होम क्वारंटाइन वहां होता है जहां पर्याप्त स्पेस होता है। आइसोलेशन वहां होता है जहां पर्याप्त स्पेस होता है। एक-एक घर में बीस-बीस लोग रहते हैं और उसे कहते हो कि होम क्वारंटाइन करो। होम क्वारंटाइन होगा क्या?

श्री सभापति: समाप्त करिये, समाप्त करें।

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): मैं घड़ी देखकर खड़ा हुआ हूं अभी दो मिनट हुए हैं। होम क्वारंटाइन वहां नहीं होता है, होम क्वारंटाइन के लिए पर्याप्त स्पेस चाहिए इसलिए जान-बूझकर कोरोना फैलाया है।

श्री सभापति: समाप्त करें। श्रीमती शकुंतला रावत।

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): 11 करोड़ रुपये के मास्क कौन ले गया?

श्री सभापति: अंकित नहीं होगा। (व्यवधान) श्रीमती शकुंतला रावत।

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): 000

श्री सभापति: विराजिये, विराजिये।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): माननीय सभापति महोदय, सार्थक चर्चा कोरोना वायरस पर चल रही है। (व्यवधान)

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): 000

श्री सभापति: विराजिये। माननीय सदस्य, विराजिये। आप बोलिये।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): यह बीमारी कोरोना वायरस के रूप में पूरे देश और दुनिया में फैल रही है। यह प्रकृति का नियम है कि ऐसी महामारी इस धरती और दुनिया में आती रहती है पर आप जैसे नहीं। (व्यवधान) कुछ के टीके बनते हैं, कुछ के नहीं, लेकिन सबसे पहले राजस्थान के यशस्वी मुख्य मंत्री माननीय अशोक जी गहलोत ने इस बीमारी को गम्भीरता से लिया। जो उनकी मन्शा थी कि मेरे राज्य में कोई भूखा नहीं सोयेगा, कोई दु:खी नहीं रहेगा, यह उनका टार्गेट था। (व्यवधान) कालीचरण जी, आप कह रहे हैं, मेरे लिए मेरे राज्य की, मेरे बानसूर की जनता अति महत्वपूर्ण है और उसने मुझे 11 तारीख को ही मंत्री बना दिया।

श्री सभापति: आप आसन की तरफ मुखातिब हों। कालीचरण जी को

(श्री सभापति)

इनवाइट मत करिये आप उधर। आप इधर बात करें, कालीचरण जी को इनवाइट मत करें।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): सभापति महोदय, राजस्थान सरकार ने जो लड़ाई लड़ी इसका प्रमाण देश के प्रधान मंत्री महोदय ने तमाम राजनीतिक विरोधाभास के बाद भी इस कदम को सराहा और राजस्थान के प्रबन्धन की तारीफ की। पूरे देश में भीलवाड़ा माडल को फोलो किया गया। राजस्थान के प्रत्येक विधान सभा सदस्य, सांसद, सभी से सी.एम. साहब ने वी.सी. के जरिये बात की और एक-एक विधायक से, पक्ष-विपक्ष नहीं किया और सबकी राय को जाना तथा उसके बाद कार्यों में सुधार किया कि कोई भी कमी हो तो उसको दूर किया लेकिन भारत सरकार, देश के नेता ने एक दिन के अन्दर ही यह आदेश जारी कर दिया, लॉकडाउन कर दिया। उसके बाद वी.सी. की, यह तालियां बजवाईं या मोमबत्तियां जलवाईं, कम से कम एक व्यवस्था तो ऐसी कर देते कि बाहर के फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों को बता देते कि इतने दिन तक फैक्ट्री बन्द रहेगी, इतने दिन का आपको मानदेय दिया जाएगा, आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ठेले लगाने वालों के लिए देश के नेता ने कोई नीति नहीं बनाई, यह देश का कुप्रबन्धन था। सभापति महोदय, लाखों-करोड़ों की घोषणा कर दी, लेकिन उन्होंने टाइम निश्चित नहीं किया कि इतने दिन में मजदूर या फैक्ट्री कर्मचारियों को सुना जाएगा या उनको भत्ता दिया जाएगा। कहते हैं कि यह किया, वह किया पर अगर देश के प्रधान मंत्री के दिल में जगह है तो क्यों नहीं उन फैक्ट्री मजदूरों को मानदेय और भत्ता दिया जाना चाहिए। पूरे भारत देश में किसानों का, मजदूरों का और छोटे कर्मचारियों का भी सम्पूर्ण कर्जा माफ किया जाना चाहिए। क्यों नहीं ऐसी नीति बनाते जिससे देश का भला हो सके। उनके खाते में क्यों नहीं डालते। (व्यवधान) ऐसा है दादा आगे आए तभी पोता पैदा होता है, बिना दादा के पोता पैदा नहीं होता है। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिये। माननीय सदस्य, प्लीज विराजिये। विराजिये।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): सभापति महोदय, राजस्थान के मुख्य मंत्री महोदय ने उन मजदूरों का दर्द महसूस किया, उनके पैदल चलने की जो आहट थी वह सुनी और सरकारी संसाधनों के जरिये उनके आने-जाने की व्यवस्था की। उनके लिए भोजन की व्यवस्था की। पुलिस प्रशासन हो, डाक्टर्स हों, सफाईकर्मी हों, नर्स हों, सभी इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं

(श्रीमती शकुन्तला रावत)

जिन्होंने रात और दिन जागकर एक-एक व्यक्ति की सेवा की और सरकार ने व्यवस्था करवाई। इसके बीच में टिड्डी दल आ गया था तो भी व्यवस्था सुदृढ़ रही। अलवर में भी कोविड जांच सेन्टर खोला गया, सरकार का और भी ज्यादा धन्यवाद है। भोजन की व्यवस्था अब 8 रुपये में, कल राजीव जी के जन्मदिन पर इंदिरा रसोई के नाम से शुरू की। आपकी तरह नहीं है, उद्योगपतियों को एयरपोर्ट सौंपने वालों को जनता के दर्द की अनुभूति नहीं है, काम करने में दो साल लगे हैं, आपकी तरह नहीं है। जैसे इंजेक्शन नि:शुल्क लगेगा, सभी जगह सेनिटाइजर आज भी हो रहा है और आज भी ये सारी चीजें चालू हैं। सभी जगह मुख्य मंत्री राहत कोष से जो राशन किट बंटवाये गये थे, उन पर किसी का नाम नहीं था। सभापति महोदय, कोई पार्टी का नाम नहीं था। मुझे कहते हुए गर्व है कि मेरे बानसूर विधान सभा क्षेत्र में 56 हजार के किट बांटे गये, एक लाख के बाद में। फिर 57 लाख रुपये मैंने दिये, 57 लाख रुपये मुख्य मंत्री महोदय ने दूसरे ही दिन जारी करके राशन किट बंटवाये। मुझे खुशी है कि जो मेरे सामने चुनाव लड़े, उन लोगों ने भी वहां पर किट बांटे। ये मैं उदाहरण दे रही हूं। मुझे बताएं, मैं चैलेंज करती हूं कि कौन से कार्यकर्ता का इस तरीके से वह किया गया। पूरे राजस्थान में पहली बार यह सरकार मिसाल बनी है कि पक्ष और विपक्ष किसी पार्टी के कार्यकर्ता का नहीं, सिर्फ और सिर्फ जनता जनार्दन, जनता देवता और हर वर्ग को राशन किट दिया गया और कोई भेदभाव नहीं किया गया। जैसा कि बोल रहे थे कालीचरण जी, आपकी तरह नहीं है। आपने जो भेदभाव किया। माननीय सभापति महोदय, मेरा एक सुझाव है कि...

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): जहां पर पहाड़ी इलाका है, वहां पर तुरंत प्रभाव से टावर लग जाएं, जिससे नवीं, बारहवीं की लड़कियों को ऑनलाइन शिक्षा का लाभ मिल सके। गरीब बच्चों की निजी स्कूलों की फीस माफ की जाए, जितना परसेंट कर सकें। ये बोल रहे हैं, हम चलेंगे साथ में नरेगाकर्मियों का कम से कम एक दिन का 500 रुपये करवाइये तो हम धन्यवाद देंगे।

श्री सभापति: आपने पूरा भाषण कालीचरण जी को ही समर्पित कर दिया। विराजिए।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): प्रत्येक विधान सभा में एक पीएचसी को स्पेशल कोविड सेन्टर बना देना चाहिए जिसमें बच्चों, महिला-पुरुष के लिए वहां अलग-अलग आईसीयू की व्यवस्था हो जाए और इसमें विधायक कोटे से अगर देना हो तो वो भी हम दे देंगे।

श्री सभापति: श्री पुखराज गर्ग। श्री रामलाल शर्मा। विराजिए, विराजिए। प्लीज सहयोग करें, विराजिए।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): सभापति महोदय, इन्होंने जो कहा पटवारी, सैक्रेटरी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और एसडीएम को पाबंद किया गया था गांव-गांव में किट बांटने के लिए, ये मैं आपकी जानकारी के लिए कालीचरण जी बता देती हूं।

श्री सभापति: विराजिए, विराजिए।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): आपको पता नहीं है।

श्री सभापति: अंकित नहीं होगा।

श्रीमती शकुन्तला रावत (बानसूर): 000

श्री सभापति: विराजिए, विराजिए। अंकित नहीं हो रहा है। कुछ सीख लीजिए। सारा समय तो आपने इनको ही समर्पित कर दिया। पूरा भाषण कालीचरण जी को।

श्री रामलाल शर्मा (चौमूं): माननीय सभापति महोदय, अभी कई माननीय सदस्यों ने कोरोना के संदर्भ में अलग-अलग बातें कहीं। कुछ ने कहा कि कोरोना की लड़ाई हम सबने मिलकर लड़ी है और कुछ ने कहा कि सरकार ने बेहतरीन काम किये हैं। सिर्फ सरकार की तारीफ इसलिए कर रहे थे कि कुछ को मंत्री बनना है और कुछ को मंत्री बनने की प्रक्रिया में शामिल होना है। सभापति महोदय, लेकिन ये बात बिलकुल सत्य है कि 34 दिन तक सरकार होटल के क्वारंटाइन में रही।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कोरोना पर कोई सुझाव आपके पास हों तो वह दीजिए। आप सीधे मुद्दे पर आ जाइये। दो मिनट में बंद करूंगा वरना मैं आप लोगों को।

श्री रामलाल शर्मा (चौमूं): वही दे रहा हूं। मैं वही दे रहा हूं और 34 दिन तक ये सरकार...

श्री सभापति: एक मिनट, प्लीज विराजिए आप। विराजिए, विराजिए।

(श्री सभापति)

दोनों तरफ के माननीय सदस्यों को मैं कह रहा हूं, आग्रह कर रहा हूं। कोरोना पर यदि आपके कुछ सुझाव हैं तो वह दीजिए। समय की सीमा है और सुझाव नहीं है तो मेहरबानी करके आपका नाम पुकार देता हूं, नाम आपका लिख ही जाएगा और आप तत्काल बैठ जाएं। सीधे-सीधे कोरोना पर आइये और आपका कोई सुझाव हो तो दीजिए।

श्री रामलाल शर्मा (चौमूं): मैं बिलकुल ही सीधे-सीधे सुझाव देने की बात करूंगा।

श्री सभापति: सुझाव दीजिए आप।

श्री रामलाल शर्मा (चौमूं): लेकिन मैं एक बात जरूर कहूंगा कि इस सरकार ने 34 दिन तक मेरे फूफाजी को होम क्वारंटाइन किया, यह गलत है।

श्री सभापति: ये चिंता आपकी बुआजी को होनी चाहिए, आपको जरूरत नहीं है। आप विराज जाओ।

श्री रामलाल शर्मा (चौमूं): बुआजी ने ही मुझे कहा है, तभी मैं कह रहा हूं। सभापति महोदय, मेरा सीधा-सीधा निवेदन है माननीय मंत्री महोदय ने स्टेटमेंट दिया। कई माननीय सदस्यों ने कोरोना की चिंता भी जाहिर की। मंत्री महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि इस कोरोना की लड़ाई की शुरुआत जब हुई थी तब हमारे नेता, प्रतिपक्ष ने एक बात कही थी कि इस कोरोना की लड़ाई के लिए हम सब एक हैं, मिलकर इसकी लड़ाई लड़ेंगे। नेता, प्रतिपक्ष ने इस बात के लिए सदन को आश्वस्त भी किया था आपको कि इस लड़ाई के अंदर सरकार को जो भी निर्णय लेना हो, वह सरकार ले। प्रतिपक्ष के नाते हम सब इसके साथ हैं लेकिन, सभापति महोदय आपके माध्यम से मंत्री जी को निवेदन करना चाहूंगा जो हकीकत है मैं बयां कर रहा हूं।

सभापति महोदय, एक चौमूं के रहने वाले सी.एम. खटीक साहब, जो कालेज के लैक्चरार थे। उनके बेटे के ब्रेन हेमरेज हुआ, वे एसएमएम में लेकर आए। एसएमएस में कोविड की जांच के नाम पर 8 घंटे तक उसकी रिपोर्ट नहीं आई और आठ घंटे इमरजेंसी इस बात की थी कि उनके ब्रेन हेमरेज हुआ था और उसकी अकाल मौत हुई। मेरा आपसे निवेदन है कि इस कोविड की जांच के ऊपर, जिनके हार्ट के ऊपर अटैक है, ब्रेन हेमरेज है। ऐसे मरीजों के साथ कम से कम अतिशीघ्र इलाज की शुरुआत आप करवाएं ताकि उनकी अकाल मृत्यु न हो।

(श्री रामलाल शर्मा)

एक सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं निवेदन करना चाहूंगा कि सरकार के कई माननीय सदस्यों ने सरकार की वाहवाही इस बात के लिए की कि हमने बेहतरीन काम किया है। बेहतरीन काम तो हम सबने मिलकर किया, तभी बेहतरीन काम हो सकता है। आपके अकेले से तो हो नहीं सकता है। केन्द्र सरकार ने कितना टन आपको अनाज दिया वितरण करने के लिए, केन्द्र सरकार ने मेडिकल किट आपको कितने दिये आपकी व्यवस्था सुधारने के लिए लेकिन सभापति महोदय आपके माध्यम से निवेदन यह करना चाहूंगा कि आज भी राजस्थान के अंदर ग्रामीण क्षेत्र के स्टाफ को हटाकर, आपने शहरी क्षेत्र के अंदर लगाने का काम किया।

सभापति महोदय मैं हकीकत बयां कर रहा हूं मेरे विधान सभा क्षेत्र के भी ग्रामीण क्षेत्र के स्टाफ को आपने जयपुर शहर के अंदर लगाया। न उनको रहने के लिए जगह उपलब्ध कराई, न समय पर भोजन उपलब्ध कराया और जब वे अपनी ड्यूटी करके वापस गये तो वापस जाने के उपरान्त भी, जो 15 दिन उनको क्वारंटाइन करना था, वह जगह भी आपने उपलब्ध नहीं कराई। मेरी बात अगर असत्य हो तो आप जानकारी कर लेना, जांच करा लेना, वह जगह भी निजी व्यक्तियों के सहायतार्थ उपलब्ध कराई गई। उनके लिए 15 दिन के लिए भोजन की व्यवस्था की गई, जगह की व्यवस्था की गई।

मैं इतना निवेदन करना चाहता हूं सभापति महोदय कि आज के इन हालातों के अंदर जिस तरीके से आप यह कह रहे हो कि हमारी सरकारी सुविधाएं सारी बेहतरीन हैं। अगर सरकारी सुविधाएं बेहतरीन होतीं तो निजी चिकित्सालयों के अन्दर कोई जाना पसंद नहीं करता। आज भी लोग निजी चिकित्सालयों के अंदर जाकर अपना इलाज करना पहली प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि सरकारी क्षेत्रों के अंदर समुचित इलाज नहीं हो पाता, समुचित सुविधाएं नहीं मिल पातीं इसलिए, मंत्री महोदय मैं आपसे निवेदन करूंगा कि इस ओर आप ध्यान देने का काम करें।

माननीय सभापति महोदय, इस कोविड के बाद में कई चीजें, जो नई डवलप हुई हैं। बेरोजगारी की समस्या हम सबके सामने एक चुनौती है। कई फैक्ट्रियों, अभी बहरोड़ से आने वाले माननीय सदस्य जिस बात की चिंता जाहिर कर रहे थे, उसे मैं आगे बढ़ाना चाहूंगा। वास्तविकता यह है कि मेरे यहां भी 4 इंडस्ट्रियल एरिया हैं, जैतपुरा के अंदर है, मंढा के अंदर है, कालाडेरा

(श्री रामलाल शर्मा)

के अंदर है। उन उद्योग के अंदर लगभग 60 परसेंट छंटनी मजदूरों की कर दी गई। आज वे बेरोजगार होकर घर बैठे हुए हैं। क्या सरकार उनको भी कोई न कोई मानदेय तय करके देने का काम करेगी, ताकि उनके परिवार के चूल्हे जल सके?

सभापति महोदय, एक और आप सर्वे करवाइये। इस लॉकडाउन खुलने के उपरांत जिस तरीके का क्राइम बढ़ा है, जिस तरीके से लूट की घटनाएं बढ़ी हैं। चोरी की वारदातें बढ़ी हैं। जिस तरीके से हत्या, अपराध में वृद्धि हुई है, क्या सरकार इसके ऊपर अंकुश लगाने के बारे में विचार करेगी?

एक और सभापति महोदय, जिस तरीके से सामूहिक आत्महत्या, इस राजस्थान के अंदर पिछले दो महीने के अंदर बढ़ी है, इसका कोई न कोई कारण जरूर है। चाहे वह गृह क्लेश का कारण हो, चाहे आर्थिक तंगी हो, क्या सरकार इसको भी गंभीरता से लेने का काम करेगी? आज राजस्थान के जो हालात बने हुए हैं, उन हालातों के अंदर सरकार जिस तरीके से काम कर रही है। मैं सीधे-सीधे तथ्यों के आधार पर सभापति महोदय आरोप लगाना चाहूंगा। निश्चित रूप से भेदभाव के आधार पर पार्टी पालिटिक्स के आधार पर और वोट बैंक की राजनीति के आधार पर सरकार काम कर रही है।

मदन दिलावर जी ने जो बात कही है, वह बात बिलकुल सत्य है। वोट बैंक की राजनीति के आधार पर और गुणावगुण के आधार पर आप काम नहीं करोगे तो आने वाले समय में जनता आपके सब कार्यों को देख रही है। एक अंतिम निवेदन सभापति महोदय, आपके माध्यम से करना चाहूंगा कि आज जिस तरीके से आरयूएचएस के अंदर सुविधाओं की बात आप कर रहे हो। आप बता सकते हैं कि आरयूएचएस के अंदर इमरजेंसी सेवाओं में कितने बैडों की व्यवस्था आपने कर रखी है? ये तो ऐसी सुविधा है जो बिना किसी सूचना के भी बढ़ सकती है तो क्या आपके पास माकूल व्यवस्था है? अभी कोरोना के अंदर 65 हजार से अधिक संक्रमित लोग हैं, राजस्थान के अंदर आपने जो आंकड़े पेश किये कि लगभग 950 के आसपास मृत्यु है तो आने वाले समय के अंदर ये आंकड़े बढ़ेंगे तो क्या आपकी सरकारी सेवाओं में इतनी व्यवस्था है कि आप इसके ऊपर कंट्रोल कर पाओगे? आपने 2000 की भर्ती डेढ़ महीने में करने की बात की थी, लेकिन मेरे खयाल से अभी तक भी 2000 चिकित्सकों की भर्ती हुई नहीं है। सभापति महोदय, अंतिम निवेदन करके मैं अपनी वाणी

(श्री रामलाल शर्मा)

को विराम दूंगा कि इस कोरोना की लड़ाई में सरकार को जो माकूल व्यवस्थाएं करनी थीं, सरकार पूर्ण रूप से उसमें विफल हुई है और मुझे लगता है कि जनता एक-एक चीज को देख रही है। आने वाले समय में इनको इनके क्षेत्र में घुसने नहीं देगी और जो वीसीआर जिस तरीके से यह जनता की भर रहे हैं, जनता इनकी वीसीआर भरने के लिए तैयार बैठी है। इन्होंने लाखों की भरी है वह पांच लाख की वीसीआर जनता इनकी भरने के लिए तैयार बैठी है। धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री गोपाल लाल मीना।

श्री गोपाल लाल मीना (जमवारामगढ़): माननीय सभापति महोदय, पक्ष और विपक्ष के सभी साथियों ने सुझाव भी दिए हैं और अपनी बात भी रखी है। मैं भी अपनी बात रखना चाहता हूं। कोरोना महामारी के उपरांत लगाये गये लॉकडाउन के कारण देश की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है एवं करोड़ों लोगों का रोजगार चला गया और आज की जो यह डिबेट है, यह आर्थिक स्थिति के ऊपर ही रखी गई है। मैं मेरे सुझाव देना चाहूंगा डायरेक्ट। अभी सभापति महोदय बता रहे थे कि आप सुझाव दें और मेरा सुझाव यह है कि सभी इस वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 को देखते हुए विधान सभा के सभी माननीय मंत्री और सभी माननीय सदस्यों को कम से कम, कम से कम, ज्यादा तो कोई दे सकता है तो ठीक, लेकिन कम से कम 1 दिन के वेतन की सहायता देनी चाहिए। इसमें सबकी सहमति है? (व्यवधान) पहले तो 1 महीने का दे दिया लेकिन मैं अब बता रहा हूं आर्थिक स्थिति के लिए।

श्री सभापति: आप अपनी बात कहें। हां-ना कराने की जरूरत नहीं है। आप तो अपनी बात कहें।

श्री गोपाल लाल मीना (जमवारामगढ़): नहीं, देने के लिए तैयार हैं सब। (व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज सहयोग करें। विराजिये। अंकित नहीं होगा।

श्रीमती अनिता भदेल: 000

श्री गोपाल लाल मीना (जमवारामगढ़): और मैं यह भी कहना चाहूंगा भारत सरकार को कि इस महामारी के उपरांत जो डीजल-पैट्रोल के दाम बढ़ाए हैं, वह एक कोरोना तो आया ही है लेकिन आर्थिक स्थिति के रूप में जनता को मारने के लिए जो डीजल-पेट्रोल के दाम आसमान में चढ़े हैं, अभी सभी जो

(श्री गोपाल लाल मीना)

विपक्ष के सदस्य बैठे हैं मैं उनको कहना चाहूंगा कि भारत सरकार इस डीजल पैट्रोल के दाम अगर घटायेगी तो इस देश की स्थिति सुधरेगी तथा जो गरीब लोग हैं, जो गरीब जनता है उसका भला होगा। आप लोग विपक्ष की बुराई कर रहे हैं। आप मुख्य मंत्री जी की बुराई कर रहे हैं, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि राजस्थान में मुख्य मंत्री ने जो काम किया है वह पूरा देश और देश के प्रधान मंत्री ने उनको सराहा है। आपके बुरा बताने से बुरा नहीं होगा लेकिन जनता जान रही है राजस्थान की जो जनता है वह आदरणीय मुख्य मंत्री अशोक गहलोत जी को जिस प्रकार उन्होंने लॉकडाउन में काम किया है और आप सब लोगों ने भी किया, हमने भी किया और कई ऐसी संस्थाएं हैं और एजेंसीज हैं उन्होंने इस लॉकडाउन में जो काम किया है वह एक सराहनीय है। हमारे राजस्थान में फिर भी और राज्यों के मुकाबले जिस प्रकार से यह कोरोना बढ़ रहा है वह हमारे कम है और इसकी सही होने की जो स्थिति है वह भी अच्छी रिकवरी है।

मैं इस माध्यम से यह भी कहना चाहूंगा कि जो नरेगा है, गांवों में जो स्थितियां कमजोर हो गई हैं लोगों की, रोजगार चले गए हैं। करोड़ों लोगों के रोजगार चले गए हैं, उस स्थिति में जो गांवों में नरेगा में जो मजदूर काम कर रहे हैं, अभी हमारी माननीय सदस्या शकुंतला जी ने कहा कि उनकी मजदूरी बढ़नी चाहिए तो निश्चित रूप से अगर नरेगा की मजदूरी बढ़ेगी तो गांवों में पैसे आएंगे और उन लोगों की स्थिति में सुधार होगा। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन आप लोगों को मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत सरकार राजस्थान के जो बचे हुए पैसे हैं उनको भी अगर दे देगी तो यहां राजस्थान की स्थिति सही हो जाएगी। आपसे निवेदन है कि आप जीएसटी के पैसे के लिए कह रहे थे तो जीएसटी कोई भारत सरकार का थोड़े है, हमारे हक के पैसे दे रही है इसमें कोई दिक्कत नहीं है तो मैं ज्यादा कुछ नहीं कहते हुए धन्यवाद देना चाहता हूं और इस कोविड-19 से बचने के लिए हम सब एकजुट हैं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने जिस प्रकार से कल राजीव गांधी जी के जन्मदिन पर इंदिरा रसोई के नाम से जो पूरे राजस्थान में एक बहुत बड़ा काम किया है, क्योंकि जो गरीब लोग हैं उनको सस्ता भोजन, यह पहली बार ...(व्यवधान) सुनो तो सही। (व्यवधान) बैठिये। पागल हो गये क्या? बैठ जाइए। मैं यह कह रहा हूं पूरे देश में पहली बार ...(व्यवधान)

श्री सभापति: बैठे-बैठे नहीं बोलें। प्लीज सहयोग करें। विराजिये।

श्री गोपाल लाल मीना (जमवारामगढ़): पूरे देश में पहली बार सम्मान से बैठाकर भोजन कराने का काम किया है तो आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने इंदिरा रसोई के नाम से किया है और आपको मानना पड़ेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद। (व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज बैठे-बैठे नहीं बोलें। माननीय सदस्य, प्लीज सहयोग करें। श्री धर्मनारायण जोशी।

श्री धर्मनारायण जोशी (मावली): माननीय सभापति महोदय, कोरोना की इस महामारी में पक्ष और विपक्ष दोनों ने मिलकर के 'वयं पंचाधिकम शतम्' के फार्मूले के आधार पर इस राजस्थान की सेवा की है इसके लिए मैं सब का आभार व्यक्त करता हूं। कुछ इसमें खामियां रहीं वह माननीय मंत्री महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने आह्वान किया कि विधायक अपने मद का पैसा मेडिकल में लगा सकता है। माननीय मंत्री महोदय, मैंने जैसे ही आह्वान किया, 23 मार्च को मैंने 5 लाख रुपये अलग-अलग हास्पिटल्स में एक-एक लाख रुपये जारी किये, 26 मार्च को फिर मैंने ढाई लाख रुपये जारी किये। ऐसे करके साढ़े सात लाख रुपये मास्क और सेनिटाइजर के लिए जारी किए जहां-जहां आवश्यकता थी उनको, परंतु आज दिन तक दो रिमाइंडर भेजने के बाद भी जिला परिषद् से वहां पैसा जाने के बाद भी एक रुपये का सामान भी उन हास्पिटल्स में नहीं गया, पता नहीं सेनिटाइजर और मास्क का अब क्या करेंगे। हमारे यहां पर मेवाड़ में स्पेशली प्रवासी भाई-बंधु बाहर से बहुत आए हैं मुंबई, सूरत, इंदौर के रहने वाले। माननीय मुख्य मंत्री जी की वीसी में मैंने उनसे निवेदन किया कि आपने सबसे पहले कहा कि प्रवासी आने के लिए ऑनलाइन फार्म भरिये तो लोगों ने ऑनलाइन फार्म भरे। फिर कहा कलेक्टर के यहां फार्म भरिये। लोगों ने कलेक्टर के यहां फार्म भरे। फिर कहा कि एडीएम इसकी परमिशन देगा तो एडीएम के यहां फार्म भरें। जिस दिन वीसी थी, उस दिन मैंने माननीय मुख्य मंत्रीजी से निवेदन किया, आज की वीसी में सवेरे स्टेटमेंट आया कि सीआई इसकी परमिशन देगा, मैं सोचता हूं कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह सारा खेल हुआ है। इस महामारी में जो स्थिति है जो हास्पिटल आपने क्वांरटाइन के लिए तय किये उन हास्पिटल्स की स्थिति यह है कि अभी 18 तारीख को खड़ताना के पांच लोग मेरे क्षेत्र के पॉजिटिव आ गये। हमारे एक कार्यकर्ता की पुत्र वधू ने मुझे फोन किया कि 12:00 बजे उनको ले गये हास्पिटल और 12:00 बजे के बाद रात को 9:00 बजे उनको पूड़ी-सब्जी दी

(श्री धर्मनारायण जोशी)

और अभी आज दूसरे दिन के 11:00 बज रहे हैं उनको किसी डाक्टर ने आकर नहीं संभाला है तो आपके हास्पिटल की यह स्थिति है, इसको भी आप ठीक करें। उदयपुर के मेडिकल कालेज में न्यूरोलॉजी के हैड आफ द डिपार्टमेंट रहे डाक्टर एचएल खमेसरा पाजिटिव आ गए और उनकी पत्नी भी नेत्र विशेषज्ञ रही है वह भी पॉजिटिव हो गई। उन दोनों की व्यथा अखबारों में आई है, उनके साथ जो सलूक हुआ है, मैं सोचता हूं कि वह कोई सोच भी नहीं सकता है कि ऐसा उनके साथ सलूक हुआ है तो आपसे मेरी प्रार्थना है इसको आप ठीक करवाएं। कुछ बहुत अच्छे-अच्छे सुझाव हैं मेरे।

अभी स्कूलों का मामला आया, हमारे अलवर के एक प्रतिनिधि ने कहा था छोटे जो स्कूल हैं जो किराये के भवन में चलते हैं, राजस्थान में 9 स्कूल संचालकों ने आत्महत्या की है। सामोद के ग्रीन वर्ल्ड स्कूल के नीमड़ी चौमूं से प्रकाश चंद सैनी ने आत्महत्या की, कालाडेरा के सरस्वती स्कूल के मुकेश शर्मा ने आत्महत्या की है क्योंकि किराये के भवन में स्कूल चलते थे। जो सैल्फ स्कूल थे जिनके खुद के भवन है और बड़े स्कूल हैं उनकी बात छोड़िए। ऐसी स्थिति में आप उनकी भी सुरक्षा करिए। आरटीई में जिन स्कूलों को पैसा मिलता था, 2 साल से उनको पैसा नहीं मिला है और आपने वह 1,700 घटाकर 1,000 कर दिया...

(16.00 बजे)

उसमें भी आप सुधार कीजिए। बस आपरेटर्स की बसें नहीं चल रही हैं, आपने बसों के कुछ टैक्स में छूट की है, उसके बाद छूट बंद कर दी है। बैंक के लोन की किश्त बस वाले चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। बसें खड़ी हैं कोई बैठने के लिए तैयार नहीं है। ट्रक ड्राइवर परेशान हैं, टैंट वाले परेशान हैं, हलवाई परेशान हैं, नाई, धोबी, सिलाई करने वाला, टैम्पो-टैक्सी वाला परेशान है। आज क्षेत्र में जाते हैं तो जगह-जगह लोग पूछते हैं कि लाइट के बिल का क्या हुआ। 300 रुपये के आपने 1100 रुपये कर दिये। आपसे मेरी प्रार्थना है कि किसानों का कम से कम 6 महीने का लाइट का बिल माफ करें। होटल व्यवसाय ठप है।

मंत्री महोदय, फिर एक निवेदन है आपने राजस्थान में सक्रिय रहकर अच्छा काम किया, उसके लिए आपको धन्यवाद। परंतु एक बार क्षेत्र में जाकर, डिवीजन हैडक्वार्टर पर जाकर मोनिटरिंग करके सारी व्यवस्थाओं को देखें क्योंकि रोग अभी कम नहीं हुआ है। रोग को कम करने के लिए आपकी

(श्री धर्मनारायण जोशी)

रैगुलर मोनिटरिंग की बहुत आवश्यकता है। आपने बोलने का अवसर दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री रामलाल जाट।

श्री रामलाल जाट (माण्डल): सभापति महोदय, कोविड महामारी पर जो डिबेट हो रही है, उसमें आपने भाग लेने का मौका दिया, उसके लिए आपका आभार। माननीय सभापति महोदय, आज जिस तरह की स्थिति पूरी दुनिया में बनी है, मैं ज्यादा विशेष नहीं कहूंगा, यह कैसे बनी, इसके जिम्मेदार कौन हैं, हमने क्या किया, आगे क्या करना है, यह दो-तीन बात ही करूंगा। जब चीन के वुहान शहर में यह स्थिति बनी, चीन के अटैच ही जो ताइवान देश है, उस देश ने अभी तक लॉकडाउन नहीं किया। वह बिलकुल वुहान के अटैच है और वहां कोरोना महामारी अपने पैर नहीं पसार पाई। उसके पीछे का कारण वहां के नेता, पक्ष-विपक्ष, वहां की जनता ने सबसे पहले शुरुआत में ही बाहर से आने वाले लोगों को क्वारंटाइन कर दिया। उनकी फ्लाइट्स कम करके वहां के लोगों को आगे नहीं आने दिया इसलिए आज वह देश पूरी दुनिया में सुरक्षित रहा। इसके पीछे कौन जिम्मेदार है? भारत सरकार किन कामों में उलझी हुई थी, जब बाहर से यह बीमारी आई तो उस समय राजस्थान तो इसका बार्डर नहीं था, दिल्ली, मुम्बई या जो इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं, उनमें भारत सरकार को निर्णय नहीं लेना था? उन्होंने क्या निर्णय लिये। इस महामारी को फैलाने का तमाम दोष आज भारत सरकार का है। फिर भी राजस्थान सरकार ने, जब हाउस चल रहा था तो प्रतिपक्ष के नेता माननीय कटारिया साहब ने सदन के नेता के स्वर में मिलाकर सहमति जताई कि राजस्थान में पक्ष-विपक्ष मिलकर इस बीमारी से लड़ने का काम करेंगे। उस समय भी चर्चा हुई, उस चीज को ध्यान में रखते हुए सदन के नेता माननीय गहलोत साहब ने अपनी पूरी टीम को लेकर किस तरह से इस बीमारी को फैलने से रोकने का काम किया, मैं उस पूरी टीम को बधाई दूंगा। माननीय हैल्थ मिनिस्टर साहब, उनके सैक्रेटरी, उन तमाम डाक्टर्स, एएनएम, नर्स, पुलिस प्रशासन, सब लोगों ने मिलकर, मुख्य मंत्री जी ने 21-21 घंटे वीसी के माध्यम से पक्ष-विपक्ष से सुझाव लिये। तमाम एसडीएम आफिस, तमाम ग्राम पंचायत पर 4-4, 5-5 आदमियों की टीम बनाकर सारे अधिकारियों को उस समय लगाकर सभी लोगों ने उसमें सहयोग किया तब जाकर यह चीज

(श्री रामलाल जाट)

समभव हो पाई। इसलिए इस बीमारी को अपने पैर पसारने में बहुत ही जोर आया और आज भी हम अन्य राज्यों की तुलना में बहुत ज्यादा सुरक्षित हैं। उसका सारा श्रेय राजस्थान की सरकार के मुखिया को और उनकी टीम को जाता है।

मैं धन्यवाद दूंगा लेकिन फिर भी आज जब यह स्थिति बनी और आज भी हम जब आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं लेकिन इस समय जब मुख्य मंत्री जी ने इन चीजों को हाथ में लेकर काम किया, 'पहला सुख निरोगी काया', केवल एक नारा ही नहीं दिया, उसके वालेंटियर्स बनाये, राजस्थान में जगह जगह 10 हजार से ज्यादा वालेंटियर्स थे। इस बीमारी से निपटने में उन वालेंटियर्स का बहुत बड़ा काम था इसीलिए यह चीज सम्भव हो पाई। केवल वह नारा ही नहीं था, सब जगह सब लोगों को जाग्रत किया, योगा के माध्यम से, दौड़ लगाने के माध्यम से, हर तरह से लोगों की किस तरह से इम्युनिटी बढ़े, इस चीज पर ध्यान दिया। स्कूल में भी ध्यान दिया, यह बीमारी उसके बाद आई। यह कोई इतफाक था लेकिन यह इस सरकार की और मुख्य मंत्री जी की सूझबूझ थी कि वह चीज हो पाई। 2011 में क्वारंटाइन नाम से एक फिल्म आई थी। उसके डाइरेक्टर ने जो आज हालात हैं, 2011 में ही उस फिल्म के माध्यम से तय कर दिया था। क्या वह भी एक इतफाक था या उनको यह पता था, लेकिन जिस सूझबूझ से डाइरेक्टर ने जो कहानी बनाई, उसमें भी उस बीमारी की वैक्सीनेशन 18 महीने में उपलब्ध हो पाई। आज भी इस बीमारी की वैक्सीनेशन के लिए पूरी दुनिया, हर कंट्री के सारे वैज्ञानिक लगे हुए हैं। सारे लोग प्रयास कर रहे हैं फिर भी हम लोग सफल नहीं हो पा रहे हैं लेकिन आने वाले समय में निश्चित रूप से इस बीमारी से सफल हो पायेंगे, इसकी वैक्सीनेशन मिलेगी लेकिन तब तक राजस्थान सरकार ने कई ऐसे काम किये जिसकी मैं यहां आपके सामने चर्चा जरूर करूंगा।

अभी धर्मनारायण जी ने बहुत अच्छी बात बताई। हमारे मेवाड़ सैक्टर में, खास तौर से मैं जहां भीलवाड़ा से आता हूं, वहां भी कई प्रवासी बाहर बहुत काम करते हैं, उन लोगों को लाने के लिए जब मुख्य मंत्री जी ने ऐलान किया, रोडवेज बसें लगाईं, यहां के एक-एक आईएएस, आईपीएस अधिकारी को हर राज्य का इन्चार्ज बनाया और वहां से जैसे ही लोगों को लेकर आये, भारत सरकार के गृह मंत्रालय से रिपोर्ट आई, उनको बोर्डर पर रोक दिया गया। किस तरीके से वह लोग छोटे बच्चों को लेकर, अपने मां-बाप, अपनी औरतों को लेकर बड़ी बेरहमी से, बड़ी परेशानी से कई लोगों की मौत भी हो गई। उसके

(श्री रामलाल जाट)

जिम्मेदार वह लोग थे, लेकिन फिर मुख्य मंत्री जी ने बोर्डर से राजस्थान की रोडवेज बस लगाकर दिन रात उन तमाम लोगों ने सहयोग करके इस बीमारी में उन लोगों को अपने घर पर पहुंचाया। केवल घर पर ही नहीं पहुंचाया, वहां आने के बाद रोजगार की दिक्कत थी तो महात्मा गांधी रोजगार गारंटी जैसी योजना यूपीए सरकार की एक महती योजना थी, जिसको पार्लियामेंट में कहा गया कि यह एक कलंक है, लेकिन आज इस महामारी में वही काम आई। मेरे जिले में 4 लाख से ज्यादा लोगों ने इस महात्मा गांधी नरेगा से रोजगार लिया। आज दिन तक के इतिहास में कभी इतने मजदूर नहीं लगे। अब यह कहते हैं, उसमें राजस्थान सरकार के पैसे का भी सहयोग है, भारत सरकार का भी है, लेकिन पहले राज्य सरकार दूसरी पार्टी की थी, तब महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना कितनी चली, यह आंकड़े आज गवाह हैं। इसके साथ ही रेट भी बढ़ाई, सारे अधिकारियों को निर्देश थे कि तमाम लोगों को 200 रुपये प्रतिदिन से ज्यादा की मजदूरी मिले, उससे आज उनके घर अच्छी तरह से चल रहे हैं। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिए, विराजिए। (व्यवधान) यह भी एक कोरोना का ही काइंड है।

श्री रामलाल जाट (माण्डल): माननीय सभापति महोदय, मैं यही कह रहा हूं कि भारत सरकार की स्कीम है लेकिन यूपीए सरकार की है। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिए, विराजिए।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): साहब, इनका मेडिकल चैकअप जरूरी है, इनको मेरे हवाले करो।

श्री रामलाल जाट (माण्डल): यह यूपीए सरकार की देन है, इनकी सरकार ने तो पार्लियामेंट में इसको कलंक कहा था, लेकिन आज उसी स्कीम के माध्यम से जिसमें राजस्थान सरकार का भी हिस्सा है, वह हिस्सा दिया और आज वह खुश हुए।

इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा में एनएफएसए योजना में कई लोगों का गेहूं में नाम कट गया। कई गरीब लोग रह गये। इस कोरोना महामारी में हम हर जगह, हर गांव में जाकर आये हैं, वहां अधिकारियों को निर्देश दिये गये, लोगों के नाम भी जोड़े गये, जो नाम भारत सरकार ने अलाउ नहीं किये तो

(श्री रामलाल जाट)

राजस्थान सरकार ने अपनी जेब के पैसों से 23 रुपये किलो में गेहूं खरीदकर उनको दो रुपये किलो में नि:शुल्क गेहूं उपलब्ध करवाया, दाल भी उपलब्ध करवायी, यह काम अशोक गहलोत जी की सरकार ने किया। आज 35 लाख परिवारों को 2500 रुपये, पहले हजार रुपये, फिर पन्द्रह सौ रुपये, जो छोटी थड़ी वाले हैं, छोटे काम करने वाले लोग हैं, उन लोगों को रोजगार देने का काम किया। केवल यही नहीं डीएमएफटी फंड माइनिंग का जो अपने यहीं से निकलती है, उसमें अलाउ किया और आज सारे इक्विपमेंट जिनकी लैब में जरूरत थी, हैल्थ डिपार्टमेंट में जरूरत थी, वह उपकरण उपलब्ध करवाये। उसी की बदौलत एक भी जांच जो पहले राजस्थान में नहीं होती थी, वह सारी जांच आज मौके पर होने लगी।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री रामलाल जाट (माण्डल): माननीय सभापति महोदय, एक मिनट। जो भीलवाड़ा माडल की बात की, मैं धन्यवाद दूंगा मुख्य मंत्री जी को उन्होंने किस तरह अपने सीएमआर में पूरे अधिकारियों की टीम बैठाई। हैल्थ मिनिस्टर साहब साथ थे, यहां से डाक्टर्स की टीम आई, आरएनटी कालेज, उदयपुर की टीम आई, पुलिस प्रशासन की टीम आई, उन तमाम लोगों ने किस तरह, भीलवाड़ा में सबसे पहला केस 17 मार्च को आया था, 19 को सैम्पल लिया, किस तरह सफल होने के लिये, बीमारी गांव में नहीं फैले, बीमारी शहर के दूसरे घर में नहीं जाये, उस माडल को मुख्य मंत्री जी ने सीएमआर में बैठकर पूरी टीम को यहां से भेजकर, मैं धन्यवाद दूंगा कि उस भीलवाड़ा को बचाया, इसीलिए वह माडल सफल हो पाया और उसमें सभी ने सहयोग किया।

श्री सभापति: प्लीज समाप्त करें।

श्री रामलाल जाट (माण्डल): माननीय सभापति महोदय, केवल एक मिनट। नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा है कि जब लोग अपना हक मांगने लगे तो उनको धर्म के रास्ते पर लगा दो, उनको अपने हक की चीज भुला दो। भारतीय जनता पार्टी के लोग उसी मार्ग पर थे, इस वजह से जो यह बीमारी थोड़ी बहुत भी फैली, वह इनकी बदौलत फैली। बाकी अशोक गहलोत जी ने इसको पूरा कंट्रोल करने का काम किया है।

माननीय सभापति महोदय, मैं सरकार को धन्यवाद दूंगा कि उसने एएनएम, जीएनएम और डाक्टर्स की भर्ती करके तमाम गांवों में वह व्यवस्था की कि आज हर गांव में लोग बाग़ एएनएम सेंटर मांगने लग गये। आज

(श्री रामलाल जाट)

एमएलए की मजबूरी हो गयी कि हर गांव में अस्पताल में एक नर्स बाईजी हो, एक कम्पाउंडर हो या डाक्टर हो, उसकी भर्ती का काम शुरू किया। केवल भर्ती ही नहीं की, अपाइंटमेंट भी दिये और आने वाले समय में और भर्ती निकलेगी, निश्चित रूप से तमाम उन गांवों में जो पीएचसी और सीएचसी हैं, उनमें कोई एक भी पद खाली नहीं रहे।

श्री सभापति: कृपया सहयोग करें। विराजिये। श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल (अनुपस्थित)।

श्री रामलाल जाट (माण्डल): माननीय सभापति जी, दो सुझाव हैं। नाम पुकारने से पहले मैं आपका संरक्षण चाहूंगा। आने वाले समय में जो बैडों की संख्या बढ़ा रहे हैं, साथ में सैम्पल कलेक्शन भी बढ़ाना। दूसरा, जो बेरोजगार लड़के हैं, उन बेरोजगार लड़कों को बिना ब्याज देशी गाय दिलायें ताकि वे डेयरी में दूध देकर इम्युनिटी पावर भी बढ़ायें और अपना रोजगार भी करें। आपने मुझे जो समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री जोराराम कुमावत।

श्री जोराराम कुमावत (सुमेरपुर): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके बहुत-बहुत धन्यवाद। आज पूरे विश्व, देश व प्रदेश में कोरोना महामारी चल रही है। लॉकडाउन शुरू हुआ तब हमारे प्रदेश में एक कोरोना पाजिटिव था, आज 67314 पाजिटिव केस हैं और प्रदेश में 926 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यह हम सब के लिए चिंता का विषय है। जब लॉकडाउन चल रहा था, तब पाजिटिव केस कम थे, धीरे-धीरे केस बढ़े हैं। इस महामारी से निपटने एवं इससे मुकाबला करने हेतु हम सबको मिल-जुलकर काम करने की आवश्यकता है। वर्तमान में पक्ष और विपक्ष, दोनों ने मिलकर लॉकडाउन के समय में इस कोरोना महामारी से मुकाबला करने का काम किया है, सबने अपना-अपना सहयोग दिया है। राजस्थान में कोरोना पाजिटिव नहीं थे। राजस्थान से लाखों लोग अन्य प्रदेशों में व्यवसाय करते हैं, मजदूरी करते हैं। इन प्रवासियों को राजस्थान में लाने के लिए लॉकडाउन के दौरान सरकार के द्वारा जो प्रक्रिया अपनायी गयी, बार-बार रजिस्ट्रेशन के नियम बदले, बार-बार बोर्डर बंद किये, जिससे प्रवासियों में अफरा-तफरी मच गयी। कई लोग पैदल आये, राहत शिविरों में रहे। पांच हजार से दस हजार रुपये प्रति व्यक्ति बस किराया देकर अपने प्रदेशों में आये। बार-बार नियम

(श्री जोराराम कुमावत)

बदलने से प्रवासी अन्य प्रदेशों में रजिस्ट्रेशन के लिए भटकते रहे, जिससे कई प्रवासी संक्रमित हुए और वे संक्रमित हुए प्रवासी जब राजस्थान में आये तो यहां भी संक्रमण बढ़ा। यदि समय पर इन प्रवासियों को लाने की व्यवस्था सरकार कर देती तो निश्चित रूप से राजस्थान में इतना संक्रमण नहीं बढ़ता।

आज कोरोना से मुकाबला करने की बात हम करते हैं तो हास्पिटलों में डाक्टर नहीं हैं, नर्सिंग स्टाफ के पद रिक्त हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आधे से ज्यादा सब-सेंटर नर्सिंग स्टाफ के अभाव में बंद पड़े हैं। कोरोना के समय में हर गांव में जाने का मौका मिला, हर सब-सेंटर, पंचायत हैडक्वाटर पर जाने का मौका मिला तो वहां आधे से ज्यादा सब-सेंटर बंद पड़े थे, बिना डाक्टर्स और बिना नर्सिंग स्टाफ के हम कोरोना से मुकाबला कैसे कर पायेंगे। वर्तमान में यह जो टैस्टिंग की प्रक्रिया है, इसमें सुधार करने की आवश्यकता है। आजकल वी.आई.पी. और खास लोगों को तीन दिन में और आम लोगों को सात दिन तक इस टैस्टिंग रिपोर्ट का इंतजार करना पड़ता है। सभापति महोदय जी, यह जो टैस्टिंग होती है, उसमें फर्जीवाड़ा खूब हो रहा है। मैं मेरा खुद का उदाहरण दूं। मैंने 30 तारीख को कोरोना का टैस्ट करवाया। 30 तारीख की रिपोर्ट 2 तारीख को नेगेटिव आयी। नेगेटिव आने के बाद मेरे स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। सुधार नहीं हुआ तो मैं जोधपुर में एम्स में जाकर भर्ती हुआ। वहां पर वापस टैस्ट करवाया तो रिपोर्ट पाजिटिव आ गयी। निश्चित रूप से पाली के मेडिकल कालेज में जो टैस्टिंग हो रही है, वहां पर फर्जीवाड़ा खूब है। सभापति महोदय, आपसे निवेदन है कि आप इसमें हस्तक्षेप करें, क्योंकि इसमें सुधार करने की आवश्यकता है। मैं इस अवसर पर सम्माननीय हमारी पूर्व मुख्य मंत्री जी वसुन्धरा जी राजे, सम्माननीय प्रतिपक्ष के नेता कटारिया, उप नेता राजेंद्र जी राठौड़ और प्रदेश अध्यक्ष सतीश जी पूनियां भाई साहब को धन्यवाद देना चाहूंगा कि मुझे जब कोरोना हुआ और मुझे एम्स में आई.सी.यू. में भर्ती किया, उस समय आपने पूरी मदद की और पूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवायीं। इसलिए मैं इनको धन्यवाद देना चाहूंगा।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री जोराराम कुमावत (सुमेरपुर): मैं कोरोना के संबंध में कहना चाहता हूं कि कोरोना के मरीजों को 14 दिन जो होम क्वारंटाइन किया जाता है तो

(श्री जोराराम कुमावत)

उनको घर पर चैक करने के लिए कोई नहीं जाता है। निश्चित रूप से वे 14 दिन तक घरों में रहते हैं और घर में रहने के बाद उनको लास्ट में सर्टिफिकेट दिया जाता है कि आप नेगेटिव आ गये हो, तो उनको चैक भी नहीं किया जाता है। बहुत-बहुत धन्यवाद सभापति महोदय।

श्री सभापति: श्री रफीक खान। श्री रोहित बौहरा।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): सभापति महोदय, धन्यवाद। कोरोना वुहान से शुरू हुआ। वुहान से कोरोना इंडिया में आया। हमारी जो सेंट्रल गवर्नमेंट है। कई विदेशी सरकारों ने चाइना से फ्लाइटें बंद कर दीं। हमारी केन्द्रीय सरकार सोती रही। उसने चाइना से फ्लाइटें बंद नहीं कीं और कोरोना महामारी को हमने चाइना से इम्पोर्ट कर लिया। हम इस इम्पोर्ट को बंद कर सकते थे, यदि हम चाइना से फ्लाइट्स बंद कर देते, जो हमारे ट्यूरिस्ट आ रहे थे, उनको 14 दिन क्वारेंटाइन कर देते तो आज हो सकता है कि इस महामारी से जिससे कई छोटे-छोटे देश बचे हुए हैं, हम भी बच सकते थे। (व्यवधान) आप बिल्कुल ठीक कह रहे हो कि वह तो यूरोप से आ जाता, लेकिन हम कोशिश तो करते क्वारंटीन करने की, वह आपने नहीं की।

श्री सभापति: आप इधर देखकर बात करें। आप उनको इनवाइट मत करें।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि सब लोगों ने बात की कि क्वारंटाइन किस तरह से हो, ये हो, किसी ने यह नहीं सोचा कि आज 14 करोड़, 10 percent of your population is got unemployed. The Central Government has not done any-thing. कोई स्कीम नहीं लेकर आये। आज अनाउंस क्या किया कि 20 लाख करोड़ हम एमएसएमई सैक्टर्स को और डिफरेंट सैक्टर्स को देंगे, जिससे कि हमारी इकोनोमी टर्न हो सके। आज जो 20 लाख करोड़ दिये, वह एक भी रुपया सब्सिडी के रूप में नहीं दिया गया, न किसी ट्रेडर को दिया गया, न किसी ऐसे आदमी को दिया गया जो ट्रेड कर रहा हो या जिसने कोई दुकान किराये पर ले रखी हो, उसको कोई फाइनेंशियल मदद मिली हो, अनएम्प्लायड यूथ को कुछ मिला हो। इस 20 लाख करोड़ का मतलब था कि आप लोन लीजिए और लोन वापस सरकार को चुकाइये और इसमें छह महीने का मोरेटोरियम था। आज आप देखते हैं कि इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन लास्ट तीन

(श्री रोहित बौहरा)

महीने में, it has come down again. आज केन्द्रीय सरकार इसके ऊपर सोच भी नहीं रही है कि इस मोरेटोरियम को हम आगे बढ़ा सकें, क्योंकि मोरेटोरियम का ब्याज केन्द्र सरकार भरने वाली नहीं है। मोरेटोरियम का ब्याज गरीब ट्रेडर को ही देना पड़ेगा। ये लोग सोते रहते हैं और कुछ काम नहीं कर रहे हैं। मेरा आपसे कहना है कि जब हमारा पैट्रोलियम सेक्टर बिल्कुल लो-स्टेज पर था, 15 डालर, 10 डालर प्रति बैरल के करीब इंटरनेशनल कोस्टिंग थी, तब इन्होंने क्या किया, एकदम प्राइस बढ़ा दिये, प्राइसेज बढ़ा दिये वहां तक भी सब समझ आता है, साहब। एक्साइज ड्यूटी बढ़ानी चाहिए थी, इन्होंने एक्साइज ड्यूटी नहीं बढ़ायी, इन्होंने सैस बढ़ाया, जिससे कि इनको स्टेट को वह पैसा नहीं देना पड़े। इनकी जो बेईमानी की फितरत है, वह सामने झलकने लगी है, why didn’t they increase the Excise duty? एक्साइज ड्यूटी में से हर स्टेट को शेयर देना पड़ता, इसलिए इन्होंने एक्साइज ड्यूटी नहीं बढ़ायी, इन्होंने सिर्फ सैस बढ़ाया।

आप आप देखिये। ये एमएसपी की बात कर रहे थे, एमएसपी पर इन्होंने कितना माल खरीदा? ये भूल ही गये कि एमएसपी भी कोई चीज होती है। सिर्फ भाषण देने के लिए एग्रीकल्चर मिनिस्टर आता है या फाइनेंस मिनिस्टर आता है, तब ही एमएसपी की बात करते हैं। ये एमएसपी की बात ही करना भूल गये हैं कि एमएसपी पर खरीद भी कोई चीज है। इनको झकझोरना पड़ता है कि आप एमएसपी पर भी आज कुछ खरीद सकते हो।

आज इन्होंने एफआरबीएम की बात की। एफआरबीएम की बात की कि तीन परसेंट जीएसडीपी का एफआरबीएम हमारे को लिमिट अलाउड थी एक स्टेट को। इन्होंने अलाउ किया पांच परसेंट तक, तीन से साढ़े तीन परसेंट आटोमैटिक हो जाती। जब इनको पता है कि स्टेट्स की हालत इतनी खराब है जो एफआरबीएम लिमिट का डेढ़ परसेंट का पैसा था, उनमें इन्होंने चार राइडर्स लगा दिए। चार राइडर्स लगाने से क्या होगा कि कोई भी स्टेट वह पैसा नहीं ले सकती। इस राइडर की क्या जरूरत थी इस वक्त? क्या आप बिना राइडर के ये एफआरबीएम की लिमिट नहीं बढ़ा सकते थे। आपने नहीं बढ़ाई क्योंकि आपकी सोच में खोट था इसलिए आपने नहीं बढ़ाई।

मेरे कहने का दूसरा अभिप्राय यह है कि क्यों आपने ये चार लगाई ... (व्यवधान) आपने पावर के लोसेस बढ़ाने के ऊपर ये किया। जितना भी आपने किया, ये सुझाव ही है कि एफआरबीएम लिमिट बढ़नी चाहिए मेरे खयाल से।

(श्री रोहित बौहरा)

इसीलिए मैं बता रहा हूं। ये सुझाव ही दे रहा हूं केन्द्र सरकार को कि एफआरबीएम लिमिट में ये जो चारों आपकी कंडीशन है, इसको खतम कीजिए। यदि समझ में आए तो आप बोलिएगा। आज आप बात कर रहे हैं कि ... (व्यवधान) आज हम सेंट्रल गवर्नमेंट की बात करें। आज हमारी जो रेवेन्यू है बजट एस्टीमेट से लास्ट टाइम हमारे को मिला था, बजट एस्टीमेट की अप्रैल में रेवेन्यू मिली थी 6.1 percent of the budget estimate of the last year. यह मैं आपको CAG के फीगर्स बता रहा हूं जो आडिटेड फीगर्स नहीं है बट अन-आडिटेड फीगर्स है। इस साल हमारे को वो ही मिला बजट एस्टीमेट का 3.78 परसेंट that means our revenue has gone down by 62 percent. What has the Central Government done? सेन्ट्रल गवर्नमेंट ने क्या किया? एफआरबीएम लिमिट पर राइडर्स लगा दिए। किसी प्रदेश को, किसी ट्रेडर को, किसी भी रूप में कोई सब्सिडी नहीं दी। सब्सिडी दी कि साहब हम आपकी जो क्रेडिट लिमिट है, वह बढ़ा देंगे।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): क्रेडिट लिमिट आप बढ़ा देंगे, उसका इंटरेस्ट तो ट्रेडर ही देगा और तो कोई नहीं देगा। पैसा अल्टीमेटली कामन आदमी को ही देना है। कामन आदमी को किसी भी तरह की रिलीफ नहीं दी गई। मेरी केन्द्र सरकार से विनती है कि स्टेट्स को जो एफआरबीएम लिमिट है, उस पर राइडर्स खतम किए जाएं। ट्रेडर्स को जो भी पैसा है, वह इंटरेस्ट फ्री दिया जाए। राम-राम साहब, धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री नारायण बेनीवाल।

श्री नारायण बेनीवाल (खींवसर): माननीय सभापति महोदय, आज कोविड-19 के प्रबन्धन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए हार्दिक धन्यवाद।

'सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मैं चाहता हूं कि तस्वीर बदलनी चाहिए'

सबसे पहले तमाम कोरोना वारियर्स को तहे दिल से धन्यवाद, जो असली हीरो है कोरोना की इस जंग में। साथ ही प्रदेश के तमाम अन्नदाताओं और भामाशाहों को दिल से धन्यवाद। अभी लंबी-चौड़ी चर्चा हुई। कई वक्ताओं ने, माननीय विधायकों ने अच्छे-अच्छे सुझाव भी दिए। माननीय सभापति

(श्री नारायण बेनीवाल)

महोदय, कोविड के साथ-साथ, इसको मैं सुझाव तो नहीं कहूंगा लेकिन मेरा विनम्र आपसे अनुरोध है कि वरिष्ठ सदस्यों के लिए भी आप कोई सेमिनार या कार्यशाला का आयोजन जरूर करें क्योंकि आज हम जैसे प्रथम बार चुन कर आए और कोरोना जैसी महामारी को लेकर इस सदन में बहुत विस्तृत और गंभीर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन सुबह से लगातार जो माहौल यहां देखा, उससे निश्चित रूप से बड़ी पीड़ा हुई है। मैं आपसे जरूर यह निवेदन करूंगा।

माननीय सभापति महोदय, 2 मार्च को शुरू में कोरोना इस प्रदेश में आया और आज 5 महीने 19 दिन के अंदर 65 हजार के पार इसका आंकड़ा चला गया। अभी माननीय चिकित्सा मंत्रीजी ने सारे आंकड़े पेश किये। अब रिकवरी रेट भी बढ़ी है। निश्चित रूप से एक शुभ संकेत है इस प्रदेश, देश और पूरी मानव सभ्यता के लिए। लेकिन आज जो स्लोगन कोरोना का चलकर आ रहा है कि 'रोगी से नहीं-हमें रोग से लड़ना है।' काश यह साहित्य शुरू से उपलब्ध होता तो यह रिकवरी रेट और ज्यादा बढ़ती। मैं इस कोरोना के प्रेक्टिकल ज्ञान की बात कह रहा हूं क्योंकि मेरे बड़े भाई साहब और नागौर सांसद हनुमान जी बेनीवाल जब कोरोना पाजिटिव आए, उसके बाद आरयूएचएस के अंदर वह दस दिन एडमिट रहे। उनकी सेवा-सुश्रूषा के लिए एक परिजन के तौर पर, छोटे भाई के तौर पर मैं वहां हमेशा हाजिर रहा। माननीय चिकित्सा मंत्रीजी बैठे हैं, इनको भी धन्यवाद कि डेडिकेटेड कोरोना सेन्टर के रूप में आरयूएचएस को जो विकसित किया। निश्चित रूप से आप बधाई के पात्र हैं। हम इस कोरोना की लड़ाई में चाहे वह केन्द्र सरकार में बैठे व्यक्ति हो, चाहे राज्य सरकार में बैठे व्यक्ति हो, निश्चित रूप से विधायिका के साथ वह तमाम कार्यपालिका के लोग भी धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने बड़े संवेदनशील होकर इस कोरोना की जंग में कोरोना को हराने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

माननीय मंत्रीजी विराजमान हैं और जब भी अपना उद्बोधन, जवाब दें तो मैं चाहूंगा कि जो आरयूएचएस है, उसके अंदर हाई स्लाइस सीटी स्कैन की बहुत बड़ी मांग वहां है क्योंकि अभी सीटी स्कैन के लिए आरयूएचएस से एसएमएस हास्पिटल जाना पड़ता है। यदि पूरे मेडिकल प्रोटोकाल से आप वहां ले जाते हो तो वहां आलरेडी जो मरीज भर्ती है, उनको भी बड़ी तकलीफ होती है। आरयूएचएस में हाई स्लाइस सीटी स्कैन और प्रत्येक जिला मुख्यालय पर

(श्री नारायण बेनीवाल)

ऐसी सीटी स्कैन की व्यवस्था का जरूर मैं आपको सुझाव दूंगा। आरयूएचएस में अभी एसएमएस की फैकल्टी काम कर रही है तो स्थाई फैकल्टी, क्योंकि हमने तीन साल के लिए डैडिकेटेड कोरोना सेंटर बनाया है आरयूएचएस को, उसमें स्थाई फैकल्टी की मांग भी माननीय मंत्रीजी से करूंगा।

माननीय सभापति महोदय, कई माननीय विधायक जो डाक्टर के पेशे से भी चुनकर आए हैं। जब बुढ़ापे के अंदर कोई मर्ज को लेकर हम डाक्टर के पास जाते हैं, तब वे पूछते हैं कि क्या आपको बचपन में कोई चोट तो नहीं लगी? ये कोरोना का बचपन है। इसके दुष्परिणामों में अभी बहुत समय लगेगा। निश्चित रूप से मानसिक रोगी भी बढ़े हैं। हर जगह आप देख लीजिए आत्महत्याओं जैसे गंभीर अपराध, जिसको मैं अपराध ही मानूंगा कि व्यक्ति दुःखी होकर आत्महत्या करता है, ऐसी घटनाएं भी बहुत बढ़ी हैं। इसके अंदर ठोस कदम, उचित कदम के लिए सरकार से मैं आग्रह करूंगा। प्रथम लॉकडाउन के अदंर, क्योंकि डब्ल्यूएचओ ने जो गाइड लाइन जारी की या बार-बार जो उनके बुलेटिन आ रहे हैं, उसमें ये ही कह रहे हैं कि आने वाले दिनों में वायरसजनित बीमारियां ही बढ़ेंगी। ये जो कोरोना है, ये हमें बहुत कुछ सिखा रहा है। इस लॉकडाउन से लेकर हमारी कोरोना के अंदर जो कमियां रहीं, उन कमियों को हम कैसे सुधारें? ताकि आने वाले दिनों में हो सकता है कि और भी कोई ऐसा वायरस अटैक करे, क्योंकि अभी निंदा हम माननीय प्रधान मंत्रीजी की कर सकते हैं, माननीय मुख्य मंत्रीजी की कर सकते हैं कि चीन से आपने एयरपोर्ट बंद नहीं किए। मैं देखता आया और लगातार मैंने एक चीज महसूस की है कि बहुत सारे माननीय विधायक जो बैठे हैं, जो पहले विधायक थे, जो मंत्री थे, जो सत्ता के अंदर बैठे थे, उनके बच्चे भी बाहर कहीं चाइना, कहीं रशिया, वे मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। उनको लाने के लिए हम भी प्रयासरत थे। अब हम चाहे दोष किसी को भी दें लेकिन आगे हम ऐसी व्यवस्था बनाएं कि आइंदा कोई ऐसी महामारी आए, भगवान न करे आए, लेकिन जब भी आए तो समय पर हम उसका उपचार कर सकें। ऐसी हमें योजना बनानी है।

माननीय सभापति महोदय, मैं प्रथम लाकडाउन की बात करता हूं सरकार ने नोडल अधिकारी बनाए प्रवासियों के लिए लेकिन अधिकतर नोडल अधिकारियों के टेलीफोन स्विच आफ थे। एक केरल के जो हमारे नोडल अधिकारी थे बीजू जार्ज जोसेफ जी, मैं धन्यवाद दूंगा उनको, मैंने सोशल

(श्री नारायण बेनीवाल)

मीडिया में उनका एक वीडियो देखा कि नागौर के एक ट्रक आपरेटर का, जिसका प्रथम लाकडाउन के अंदर तेल खतम हो गया, उसको उन्होंने यहां से टेलीफोन करके लोकल थाने की मदद से तेल भराया और उस व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर अपना जो वीडियो शेयर किया तो पांच लाख लोगों ने उस वीडियो को देखा। मैं प्रशासनिक व्यवस्थाओं में जो लोग बैठे हैं क्योंकि सत्ता की नाक, कान, आंख का काम यही लोग करते हैं। अभी कुछ वरिष्ठ विधायक भी कह रहे थे, लेकिन हम सब जिस दिन सच बोलने का और सच सुनने का जब माद्दा पैदा करेंगे...

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री नारायण बेनीवाल (खींवसर): उस दिन असली लोकतंत्र की बातें आएंगी और यदि ये होता तो एक बार आप और एक बार ये, नहीं होता। इसलिए निवेदन करूंगा माननीय मंत्रीजी कि बड़े संवेदनशील होकर जो प्राइमरी हैल्थ सेन्टर है, उसको आप मजबूत बनाएं। गांव-गांव तक, एक ढाणी के अंदर बैठे हुए व्यक्ति को भी चिकित्सा सुविधा कैसे उपलब्ध हो और किसानों को, इस कोरोना की छूट के अंदर सब लोगों को छूट मिली है, किसानों के अलावा। किसानों के बिजली के बिल माफ हों, ऋण का ब्याज माफ हो। स्थायी शुल्क हो, वीसीआर के नाम पर जो लूट हो रही है उसको भी आप बंद करें, यह कुछ सुझाव हैं। मैं आपको लिखित में भी कुछ सुझाव दूंगा। संवेदनशीलता से और पार्टी की जो मेंटलिटी है उससे ऊपर आकर, सब लोगों को एक साथ लेकर, हमें मिलकर कोरोना की जंग को लड़ना है। इन्हीं शब्दों के साथ एक बार मैं पुन: धन्यवाद देता हूं।

श्री सभापति: श्री गणेश घोघरा।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): माननीय सभापति महोदय, कोरोना वैश्विक महामारी पर मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुख्य मंत्री जी ने कोरोना को लेकर जो काम किया है उसके लिए मैं सबसे पहले राजस्थान के लोकप्रिय मुख्य मंत्री अशोक गहलोत जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। जब मोदी जी थाली, मोमबत्ती और ढोल बजवा रहे थे तब हमारे राजस्थान के जन नायक कोरोना को लेकर चिंतित थे। (व्यवधान) आप भी तो गुजरात गए थे, क्यों गए थे गुजरात?

श्री सभापति: कृपया शांत रहे, शांत रहे।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): राजस्थान के मुख्य मंत्री जी और हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी ने जो काम किया है वह बहुत ही सराहनीय है। मैं टीएसपी, आदिवासी जनजाति बहुल क्षेत्र से आता हूं। हमारे यहां गरीबी की स्थिति है। वहां पर रोजगार के कोई साधन नहीं हैं। कोरोना में मुख्य मंत्री, मंत्री जी, कांग्रेस सरकार ने गरीबों की मदद की है वह बहुत तारीफ़ेकाबिल है। वहां पर सूखी सामग्री पहुंचाई गई खाना पहुंचाया गया। रतनपुर बोर्डर पर सरकार ने जो काम किया वह काफी सराहनीय है। हर राज्य का व्यक्ति रतनपुर बोर्डर से, मेरे विधान सभा क्षेत्र से यहां तक पहुंचा है। उसमें सरकारी मशीनरी व कांग्रेस के जो जन प्रतिनिधि थे, उन्होंने काफी सराहनीय काम किया। मेडिकल कालेज की टीम द्वारा वहां जांचें हुईं। वहां पर भोजन की व्यवस्था हुई। जब गुजरात सरकार ने कुछ नहीं किया, गुजरात, बोम्बे, महाराष्ट्र से व्यक्ति तकलीफ में पैदल-पैदल अपने घर आया, अपने राज्य में आया। मैं हमारी गवर्नमेंट को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने रतनपुर बोर्डर से गाड़ियों की व्यवस्था की, जो जिस ज़िले का था, जिस राज्य का था, उनको वहां तक पहुंचाने की व्यवस्था की। यह अशोक गहलोत जी हैं। हमने किताबों में पढ़ा था अशोक महान, वह किताबों में महान राजा थे। ऐसा ही किसी ने राजस्थान में काम किया है तो गहलोत सरकार ने, कांग्रेस सरकार ने किया है।

हमारे टीएसपी क्षेत्र में रोजगार नहीं है, कोई फैक्टरी नहीं है, कोई कम्पनी नहीं है। आदिवासियों का एक ही रोजगार है, वह है महानरेगा, कोरोना में संजीवनी बूटी बनकर काम किया है। मेरे विपक्ष के साथी बैठे हुए हैं, जो नरेगा को गालियां दे रहे थे, जो नरेगा को बंद करना चाह रहे थे। आज हमारे क्षेत्र में नरेगा एक वरदान साबित हुआ है।

आज बाहर जितनी भी कम्पनियां बंद हो गईं, जितनी भी फैक्ट्रियां बंद हो गईं, मोदी जी मैं आज आपसे कहना चाहता हूं, आपने अच्छे दिन के वादे किए थे, अच्छे भाषण किए थे, अच्छी घोषणा की थी। हम हर साल दो करोड़ लोगों को, युवाओं को रोजगार देंगे, आपके रोजगार कहां गए। मोदी जी को कहो कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार दें। कोरोना की वैश्विक महामारी में खाली थाली बजाने से, मोमबत्ती जलाने से गरीब का पेट भरने वाला नहीं है।

इसी के साथ मैं हमारे मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं, तीन किश्त में साढ़े तीन हजार गरीब के खाते में गए, यह बहुत ही सराहनीय

(श्री गणेश घोघरा)

काम है। इन्होंने किसी को भूखा नहीं सोने दिया। आज टीएसपी क्षेत्र में लोगों के सौ दिन पूरे हो गए हैं। यह हमारे पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह जी, हमारी राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी जी की देन है कि सौ दिन का रोजगार मिला।

मैं यहां विपक्ष में बैठा हुआ हूं। आप मोदी जी को कहिए थाली बजाना, मोमबत्ती जलाना छोड़ दें और 200 दिन रोजगार के करें पूरे देश में, तो जो घर बैठे हैं उनको रोजगार मिलेगा। हमारे वहां फैक्टरी नहीं है। आज बेचारा गरीब, काम पर नहीं जा सकता, सौ दिन पूरे हो गए। आप बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हो, बड़े-बड़े भाषण कर रहे हो कि हमने कुछ नहीं किया। आपको कोरोना नहीं लगेगा। कांग्रेस के जितने भी एमएलए थे, दूसरे विपक्ष दल के एमएलए थे, उन्होंने जनता की सुनी, जनता के बीच में गए, लेकिन आपको तो कोरोना लग जाएगा, यूं करके आप अपने विधान सभा क्षेत्र में भी नहीं गए, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं। (व्यवधान) बैठ जाओ, बैठ जाओ, हमको भी बोलने दो।

श्री सभापति: शांत रहें। कृपया शांत रहें।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): सच्चाई सुनने की ताकत रखो। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): आपने कुछ नहीं किया, खाली अच्छे दिन के वादे किए। एक सिर के बदले दस सिर के वादे किए। चाइना घुस गया भारत में...(व्यवधान) मोदी जी, आपका 56 इंच का सीना कहां गया। इससे अच्छी तो हमारी इंदिरा गांधी जी थीं, पाकिस्तान के सैनिकों के हथियार डलवा दिए ...(व्यवधान)

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): आप +++ बातें नहीं करें, +++ बातों से हम ड़रने वाले नहीं हैं। आपकी एक ही आदत है +++ बोलना और जोर से बोलना, इसके अलावा धरातल पर कोई काम नहीं है।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): जनता जानती है कि कौनसी सरकार काम कर रही है। कौन नेता काम कर रहा है।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): घर-घर, हर व्यक्ति कह रहा है कि अशोक महान, बहुत अच्छा काम किया। मुझे बोलने का मौका दिया।

श्री सभापति: बलवान पूनिया।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): एक मिनट, मैं टीएसपी से आता हूं, टीएसपी क्षेत्र की विशेषकर दो मांगें हैं, जनसंख्या के आधार पर आरक्षण दिया जाए और प्रशासनिक सेवा में छह प्रतिशत आरक्षण हमको प्रत्यक्ष दिया जाए। टीएसपी क्षेत्र के लिए यह कोरोना से भी बड़ी महामारी है। हमारी यह सबसे बड़ी मांग है। धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत। (व्यवधान)

श्री सभापति: शांत रहें।

श्री बलवान पूनियां (भादरा): सभापति महोदय, कोविड-19 संक्रमण के बाद आर्थिक स्थिति के मुद्दे पर चर्चा में भाग लेने का आपने मुझे मौका दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति महोदय, हनुमानगढ़ ज़िले में 337 कोरोना पॉजिटिव केस आए थे। मेरे विधान सभा क्षेत्र में सिर्फ 24 कोरोना पॉजिटिव मरीज आए। हमारे ज़िले की स्थिति को अगर हम देखें तो हमारे यहां कम्युनिटी स्प्रैड में ही, कोई आदमी बाहर से आया वह अगर पॉजिटिव आया तो तीन दिन, सात दिन, दस दिन के बाद वापस सामान्य हो गया, वह वापस नेगेटिव हो गया, यह हमारे ज़िले की स्थिति रही।

सभापति महोदय, हम राजस्थान की बात करें, जब कोरोना आया, कोरोना की चर्चा आई तो हमारा सदन था, सदन में चिकित्सा मंत्री महोदय ने कोरोना को लेकर बयान दिया, गंभीर चिंता व्यक्त की। उसी समय नेता पक्ष और नेता प्रतिपक्ष, सबने सहयोग की बात की। हमारे देश के लिए यह गंभीर बीमारी, यह महामारी, एक नई चीज थी। यह बात सही है कि 19 माह पुरानी सरकार और आज की परिस्थिति, आज यह आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि हमने 37 लैब बनाई हैं। दस प्राइवेट लैब हैं, बाकी सरकारी हैं। जिस दिन कोरोना आया, कोरोना का संकट आया, हमारी तैयारी कुछ नहीं थी। हम मानसिक रूप से तैयार नहीं थे। हमारे पास मेडिकल टीम भी तैयार नहीं थी। यहां तक कि 22 मार्च से पहले हमारे यहां कोरोना से निपटने के लिए, जांच करने के लिए पीपीई किट नहीं थे, मास्क नहीं थे, हम लोग सेनिटाइजर का नाम तक नहीं जानते थे। इस परिस्थिति में कोरोना से लड़ना हमारे लिए एक बड़ा काम था।

(श्री बलवान पूनियां)

सभापति महोदय, राजस्थान में जब धारा 144 लगी उसके बाद यहां लॉकडाउन हुआ। हमारे देश की सरकार ने भी देश भर में लॉकडाउन बिना तैयारी के शुरू किया। लोगों को एकदम कह दिया गया कि कल से लॉकडाउन होगा। पूरे देश में राजस्थान के लोग मजदूर के रूप में, व्यापारी के रूप में, मिल मालिक के रूप में भरे पड़े हैं। हमारे यहां एक अलग तरीके की दड़बड़ाहट पैदा हुई, लोगों में हड़बड़ाहट पैदा हो गई, लोग भागे-दौड़े। उसके बाद हमारे देश में क्या-क्या नहीं हुआ। कोरोना की चिंता कम थी, घर आने की चिंता ज्यादा थी।

सभापति महोदय, कभी कोई कानून आया, कभी कोई नियम आया, क्योंकि देश की सरकारें सीख रही थीं, हम सब लोग सीख रहे थे, सारे जन प्रतिनिधि सीख रहे थे, अफसर भी सीख रहे थे। सुबह नियम कुछ होता, शाम को नियम कुछ होता। एक सर्कुलर पढ़ते इतने में दूसरा सर्कुलर आ जाता, यह सिर्फ राजस्थान में ही नहीं हिन्दुस्तान में था। सभापति महोदय, यहां लोग पैदल चल रहे थे, यहां ट्रेन पैदल चल रही थी। यहां तक कि ट्रेन दूसरी जगह चली गई। ट्रेन 24 घंटे सफर दूसरी साइड में कर गई। देश की सरकार ने, रेलवे ने उत्तर दिया कि साहब, ट्रेन भटक गई। यह फेल्योर व्यवस्था का था।

श्री अर्जुन लाल जीनगर (कपासन): आप भी भटक गये।

श्री बलवान पूनियां (भादरा): मैं नहीं भटक रहा। यह तो था कोरोना और कोरोना के बीच आया, माननीय सभापति महोदय, आर्थिक संकट। यहां डाक्टर लोग बहुत कम हो सकते हैं जो कोरोना का इलाज बताएं। चिक्त्सिा मंत्रीजी ने रोड मैप दिया है। देश की सरकार ने भी रोड मैप दिया है कि हम कोरोना से ऐसे लड़ें। लेकिन इस कोरोना की आड़ में जो भटकने और भटकाने की बात कर रहे हैं, मेरे भाई, इनकी दिल्ली की हुकूमत ने जो देश में बेचा, जो-जो निजीकरण का तांडव कोरोना के काल में किया, जिस तरीके से एयरपोर्ट बेचे गये, जिस तरीके से रेलवे का निजीकरण हुआ, जिस तरीके से बेरोजगारी पैदा हुई और उसको कोई सम्बल देने वाला बचा नहीं। जिस तरीके से उद्योग धंधे चौपट हुए, उसके बाद जो बेरोजगारी की हालत बनी, सभापति महोदय, मेरे से पहले जो विधायक महोदय बोल रहे थे, यह कोरोना और कोरोना की चपत, उसके बाद जेब की चपत, आने वाले दिनों के लिए भी बहुत बड़ा संकट पैदा करने वाली है।

(श्री बलवान पूनियां)

मैं इस सदन में स्पष्ट कहना चाहता हूं कि खेती से ले करके उद्योग तक जो संकट पैदा किये जा रहे हैं, हुकूमत के द्वारा, केन्द्र की हुकूमत के द्वारा, ये हमारे लिए आने वाले दिनों में कोरोना से भयंकर महामारी होगी।

सभापति महोदय, सब लोगों ने मांग उठाई है कि बिजली के बढ़े हुए दाम वापस होने चाहिए। जो देश भर में बिजली को ले करके अभी षड्यंत्र रचा जा रहा है, रेल के बाद, एयरपोर्ट के बाद अगला तंत्र बिजली को बेचने का, बिजली कम्पनियों को बेचने का जो काम किया जा रहा है, यह हम सबके लिए संकट का विषय है।

सभापति महोदय, मैं तो इस सदन के माध्यम से यह मांग करना चाहता हूं कि जो निजीकरण का पाप हमने देखा, कोरोना आते ही सारे प्राइवेट हास्पिटल ताला लगाकर भाग गये, जिस तरीके से अहमदाबाद का बढिया हास्पिटल कोरोना आने के बाद बंद हो गया था, जिस तरीके से हमारे प्रदेश में भी कोरोना आने के बाद एक-एक प्राइवेट हास्पिटल भाग गया, यह निजीकरण का फंडा बंद हो। सरकार सारे सिस्टम को अपने हाथ में ले, सरकार चलाये। जिस कोरोना से सरकार ने खुद लड़ने का काम किया है, सरकारी तंत्र को मजबूत करने का काम राजस्थान और केन्द्र की सरकार करे।

सभापति महोदय, यह बहुत गम्भीर सवाल है कि कोरोना के अन्दर हमें पता चला कि किस तरीके से प्राइवेट स्कूल वाले, प्राइवेट कालेज वाले, किस तरीके से प्राइवेट धंधे वाले, किस तरीके से फैक्टरी वाले, किस तरीके से हास्पिटल वालों ने सरकार की मदद करने के बजाय अपनी जेब की मदद की और ताला लगा-लगाकर भाग गये, रफूचक्कर हो गये। बचे तो जन प्रतिनिधि बचे, सरकार बची। सरकार के अफसर बचे, सिपाही से ले करके ऊपर तक आई.ए.एस., आई.पी.एस. अफसर बचा। बीच का निजी धंधे वाला आदमी कोई नहीं बचा।

सभापति महोदय, मैं आपको कहना चाहता हूं कि यह पूरे हिन्दुस्तान की संस्कृति, वासुदेवजी की इस बात से मैं सहमत हूं कि हिन्दुस्तान की संस्कृति है मदद करने की, इस संस्कृति की मदद से हम कोरोना से लड़ पाने में कामयाब हुए। प्रधान मंत्री महोदय का और स्टेट के मुख्य मंत्री का जो आह्वान था, जनता ने माना, जन प्रतिनिधियों ने माना, तब हम कोरोना से लड़ पाये, लेकिन यह लम्बी लड़ाई बिना अर्थ के चलेगी नहीं। इसलिये कोरोना की आड़ में अर्थव्यवस्था को जो चौपट करने का कार्यक्रम किया जा रहा है,

(श्री बलवान पूनियां)

उसको रोकना होगा, निजीकरण को रोकना होगा, सरकारी तंत्र की तरफ आगे बढ़ना होगा, जांचें और ज्यादा बढ़ानी होंगी, कम्युनिटी स्प्रैड को रोकना होगा। मदन दिलावर को भी रोकना होगा जो लोगों के बीच में बोलते हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री राजेन्द्र राठौड़।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): सभापति महोदय, कोरोना एक इस प्रकार की बीमारी, जिसको डब्ल्यू.एच.ओ. ने वैश्विक महामारी घोषित किया, जिसकी जकड़ और पकड़ में आज विश्व के 183 देश आ गये, उस पर चर्चा हो रही है।

सभापति महोदय, यह भी सही बात है कि कुछ विषय ऐसे होते हैं, जिनमें चाहे पक्ष हो, चाहे प्रतिपक्ष हो, चाहे राजस्थान की हुकूमत हो, चाहे दिल्ली की हुकूमत हो, सबकी चिंताएं समान रहती हैं। यह वक्त आलोचना का नहीं है, समालोचना का है।

सभापति महोदय, यह चिंता तब और बढ़ जाती है, मेडिकल सांइस ने इन दशकों में काफी प्रगति की है, काफी सोपान चढ़े हैं, पर अभी मैं डब्ल्यू.एच.ओ. के जो महानिदेशक हैं, ट्रेड्रॉस एडहेनॉम घेबरेयेसस, उनका एक वक्तव्य पढ़ रहा था और वहां की एक मुख्य वैज्ञानिक सोनिया स्वामीनाथन का एक वक्तव्य पढ़ रहा था। उसमें उन्होंने कहा कि इस वैश्विक महामारी कोरोना की लड़ाई कुछ हफ्तों की नहीं है, कुछ महीनों की भी नहीं है। यह चार-पांच साल तक की लड़ाई है। आज तक इसका वैक्सीन आया नहीं है। इसका वैक्सीन आने वाले 18 महीनों में आ भी गया तो दुनिया के 7 अरब से ज्यादा लोगों के पास पहुंचने में दो साल लग जाएंगे, सभापति महोदय, इसलिये इस विषय पर हमें गम्भीरता से, किस प्रकार इसका रोड मैप बने, इस पर चिंता करनी चाहिए।

मैं, मंत्रीजी, आपका वक्तव्य सुन रहा था। आपने राजस्थान में 46 हजार जांचों की क्षमता की बात कही, रिकवरी रेट की बात कही, कम मृत्यु दर की बात कही। मुझे आपकी नीति और नीयत पर शक नहीं। पर, सभापति महोदय, यह भी सच है कि दो मार्च को पहला केस आया, आपने खुद ने बताया। उसके 93 दिन के बाद इन केसेज की संख्या 5 जून को 10,008 हो गयी। आज हर सप्ताह में 10,000 संक्रमित केस हमारे सामने आ रहे हैं। मृत्यु का आंकड़ा 921 तक पहुंच रहा है। इस कोरोना से कोई अछूता नहीं है।

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

महामहिम राज्यपाल का राजभवन अछूता नहीं है, मुख्य मंत्रीजी का निवास अछूता नहीं है, आपका चिकित्सा निदेशालय अछूता नहीं है। आपने पहले टैस्ट की बात कही, पूना के वायरोलोजी में पहला टैस्ट भेजा। यह पहली बार नहीं है। आप याद कर लो, स्वाइन फ्लू, H1N1 आया था, उसमें भी आर.टी.पी.सी.आर. के टैस्ट के लिए पहला केस पूना में गया था और आज राजस्थान में सैटेलाइट हास्पिटल में उसकी जांच हो रही है।

मैं निवेदन इतना-सा करूंगा कि मुझ से पहले वक्ताओं ने कहा, मैं समाचार पत्रों में पढ़ रहा था, मंत्री महोदय, करौली के अन्दर 5 आदमियों के बारे में अचानक उनके पास पहुंचा कि आप पोजिटिव हो। वे घबरा गये। उन्होंने कभी टैस्ट ही नहीं कराया। उन्होंने कभी टैस्ट ही नहीं कराये। राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तीन दिन में अलग-अलग तरह के चार टैस्ट सामने आ रहे हैं। मैं समझता हूं कि बीकानेर की बात हो या और कहीं की बात हो, गुणवत्ता पर आपको निगाह डालनी पड़ेगी। आपने अपनी बातों के अन्दर कहीं की बात कहकर कहीं निशाना तो साध दिया। मैं उस राजनीति को आगे बढ़ाना नहीं चाहता, स्वास्थ्य मंत्रीजी, पर गुणवत्ता और सही समय पर, आपने सुपर स्प्रैडर की बात कही, जो बहुत तेजी से फैलाते हैं। आज कोरोना के टैस्ट के बारे में, आज कोरोना का टैस्ट रिजल्ट तीन-तीन, चार-चार दिन नहीं आता। मैं समझता हूं इसके बारे में निश्चित तौर पर बात करनी चाहिए।

श्री हरीश चौधरी (राजस्व मंत्री): बीकानेर वाली कौनसी बात का ध्यान करना चाहिए, पापड़ वाली या और किसी का, वह खुलासा करें।

श्री सभापति: विराजिये, विराजिये।

श्री रामनारायण मीना (पीपल्दा): वह शंख बजाने वाला काम भी बता दो थोड़ा।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): वह बता दूंगा मैं।

सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने 40 हजार के इटोलिजुमब रेमडेसिविर इंजेक्शन की बात कही, तो मैं कहूं कि मैं निश्चित तौर पर जो पूर्व चिकित्सा मंत्रीजी ने कहा, प्लाज्मा थिरैपी, इसके प्रोसेस के चार्ज का पैसा ले रहे हैं, उसके बारे में आपको निश्चित तौर पर सोचना चाहिए।

आपने स्क्रीनिंग कराने की बात कही। यह बात सही है कि जिस तरह

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

आज बात की जाये, राजस्थान में आज 66,619 संक्रमित हैं, हमारे आंकड़े यहां पहुंच रहे हैं। आपने स्क्रीनिंग की बात कही। राजस्थान की आबादी से दोगुना, डेढ़ गुना स्क्रीनिंग करने का दावा किया। सभापति महोदय, मैं जयपुर के 12 अगस्त के आंकड़े देख रहा था। जयपुर की आबादी 2011 के अन्दर 22 लाख और 12 अगस्त तक इन्होंने 5,22,06,53 लोगों की स्क्रीनिंग कर दी। बिना थर्मल गन के? मैं यह आलोचना नहीं कर रहा, मैं बिलकुल आलोचना की तरफ बढ़ना भी नहीं चाहता। पर एक मेरे घर में चूरू के अन्दर स्क्रीनिंग करने वाले आये। ऊपर से पुकारा, घर का मुखिया कौन है, उन्होंने मेरा नाम लिया। घर के अन्दर और कौन-कौन हैं, उन्होंने मेरा नौकर, और जो मेरा भाई रहता है, उनके नाम लिखे। उन्होंने दूर से चिल्लाकर पूछा, क्या बात है? कोरोना की स्क्रीनिंग करने आये हैं। मैं बिलकुल आलोचना नहीं कर रहा, स्वास्थ्य मंत्रीजी, पर कुछ सच आये हैं।

मैं निवेदन करना चाहूंगा, आपको ध्यान होगा सर्वोच्च न्यायालय ने एक रिट याचिका में कुछ निर्देश जारी किये हैं। आपने बड़ी कृपापूर्वक, आपके प्रमुख शासन सचिव ने 19 जून को उन निर्देशों की पालना के अन्दर आदेश जारी किये। आदेश क्या था, माननीय सभापति महोदय, जितने भी सम्भाग स्तर के और जिला स्तर के कोविड के डैडिकेटेड हास्पिटल्स हैं, चाहे वे निजी क्षेत्र में हैं, चाहे वे सरकारी क्षेत्र में हैं, एक टीम बने, जिसका कांस्टीट्यूट उसमें लिखा हुआ था, 15 दिन में वह निरीक्षण करेगी। सब जगह पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगेंगे, हैल्थ डैस्क बनेगी और स्ट्रैस मैनेजमेंट, जिसकी चर्चा आपने भी की थी क्योंकि एक परिवार में पॉजिटिव आ जाए, मैं तो खुद भुगतभोगी हूं। मेरे को उस परिवार की मानसिक स्थिति मालूम है तो आप अगर इन सारे निर्देशों की अनुपालना करवा लेते, उसमें यह भी था कि जो भी व्यक्ति संक्रमित होकर हास्पिटल में भर्ती होगा, उसी हास्पिटल परिसर में परिवार के एक व्यक्ति के रुकने का अलग से इंतजाम करने का प्रावधान था। यह मैं नहीं कह रहा, यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर, रिट पिटीशन के आदेश पर आपके खुद के डाइरेक्शन कह रहे हैं। आज अगर यह बात हो जाती तो जिस आर.यू.एच.एस. की यह बात कर रहे हैं, कैलाश नाम का व्यक्ति फांसी पर लटक गया, कूद कर मर गया, नवरतन जिसकी बात अभी कही गई, वीडियो जारी करके कहा कि मैं मर रहा हूं, अस्पताल की व्यवस्था ठीक नहीं है, आत्महत्या कर लेता है। जे.एल.एन. के अंदर टायलेट में जाकर आदमी लटक

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

जाता है। मैं समझता हूं कि अगर आप वहां परिवारजन के लोगों का रहने का इंतजाम कर लेते और मैं आगे का सुझाव दे रहा हूं कि यह मानसिक अवसाद, माननीय सभापति महोदय, मेरे खुद के निर्वाचन क्षेत्र में कोटबाद गांव का एक नौजवान बाहर से आया। आने पर उसको कह दिया, टैस्ट हुआ। वह गांव चला गया तो गांव से पकड़कर ले आये, कोविड पॉजिटिव आ गया और वहां जाकर एम.एन.टी.सी. सेंटर में रख दिया। गांव के उसके परिवार के पिता और मां ने दो दिन तक मेरे पास आकर कहा कि मेरा बेटा कहां है? तो हम भी दो दिन बाद में बता पाये कि वहां पर आपका बेटा है और उससे जब बात की तो उसने कहा कि एक बड़े हाल के अंदर बीस पलंग लगे हुए हैं। एक ही बड़ा बर्तन है जिससे पानी पीते हैं। खाना देने वाला शाम को आता है तो खाना भी एक ही बर्तन से परोस जाता है।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपकी आलोचना नहीं कर रहा हूं पर आज दर्द यह है कि क्वारंटाइन सेंटर को यातना गृह के रूप में लोग देख रहे हैं। कितनी जगह आपके क्वारंटाइन सेंटर से लोग भागे? धौलपुर में तो दीवार तोड़कर भाग गये और मैं यह समझता हूं कि अगर यह निरीक्षण हो जाता तो पी.बी.एम. हास्पिटल के अंदर एक संक्रमित व्यक्ति शौचालय के अंदर गिरकर गंदगी के कारण से, उसकी बेटी, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा, सामने मंत्रीजी भी बैठे हैं, इन सबने उसमें इंटरवेंशन किया उसमें, उसके बाद भी वह दम तोड़ गया तो इन सारी बातों पर निश्चित तौर पर अपने को विचार करना चाहिए। मैं अपनी बात को लंबी तो नहीं करूंगा पर यह जरूर कहूंगा कि यह डैडिकेटेड क्वारंटाइन सेंटर, मेरे खुद के यहां थाने में लोग निकलकर बाहर आ गये, एक जगह पर खड़े हो गये। उनको कहा कि आप तो सारे पॉजिटिव हो, अंदर जाओ, जाने को तैयार नहीं। गंगानगर के अंदर सफाई की व्यवस्था नहीं हुई, इसके कारण लोग बाहर निकलकर आये। बांसवाड़ा में, जोधपुर में, उदयपुर में, धौलपुर में, यह इस बारे में मैं लंबी बात नहीं कहूंगा क्योंकि आप मुझे टोक देंगे इसलिए मैं कोई लंबी बात नहीं कहना चाहता पर 25 जुलाई को आपके प्रमुख शासन सचिव ने एक परिपत्र और जारी किया। आपने उसमें दावा किया कि हम 40 हजार से ज्यादा प्रतिदिन की हम जांच कर रहे हैं और आपने रेंडम जांच के आदेश दिये। मैं उसका स्वागत करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद। पर यह सुपर स्प्रैडर के नाम पर आपने यह कैटेगरी तय कर ली, घरेलू नौकर, सब्जी वाला, किराने वाला, धोबी, ब्यूटी पार्लर, सैलून और किस जगह से लोग,

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

बस स्टैंड से, मंडी से, एयरपोर्ट से, यह भी अच्छी बात है, पर आज हालात क्या हैं? आप मंत्री महोदय, मालूम कर लें, गांवों के अंदर कितने सैम्पल लिए जाते हैं? गांव की चौपाल में, श्रीमान तो गांव की संस्कृति को जानते हैं, वहां पर कभी रैंडम सैम्पलिंग नहीं। आज कोरोना निकलकर कम्युनिटी स्प्रैड की ओर बढ़ गया है, 66 हजार से ज्यादा लोग हो गये हैं और मैं यह जिम्मेदारी से कह रहा हूं, माननीय सभापति महोदय, आज 15 हजार से ज्यादा ऐसे लोग हैं जिनका मालूम नहीं है कि वे कहां से संक्रमित होकर आये हैं, सोर्स मालूम नहीं है। इस राजस्थान की चिंता हम सबको मिलकर करनी है। कम्युनिटी स्प्रैड की ओर राजस्थान बढ़ रहा है, इसको निश्चित तौर पर बचाने की जरूरत है।

माननीय सभापति महोदय, अप्रैल महीने के अंदर एक सर्वे हुआ। राजस्थान पत्रिका ने कहा कि कोरोना के युद्ध में सबसे बड़ी कमी कहां नजर आई? उसमें था कि 54 परसेंट लोगों ने कहा कि चिकित्सकों की और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है। कोरोना योद्धाओं की कमी है। आपने स्वास्थ्य मित्र की बात कही। मैं बधाई देना चाहूंगा, यह स्वागत योग्य कदम है पर यह एन.एच.एम. के अंदर 2019-20 की पी.आई.पी. में जो 5500 कम्युनिटी हैल्थ आफिसर लेने थे, विवाद होता है। छोटे से विवाद के कारण। यह पिछली बार 2500 पर विवाद खड़ा हो गया तो आपने उसको डैफर कर दिया और यह आर.यू.एच.एस. की भर्ती के बारे में मुझसे पहले इन्होंने कहा उस पर आप बतायें पर आज आई.सी.यू. के अंदर, मैं यहां पर शपथ से कहता हूं, मैंने भी इस विभाग को देखा है, आई.सी.यू. के अंदर एडमिशन के लिए लोग गिड़गिड़ाते हैं, मंत्री महोदय, हालात ये हैं क्योंकि आपके यहां पर जिस प्रकार के वेंटिलेटर और आपके आई.सी.यू. पलंग होने थे, आप कितना ही दावा कर लें, वे कम हैं। आपने खुद ने खरीदने की बात कही है। आप खरीद नहीं पाये। आपका खुद का स्टेटमेंट है कि 35 हजार पर एक वेंटिलेटर है। मैं समझता हूं कि इस पर निश्चित तौर पर बात करनी चाहिए।

अब चूंकि, आज मेरे बाद में और भी लोग बोलेंगे। इस कोरोना के कारण से जो आर्थिक स्थिति है, निश्चित तौर पर कई माननीय सदस्यों ने बात कही पर मैं यह समझता हूं कि अगस्त महीने में पत्रिका का एक और सर्वे था, उसमें राजस्थान में पूछा कि ...(व्यवधान)

श्री महेन्द्र चौधरी (सरकारी उप मुख्य सचेतक): राठौड़ साहब, एक मिनट। मैं टोक नहीं रहा हूं, एक मिनट।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): माननीय सभापति महोदय, अंत में मैं यह चाहूंगा कि आपने ...(व्यवधान)

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री महेन्द्र चौधरी (सरकारी उप मुख्य सचेतक): माननीय सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय एक घंटा बढ़ा दिया जाए।

श्री सभापति: क्या सदन का समय एक घंटा बढ़ा दिया जाए?

(स्वीकृत)

सदन का समय एक घंटा बढ़ाया गया।

विभिन्न विषयों पर विचार

कोविड-19 प्रबंधन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुआ असर

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): माननीय सभापति महोदय, मैं अपनी बात को पांच मिनट में समाप्त करूंगा।

माननीय सभापति महोदय, यह जो आर्थिक स्थिति की बात की है, यह निश्चित तौर पर पूरे विश्व की चूलें हिला दीं, बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं धराशायी हो गईं और आई.एम.एफ. ने यह कह दिया कि हिन्दुस्तान के अंदर चार दशक की सबसे बड़ी जी.डी.पी. में गिरावट आएगी। मुख्य मंत्रीजी ने यह कहा कि 31 मार्च को जब इस कोरोना के सिर्फ 93 ही केस थे, आपने कहा कि हमारी जो ग्रोस सैलेरी है, उस सैलेरी में कटौती होगी। मुख्य मंत्रीजी ने यह कहा कि 17 हजार करोड़ रुपये का हमें इस बार राजस्व अर्जन कम हुआ है। मैं यह निवेदन करना चाहूंगा कि 1 लाख 10 हजार करोड़ की जो वार्षिक योजना है, आपको साफ तौर पर यह कहना चाहिए कि आपका रेवेन्यू कम हुआ है, आपको वार्षिक योजना काटनी पड़ेगी। आपने राजस्थान को जो विकास के सब्जबाग दिखाये हैं, वह नहीं हो पाएंगे। आपने जो वादे कर दिये, चाहे वह सूर्यागढ़ में किये हो या चाहे फेयरमोंट में, वह वादे कैसे पूरे होंगे, मुझे चिंता इस बात की है और मैं यह बात कहूंगा कि आपने विद्युत दरों को बढ़ाया।

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

माननीय सभापति महोदय, 6 फरवरी को इन्होंने विद्युत दर बढ़ाई 12 परसेंट, 70 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से। अब यह फ्यूल चार्ज के नाम पर, यह जो तिमाही है, उसमें फ्यूल चार्ज के नाम पर फिर 28 पैसे बढ़ा दिये, 58 पैसे हो गये। तीन-तीन महीनों का बिल आपने स्थगित कर दिया, फरमान जारी कर दिया, 31 मई तक एक साथ बिल जमा कराओ। आज बिजली का बिल करंट मार रहा है। मैं समझता हूं कि आम उपभोक्ता ने यह मांग की थी चार महीने के बिल को माफ करने की, फिक्स चार्ज जो 2 रुपये 97 पैसे लेते हैं, उसको आपने माफ किया नहीं।

डीजल की बात चली, पैट्रोल की बात चली, रुपये के अवमूल्यन पर निश्चित तौर पर पैट्रोल और डीजल के दाम बढ़े हैं पर आपने क्या किया? 26 परसेंट वैट जो पैट्रोल पर था उसको 38 परसेंट कर दिया, डीजल पर 18 परसेंट जो वैट था उसको 28 परसेंट कर दिया मतलब, कोरोना काल के अंदर ऐसी बढ़ोतरी मैंने नहीं देखी मेरी जिंदगी के अंदर। 12 परसेंट आप बढ़ोतरी कर दो पैट्रोल के वैट में और डीजल में कर रहे हो 10 परसेंट और पैट्रोल का दाम बढ़ गया तीस रुपये प्रति लीटर और डीजल का दाम बढ़ गया 21 रुपये और सैस की बात अलग से। (व्यवधान)

श्री सभापति: समाप्त करें। माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): इसलिए मैं यह निवेदन करना चाहूंगा। यह जो अभी आपने कहा कि कोई भूखा नहीं सोये। होता क्या है अगर आप कह देते कि हम देश के प्रधान मंत्री को धन्यवाद देना चाहेंगे जिन्होंने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में राजस्थान के 4 करोड़ 40 लाख लोगों को हर महीने 2 लाख 23 हजार 310 मैट्रिक टन गेहूं मुफ्त में पांच महीने तक उपलब्ध कराने की बात की, क्या फर्क पड़ता?

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): आप अगर कह देते कि प्रधान मंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना के अंदर राजस्थान के 22 जिलों के अंदर 50 हजार करोड़ रुपये की योजना में प्रवासी लोगों को रोजगार देने के लिए शानदार काम किया तो क्या फर्क पड़ता? आप अगर कह देते कि स्वास्थ्य की चुनौतियों से निपटने के लिए 15 हजार करोड़ रुपये जो दिये, उसमें से 4113 करोड़ रुपये राज्यों को मिल गये, आप यह कह देते कि केन्द्रीय करों में हमें 46 हजार

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

करोड़ रुपये मिल गये, फिस्कल डेफिसिट में मिल गये, माननीय सभापति महोदय, आप मुझे टोक दोगे, यह जो आप बुराई कर रहे हो ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): आप यह कह रहे हो कि आत्मनिर्भर जो भारत अभियान चलाया, जो पैकेज दिया गया, भूतो न भविष्यति, हिन्दुस्तान की 10 परसेंट जी.डी.पी., 25 लाख करोड़ रुपये का पैकेज और उसमें कैटेलिस्ट की भूमिका निभाओ, यह मेरा सुझाव है, इसको पूरा देखा जाए। डिस्काम पर 90 हजार करोड़, हमारे के.सी.सी. के अंदर दो लाख करोड़, राजस्थान में 17 लाख किसान ऐसे हैं, जिनके पास के.सी.सी. नहीं है क्यों नहीं सरकार कैटेलिस्ट की भूमिका के अंदर आए? एम.एस.एम.ई., आज इस उद्योग का 80 परसेंट हिस्सा है राजस्थान के अंदर, क्यों नहीं हम कैटेलिस्ट की भूमिका में आए? आलोचना का नहीं, समालोचना का समय है।

(17.00 बजे)

अब मैं सारी बात कहूंगा कि हिन्दुस्तान की सरकार ने क्या किया, तो मंत्रीजी आप नाराज हो जाएंगे।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): मैं आपको नाराज करना नहीं चाहता, पर यह चीज जरूर कहूंगा कि राजस्थान उस मुहाने पर खड़ा है स्वास्थ्य मंत्रीजी अगर हम सब लोग नहीं चेते, आप पर दोष नहीं आएगा, यह दोष हम सब पर आएगा। एक अंगुली सामने उठेगी तो यह चार अंगुली हमारी तरफ उठेगी। आज आवश्यकता इस बात की है कोरोना के अंदर वास्तविक धरातल पर लड़ाई लड़ने के लिए 'तू' और 'मैं' नहीं, 'हम' बनकर हम सब लोग सहयोग करें। आपने बोलने के लिए समय दिया, धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री संयम लोढ़ा।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): माननीय सभापति महोदय, अभी मैं प्रतिपक्ष के माननीय उप-नेता के विचार सुन रहा था। इन्होंने कहा कि कोरोना गवर्नर हाउस में घुस गया और मुख्य मंत्री का कार्यालय भी उससे अछूता नहीं रहा। माननीय सभापति महोदय, कोरोना के वायरस को यह मालूम नहीं होता कि मुख्य मंत्री का कार्यालय है या गवर्नर का कार्यालय है। उत्तर प्रदेश में आपकी सरकार के दो मंत्री कोरोना से मौत को प्राप्त हुए।

श्री सभापति: बेखौफ होकर हिन्दुस्तान के गृह मंत्री के घर में घुस गया। वह बेखौफ हो गया।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): इनके भी घुस गया।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): माननीय सभापति महोदय, प्रतिपक्ष के उप-नेता ने कहा कि टायलेट अटे पड़े हैं, खाने के कारण मरीज भाग गये। लेकिन मैं ध्यान दिलाना चाहूंगा राजस्थान के यूट्यूब पर आप सैकड़ो वीडियो देख सकते हैं कि किस तरीके से कोरोना से संक्रमित मरीज जब ठीक होकर गये तो तालियां बजाकर के हास्पिटल से बाहर निकले हैं। गुलदस्ते लेकर घर से बाहर निकले हैं। जब उनके घर पहुंचे तो आरती उतारकर उनका स्वागत किया और घर के बाहर बहू-बेटियां नाची हैं। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा, माननीय सभापति महोदय, यही सदन मार्च में हम स्थगित करके गये थे और इसलिए गये थे कि कोरोना से राजस्थान के लोगों की हिफाजत कर सकें। राजस्थान के लोगों ने देखा कि उनका मुख्य मंत्री, उनका चिकित्सा मंत्री, उनका प्रशासन, सब सफाईकर्मी, पुलिस का कांस्टेबल, आशा सहयोगी, ए.एन.एम., डाक्टर किस कर्तव्यपरायणता के साथ राजस्थान के आठ करोड़ लोगों को संभाल रहे हैं। कोविड फण्ड में 6 करोड़ से ज्यादा रुपया भामाशाहों ने दान दिया। यह इस सरकार की विश्वसनीयता और मुख्य मंत्रीजी के नेतृत्व के प्रति उनका भरोसा था। भारतीय जनता पार्टी को क्या कोरोना पर बोलने का अधिकार है? एक तल्लीनता के साथ, तन्मयता के साथ, उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी के साथ जो मुख्य मंत्री राजस्थान के लोगों की रात-दिन देखभाल करने में लगे हुए थे, उनको डिस्टर्ब किसने किया? किसने उनको फेयरमोंट से लेकर जैसलमेर तक पहुंचाया? माननीय सभापति महोदय, क्या हुआ उससे? वह देश के सामने प्रजातंत्र की रक्षा करने वाले...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, मेरा पुन: सभी से आग्रह है कि कृपया बीच में इन्टरवीन नहीं करें। बैठे-बैठे बोलने की आदत छोड़िए, कुछ तो सीखिए। अभी आपके नेता को भी बोलना है। कोई प्राब्लम है बैठे-बैठे आपको। प्राब्लम है तो बाहर जाइए वरना शांति से सुनिए। बिलकुल अलाउ नहीं करूंगा मैं। श्री संयम लोढ़ा।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): खरीद-फरोख्त से लड़ने वाले एक संघर्षशील नेता के रूप में सामने आये। काले धन के खिलाफ जंग करने वाले एक योद्धा के रूप में सामने आये हैं और आपके इस कुकृत्य ने अशोक गहलोत को देश में नरेन्द्र मोदी की टक्कर का चेहरा बना दिया।

(श्री संयम लोढ़ा)

माननीय सभापति महोदय, अभी मैं समझता हूं राजस्थान के इस सदन को सर्वसम्मति के साथ अशोक गहलोत की सरकार के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित करना चाहिए कि देश के उन राज्यों में राजस्थान को इन्होंने कोरोना के मामले में खड़ा किया। किसी तरह के आंकड़े से आप तुलना कर दें, देश के बड़े राज्यों के अंदर राजस्थान सबसे अव्वल आपको दिखाई देगा। प्रतिदिन मौत का क्या आंकड़ा है देश का, 981 और राजस्थान 11, पोजिटिव केस का क्या आंकड़ा है देश का, 68,507 और राजस्थान 1161, संक्रमित व्यक्ति की जांच का प्रतिशत का देश का क्या आंकड़ा है, 9.71 और राजस्थान 3.02 और कोरोना से मृत्यु का क्या प्रतिशत है भारत का, 2.09 और राजस्थान का 1.53 है। क्या हम सबका दायित्व नहीं बनता है? माननीय मुख्य मंत्रीजी ने किससे बात नहीं की, किससे चर्चा नहीं की। समाज का कौनसा ऐसा तबका है, जिसको विश्वास में लेने का काम नहीं किया कि हम सब मिलकर इस कोरोना के खिलाफ जंग को लड़ेंगे।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूंगा कि अजमेर से आने वाले माननीय सदस्य ने कहा कि इस कोरोना में जो कुछ किया, वह नरेन्द्र मोदीजी ने किया है और बाकी ने किसी ने कुछ नहीं किया। माननीय सभापति महोदय, पांच दिन देश की वित्त मंत्रीजी निर्मला सीतारमण लगातार टी.वी. पर आती रहीं, 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की। अब कोई हिन्दुस्तान का नागरिक निकलकर बता दे कि उसकी जेब में पांच हजार रुपये भी आये हों तो। किसी के भी खाते में पांच हजार रुपये आये हो तो बता दे। सिवाय गुमराह करने के, मैं आप सबको भी चुनौती देता हूं कि आठ करोड़ लोगों के राजस्थान में किसी के खाते में पांच हजार रुपये आये हो तो आप बता दें।

माननीय सभापति महोदय, देश के नौजवानों को यह पता चल गया है कि भारतीय जनता पार्टी न तो अर्थ-व्यवस्था को समझ सकती है, न अर्थ-व्यवस्था को संभाल सकती है। बेरोजगारी की दर को आपने कहां पहुंचा दिया? 45 साल के आपने रिकार्ड तोड़ दिये और आप बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। आज रेवेन्यू का क्या हाल है? भारत सरकार का खुद का रेवेन्यू अप्रैल से जून तक, जो टैक्स रेवेन्यू 4 लाख करोड़ रुपये होना चाहिए था, वह 2 लाख 69 हजार करोड़ पर आकर खड़ा हो गया। 32 प्रतिशत तो भारत सरकार का खुद का रेवेन्यू घटा है। मैं यह नहीं कहता, यह तो जी.एस.टी., नोटबंदी, कोरोना इन

(श्री संयम लोढ़ा)

सबका परिणाम है कि राजस्थान सरकार का भी टैक्स रेवेन्यू इन चार महीनों में 28 प्रतिशत घट चुका है, लेकिन इन समस्त परिस्थितियों के बाद भी हौसला मजबूत है, दृढ़ता मजबूत है, प्रतिबद्धता मजबूत है, लोगों के प्रति लगाव मजबूत है और लोगों का सरकार के प्रति आस्था का प्रकल्प मजबूत है।

माननीय सभापति महोदय, अब इस देश की सरकार ने क्या किया, मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा। 10 जनवरी को चीन ने यह जाहिर कर दिया था कि कोरोना संक्रमित मरीज आया था। भारत सरकार ने किस तरीके से दोहरे मापदण्ड अपनाए हैं, मैं उसका निवेदन आपके माध्यम से करना चाहता हूं। 17 जनवरी को चीन जाने वाले लोगों के लिए भारत सरकार ने एक एडवाइजरी जारी की और चीन से आने वाले विदेशी नागरिकों के आने पर 5 फरवरी को रोक लगायी, 25 दूसरे देश, जिनके अंदर 31 जनवरी तक बड़ी संख्या में कोविड पेशेंट सामने आ चुके थे, लेकिन इसके बाद भी उनके मामले में भारत सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। 3 मार्च को इटली, ईरान, दक्षिण कोरिया और जापान के नागरिकों के भारत आने पर रोक लगायी। अमेरिका, फ्रांस और स्पेन के नागरिकों के आने पर कोई रोक नहीं लगायी। 22 मार्च तक तो यह भ्रम फैलाते रहे और दुनिया भर के अंदर 22 मार्च तक 2 लाख 92 हजार 142 केस कोरोना के पोजिटिव हो गये। इसके बाद भी, माननीय सभापति महोदय, भारत सरकार ने अन्तरराष्ट्रीय यात्राओं को नहीं रोका। दुनिया के दूसरे देशों से भारत आने वाले लोगों को नहीं रोका और उसका नतीजा हुआ कि 18 जनवरी से 23 मार्च के बीच भारत में 15 लाख लोग विदेशों से आये। यह किया नरेंद्र मोदी ने, लोगों के स्वास्थ्य से इस तरीके से खिलवाड़ किया, और क्या करते थे एयरपोर्ट पर आप, सिवाय तापमान जांचने के आपने कुछ नहीं किया। सीधा आदमी उतरकर वहां से बैठकर के गांव में आ जाता था। ऐसे हिन्दुस्तान के अंदर आज यह जो 29 लाख का आंकड़ा बना है, यह भारत सरकार के गलत रवैये और दोहरे मापदंड के कारण बना है। लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का पाप भारतीय जनता पार्टी ने किया। और कोरोना में आपको लोगों की चिंता थी? आप तो मध्यप्रदेश में वहां सिंधिया का जुलूस लेकर जा रहे थे अपने पार्टी कार्यालय में, मध्यप्रदेश में आप मार्च महीने में शिवराज सिंह चौहान की शपथ करवा रहे थे। आप वर्चुअल रैली कर रहे थे, वर्चुअल मीटिंग कर रहे थे, पटना में भीड़ इकट्ठी कर रहे थे। यह सब काम आप कोरोना में कर रहे थे। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कृपया शांत रहें। शांत रहें, बिल्कुल अलाउ नहीं करूंगा, उनको बोलने दीजिए। माननीय सदस्या।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): माननीय सभापति महोदय, जैसा कि आदत है देश के प्रधान मंत्री की, अचानक से रात को 8 बजे टीवी पर प्रकट होते हैं, 12:00 बजे से बंद, कभी नोट बंद, कभी देश बंद और पूरे हिन्दुस्तान का डोमेस्टिक ट्रांसपोर्ट बिना किसी सूचना के बंद कर दिया, पूरे हिन्दुस्तान का। गरीब आदमी, मध्यम वर्ग के आदमी का कोई जाने का रास्ता नहीं, कहीं कोई ठौर नहीं। माननीय सभापति, आप मुंबई की कल्पना कीजिए, एक-एक कमरे के अंदर बीस-बीस लोग रह रहे थे, सैकड़ों लोग छोटे से कम्पाउंड में थे, एक टायलेट यूज कर रहे थे। आज मुंबई की जो दुर्दशा हुई है उसके लिए कौन जिम्मेदार है? भारत सरकार जिम्मेदार है, नरेंद्र मोदी जिम्मेदार है। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, माननीय सदस्य। किसी का अंकित नहीं होगा।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): लोग पैदल चले, छोटे-छोटे बच्चे, लोगों के छाले पड़ गये, पैदल चलकर के मर गये लेकिन आपका दिल नहीं पसीजा, आप तो राजनीति करने में व्यस्त थे। धन्यवाद दो अशोक गहलोत को, हमारे माननीय सदस्य राजकुमार शर्मा ने जब कांफ्रेंस के अंदर कहा कि, साहब, लोगों को कठिनाई हो रही है, लोग पैदल जा रहे हैं। आर्डर निकाला। जिस किसी एस.डी.ओ. के एरिये के अन्दर कोई पैदल जाता हुआ दिखा तो सस्पेंड कर दिया जाएगा। पूरे राजस्थान के अंदर बसों से, ट्रेन से भेजने की व्यवस्था की। पूरा राजस्थान साक्षी है, मैंने स्वयं सैकड़ों लोगों को बसों में बैठा-बैठाकर रवाना किया है। हर जगह शेल्टर होम बनाए, लोगों के खाने का इंतजाम किया और हमें संतोष है कि हमारी सरकार ने अपने मानवीय कर्तव्य का पालन किया। हमने कोई एहसान नहीं किया लेकिन इस संकट की घड़ी में हम उस इंसानियत के जज्बे को भूले नहीं। चाहे जैसे भी हो, मुख्य मंत्री जी का यह कहना कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोयेगा, इसका एक संदेश होता है और उस संदेश को हमारे प्रशासन ने समझा ...(व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिये, विराजिये।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): माननीय सभापति महोदय, इसके बाद पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट के एक्सपोर्ट को भारत सरकार ने 31 जनवरी को

(श्री संयम लोढ़ा)

बैन किया लेकिन रॉ-मैटेरियल का एक्सपोर्ट 29 मार्च तक चालू रखा और पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट के कारण मुंबई में कई क्लीनिक बंद हो गए, यू.पी. में डाक्टर्स ने स्ट्राइक पर जाने की धमकी दी, यू.पी. के अंदर ही एंबुलेंस की एंप्लाइज यूनियन स्ट्राइक पर चली गई और कई जगह हमारे डाक्टर्स ने रेनकोट यूज़ किये, रेनकोट और अपने प्रोटेक्शन के लिए हेलमेट पहने और मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि पीपी.ई. किट की अनअवेलेबैलिटी के कारण हमारे कई डाक्टर्स और मेडिकल स्टाफ को संक्रमित होना पड़ा और ये पाप भारतीय जनता पार्टी की गलत नीतियों के कारण हुआ।

पूरे देश के अंदर हमारी लैब की जो टैस्टिंग कैपेसिटी है उसका सिर्फ 36 परसेंट यूज किया जा सका, इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): इन्होंने 16 मार्च को जर्मनी को पहला आर्डर दिया वन मिलियन टैस्टिंग किट का, 16 मार्च को और, माननीय सभापति महोदय, वो भी सप्लाई बहुत लेट आई, लेकिन इन सारी बातों पर आप जाना नहीं चाहेंगे।

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): आज हम उस जगह आकर के खड़े हो गये, माननीय सभापति महोदय, नये केस के मामले में भारत पहले नंबर पर आकर खड़ा हो गया है। 20 जुलाई को भारत ने ब्राजील को पीछे छोड़ दिया, 7 अगस्त को भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया और कोविड से डेली जो मौत है उस मामले में वर्ल्ड में भारत तीसरे स्थान पर आ गया। 10 अगस्त को अमेरिका में 1154 मौतें हुईं, ब्राजील में 992 मौतें हुईं और भारत में 893 मौतें हुईं। अब भी आप देश की हुकूमत की पीठ ठोकना चाहते हैं जिसका इसके ऊपर ध्यान नहीं है।

श्री सभापति: समाप्त करें, सहयोग करें।

श्री संयम लोढ़ा (सिरोही): माननीय सभापति महोदय, आखिर में मैं 2 मिनट में खतम करता हूं आपकी आज्ञा नहीं है तो। माननीय सभापति महोदय, मैं एक मिनट में खतम कर रहा हूं।

मैं माननीय चिकित्सा मंत्री जी से दो बातें निवेदन करना चाहता हूं। माननीय सभापति महोदय, कोविड हम सब लोगों के लिए नया था, हमें इसका

(श्री संयम लोढ़ा)

कोई अनुभव नहीं था, हमारे नागरिकों को इसका कोई अनुभव नहीं था, हम सब सीख रहे थे, प्रशासन भी सीख रहा था और इस प्रक्रिया में हमारे बहुत से नागरिक बिना मास्क के भी बाहर आए, 144 का भी वायलेशन हुआ। मैं राजस्थान सरकार से विनती करना चाहता हूं कि ऐसे जितने भी मामले हैं जिसमें 3 साल से कम की सजा है और जो चालान हुए हैं उनको आप वापस ले लें क्योंकि वो नागरिक अपराधी नहीं हैं, अपनी अज्ञानता के कारण वो उसमें हुए हैं और यह ठीक है कि आपने एक बार डर पैदा करने के लिए उनके खिलाफ कार्यवाही की लेकिन अंततः वो अपराधी नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से विनती करना चाहूंगा कि आप वो सारे मुकदमे वापस लें।

दूसरा, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं सिरोही के लिए, सिरोही में डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल में 6 वार्ड हैं और 6 के 6 आप इसमें काम में ले रहे हैं। अभी क्षमता का उपयोग आपका नहीं के बराबर हो रहा है, जितने बैड की कैपेसिटी वहां पर है उसका 10 परसेंट भी यूज नहीं हो रहा है। इसलिए मैं आपसे विनती करूंगा कि आप उसमें से आधे वार्ड फ्री करें और डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल को रैगुलर चलाएं जिससे जिले के लोगों को चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सुविधा मिल सके।

माननीय सभापति महोदय, एक बार पुनः मैं सरकार का बहुत साधुवाद देता हूं कि उन्होंने बहुत मजबूती के साथ राजस्थान के लोगों को संभाला, हमारा हौसला बढ़ा, लोगों का हौसला बढ़ा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री सतीश पूनियां।

श्री सतीश पूनियां (आमेर): माननीय सभापति महोदय, एक वैज्ञानिक हुए आर्कमिडीज उन्होंने जब उत्प्लावन का सिद्धांत ईजाद किया तो जोर-जोर से चिल्लाये यूरेका, यूरेका, उनको खुशी हुई। मैं सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य को सुन रहा था, ऐसा लग रहा था कि राजस्थान सरकार के वित्त मंत्री की खोज पूरी हो गई है।

माननीय सभापति महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी भी मुस्कुरा रहे हैं और मैं याद दिलाना चाह रहा हूं कि 'बेवफा तेरा मुस्कुराना भूल जाने के काबिल नहीं है', क्योंकि जब-जब कोरोना की याद आयेगी तो मांगणियार गायकों का ये गाना जरूर याद आयेगा और राजस्थान की सरकार भी याद आयेगी।

सभापति महोदय, न तो खतरा कम हुआ न चुनौती कम हुई।

(श्री सतीश पूनियां)

यद्‌यपि समय की सीमा और मर्यादा है और राजस्थान की जनता इस चर्चा को निश्चित रूप से सुन रही होगी। चूंकि बहुत सारी बातें मेरे से पहले के हमारे माननीय सदस्यों ने रखी हैं उनको दोहराऊंगा नहीं, लेकिन निश्चित रूप से चर्चा के दौरान यह अफसोस जरूर हुआ कि ऐसा लग रहा था कि राजस्थान अलग है और हिन्दुस्तान कोई अलग हुकूमत है। हम जब किसी संकट का और आपदा का जिक्र करते हैं तो हम देश के नजरिये से देखते हैं, यह प्रदेश की चिंता और उस पर केन्द्र पर तोहमत, मुझे लगता है इससे ऊपर उठकर देखने की जरूरत है।

भारत की आबादी 135 करोड़ है, अभी जो मौत के आंकड़े, संक्रमण के आंकड़े देश के गिनाये, मेरे प्रबुद्‌ध मित्रों को याद होना चाहिए कि यूरोप की, अमेरिका की, ब्राजील की जिसका उल्लेख हुआ, 44 देशों की आबादी, इन सारे देशों की आबादी भारत की आबादी के बराबर है इसलिए आप उसकी तुलना कैसे करेंगे ब्राजील से, अमेरिका से, इंग्लैंड से या दूसरे देशों से? इसलिए मैं कहना चाह रहा हूं कि इस पूरी आपदा के दौरान इतनी चुनौतियों के बावजूद भारत यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन का कार्यकारी अध्यक्ष बना है तो अपनी खूबियों के कारण बना है, उन चुनौतियों से निपटने के कारण बना है।

यह वही देश है जहां आपको अवसर मिला बहुत लंबे अरसे तक शासन करने का। यह वही देश है कि जहां पीपीई किट नहीं बनते थे। मास्क नहीं बनते थे। यहां पर कोविड के अस्पताल नहीं थे। लेकिन भारत में भी इस समय 1.9 लाख डैडीकेटेड कोविड के बैड्‌स हैं। 95 हजार आईसीयू बैड्‌स हैं। जहां वेंटीलेटर्स नहीं होते थे, मास्क नहीं होते थे। पीपीई किट का जिक्र हुआ, 2.68 करोड़ पीपीई किट उत्पादन करने वाला देश भारत बना, चीन के बाद दूसरा। 48 हजार वेंटीलेटर्स भारत की धरती पर इसी दौरान आए।

(17.20 बजे)

(श्री जितेन्द्र सिंह, सभापति, पदासीन)

सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाह रहा हूं कि पीएम. केयर फंड के बारे में आप लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन दाखिल की। उसको चुनौती दी। मैं सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय का स्वागत करता हूं। 50 हजार पीपीई किट्‌स का यदि आगमन हुआ तो उसी पी.एम. केयर फंड के कारण हुआ।

इस महामारी के कारण पूरे विश्व में 1930 के बाद की यह दूसरी बड़ी

(श्री सतीश पूनियां)

गिरावट थी, 4.5 परसेंट की। इसमें सुकून यह है कि आईएमएफ का एक अनुमान बताता है कि 2021 में भारत की अर्थव्यवस्था वापस रिकवर होकर, रिवाइव होकर 6 प्रतिशत जाएगी। यह आईएमएफ की रिपोर्ट कहती है। लॉकडाउन का फैसला आपने भी किया, लेकिन आपकी पार्टी भ्रमित थी। राष्ट्रीय नेता तो विरोध कर रहे थे और यहां पीठ थपथपाई जा रही थी।

प्रधान मंत्री जी का आपने जो जिक्र किया ताली का और थाली का, दीये का, मैं यह बताना चाह रहा हूं कि उस 22 मार्च को आप लोगों ने देखा है, आपके बहुत सारे नेताओं के वीडियो और फोटो दिखा दूंगा, वह पूरी लड़ाई थी इससे लड़ने की। उसमें न सियासत थी, न पार्टी थी, न दल था, न जाति थी, न पंथ था और न मजहब था। पूरे देश और दुनिया के सामने देश की एकता का वह जश्न मना था, उत्सव मना था, दिवाली मनी थी। आपको तकलीफ थी उसकी। आपको तकलीफ तो 5 अगस्त की भी थी। आप सूर्यागढ़ में पता नहीं क्या-क्या कर रहे थे लेकिन देश तो श्री राम जन्म भूमि के उस शुभारंभ का जश्न मना रहा था।

एक माननीय सदस्य: जय श्री राम। हो गया काम।

श्री सतीश पूनियां (आमेर): जय श्री राम। लेकिन एक दीया सूर्यागढ़ में जला लेते तो देश की जनता उसको अच्छे से देखती।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): न तो ताली से काम चलेगा और न थाली से काम चला। अब तो एक ताबीज और दिलवा दो, शायद उससे कुछ हो जाए।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): विराजो अब आप।

श्री सतीश पूनियां (आमेर): मुझे लग रहा है कि आपको रघु शर्मा जी की सेवाएं लेने की आवश्यकता है।

सभापति महोदय, प्रधान मंत्री जी ने इस आपदा को समझते हुए 50 हजार करोड़ के प्रधान मंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना की शुरुआत की। राजस्थान के भी 22 जिले हैं। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि कम से कम जब केन्द्र ने इतनी मेहरबानी की है तो उसको ठीक से लागू करवा लें। प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना, 1 लाख 76 हजार करोड़ का प्रावधान, यह कागजी नहीं था। यह जमीनों पर है। आप उसकी क्रियान्विति करा लें तो राजस्थान की अवाम का भला हो जाएगा।

(श्री सतीश पूनियां)

जिस 20 लाख करोड़ के पैकेज का आपने उपहास उड़ाया, राजस्थान में साढ़े 4 लाख एमएसएमई हैं, उसमें 26 लाख लोग राजस्थान के रोजगार पाते हैं। यहां पर 50 लाख स्ट्रीट वैंडर्स के लिए 10 हजार के लोन की घोषणा की थी। राजस्थान में भी 10 लाख स्ट्रीट वैंडर्स हैं। आपमें भी अगर हिम्मत हो तो आप उसको एग्जिक्यूट कीजिए। केन्द्र की सरकार ने आपको पैसा दिया है। आप किसानों की बात करते हो। ढाई लाख किसान क्रेडिट कार्ड इसी पैकेज का हिस्सा है।

सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाह रहा हूं कि जब आपने कहा कि केन्द्र ने कुछ नहीं दिया, उस 2870 करोड़ रुपये नरेगा के मद में और मजदूरी, आप तो पीठ थपथपाते थे कि आपकी योजना है। 182 से 202 रुपये मजदूरी इन्हीं नरेन्द्र मोदी जी ने की है। इसको स्वीकार करना पड़ेगा। उज्जवला के 62 लाख 77 हजार कनेक्शन, राजस्थान के तमाम लोगों को 3 महीने तक फ्री सिलेंडर उसी मोदी जी की सरकार ने दिए हैं। सुन लीजिए, यही देश था, यही हुकूमत थी। 40 करोड़ खाते जन धन के मोदी जी के राज में खुले हैं। प्रदेश के 1 करोड़ 52 लाख खातों में 500 रुपये की लगातार 3 किश्त मोदी जी ने दी हैं। एसडीआरएफ के 740 करोड़, पी.एम. किसान के 37 लाख 20 हजार किसानों को लगातार 2 हजार रुपये की 3 किश्तें, लगातार 3 महीने तक दी हैं। दिव्यांगों, वृद्धों और विधवाओं के लिए 9 लाख 87 हजार 781 लाभार्थियों को 50 करोड़ का प्रावधान मोदी जी की सरकार ने किया है। डीएमएफटी के 2765 करोड़ रुपये बनते हैं, 30 प्रतिशत हैल्थ सर्विसेज पर, 830 करोड़ रुपये इन्हीं मोदी जी की अनुशंसा पर आपको मिले हैं। माननीय चिकित्सा मंत्री जी को 1780 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए भारत की सरकार ने अप्रैल में आपको दे दिए थे। एफसीआई ने 5 अप्रैल को 34 हजार मैट्रिक टन अनाज राजस्थान की सरकार को दिया था। जो 2500 रुपये की आप पीठ थपथपा रहे थे, राजस्थान की जनता को तो पता नहीं होगा, आपने फुसला लिया होगा लेकिन श्रम और रोजगार मंत्रालय के आदेश से 2500 रुपये तो आप लोगों ने दिए थे, वह भारत सरकार के प्रावधान थे, जिससे आपको मिले हैं।

सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाह रहा हूं कि आप लोगों ने राजस्थान के प्रवासियों की फिक्र की, लेकिन आप चौंक जाएंगे। देखिए, पहले

(श्री सतीश पूनियां)

हकीकत सुनिए। सुबह 16 लाख आपने बताया है, 16 लाख इस तरीके से मजदूर आए। इसके अलावा आपने 55 लाख लोगों का, श्रमिकों का पंजीयन किया। आपका वेब पोर्टल राज कौशल, प्रवासी मजदूर आए, कुवैत से भी आए, बंबई से, अहमदाबाद से, हैदराबाद से, चेन्नई से, बंगलौर से आए। प्रवासी मजदूर खैरात में नहीं आए थे। उनमें बहु त सा कौशल था। वह हमारी असैट्स हैं। आने वाले समय में वह 100-200 किलोमीटर में रोजगार देखेंगे।

आप बाड़े में बंद होकर के कह रहे हैं कि काम कर रहे हैं। आपने राज कौशल पोर्टल बनाया, उसमें लोगों को पंजीकृत किया। कितने लोगों को रोजगार दिया? 16 लाख का आंकड़ा सुन लीजिए। रोजगार 2325 को दिया। उस पोर्टल की हालत देख लीजिए। मुझे लगता है कि आपको दूसरी सरकारों से सबक लेने की आवश्यकता है।

आप उत्तर प्रदेश का और योगी का जिक्र करते हो। उस उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस आपदा को अवसर में बदला। जब चीनी एप पर बैन लगा तो 45 हजार करोड़ का नुकसान चीन को हु आ। 21 हजार करोड़ का फायदा भारत को होगा क्योंकि वह हिस्सा भारत का जाता था। भारत की सरकार के सामने अवसर था। अनेक प्रदेशों की सरकारों ने, उसमें योगी की सरकार भी शामिल है, जिसमें चीन की अनेक मोबाइल कंपनियां उत्तर प्रदेश में लगने जा रही हैं। राजस्थान की सरकार यदि मैपिंग करती, उसका प्रयास करती तो निश्चित रूप से वह कंपनियां राजस्थान में भी आ सकती हैं। अभी भी मौका है।

सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाह रहा हूं कि इस संकट के अवसर पर आप कोरोना की, उससे उत्पन्न आर्थिक स्थिति की और इन स्थितियों से उत्पन्न अवसरों की चर्चा कर रहे थे। अभी भी समय है। वह ढांचा जिसका आप जिक्र करते हो। आप उद्योगों में सिंगल विंडो की बात करते हो। आप ईज आफ डूइंग बिजनस की बात करते हो। मुझे लगता है कि यह समय है कि वोकल फोर लोकल के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। उन श्रमिकों को जो स्किल्ड हैं, नोन स्किल्ड हैं, उनका डिफरेंशिएट करके यदि उन लोगों को ठीक तरह से रोजगार की दिशा में ले जाएंगे तो राजस्थान का भला कर पाएंगे।

मैं समझता हूं कि राजस्थान की सरकार ने, मैं यह तो नहीं कह सकता हूं कि कुछ भी नहीं किया। आप लोग खुश होते हो भीलवाड़ा माडल

(श्री सतीश पूनियां)

पर। मैं यह देखता हूं कि पूरे कोरोना के काल खंड में आप 2 बातों की खुशी जाहिर करते हैं। एक तो भीलवाड़ा माडल की और दूसरा आप कहते हैं कि प्रधान मंत्री जी ने हमारी तारीफ की। कुछ तो आप भी करना सीखो। जब प्रधान मंत्री जी ने तारीफ कर दी तो मुझे लगता है कि अब इस बात पर आपको भी चिंता करनी चाहिए कि प्रदेश में खतरा कम नहीं हुआ, चुनौती कम नहीं हुई, आप सहकारी संघवाद को चुनौती देते हो, लेकिन उसका सम्मान करना भी सीखें।

सभापति महोदय, इस प्रदेश में स्क्रीनिंग की, सैम्पलिंग की, टैस्टिंग की और कोरोना से उपस्थित जितनी चुनौतियां हैं, उनको पूरा करने की आवश्यकता है। हमारी सरकारें चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं पर जितना खर्चा करती हैं, यह विचार करने की आवश्यकता है कि नीचे गांवों के सब सैंटर्स, उनकी पीएचसी, सीएचसी, उनको जब तक मजबूत नहीं करेंगे, तो मुझे लगता है कि तब तक बहुत बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं दे पाएंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री रफीक खान।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): कोरोना की इस महामारी के समय जब पूरे देश में कोरोना की शुरुआत थी और स्पेशली 2 मार्च को जयपुर में इटेलियन दम्पति को आइडेंटीफाई किया गया, मैंने मंत्रीजी को फोन किया, मैंने कहा कि तमाम लोग जो इटली से आए हुए हैं, इनको सबको भारत से बाहर भेज दिया जाए। मंत्रीजी ने कहा कि भारत सरकार से बात करेंगे, ...(व्यवधान) भारत सरकार से बात करेंगे लेकिन भारत सरकार के +++ मस्त थे। उनका इस ओर ध्यान नहीं था कि हमें इस महामारी के प्रति क्या रवैया अपनाना चाहिए। (व्यवधान).. मैं आपकी बात का जवाब दूंगा, कालीचरणजी, बोलने दो। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, प्लीज।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): भारत सरकार +++ में मस्त थी। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप सीनियर लैजिस्लेटर हैं, प्लीज सिट डाउन।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): भारत सरकार +++ में मस्त थी। ...(व्यवधान) उनका ध्यान कोरोना जैसी महामारी पर नहीं था। (व्यवधान)

श्री सतीश पूनियां (आमेर): ये प्रधान मंत्रीजी की तारीफ इस तरह कर रहे हैं लेकिन ट्रम्प के बारे में कहने से क्या मतलब है? (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): उनका ध्यान कोरोना जैसी महामारी पर नहीं था। (व्यवधान)

श्री सतीश पूनियां (आमेर): प्रधान मंत्री के बारे में इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल यहां पर नहीं होगा। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): वो जागे जब अशोक गहलोतजी ने लॉकडाउन किया। (व्यवधान) वो तब जागे जब अशोक गहलोतजी ने राजस्थान में लॉकडाउन किया। (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (चूरू): ...(व्यवधान) उनके बारे में सदन में चर्चा नहीं की जा सकती, उन पर टीका-टिप्पणी नहीं की जा सकती।

श्री चन्द्रभान सिंह आक्या (चित्तौड़गढ़): ...(व्यवधान) इस टिप्पणी को एक्सपंज करो। ...(व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): वो +++ में मस्त थे उनका ध्यान कोरोना पर नहीं था (व्यवधान)

श्री सभापति: ...(व्यवधान) एक्सपंज कर दिया। I have deleted it... (व्यवधान) माननीय सदस्य, I have deleted it.

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): डिलीट करवाइए इसको। (व्यवधान)

श्री सभापति: I have deleted it.

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): इस महामारी से बचाव हो जाता, कोरोना पर ध्यान देते तो यह महामारी न बनता। (व्यवधान)

श्री सभापति: I have deleted it, please sit down...(व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): राहुलजी ने कहा था कि इंटरनेशनल फ्लाइटें बंद कर दो, बाहर से आने वालों को रोक दो, आप लोगों ने नहीं रोकी। अमेरिका से जो लोगबाग डिजीज लेकर आ रहे थे, उनकी केयर करने में, उनकी मेहमाननवाजी करने में व्यस्त थे। (व्यवधान) आज आप कोरोना के नाम पर सवाल उठा रहे हैं हम पर? (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, प्लीज। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): आपकी हर बात का जवाब दूंगा ... (व्यवधान) आपके हर सवाल का जवाब दूंगा। (व्यवधान)

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): ऐसा नहीं चलेगा। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): ...(व्यवधान) +++

श्री सभापति: प्लीज, विश्नोईजी, कालीचरणजी। प्लीज, प्लीज, प्लीज।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): +++ में मस्त थे। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप वरिष्ठ सदस्य हैं, बैठें। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): एक छोटा सा शेर भी सुना देता हूं बीच में जब इतना हंगामा कर रहे हैं। (व्यवधान)

तुम जलन बरकरार रखना, हम जलवे बरकरार रखेंगे।

...(व्यवधान) जिस दौरान कोरोना का आगमन हुआ हिन्दुस्तान में उस वक्त आप लोगों ने सिवाय डिले करने के कोई काम नहीं किया। आपको +++ करनी थी, ...(व्यवधान) आपको मध्य प्रदेश की सरकार बनानी थी, ...(व्यवधान) आपको मध्य प्रदेश में एमएलए तोड़ने थे। आपका ध्यान कोरोना पर नहीं था। (व्यवधान)

श्री सतीश पूनियां (आमेर): माननीय सभापति महोदय, एक्सपंज कराओ इसको। (व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): आप तो +++ करने बाड़ाबंदी में गए थे न? (व्यवधान)

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): आप कितनी भी +++ कर लो मंत्री नहीं बनाएंगे। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): 20 लाख रुपये देकर, कालीचरणजी, मालवीय नगर से आने वाले माननीय विधायक, सुबह बहुत जोस्जोर से, उत्साह से बोल रहे थे, हमने एमएलए लैड से पैसा दिया और हमने राशन नहीं दिया। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप वरिष्ठ सदस्य हैं, बैठें। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): राशन आपको 60 हजार बैग दिए, 20 लाख रुपट्टी दी आपने, जिसमें आपने सेनिटाइजर मांगे, जिसमें आपने दूसरी चीजें मांगीं। हम कांग्रेस के एमएलएज ने पौने दो-दो करोड़ रुपये दिए। पौने दो-दो करोड़ रुपये दिए और फिर भी आपको हमने मना नहीं किया, फिर भी आपको किट दिए गए। आपने 20 लाख रुपये देकर लिस्ट दे दी कि इन

(श्री रफीक खान)

आदमियों को दे दो। मतलब आपने हद कर दी, नाखून कटाकर शहीदों में नाम लिखा रहे हो? (व्यवधान) आप बोल रहे थे इसलिए आपको जवाब दे रहा हूं। (व्यवधान)

श्री सभापति: रफीक साहब, मेरी तरफ देखकर, मुझे इंगित कीजिए। (व्यवधान) माननीय सदस्य, सात बार जीते हुए हो, अब तो बैठ जाओ चुपचाप। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): मालवीय नगर से आने वाले माननीय सदस्य, आप सारों ने मिलाकर इतने पैसे नहीं दिए जितने, ...(व्यवधान) पूरे बीजेपी के विधायक थे जितने पैसे मैंने दिए हैं, उतने आप सबने मिलाकर नहीं दिए। (व्यवधान)

श्री सभापति: Please don't indicate him. रफीक साहब, मेरी तरफ देखिए, मेरी तरफ। (व्यवधान) मेरी तरफ, मेरी तरफ।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): आप कह रहे हो कि हमारा नाम नहीं लिखा। उस पर भी आपने लिस्ट दे दी।

श्री सभापति: रफीक साहब, मेरी तरफ, उधर इंडीकेट नहीं। Please indicate the Chair.

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): कोराना की डिजीज आई, महामारी के रूप में आई, हिन्दुस्तान में पूरे। राजस्थान के मुख्य मंत्री अशोक गहलोतजी ने संवेदनशीलता के साथ में सबसे पहले राजस्थान में लॉकडाउन किया। लॉकडाउन किया, उसको देखकर इनको लगा कि बहुत सीरियसनैस है, इनको अंदाजा नहीं था सीरियसनैस का।

मैं फिर कहता हूं कि +++ में मस्त थे। इनको अंदाजा नहीं था इस बात का, इन्होंने गरीबों के आगे एक किलोमीटर की वाल बना दी ताकि मोदी को, ट्रम्प को यह नहीं दिखे कि हिन्दुस्तान में ऐसे भी लोग रहते हैं। एक डेढ़ किलोमीटर की रोड बना दी और उस पर बड़े-बड़े होर्डिंग लगा दिए, सच्चाई को छिपाने की कोशिश की, ...(व्यवधान) जिस वक्त इसको अटेंशन देने की जरूरत थी, ...(व्यवधान)

श्री सभापति: रफीक साहब, इसे देखें। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): जब इनको रियलाइज हुआ कि कोरोना हिन्दुस्तान में एंटर कर गया है, बाहर से आ गया, अमीरों की बीमारी गरीबों में आकर पड़ गई। (व्यवधान)

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): तबलीगी?

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): तबलीगी जमात पर भी आ रहा हूं। तबलीगी जमात पर भी आ रहा हूं। बहुत हल्ला मचाया आपने आज, कहां गए तबलीगी? (व्यवधान) वही तबलीगी हैं जिन्होंने अपने प्लाज्मा दिए। (व्यवधान)

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): कोरोना से मुकाबला करने की बात कर रहे थे, ये कहां आ गए? (व्यवधान)

डा. महेश जोशी (सरकारी मुख्य सचेतक): माहौल को बिगाड़ने के लिए कोशिशें की जा रही हैं। जिन शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, मेरा निवेदन है कि इन शब्दों को एक्सपंज किया जाए। (व्यवधान) आप खड़े होकर बोलो न राजेन्द्रजी। आप बोलो, वो कह रहे हैं। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप इतने सीनियर मैम्बर हैं, मंत्री रहे हैं अनेकों बार, आप तशरीफ रखें। ...(व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): बहुत बोल रहे थे तबलीगी जमात पर, आज कहां गए बोलने वाले, जमात पर बोलने वाले? (व्यवधान)

श्री सभापति: रफीक साहब, इधर इंडिकेट कीजिए, इधर। (व्यवधान) please indicate the Chair.

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): पूरे हिन्दुस्तान में जितने पोजिटिव पेशेंट थे, आपने खूब जमात पर इल्जाम लगाया। आज रोज आ रहे हैं, तब चुप क्यों हो आप लोग? (व्यवधान) आज रोज आ रहे हैं जितने टोटल पेशेंट थे। आज इतने आ रहे हैं तब क्यों चुप हो आप? अब आपकी जबान नहीं निकलती है? (व्यवधान) तब आपको ध्यान नहीं आता कि किस वजह से फ्लोट हो रहा है? (व्यवधान) किस वजह से कोरोना फैल रहा है। (व्यवधान)

(17.37 बजे)

(श्री राजेन्द्र पारीक, सभापति, पदासीन)

हम जयपुर शहर के अंदर रामगंज के अंदर...

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): शुरू ही नहीं करने दिया, ...(व्यवधान) सभापतिजी, शुरू ही नहीं करने दिया इन्होंने। (व्यवधान)

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): रामगंज के अंदर जब ओमान से आया हुआ एक पेशेंट जिसको पोजीटिव पाया गया तो इन्होंने खूब हल्ला मचाया। रामगंज फैला रहा है, रामगंज फैला रहा है। आज रामगंज से एक भी पेशेंट नहीं आ रहा। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): रामगंज में तो एक भी पेशेंट नहीं आ रहा बल्कि रामगंज ने मिसाल कायम की। (व्यवधान) रामगंज ने मिसाल कायम की, मिसाल, पूरे देश में एक माडल बनकर। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजिये। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): आज एक भी पेशेंट रामगंज में नहीं है। आज एक भी पोजीटिव पेशेंट नहीं है। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिये माननीय सदस्य। माननीय सदस्य, बिलकुल आपने तय कर लिया कि हाउस को आर्डर में नहीं रखना है। (व्यवधान) बैठिए आप। अलाउ नहीं करता मैं आपको। (व्यवधान) प्लीज। साइलेंट रहें आप, यह क्या तरीका है? मैं फिर आपसे आग्रह करता हूं। पूरा राजस्थान ही नहीं पूरा देश देख रहा है आपको यू-टयूब पर। आपकी गम्भीरता को देख रहा है। आप पहली बार आए हैं, कुछ सीख लीजिए। हर बात पर हाथ खड़े करना, ऊंचा करना जरूरी है? (व्यवधान) बिलकुल अलाउ नहीं करूंगा मैं आपको। (व्यवधान) माननीय सदस्य, दो मिनट में आप अपनी बात समाप्त करें। (व्यवधान) कृपया शांत रहें। (व्यवधान) उनको अपनी बात करने का हक है, आप शांत रहें। चुप रहिये, विराजिये आप। (व्यवधान)

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): एक समय की सीमा तो हो, कब तक बोलेंगे? कब तक बोलते रहेंगे, एक समय की सीमा तो हो। लगातार बोले जा रहे हैं, बोले जा रहे हैं। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आई नेम यू। विराजिये आप। (व्यवधान) कुछ परम्पराएं सीख लीजिए आप। (व्यवधान)

श्री मदन दिलावर (रामगंज मण्डी): हमारे जैसों के लिए समय की सीमा है। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजिए आप। (व्यवधान) माननीय सदस्य। यह परम्परा सही नहीं है। विराजिए आप। (व्यवधान) विराजिए आप। विराजिए आप। (व्यवधान)

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): इनका एक आदमी शहर में नहीं आया। बीजेपी के एक विधायक ने जयपुर का दौरा नहीं किया।

श्री सभापति: चर्चा समाप्त। विराजिए। (व्यवधान) आपके माननीय नेता को बोलना था। आपको पसंद नहीं है वे बोलें। (व्यवधान) कटारिया जी आप बोलें। माननीय श्री गुलाब चन्द जी कटारिया।

श्री गुलाब चन्द कटारिया (नेता, प्रतिपक्ष): सभापति महोदय, वास्तव में हमने अपने इस जीवन में इस प्रकार की बीमारी न कभी सुनी और न कभी देखी। मैं सोचता हूं कि केवल हम राजस्थान के ही लोग नहीं, सारी दुनिया इस महामारी के संकट से मुकाबला कर रही है। रोजाना सवेरे उठते ही इसके बारे में जब अख़बार में पढ़ते हैं कि सारी दुनिया में दो करोड़ से भी अधिक लोग इससे संक्रमित हो गये हैं और 7 लाख 79 हजार लोगों की डैथ हो गयी है तो यह बात निश्चित रूप से मन को विचलित करने वाली भी है और मन को बहुत उद्वेलित भी करती है कि इस महामारी का मुकाबला किस ढंग से होगा, कब होगा, कैसे होगा?

मैं सोचता हूं कि इस समय हमारे देश में भी लगभग 29 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हैं। हमारे प्रदेश में भी इस समय 67 हजार के लगभग संक्रमित हैं। इससे भी ज्यादा यह चिंता है कि राजस्थान के विधायक, सांसद, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के जज संक्रमित हैं। हमारा जो चिकित्सा विभाग का आफिस है, उसमें हैं। कोई ऐसी जगह नहीं बची आज की तारीख में, केन्द्र के हमारे मंत्री संक्रमित हैं, हमारे विधायक कुछ रहकर आ गये, कुछ अभी भी हैं संक्रमित। इस महामारी को वास्तव में हम सब एक चुनौती के रूप में मिलकर लेंगे, तब जाकर इससे मुकाबला होगा। केवल आलोचना-प्रत्यालोचना से मन भले ही खुश कर लें, लेकिन इस महामारी पर विजय न तो अकेले आप पा सकेंगे और न ही हम पा सकेंगे। अगर हम सब लोग मिलकर प्रयत्न करेंगे तो सम्पूर्ण राजस्थान की जनता जो इस महामारी से भयभीत है, यह बीमारी मृत्यु को नहीं टच कर रही, उससे ज्यादा इसके बारे में सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं और इससे जूझने वाले परिवारों के हाल-चाल देखते-सुनते हैं और जब सारे का सारा परिवार, जब तीन साल का बच्चा भी संक्रमित है तो उसकी कहानी देखकर-सुनकर के शरीर कांपने लग जाता है कि खुदा न खास्ता यह अगर हम पर भी आ गया तो वास्तव में हमारी बाडी को उठाने वाला भी कोई मिलेगा कि नहीं या ऐसे ही भगवान को प्यारे हो जाएंगे।

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

इस महामारी के कारण, इस संकट की स्थिति में, आलोचना-प्रत्यालोचना तो जिंदगी में बहुत कुछ करते रहेंगे, लेकिन मैं समझता हूं कि समस्या के हल में जहां-जहां कमी लगती है, उसे सुधारने का यदि प्रयत्न करेंगे तो हम उस पर बेहतर तरीके से काबू पाकर लोगों के मन में एक ढाढ़स बंधा सकेंगे। हमारा बोलना राजस्थान की जनता को हिम्मत देने का काम कर सकेगा। यह बीमारी है तो बड़ी भयानक और छूती हुई आती है, लेकिन इसमें डैथ रेट उतनी नहीं है। मैं आज भी आपको कहता हूं राजस्थान में केवल एक्सीडेंट से सालाना डैथ 10 हजार है और अभी मार्च से लेकर अब तक कोविड से डैथ का जो रेशो पहुंचा, वह 900 से थोड़ा ऊपर है। वास्तव में यह इतना भयानक नहीं है, लेकिन इस बीमारी के कारण जो मानसिक तनाव है, इससे मुक्ति के लिए हम सब यदि व्यवस्था को सुधारने का काम कर दें, उसकी हिम्मत बढ़ा दें कि यह बीमारी आएगी, चली जाएगी, कोई चिंता करने की बात नहीं है, आप निश्चित रूप से बच जाएंगे। इस वातावरण को बनाने में यदि हम सफल हो गये, तब तो हम लोगों को ढांढस बंधा सकेंगे और इसका मुकाबला करने की स्थिति हर व्यक्ति के मन में आ जाएगी।

आपने कहा कि हमने इतनी लैबोरेटरीज बनायीं। निश्चित रूप से यह स्थिति सिर्फ आपकी ही नहीं थी, सारे हिन्दुस्तान की थी। पहले पूना में यह टैस्ट होने के लिए जाता था, एकमात्र लैबोरेटरी थी। हम सब लोगों ने केन्द्र से भी मदद ली और उसके कारण से लगभग 32 सैंटर्स पर आज कोरोना टैस्ट हो रहे हैं। उसमें आपके 15 मेडिकल कालेज हैं और लगभग 50 हजार की आपकी कैपेसिटी बन गयी। मैं आपसे केवल एक इशारे के रूप में कह रहा हूं, मैंने जो कुछ भी देखा, 10 अगस्त से लेकर 18 अगस्त के आंकड़ों को जो मैंने कम्पेयर किया तो हमारी इस 10 तारीख से लेकर 18 तारीख तक का जो एवरेज टैस्ट है, वह 28 हजार पर ही है। कृपा करके देखिये कि जहां पर हमारी कैपेसिटी है, क्या हमारी टैस्टिंग कैपेसिटी के अनुसार हो रही है या उसमें कोई कमी-खामी है? अगर कहीं टैस्ट ही नहीं आते हैं तो मैं कोई उसकी कमी-पूर्ति करने के लिए नहीं कह रहा हूं, लेकिन जितनी हमारी कैपेसिटी है और जितना 10 तारीख से लेकर 18 तारीख तक का एवरेज आंकड़ा मैंने टटोला है तो वह प्रतिदिन का 28 हजार का आ रहा है, जबकि हमारी कैपेसिटी जैसा कि आप 32 लैबोरेटरीज बता रहे हैं, वह 50 हजार है तो हमारी इस कैपेसिटी को हम पार करें। संख्या हमारी संक्रमितों की बढ़ जाए, कोई चिंता

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

करने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह संक्रमित होने के बाद पता न होते हुए और 25 को संक्रमित कर जाए, उसके पहले कम से कम वह सुरक्षित हो जाए और आगे वाला भी सुरक्षित हो जाए, इस बात को अगर हम तय कर पाएं तो मैं सोचता हूं इस पर हम काबू पाने में काफी सफल हो जाएंगे।

अब आप जो बार-बार बात कर रहे हैं, क्या हिन्दुस्तान में पीपीई किट बनता था? जब लॉकडाउन लगाया था आपने, हमने, सबने यह कहा कि क्या हो गया, अचानक तूफान क्या आ गया, क्या पड़ गया, क्या पड़ गया? अगर लॉकडाउन लगाकर के तैयारी नहीं करते न तो हिन्दुस्तान तौबा-तौबा कर जाता। आपने 21 तारीख को लगा दिया, वह तो आपने अच्छा काम किया और प्रधान मंत्री ने बाद में लगा दिया तो बड़ा खराब काम किया, क्योंकि रास्ते में लोग रह गये, लेकिन उसके पहले हिन्दुस्तान में एक पीपीई किट नहीं बनता था, एक, सिंगल। आज की तारीख में हिन्दुस्तान में प्रतिदिन साढ़े चार लाख पीपीई किट बन रहे हैं, यह कैपेसिटी डवलप हुई इस भयंकर स्थिति में जो लॉकडाउन लगाकर जिस प्रकार की तैयारी की, उस कारण से। पहले टैस्टिंग में जैसा मैंने कहा कि पूना था, आज हिन्दुस्तान में 450 टैस्टिंग सैंटर्स हैं। 32 हमारी हैं तो बाकी जगह भी हैं। ऐसा नहीं कि केन्द्र ने कुछ भी नहीं किया। आज प्रतिदिन ढाई लाख ये जो एन-95 मास्क हैं, ये बन रहे हैं, जबकि पहले हमारी कैपेसिटी नहीं के बराबर थी।

आपने देखा होगा, जब कोविड प्रारम्भ हुआ तो हिन्दुस्तान की सरकार ने 15 हजार करोड़ रुपया इस महामारी से लड़ने के लिए सभी राज्यों को दिया। उसमें से आपको भी 1881 करोड़ रुपये मिले, 15 हजार करोड़ में से आपका आठवां हिस्सा हो गया। इतना पैसा राजस्थान को दिया। सभी राज्यों को दिया। उसमें आपको भी दिया। सबसे बड़ी जो कमी है, वह यह है कि यदि हम किसी से कुछ लेना चाहते हैं तो कम से कम उसके अच्छे किये हुए काम को थोड़ा-सा भी आगे बढ़ाकर के अगर हम अपनी मांग रखेंगे तो सामने वाले का दिल बढ़ेगा।

रोजाना गालियां ही गालियां खाना और फिर भी आपको देते रहना, यह मन में थोड़ा कष्ट जरूर पैदा करता है। केन्द्र ने भी आपकी इस महामारी में आपकी केवल तारीफ की। मैं सोचता हूं, आपने पूरे एक घंटे के भाषण में,

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

मुख्य मंत्री जी का नाम तो चार बार बोल गये, पर प्रधान मंत्री जी ने आपको सहयोग किया, उसके लिए एक-आधी लाइन भी नहीं बोलते हैं। यह हमारे मन में जो छिपा रहता है न, उसके कारण से हम इस व्यवस्था को डवलप नहीं कर पाते हैं। जैसे आप करते हैं, वैसे हम भी करते हैं फिर। जब आप हमारे चूंटियां भरते हैं तो हम भी चूंटियां तो भरेंगे ही भरेंगे। (व्यवधान) एक लाख से अधिक वेंटिलेटर्स सप्लाई किये हैं केन्द्र सरकार ने सम्पूर्ण देश को। कोविड में आज टैस्ट लाखों की संख्या में हो रहे हैं।

अब आपने यह कहा कि आपको कुछ नहीं दिया, आपको कुछ नहीं दिया। यह सच नहीं है। कम से कम थोड़ा बहुत उसके बारे में जिक्र कर दें तो लगेगा। यह जो आपका डीएमएफटी फण्ड है, इसमें आपको 2765 करोड़ रुपया उन्होंने जो मार्क किया, जो आपको दिया, उसमें से आपको इस कोविड की महामारी से लड़ने के लिए भी रिजर्व पैसा किया कि नहीं किया? चिकित्सा विभाग में जो मैंने कहा 1881 करोड़ रुपया दिया है।

केन्द्र सरकार ने आपको 50 हजार पीपीई किट दिये या नहीं दिये? एक लाख एन-95 मास्क आपको दिये या नहीं दिये? दो लाख ट्रिपल लेयर मास्क के लिए 3 करोड़ 71 लाख रुपये आपको दिये या नहीं दिये? ये जो आप बीपीएल-बीपीएल कह रहे हो न, मैं यह कह रहा हूं कि देश के प्रधान मंत्री का जो वास्तव में सोच है कि जो लोग प्रवासी आये हैं, जो लोग धन्धे से महरूम हो गये, जिनके खाने-पीने के साधन की व्यवस्था नहीं है, आज वास्तव में राजस्थान के हाउस की तरफ से और मेरी यह मन्शा है कि राजस्थान के उन दानवीरों का जिन्होंने इस कोरोना की महामारी में अपने धन का उनकी सेवा में उपयोग किया, भगवान के लिए इस सदन से उन सबका भी आभार और धन्यवाद करो। यह राजस्थान था, उस समय हमारी तैयारी इतनी नहीं थी कि हम आने वाले हर व्यक्ति को भोजन के पैकेट दे सकें, हर व्यक्ति को हम खाने का राशन पहुंचा सकें, पर इन सब दानदाताओं ने आगे निकलकर करोड़ों की तादाद में रास्ते चलने वाले लोगों को अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार भोजन पैकेट बनाकर सड़क पर खड़े रहकर बांटने का काम किया। मैं सोचता हूं कि उनके प्रति भी हमको निश्चित रूप से इस बारे में कहीं न कहीं दो शब्द आपके एक घण्टे के भाषण में डालना चाहिए था कि उन सेवाभावी लोगों ने अपनी जान की परवाह किये बिना इस प्रकार के सेवा के प्रकल्प में लगकर राजस्थान के अन्दर लोगों को मदद करने की कोशिश की।

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

मेरी विनम्र प्रार्थना है कि अगर वास्तव में इस कोरोना के युद्ध को मजबूती से लड़ना है तो ये जो कोरोना योद्धा हैं इनका आपको और मुझे सम्मान करना चाहिए। मैं घर में बैठ गया हूंगा लेकिन वे फील्ड में लगकर अपने घर और परिवार, सब लोगों के न कहने के बाद भी उस ड्यूटी में लगा हुआ है जहां उसको हर समय खतरा मंडराता है लेकिन उसके बाद भी वह अपनी जान जोखिम में डालकर देश की सेवा कर रहा है। उनके कारण से आज आप और हम सब लोग सुरक्षित हैं। आज जो कुछ भी हुआ, चाहे उसमें सफाई कर्मचारी हो पर उनकी मूलभूत सुविधाओं के बारे में कभी चिन्ता की है क्या? सच में, अगर हम वास्तव में इस युद्ध को लड़ना चाहते हैं तो ये कोरोना वारियर्स, जितने भी कोरोना योद्धा हैं इनकी हर प्रकार की सुविधा की अगर आप चिन्ता करोगे, इनके परिवार को यह नहीं सतायेगा कि मेरा बेटा काम पर गया, वह जिन्दा रहेगा या मर जाएगा और अगर उसको यह कान्फिडेंस हो जाए कि सारे राजस्थान की जनता मेरे बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में चिन्ता करने के लिए प्रयत्नशील है तो मैं सोचता हूं कि उससे वह चार कदम आगे बढ़कर आपकी और इस राजस्थान की सेवा करेगा इसलिए इसके बारे में हमको सोचना चाहिए।

जो नर्सिंग स्टाफ है उनको पहले आप क्वारंटाइन सेंटर में रखते थे। जो भी हास्पिटल से सेवा देकर जाता था उसके लिए आपने कोई होटल किराये पर ले रखी थी या किसी कमरे में जाकर रुकता था और रात को आराम से सोता था लेकिन आपने उसको भी बन्द कर दिया। अब वह रात को सीधे ही घर जाता है तो पहले से तो टेंशन में है, अगर आपका बेटा ड्यूटी करके आये तो शाम को उसके आते समय आपकी तबीयत कैसी हो जाती है उसको महसूस करो। जिसके घर का बच्चा सेवा करने के लिए जाता है और जब लौटकर आता है तो उसकी मानसिकता क्या होती है। उसको क्वारंटाइन सेंटर में हमेशा रोकते थे, उनके भोजन पानी की व्यवस्था करते थे, उनको सब प्रकार की सुविधाएं देते थे वह आपने बन्द कर दी। जब कोरोना नहीं था तब तो सुविधा दी और अब कोरोना विस्फोट हो रहा है उस समय आपने उनको भगवान भरोसे छोड़ दिया। इसके बारे में विचार करिये। ऐसी कोई आर्थिक स्थिति अपनी खराब नहीं है कि हम उनकी सुविधा के लिए, भोजन, पानी और उनके ठहरने की व्यवस्था नहीं कर सकते, इतना कमजोर राजस्थान नहीं है।

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

अगर हमारे पास नहीं है तो राजस्थान के इतने दानदाता भी हैं कि इनको सेंटर्स को चलाने का वज़न भी उनको बांटकर दें तो भी इनकी सेवा उठाने के लिए वे तैयार हो जाएंगे पर उनको हमें करना चाहिए, यह मैं सोचता हूं।

आपने एक बार घोषणा की थी कि इसमें जो काम करेंगे उनमें डाक्टर को 5 हजार रुपये देंगे और नर्सिंग स्टाफ का 2500 रुपये देंगे, दे दिये? है कहीं हिसाब तो बता देना। मैं इसलिए कह रहा हूं, मैं किसी की आलोचना नहीं कर रहा हूं लेकिन धौलपुर के कोविड सेंटर में जिस प्रकार की घटना घटी और वहां किसी ने वीडियो वायरल कर दिया। ऐसी रोटियां सप्लाई कर रहे थे, जिन रोटियों को अगर अपन ने वीडियो में देखी हो तो अपने स्वयं का दिमाग चकरा जाए। उसने इतना ही तो किया कि अव्यवस्था है और उस अव्यवस्था के चक्कर में आपने वह सेंटर ही बन्द कर दिया और जिसने आपको वीडियो पर दिखाया उसका कनेक्शन ही खतम कर दिया। इस प्रकार की मनोवृत्ति जिसकी भी है, जिस कलेक्टर ने यह काम किया है, यह सबको पता है कि किस कलेक्टर ने इस प्रकार का व्यवहार किया है, उस कलेक्टर को आपको सज़ा देनी चाहिए। हमारी कमी है तो बताये और अगर गलती हो रही है तो सुधारने का काम करेंगे और पता ही नहीं लगेगा तो बीमारी का इलाज कहां से निकालोगे। गलती, आप हो चाहे मैं हूं, हो सकती है, कोई भी कर सकता है, हमारा साथी कहीं भी काम कर रहा है, गलती हो सकती है लेकिन उसको सुधारने का काम करें न।

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री महेन्द्र चौधरी (सरकारी उप मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय आज की कार्यसूची के पूर्ण होने तक बढ़ा दिया जाए।

श्री सभापति: क्या सदन का समय बढ़ाया जाए?

(स्वीकृत)

आज की कार्यसूची के पूर्ण होने तक सदन का समय बढ़ाया गया।

विभिन्न विषयों पर विचार

कोविड-19 प्रबंधन एवं लॉकडाउन से आर्थिक स्थिति पर हुआ असर

श्री गुलाब चन्द कटारिया (नेता, प्रतिपक्ष): मेरा जो सुझाव है, क्योंकि बहुत कुछ बातें सभी ने कह दीं और मैं उसको लम्बा नहीं करना चाहता लेकिन ध्यान इस पर केन्द्रित करें कि इस बीमारी से लड़ने का एक ही तरीका है बचाव और जो आप भी कहते हैं, मैं भी कहता हूं, हम सब लोग भाषण में कहते हैं लेकिन अभी तक लोगों की मानसिकता नहीं बदल सके। अभी तक मानसिकता नहीं बदली, इसके कारण से यह विस्फोट आगे से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए जो प्रचार-प्रसार का तरीका है उसको आप करो। आपको और हमको, सबको, हम जितने सदस्य यहां बैठे हैं, जब कोरोना केवल सैकड़ों की तादाद में था तब सेनिटाइज की गाड़ियां रोज दौड़ती थीं और हममें से भी कोई एमएलए लेकर खड़ा है और कहीं न कहीं कर रहा है पर आज की तारीख में कहीं दिखता है क्या? आज की तारीख में सेनिटाइज करता हुआ कहीं दिखता है? जब विस्फोट हो रहा है तो आज यह आवश्यक काम बन्द क्यों हो गया, क्या कारण हो गया जिसके कारण से यह स्थिति आ गई है?

आपने देखा कि जांच का दायरा जो मैंने बताया, जांच रिपोर्ट आप देखो, मैं आपकी आलोचना नहीं कर रहा हूं पर एक बार आप उन सबका फीगर मंगाओ कि जहां आपकी जांच की कैपेसिटी अगर 500 की है तो उस जगह प्रतिदिन कितने सैम्पल आये और कितने सैम्पल उन्होंने जांच करके निकाले। फीगर आपके पास हैं। कैपेसिटी होते हुए भी तीन-तीन दिन तक कोरोना की रिपोर्ट नहीं आती है जिसके कारण से जो भी व्यक्ति टैस्ट कराकर गया, अब पब्बाराम जी यहां आये होंगे, हमारे भी कोई साथी आये होंगे, अब टैस्ट कराकर आये तो भी सदन में आ गये। हममें से भी कई लोग यह गलती कर देते हैं। जब हमने टैस्ट का दे दिया और जब तक उसकी रिपोर्ट नहीं आये तब तक तो कम से कम बचाया जा सकता है। मैं सोचता हूं कि यदि वह डिले हो रहा है तो इस डिले को आप निश्चित रूप से कैसे न कैसे सिस्टम में डालकर सुधारने का प्रयत्न करिये।

अब मैं सोचता हूं कि जांच रिपोर्ट जिसकी आनी है आपने कह तो रखा है कि ऑनलाइन उसके मोबाइल पर सूचना मिल जाएगी, क्या डिपार्टमेंट दे रहा है? इसको चैक करिये। वह थक जाता है रिपोर्ट के लिए पूछ-पूछकर।

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

क्या ऐसी चीज है? जब आपने कर ली, आपके पास रिकार्ड आ गया, आपने उसका मोबाइल नम्बर ले रखा है तो उसको एक सूचना डाल दो कि आप पॉजिटिव हो या नेगेटिव हो तो कम से कम उसके आगे के परिवार को तो सुरक्षा मिलेगी, पर वह काम भी हम नहीं कर रहे हैं। अब यह सीरो सर्वे जो है जो आपने कराया है तो इसके बारे में थोड़ा और ज्यादा सख्ती करके इसको आगे बढ़ाने का काम करो।

जो रेपिड एंटीजन टैस्ट है इसकी रिपोर्ट 48 परसेंट है या 42 परसेंट है, इस चक्कर में मत पड़िये। इसकी कम से कम 20 मिनट में रिपोर्ट आ जाती है तो आगे फैलाव तो रुक पायेगा। आपने देखा होगा कि दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, तमिलनाडु हैं ये जिस आग के गोले पर चले गये थे और सबको लग रहा था कि ये संभलेंगे या नहीं संभलेंगे पर उन्होंने इस टैस्ट को शुरू किया और इसके कारण से आज इन जगह पर काबू हुआ है, उसका कारण यह भी एक है। हो सकता है कि इसमें फेल्योर परसेंटेज ज्यादा है, निश्चित रूप से आपकी रिपोर्ट के आधार पर है, लेकिन हिन्दुस्तान के अधिकांश राज्य इसको कर रहे हैं। मैं सोचता हूं कि यह 20 मिनट में रिपोर्ट वाले से भविष्य में आगे तो नहीं फैलेगा। अगर वह गलत होगा तो दुबारा से उसका टैस्ट हो जाएगा और हमारी जांच का भी 73 परसेंट से तो ज्यादा नहीं है। जब हमारा 73 परसेंट है, उनका 52 परसेंट है, अगर थोड़ा बहुत परसेंटेज का अन्तर होगा तो इसका आप उपयोग करो जिसके कारण से आगे बढ़ने वाली इस बीमारी को किसी प्रकार से हम रोक सकें।

यह जो होम आइसोलेशन है, मैं सोचता हूं कि इसके बारे में हमको विचार करना चाहिए। कारण क्या है, मैं आलोचना के लिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि मैं स्वयं भी अगर किसी सेंटर को, जहां आपके कोविड के पेशेंट रहते हैं, उनको देखने जाना चाहता हूं तो कोई जाने नहीं देते हैं..

(18.00 बजे)

वे दूर से ही आपको रोक लेते हैं और वहां अन्दर की जो हालत है वह मैं आपको वर्णन नहीं कर सकता हूं। अगर कहीं उसने फोन पर आकर के अपनी सही स्थिति बता दी न, तो मैं सोचता हूं रात को नींद नहीं आएगी। उसको किस तरह से ट्रीट कर रहे हैं। आपके पास बीस बैड लगे हुए हैं। लेट्रिन तो एक है और वह लेट्रिन भी इतनी गंदी हो गई कि उसकी जाने की इच्छा

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

नहीं होती है। उसको गर्म पानी जो मिलना चाहिए, वह गर्म पानी समय पर नहीं मिलता है। उसको जो टाइम पर खाना मिलना चाहिए, वह खाना नहीं मिलता है। खाना देने वाला जाता है, मैं किसी की आलोचना नहीं करता हूं भगवान न करे कि हममें से कोई उसमें चला जाए तो ऐसे फेंकता है, जैसे कुत्ते को फेंकते हैं। आदमी के रोंगटे कांप जाते हैं, आदमी का दिल जलता है कि मैं यह दिन देखने के लिए यहां आया तो वास्तव में जो लोग बीमार होकर के आ गए, उनका कांफिडेंस तो आप उनकी व्यवस्था को सुधार कर बढ़ा सकते हो।

मैं सोचता हूं जितना आपकी दवा काम नहीं करेगी, जितना वहां की व्यवस्था करेगी। लेकिन कुछ सेंटर अच्छे हैं, कुछ सेंटर अच्छे नहीं हैं। इन सेंटरों को देखने के लिए कोई न कोई, किसी की आलोचना नहीं करे, लेकिन मैं सच कह रहा हूं कि वहां जिस प्रकार से नर्सिंग स्टाफ नहीं हो न तो आप हिल जाओ। अगर नर्सिंग स्टाफ, चाहे वह अंडर ट्रेनिंग है, चाहे संविदा पर है, चाहे आपके डाक्टर रखें, उनके कारण से ये बहुत कुछ संभला हुआ है। मैं सोचता हूं इसको और सुधारने की कोशिश करो। किसी की आलोचना करके उसको कोई बाहर करने का कोई मानस नहीं है, लेकिन सिस्टम को सुधारा जाए तो लोगों का एक तरह से कोंफिडेंस निश्चित रूप से बढ़ेगा।

अब मैं सोचता हूं कि वेंटिलेटर की सुविधा की दृष्टि से वेंटिलेटर अब काफी कुछ उपलब्ध हुए हैं। लेकिन, कई जगह अभी भी इसके बारे में कमी महसूस होती है जिसके कारण से लोगों को, फिर क्या है कि गंभीर किस्म का रोगी भी उसी हाल में और नया आया बिलकुल जवान जो कहता है कि साहब मेरे तो नख में भी रोग नहीं पर पॉजिटिव आ गया इसलिए मुझे भी लाकर के इनके बीच में, वो रात भर खांसता रहता है, इसको रात में साथ में बैठे नींद नहीं आती है, तो कम से कम यह डिवीजन करके गंभीर बीमार है, उनको कोई अलग कमरे में रखो। जो बिलकुल एकदम फ्रैश है, उसको अलग करो। ऐसे चार-पांच टुकड़े करके उसका कांफिडेंस और मैं सोचता हूं कि कुछ चीजें जो सुविधा हास्पिटल में होनी चाहिए, वह जरूर आप, व्यवहार भी बहुत कुछ काम करता है। इस बारे में भी आपको सुधारने की आवश्यकता है।

आपको सर्वोच्च न्यायालय ने भी कुछ गाइडलाइन दी हैं लेकिन, उसकी पालना अभी राजस्थान में नहीं के बराबर हुई है। मतलब उन्होंने कहा

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

कि एक एक्सपर्ट कमेटी बनाओ, जो एक्सपर्ट कमेटी कम से कम पांच दस दिन में उस जगह जहां कोरोना पेशेंट का इलाज चल रहा है, उसको जाकर देखें और उसकी रिपोर्ट देवें। मैं सोचता हूं इससे उस बीमार का कांफिडेंस बढ़ेगा कि मेरे को देखने वाला कोई आ रहा है। क्योंकि घरवाले जा नहीं सकते, घरवालों को समाचार मिलता नहीं है, घर से जब उसे उठा ले जाते हैं, आपका जब वाहन आता है, एम्बुलेंस आती है और सारा गांव त्राहि-त्राहि, उसके बच्चे रोते हुए, उसके बाप को विदा करते हैं तो गांव का दृश्य देखकर दिल हिल जाता है कि यह क्या हुआ। मतलब वह न उसको देखने जा सकता, न उसके बारे में पूछ सकता तो कम से कम कोई टेलीफोन का सिस्टम आप करो, आप उसको मान लो मोबाइल नहीं देना चाहते, मत दो पर एक कामन तो रख दो जिससे कम से कम वो अपने घरवालों से अपनी स्थिति के बारे में बात कर सके, कह सके, उसके दुःख को दूर कर सके और कम से कम उसके कमरे में एक टीवी तो लगा दो उसको देखते-देखते उसका समय तो गुजर जाए। ये सुविधाएं इतनी महंगी नहीं हैं, लेकिन उसके कारण से उसका कांफिडेंस लेवल जो है न, वो हम बढ़ा सकते हैं।

सीसी टीवी कैमरे के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने आपको गाइडेंस दी है, लेकिन अभी तक हम नहीं लगा पाए। कम से कम उन सीसी टीवी कैमरे से आपका मेडिकल स्टाफ भी, आपका बाकी स्टाफ भी, वहां काम करने वाले लोग भी, पेशेंट भी कम से कम उस कैमरे में कैद तो रहेंगे, जिसके कारण से उसके मन को बनेगा कि इसमें से कुछ हो सकता है।

एक हैल्प डैस्क का बताया था कि हर एक में हैल्प डैस्क बना दिया जाए तो उसके बारे में, उस पेशेंट का कोई न कोई परिवार का एक व्यक्ति उस जगह नहीं रहे पर हास्पिटल कैम्पस में कम से कम कहीं रहे। उसको किसी प्रकार की मदद की या कोई चीज की आवश्यकता हो तो मैं सोचता हूं उसको मिल सके। उसका केवल कांफिडेंस डवलप करना है। जितने लोग आपके जा रहे हैं न, इसमें से आपके 80 प्रतिशत लोग सुरक्षित लौटकर आ रहे हैं। यह एक सौभाग्य है वास्तव में राजस्थान का, जो मृत्यु दर है, वह 1.38 ही है, जबकि देश का 1.92 है तो वास्तव में हम इसमें अपने-अपने काम पर हैं, लेकिन उनका कांफिडेंस बनाने के लिए हमको काम करना चाहिए।

मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं। केन्द्र ने यह नहीं किया, केन्द्र ने यह

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

नहीं किया। मैं सोचता हूं ये बार-बार, अगर आपको कोई कमी लगती है कि ये कम है तो और लेने की कोशिश करो, लेकिन यह बिलकुल भी नहीं, कि कुछ नहीं कर रहे हैं। ये 20 लाख का क्या पैकेज, बड़े-बड़े विद्वान साथी हैं, बड़े शिक्षित हैं, पढ़े-लिखे लोग हैं आज दिन तक यार मैंने ये 20 लाख का पैकेज देखा नहीं, क्या हमने मांगा था कि हमें पैकेज देना। उन्होंने चला करके अपनी तरफ से देश की अर्थव्यवस्था, इतनी हालत खराब हो गई है। मैं माननीय मंत्री जी आपसे कहना चाहता हूं आपको और मेरे को हर महीने तनख्वाह मिलती है, इसलिए रोटी खा रहे है, लेकिन जो किसी बनिये की दुकान पर 15 हजार में नौकरी कर रहा था, जो किसी होटल पर काम कर रहा था। उसको 4 महीने से न काम है, न तनख्वाह है, उसके बच्चे क्या खा रहे हैं। वो इतना सम्मानजनक है कि किसी के सामने जाकर हाथ भी नहीं फैला सकता और जो आपकी ये आत्महत्याएं हो रही हैं, ये वे स्वाभिमानी लोग हैं, जिन्होंने अब तक मेहनत करके अपने बच्चों को पाला, लेकिन अब परिस्थितियां जवाब दे रही हैं। इसके कारण से वह घबरा करके पहले बच्चों को जहर देता है और फिर स्वयं जहर खाता है। इसका वर्णन करने से कोई समस्या का हल नहीं है, लेकिन इन लोगों को कैसे अपने काम पर खड़ा कर सकें। इसलिए लॉकडाउन से अनलॉक लॉकडाउन पर गये। इस कारण से गये कि आखिर लॉकडाउन कब तक हमारी सीमा में आएगा। केवल काबू करने के लिए हम सब चीजें बंद कर देंगे तो रोजी-रोटी के बिना वह क्या खाएगा, सरकार मदद करेगी, कितनी मदद करेगी सरकार मान लो 80 करोड़ लोगों को भी नवम्बर तक का राशन दे देगी, 8 महीने का राशन दे देगी। लेकिन उसके कारण से भी तो उसका पेट नहीं भरेगा? उसके बच्चे नहीं पलेंगे, उस सबके लिए हमको रोजगार खड़ा करना ही पड़ेगा और उसके कारण से हम अनलॉक डाउन पर गये हैं। मैं सोचता हूं हमारे बड़े विद्वान साथी हैं। धौलपुर से जो आए हैं राजाखेड़ा से, उन्होंने बड़े अच्छे तर्क रखे थे। एमएसपी में क्या हुआ, इसमें क्या हुआ, इसमें क्या हुआ। आज दिन तक इस हिन्दुस्तान में कभी किसान को, अपने किसान क्रेडिट कार्ड पर दो लाख रुपये का कर्जा लेने के लिए कभी आर्डर पढ़ा है? यह पहली बार उस व्यक्ति ने और यह भी नहीं कि उसने, उसके साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए एक लाख करोड़ रुपया किसान के लिए तैयार करने का और जो बच गया है, उसको भी उसने 30 हजार करोड़ रुपया और दिया। जिसके कारण से जो इस सीमा में भी नहीं आते हैं। कइयों को

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

कुछ नहीं मिलता है। वो खेती है और आज भी अगर हिन्दुस्तान इस पोजिशन में जिन्दा है तो हिन्दुस्तान के किसान की मेहनत के कारण से। आप और मैं यहां सुरक्षित बैठा हूं। उस व्यक्ति के कारण से, उसे न कोरोना का डर लगा। वह फसल भी बो रहा है, फसल काट भी रहा है, और फसल को ठेठ मंडी तक भी ले जाकर के बेच रहा है और उसकी हिम्मत के कारण से।

मैं सोचता हूं जो छोटे-छोटे ठेले लगाकर के बैठे हैं। जो समोसा कचौरी बेचते हैं। वह आखिर शाम को कमाएगा तभी तो बच्चों को ले जाकर खिलाएगा। मैं सोचता हूं उन सबके धन्धे आज चौपट हो गये हैं। ऐसे समय में जहां एक ओर महामारी से लड़ना है तो दूसरी और रोजगार के धन्धों के लिए, ये जो पैकेज की जो घोषणा की है। प्रधान मंत्री जी ने 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये की गरीब कल्याण की योजना की है। अब इसमें से राजस्थान के लोगों को जितना लाभ हम दिला सकें, हमारी एफिशिएंसी यही है कि हम इस पैसे को उस गरीब तक पहुंचाने के लिए जो सिस्टम होना चाहिए, वह हम उसको पहुंचा दें। हमने उस किसान को जो पैसा इसमें दिया है। उस किसान को कैसे उसकी उपलब्धि हो, ताकि वह निकालें। छोटे-छोटे उद्योग हैं, पहले उद्योग में 20 करोड़ तक की सीमा थी। अब उन्होंने इन छोटे उद्योगों को 200 करोड़ तक का अगर कोई भी होगा तो कहीं भी उसको ग्लोबल टेंडर करने की आवश्यकता नहीं है। वह इसमें सप्लाई करेगा तो मैं सोचता हूं कितने लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। कितने लोगों को, हमारे तो दिमाग में एक ही बात बैठती है सब्सिडी, सब्सिडी, सब्सिडी। अगर ये सब्सिडी पहले दिन से प्रारम्भ नहीं करते तो हिन्दुस्तान खड़ा हो जाता? मैं आपको सही और कड़वा सच कह रहा हूं। अगर वास्तव में खड़ा करना चाहते हो तो मदद करके खड़ा करो। उसके पैरों पर, उसको केवल दान दक्षिणा देते देते, कब तक खड़ा करोगे, एक न एक दिन तो सोचना पड़ेगा ही। आखिर इस सारे सिस्टम को बदलने के लिए, तो जो कुछ भी काम करने का प्रयास किया वो सारा का सारा काम किया, लेकिन उसके बाद भी आपके मन में तो केवल और केवल बस आलोचना-आलोचना, मैं सोचता हूं इस तरह से नहीं, जहां मैंने कमियां आपके ध्यान में बताई हैं।

मैं फिर प्रार्थना कर रहा हूं कि कोरोना वारियर्स को आप जितनी

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

सुविधाएं दे सकते हैं। ये 50 लाख का जो पैकेज दिया इंश्योरेंस का, देश के प्रधान मंत्री ने दिया न, आपने उसमें और कुछ जोड़ा होगा, बहुत अच्छी बात है।

मैं सोचता हूं कि चाहे वह संविदा पर हो, चाहे किसी पर हो, जो हमारा काम करते हुए अगर किसी कारण से संक्रमित हो जाता है और उसके परिवार का आदमी चला जाता है तो हम उसको आदमी तो लाकर नहीं दे सकते हैं, लेकिन कम से कम उसकी आर्थिक मदद करके हम उसको इस बात की भी हिम्मत तो बंधा सकते हैं कि इसमें काम करने में कोई डरने की बात नहीं है। मैं सोचता हूं सभापति महोदय, मेरी मंत्री महोदय से विनती है कि केवल और केवल पत्थर फेंकने का काम करने से कुछ लाभ नहीं निकलना है। इस महामारी में कोई पत्थर फेंकने से न तो बड़ा हो सकता है और न हुआ है। इस महामारी से लड़ने के लिए सामूहिक विचार करके हर कदम जहां-जहां आपको लगता है यहां गलत है, अब हमने आलोचना की तो क्या खराब आलोचना की? मेरे विधायक फंड का पैसा है तो मैं तो विधायक फंड का नाम भी नहीं लिख सकता उस पर, पैकेट भी नहीं डलवा सकता और बाकी फोटो लगाकर के उसको बांटने का काम करें तो मन को पीड़ा तो होती है। हमारे मन में भी पीड़ा तो होती है, हम भी तो आखिर एक जन प्रतिनिधि हैं न। ऐसा तो नहीं हो सकता है कि यह सुविधा इनको नहीं है, तो मैं सोचता हूं कि यह जो अंतर है, मैंने इसकी चिट्ठी मुख्यमंत्री जी को भी लिखी। मैंने कहा, आपने बहुत बड़ा मन रख करके जब हाउस में यहां घोषणा की तो हमने कहा कि इसमें हम राजनीति नहीं होने देंगे और उन्होंने जब वीडियो कान्फ्रेंसिंग की, तब भी हमने कहा कि एक अच्छी शुरुआत आपने की है लेकिन जब आप इसको राजनीतिक कलर देने की कोशिश करते हो तो मन को पीड़ा जरूर होती है। हम भी जन प्रतिनिधि हैं चाहे हम किसी पार्टी के हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं है कि आपका अधिकार है और हमारा अधिकार नहीं है। मैं आपको सभापति जी, फिर बहुत विनम्र भाव से कहना चाहता हूं कि आलोचना के पक्ष को कम से कम इस कोरोना की महामारी से बाहर निकाल दो। हम सब लोग मिलकर के और विशेष करके राजस्थान के भामाशाह में आज भी दमखम है, जब-जब भी हमने उनको पुकारा है, हर संकट में उन्होंने हमारी मदद करके हर संकट के समय खड़े रहे। मैं सोचता हूं कि यह जितने भी कोरोना के हास्पिटल बने हुए हैं, अब राजस्थान का जयपुर

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

है, 200 की कैपेसिटी है, क्या होगा अगर कभी विस्फोट हो जाए और प्राइवेट वालों के बारे में ज्यादा तरफदारी करने की जरूरत नहीं है। जा करके थोड़ा-सा अनुभव करके आ जाओ कि किस तरह से वहां लोगों की लुटाई हो रही है, उसको आप देखने की कोशिश करो। 22 सौ रुपये आपने तय कर दिए। वह 22 सौ रुपये का टैस्ट कैसे कर रहा है? एक दिन पॉजिटिव, एक दिन नेगेटिव यह क्या है? क्या कमाने के लिए यही बीमारी मिली क्या? इसी में करोड़पति बनेंगे क्या? लेकिन मन इतना कमजोर कि हम उसको ठीक प्रकार से आँकते नहीं हैं। मेरी प्रार्थना है मंत्री महोदय, अगर वास्तव में इस बीमारी से लड़ना है, मानवता को बचाना है, इंसान को बचाना है और इंसान को उसके पैरों पर खड़ा करना है तो निश्चित रूप से जो-जो पैकेज हमारे पास हैं उसका उपयोग करो, सिस्टम बनाओ। 22 जिले हमारे 116 में सलेक्ट हैं और उस गरीब कल्याण में भी हम वहां काम और रोजगार देकर के लोगों को खड़ा कर सकते हैं। इतनी ही बात कहकर मैं अपनी बात पूरी करता हूं। धन्यवाद।

श्री सभापति: डा. रघु शर्मा।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय सभापति महोदय, कोरोना महामारी और इसके आर्थिक दुष्प्रभाव के बारे में पक्ष और विपक्ष के 25 माननीय सदस्यों ने अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव आज यहां रखे। मैंने जब आज सवेरे पूरी स्थिति के बारे में अपना वक्तव्य दिया तो मेरे वक्तव्य में कहीं भी एक शब्द मैंने राजनीति करने की कोशिश नहीं की, न मैंने कोई और आलोचना की। जो प्रधान मंत्री जी ने कहा, उसका उल्लेख किया, उसके उपरांत भी जो चर्चा हुई आज, वह तो सभी ने सुनी है। अब मेरे मन में एक सवाल उठ रहा है, सभापति महोदय, कि प्रधान मंत्री जी जिस काम की तारीफ करते हैं, हमारे सदन में उनसे भी बड़े नेता बैठे हुए हैं प्रधान मंत्री जी को चुनौती दे रहे हैं। वह तारीफ कर रहे हैं, ये आलोचना कर रहे हैं। सुझाव देने के लिए तो आज बहुत अच्छी बात थी। अभी माननीय नेता प्रतिपक्ष ने, उप नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अगस्त के महीने में पॉजिटिव केसेज बहुत ज्यादा आए हैं। माननीय सभापति महोदय, मैं इनको जानकारी देना चाहता हूं कि अगस्त के महीने में अगर सबसे ज्यादा पॉजिटिव केसेज आये हैं पूरी दुनिया में तो वह 12 लाख हिन्दुस्तान में आए हैं। अब यह कोई हम लेकर आए हैं या मोदी जी लेकर आए हैं, यह तो संक्रमण है, फैल रहा है। पूरे देश के आंकड़े मैंने आपके सामने रखे। दुनिया के आंकड़े आपके सामने रखे हैं।

(श्री रघु शर्मा)

हमारे मालवीय नगर से आने वाले माननीय सदस्य कह रहे थे कि 11 करोड़ के N-95 मास्क खरीद लिए। कभी हिसाब-किताब किया है क्या? कोई अखबार में खबर पढ़ ली ...(व्यवधान) सुनिए साहब, सभापति महोदय, यह सदन है...

श्री सभापति: यह गलती आपकी है कि आपने इतना सीरियसली लिया इनको।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): यह सदन है, यहां जो भी माननीय सदस्य बात कहता है...

श्री सभापति: मंत्री महोदय, यह गलती आपकी है कि आपने इतना सीरियसली लिया इनको।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): मैं तो आपको भी सीरियसली लेता हूं और सब को सीरियसली लेता हूं लेकिन इस सदन के अंदर आप यह कह दो कि 11 करोड़ के N-95 मास्क, साबित कर सकते हो क्या? क्यों टाइम खराब कर रहे हो? (व्यवधान) बैठ जाइए। मैंने आपकी सुनी है। 11 करोड़ के N-95 मास्क किसको कहते हैं, किसने खरीद लिए? हर तरह की आलोचना मैंने आज सुनी है यहां पर। अगर आरएमएससीएल बनाई थी प्रोक्योरमेंट के लिए, आपके समय में भी वही प्रोक्योर करती थी। पीपीई किट का भी प्रोक्योर वही कर रहे हैं, N-95 मास्क का भी वो ही प्रोक्योरमेंट कर रहे हैं, सैनिटाइजर का भी वो ही कर रहे हैं और उनका अपना तरीका है। अगर किसी माननीय सदस्य को कोई शिकायत है तो मैं सदन में कहना चाहता हूं कि आप मुझे लिखकर दो, मैं जांच कराऊंगा। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा, लेकिन सिर्फ चलते-चलते बिना किसी आधार के कोई अखबार में पड़ी हुई खबर जिसमें कचोरी खाकर फेंक दी होगी लोगों ने, उस आधार पर आप यह कह दो कि 11 करोड़ के N-95 मास्क खरीद लिए गये। अभी कटारिया जी ने कहा कि एक लाख N-95 मास्क वहां से भेजे हैं दिल्ली से और यह 11 करोड़ में, आपको मालूम है N-95 मास्क कितने में आता है? 11 करोड में भाग दो उनका। इतने की जरूरत कहां है यहां पर इसलिए बेसिर-पैर की बातें इस सदन में नहीं करनी चाहिए।

उसके अलावा, आपने कहा डाक्टर्स के लिए, 765 डाक्टर्स की, माननीय सभापति महोदय, इसी कोरोना काल में हमने भर्ती की है और आज वह कोरोना वारियर्स के रूप में अलग-अलग जगह पर इस महामारी में राजस्थान की जनता को सेवाएं दे रहे हैं उनको हमने नियुक्ति भी दे दी है।

(श्री रघु शर्मा)

साढ़े बारह हजार नर्सिंगकर्मियों की भर्ती इसी कोरोना काल में हुई और उसमें कुछ कोर्ट कैसेज की वजह से लटक गईं। अभी हमने कल ही जो बचे हुए केसेज थे, 9000 केसेज को तो हमने पहले ही क्लीयर कर दिया, कोविड में ड्यूटी लगा दी और जो बचे हुए थे करीब 77 लोग रह गए, बाकी सब का भी नियुक्ति का रास्ता प्रशस्त कर दिया है। अभी जो सीएचओ की बात की आपने, 6310 सीएचओज की भर्ती के लिए मुख्य मंत्री जी ने स्वीकृति दी है, वह सारा काम शुरू कर रहे हैं। भर्ती में कहीं कोई कोताही नहीं है और यह 2000 डाक्टर्स की भर्ती का काम, अभी कई माननीय सदस्य कह रहे थे कि डेढ़ महीना हो गया, एक महीना हो गया। भर्ती की एक प्रक्रिया होती है, उसको अगर प्रक्रिया से नहीं करेंगे तो भी सवाल उठेंगे। ट्रांसपेरेंसी के साथ भर्ती की प्रक्रिया चल रही थी, कई इश्यूज आ गए थे, अखबारों में भी आई है। आपने भी सुना है, हमने एक कमेटी बनाई है। अगर वह इश्यूज सही हैं तो हम दोबारा परीक्षा करवाएंगे। अगर वह इश्यूज गलत हैं तो इसकी लिस्ट जारी हो जाएगी क्योंकि यह सब काम हमारा हो चुका है। इन 2000 डाक्टर्स की भी नियुक्ति जारी कर देंगे। हम जल्दी से चार-पांच दिन में इसका फैसला करेंगे और पूरे राजस्थान में इनकी नियुक्ति हो जाएगी।

कई माननीय सदस्यों ने अच्छे सुझाव भी दिए हैं। एक माननीय सदस्य ने कहा बीमा योजना के बारे में अब कोई भ्रांति नहीं होनी चाहिए। माननीय सभापति महोदय, 13 दिसम्बर, 2019 से आज दिनांक तक, नोट कर लेना आप ताकि बार-बार, क्योंकि सदन फिर भी चलेगा, फिर उठाओगे आप ये बातें, 13 दिसम्बर, 2019 से आज दिनांक तक कुल लाभान्वित लोग थे 6,98,000 और उनकी राशि बनती थी 384 करोड़ 34 लाख रुपये। हमने 128 करोड़ की राशि का भुगतान कर दिया है और 151 करोड़ की राशि का भुगतान शीघ्र होने जा रहा है, कोई कोताही नहीं हुई है। कोई किसी भी प्राइवेट हास्पिटल को बीमा के क्लेम की राशि देने में हमने कोई विलम्ब नहीं किया है। यह एक प्रोसेस है आपके समय में भी चलता था ...(व्यवधान) सभापति महोदय।

श्री बुलाकी दास कल्ला (ऊर्जा मंत्री): ओन ए पाइंट आफ आर्डर सर, हमारे राजस्थान विधान सभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन संबंधी नियमों में यह दिया हुआ है कि कोई भी माननीय सदस्य या मंत्रीगण जब अपना

(श्री बुलाकी दास कल्ला)

वक्तव्य देते हैं अथवा बोलते हैं तो उसमें कोई व्यवधान नहीं करेगा। मैं देख रहा हूं आप खड़े रहते हैं, आसन पैरों पर है और खड़े रहते हैं, माननीय सदस्य बैठते नहीं हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि इस संबंध में अध्यक्ष महोदय द्वारा जो बार-बार निर्णय दिये गये हैं, उसके अनुसार कोई भी व्यक्ति आपकी इजाजत के बिना नहीं बोलेगा और जब आसन पैरों पर हो तो कोई भी माननीय सदस्य खड़ा नहीं होगा, इसकी पालना होनी चाहिये।

श्री सभापति: ...(व्यवधान) प्लीज, प्लीज विराजिए, विराजिए।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): ...(व्यवधान) मैं करैक्ट कर दूं?

श्री बुलाकी दास कल्ला (ऊर्जा मंत्री): आप आज्ञा से करैक्ट करें, अपने आप नहीं।

श्री सभापति: विराजिए, विराजिए। (व्यवधान) प्लीज, प्लीज विराजिए, विराजिए। (व्यवधान) माननीय सदस्य, विराजिए। किसी का अंकित नहीं होगा। मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूं कि कृपया इंटरवीन नहीं करें। अभी 7-8 बिल भी बाकी हैं। (व्यवधान) नहीं, विराजिए आप, विराजिए, विराजिए।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): मेरे को सारी जानकारी है, आप चिंता मत कीजिए। मैं जानकारी के आधार पर ही आपको सूचना दे रहा हूं। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजिए।

श्री ज्ञानचंद पारख (पाली): 000

श्री सभापति: विराजिए। अंकित नहीं होगा। (व्यवधान) विराजिए, विराजिए।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): कोई गलत जानकारी नहीं है। सभापति महोदय, एक सवाल और उठाया गया यह जो प्लाज्मा थैरेपी हम लोग दे रहे हैं, इसके लिए 16500 रुपये ले रहे हैं। यह शुरुआत में तो एक-दो केसेज में हुआ था लेकिन अब एक नया पैसा किसी से नहीं लिया जा रहा है, यह मैं आपको निवेदन करना चाहता हूं।

कटारिया साहब, अभी 1300 वेंटिलेटर भारत सरकार से हमको प्राप्त हुए हैं। मैंने एक भी तथ्य आपसे छिपाया नहीं है। भारत सरकार ने जो दिया

(श्री रघु शर्मा)

है, उसको हमने राजस्थान में हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में काम में लिया है और मैंने आपको शुरुआत में ही कहा था कि यह महामारी है। प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में पूरे देश ने इस लड़ाई को लड़ा है, लड़ रहे हैं और आगे भी लड़ेंगे। कई राज्यों में अलग-अलग पार्टी की सरकारें हैं, किसी ने राजनीति करने की कोशिश नहीं की है। लेकिन यहां सब कुछ ठीक था, 21 घंटे की वीडियो कांफ्रेंसिंग में मैं मौजूद था। उस टाइम किसी ने यह बातें नहीं कही और आज जब हाउस में आये तो तरह-तरह की बातें हो रही हैं। कुल मिलाकर मेहरबानी करके, क्या बोल रहे हैं यह तबलीगी जमात। इसमें तो आप कम से कम अपना साम्प्रदायिक चेहरा छोड़ दो, यह महामारी है। शर्म आनी चाहिये कि तबलीगी जमात को आप दोषी करना चाहते हो। (व्यवधान) यह क्या तरीका है?

श्री सभापति: ...(व्यवधान) माननीय सदस्य, अंकित नहीं होगा। (व्यवधान) विराजिए, विराजिए, माननीय सदस्य विराजिए, विराजिए। माननीय सदस्य, विराजिए। प्लीज सहयोग करें।

श्री रघु शर्मा (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): कटारिया साहब, हाउस को आर्डर में लीजिए। माननीय, जो 1300 वेंटिलेटर आये, उसमें से कुछ पोर्टेबल वेंटिलेटर भी हैं और अब तक सभी जिलों में 945 नये वेंटिलेटर की आपूर्ति हम कर चुके हैं और जरूरत सिर्फ 40 वेंटिलेटर की पड़ रही है। मैंने सुबह अपनी स्पीच में कहा था कि जब आदमी वेंटिलेटर की स्टेज में पहुंच जाता है तो उसको बचाना हमारे लिए बिलकुल मुश्किल हो जाता है। हमारी कोशिश क्या है, आक्सीजन का फ्लो तेज हो। उसको इमीजिएटली भर्ती होते ही आक्सीजन सपोर्ट पर ले आये, उसके पर्याप्त इंतजाम राजस्थान में किये गये हैं और इसीलिए हमारी मृत्यु दर भी कम है। अभी पूरे स्टेट में सिर्फ 40 वेंटिलेटर काम में आ रहे हैं, यह मैं आपको निवेदन करना चाहता हूं। इसके अलावा मेडिकल एजुकेशन ने 315 वेंटिलेटर और खरीदे हैं। हमने डिस्ट्रिक्ट लेवल के अस्पतालों में, सब डिस्ट्रिक्ट लेवल के अस्पतालों में भी वेंटिलेटर की आपूर्ति की है। भगवान नहीं करे किसी को वेंटिलेटर की जरूरत पड़े, लेकिन प्रोक्योरमेंट पूरा है। हमने सब जगह इन्स्टाल किये हैं, कोई कमी नहीं है, इसकी चिंता आप करें नहीं।

इसके अलावा मैंने अभी महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बारे में बताया।

(श्री रघु शर्मा)

फार्मासिस्ट के 2077 पदों में से 1736 पदों की नियुक्तियां अभी प्रक्रियाधीन हैं। लैब टेक्निशियंस 4682 कार्यरत हैं और हमारे 6779 पद स्वीकृत हैं। उसमें 1119 पदों की नियुक्तियां अभी प्रक्रियाधीन हैं। रेडियोग्राफर के 2543 पद स्वीकृत हैं, इसमें से 1008 कार्यरत हैं। 1535 रेडियोग्राफर की भर्ती की प्रक्रिया अभी चल रही है। प्रोसेस चल रहा है, आने वाले टाइम में हमको इसका लाभ मिलेगा। कई तरह की दिक्कतें माननीय विधायकों ने बताई थीं।

मैं सदन को राज्य की सामान्य वित्तीय स्थिति एवं कोविड-19 के राज्य के वित्त पर प्रभाव के बारे में अवगत कराना चाहता हूं। कोविड-19 महामारी का प्रकोप गत वित्तीय वर्ष 2019-20 के अंतिम माह मार्च में राज्य में दिखना प्रारम्भ हो गया था। इस कारण लॉकडाउन आदि परिस्थितियों की वजह से जहां एक ओर औद्योगिक, वाणिज्यिक, व्यापारिक गतिविधियां बंद हो गईं, वहीं दूसरी ओर राज्य के आय के संसाधनों में भी बहुत व्यापक असर पड़ा है। उल्लेखनीय है कि कोविड आने से पूर्व केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण देश में आर्थिक मंदी के हालात उत्पन्न हुए थे और राज्य में राजस्व की प्राप्ति में कमी आने लग गई थी। उसके अलावा कोविड महामारी और आ गई जिसने आग में घी का काम कर दिया। केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व के वर्षों में की गई नोटबंदी और जीएसटी को लागू करने में जो जल्दबाजी की गई, उसके कारण देश की अर्थव्यवस्था का ढांचा पहले से ही चरमरा गया था और इससे सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि दर मात्र 5 प्रतिशत रह गई थी। इन गलत निर्णयों से देश व राज्यों की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ा जिससे वह अभी तक उबर नहीं पाये हैं। वर्ष 2018-19 व वर्ष 2019-20 की राजस्व बढ़ोतरी दर में भारी कमी हुई। राज्य में पिछली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय जो वित्तीय भार आप छोड़कर गये, जिसकी कई बार इस सदन में चर्चा हुई है, उसमें कृषक ऋण माफी के 6 हजार करोड़ का भार, बिना बजट के 5 हजार करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण के काम, सातवें वेतन आयोग को लागू किये जाने से 2 हजार करोड़ रुपये के एरियर के भुगतान का भार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की वर्ष 2017-18, 2018-19 की बकाया राज्य अंश की राशि लगभग एक हजार करोड़ रुपये का भार प्रमुख हैं। इस कारण लगभग 15 से 20 हजार करोड़ रुपये के बकाया के दायित्व हमारे ऊपर थे जब हमने सत्ता संभाली, इससे भी हम दबाव में आये। हमारी सरकार ने न केवल गत सरकार द्वारा छोड़ी गयी जो पैंडिंग लायबिलिटीज थीं,

(श्री रघु शर्मा)

उनका भुगतान किया बल्कि विकास की दिशा में राज्य को आगे बढ़ाने की दृष्टि से लोक कल्याणकारी कामों पर खर्च भी जारी रखा। राज्य का बजट जो 20 फरवरी, 2020 को प्रस्तुत किया गया था, वह दिनांक 13 मार्च, 2020 को विधान सभा में ध्वनि मत से पारित किया गया और 22 मार्च को राज्य में लॉकडाउन लागू हो गया। यह स्थितियां आप सबको मालूम हैं। इस वित्तीय वर्ष के आरम्भ से ही वर्ष के प्रथम दो माह में लगभग पूर्ण लॉकडाउन की स्थिति होने के कारण राज्य की राजस्व प्राप्तियों में भारी गिरावट आई जबकि राज्य पर वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसे आवश्यक खर्चों पर भुगतान किये जाने की जिम्मेदारी भी हमारे पर थी। यद्यपि महालेखाकार, राजस्थान द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में अभी तक केवल माह अप्रैल, 2020 का ही लेखा प्रेषित किया गया है, शेष मासिक लेखे राज्य सरकार को मिले नहीं हैं। फिर भी उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2020-21 के प्रथम दो माह में कोविड महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण राज्य के स्वयं के कर राजस्व में लगभग 60 प्रतिशत एवं राज्य के स्वयं के गैर कर राजस्व में 63 प्रतिशत की कमी आई है। अनलाक प्रथम और द्वितीय के आरम्भ होने के पश्चात् राज्य के राजस्व में यद्यपि मामूली-सी वृद्धि हुई है, फिर भी वर्ष 2020 के जून-जुलाई माह की आय तुलनात्मक रूप से वर्ष 2019 के जून-जुलाई माह की आय से लगभग 18 से 20 प्रतिशत कम रही है।

(18.30 बजे)

(श्री सी.पी. जोशी, अध्यक्ष, पदासीन)

यह सिलसिला अगस्त माह में भी वैसा ही रहने की संभावना है। चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम चार मास में गत वर्ष के प्रथम चार मास की तुलना में राज्य की स्वयं की राजस्व प्राप्तियों में लगभग 30 प्रतिशत की कमी रही है। राज्य की स्वयं की राजस्व प्राप्तियों के मुख्य मदों में तुलनात्मक कमी निम्नानुसार है।

प्रतिशत में जो कमी है, यह राशि करोड़ों में है। स्वयं का कुल राजस्व में 23.08, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 31.98, वैट में 6.08, आबकारी में 15.79, स्टाम्प व पंजीयन में 23.94, वाहन कर में 54.37, विद्युत शुल्क एवं अन्य में 36.82, राज्य का स्वयं का कुल गैर राजस्व 49.59 है,

(श्री रघु शर्मा)

पेट्रोलियम में 67.19, खनन में 18.90, ब्याज प्राप्तियों में 64.98, जलापूर्ति में 46.69, अन्य 53.56, स्वयं का राजस्व (कर+गैर राजस्व) में 28.60 है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रीय बजट में प्रावधित राशि अनुसार ही राज्यों को केन्द्रीय करों की हिस्सा राशि का मासिक हस्तांतरण किया जाता रहा है तथा संशोधित अनुमानों के बाद ही इस राशि में कमी या वृद्धि की जाती है, परंतु चालू वित्तीय वर्ष में केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों को केन्द्रीय बजट में प्रावधित राशि के अनुसार केन्द्रीय करों की हिस्सा राशि नहीं दी गयी है और बिना किसी आधार के माह जुलाई, 2020 से राज्य को हस्तांतरित की जानी वाली राशि में भारी कटौती आरंभ कर दी गयी है। इस माह में 800 करोड़ से अधिक की राशि कम हस्तांतरित की गयी है, जो अपेक्षित मासिक किस्त में 25 प्रतिशत से अधिक की कटौती है। केन्द्र सरकार द्वारा की गयी इस अप्रत्याशित कटौती ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल असर डाला है।

लॉकडाउन की स्थितियों में जहां एक तरफ अत्यावश्यक सेवाओं को चलाये रखने की चुनौती थी, वहीं दूसरी तरफ राज्यों से अपने घरों को लौट रहे प्रवासी श्रमिकों को भी सहायता प्रदान करना आवश्यक हो गया। बीपीएल, अंत्योदय तथा बीओसीडब्ल्यू में पंजीकृत श्रमिकों के परिवारों तथा जो परिवार सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थी नहीं थे, साथ ही असहाय, निराश्रित, ठेले एवं रेहड़ी चालक, रिक्शा चालक, भिखारी, घुमंतू इत्यादि के लगभग 35 लाख परिवारों को 3500 रुपये प्रति परिवार अनुसार अनुग्रह राशि के रूप में लगभग 1200 करोड़ रुपये की सहायता राशि इस दौरान प्रदान की गयी है।

कोविड-19 आपदा से निपटने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चयनित पात्र लाभार्थियों के परिवारों को माह, अप्रैल, मई व जून, 2020 में नि:शुल्क गेहूं का वितरण किया गया, जिसका राज्य सरकार पर 111.39 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आया। इसे आगे बढ़ाते हुए गेहूं का नि:शुल्क वितरण माह नवम्बर, 2020 तक देने की घोषणा की है, जिस पर 185 करोड़ का अतिरिक्त व्यय होगा। कोविड-19 आपदा से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत चयनित लाभार्थियों की अतिरिक्त संख्या को ध्यान में रखते हुए 34 लाख लोगों के लिए 34 हजार मैट्रिक टन गेहूं कीमतन भारतीय खाद्य निगम से मार्केट प्राइस पर क्रय

(श्री रघु शर्मा)

किया गया है और राज्य की जनता को उपलब्ध करवाया गया और इस पर राज्य सरकार को 79 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े 23 रुपये प्रति किलो के हिसाब से। भारत सरकार ने जो गेहूं दिया था, उसके अतिरिक्त हमने गेहूं खरीदा, उस पर 79 करोड़ रुपये खर्च किये हैं, लेकिन राज्य की जनता को गेहूं पहुंचाया है।

राज्य सरकार का ध्येय जो मैंने सुबह भी कहा कि एक भी व्यक्ति भूखा नहीं सोये, इसी को ध्यान में रखकर प्रवासी तथा ऐसे व्यक्ति जिनका कोविड-19 के दौरान हुए लॉकडाउन के फलस्वरूप रोजगार, उद्योग धंधे समाप्त हो गये, ऐसे 37 श्रेणी के परिवारों का सर्वे करवाया गया। सर्वे करवाये जाने के पश्चात् इन परिवारों को कुल 10 किलो गेहूं प्रति व्यक्ति तथा दो किलो चना प्रति परिवार उपलब्ध करवाया गया है। ऐसे 3.59 लाख परिवार जो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित नहीं हैं, उनको भी दस किलो गेहूं प्रति व्यक्ति, दो किलो प्रति परिवार चना उपलब्ध कराये जाने की घोषणा की गयी है।

उक्त विश्वव्यापी महामारी पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा इस पर कुशल प्रबंधन किया गया, उसकी पूरे देश में सराहना भी हुई है। प्रधान मंत्री जी ने भी राज्य में कोरोना प्रबंधन की तारीफ की है, जैसा कि मैंने सुबह कहा है। राज्य में प्रतिदिन 41 हजार से ज्यादा, अभी सुबह मैंने 46 हजार से ज्यादा बताया था, जांचें बढ़ गयी हैं। जैसा कि आपने अभी कहा था कि हम प्रतिदिन कितनी जांचें कर रहे हैं, हम प्रतिदिन अभी 32 हजार जांचें कर रहे हैं। कभी 32 हजार से ज्यादा हो जाती हैं, कभी कम भी हो जाती हैं, लेकिन जांच के मापदंड होते हैं, उन मापदंडों के आधार पर ही हम जांच करते हैं। जो जांच का परिणाम है, वह टाइम-बाउंड आये, इस पर भी हमारी सरकार का फोकस है, आप चिंता नहीं करें।

इन सारी परिस्थितियों में राजस्व स्रोतों में हो रही अत्यधिक कमी को देखते हुए अपरिहार्य व्ययों को छोड़कर शेष सभी मदों में राजस्व प्राप्तियों के अनुसार व्यय को सीमित किया जाना आवश्यक हो गया है। इन परिस्थितियों में राजकोषीय प्रबंधन के तहत राजकीय व्यय में प्राथमिकता निर्धारित करने के उपरांत व्यय को सीमित किया जाना अपेक्षित होगा। इस दृष्टिकोण से राज्य का सर्वप्रथम अपरिहार्य व्यय, अत्यावश्यक व्यय, गत वर्ष के लम्बित

(श्री रघु शर्मा)

दायित्व, केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं, गत वर्ष की एवं नवीन बजट घोषणाएं एवं अन्य आवश्यक व्यय की प्राथमिकताएं तय करते हुए व्यय को सीमित किया जाएगा। कोरोना काल में राज्य की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास के कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी है, अपितु कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास हेतु निम्न जनहित के कार्यों को स्वीकृति भी प्रदान की है।

चिकित्सा ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 7 मेडिकल कालेजों के लिए 819 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की गयी है। मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी का पुनर्गठन कर 210 नये पदों का सृजन किया गया है। स्वास्थ्य मिशन के तहत जैसा मैंने कहा कि 6310 सीएचएस की भर्ती की स्वीकृति जारी हुई है और वित्तीय वर्ष 2020-21 में 37 नये राजकीय महाविद्यालय खोलने की भी स्वीकृति हमारी सरकार के द्वारा दी गयी है। अभी जो नवीन पशु चिकित्सा उप केन्द्रों में 400 तथा उपखंड कार्यालयों में 588 नये पदों की स्वीकृति भी जारी हुई है। 16 नव सृजित एवं नव क्रमोन्नत तहसीलों और उप तहसीलों के तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को पंजीयन के अधिकार प्रदान किये गये हैं। पुलिस, जेल एवं होम गार्ड के कार्मिकों को एकमुश्त 7 हजार रुपये वर्दी और किट भत्ता दिया गया है। लॉकडाउन के दौरान परमिट से वंचित रहे वाहनों को कर में छूट प्रदान की गयी है। कोविड-19 के समय 6 महीने में जो भर्तियां हुई हैं, वे लगभग 25 हजार हैं। तीन महीने में, आने वाले समय में हमारी सरकार 12300 के लगभग नियुक्तियां देगी। नयी भर्ती हेतु जो विज्ञप्ति जारी हुई है वह 5 हजार के करीब है। आरपीएससी और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को नई भर्ती के लिए जो अभ्यर्थना भेजी गयी है, वह लगभग 4200 है। 7 हजार नवीन पद स्वीकृत किये गये हैं। आरपीएससी की 9 विभिन्न भर्तियों हेतु एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की 14 विभिन्न भर्तियों का कैलेण्डर भी जारी किया गया है। इसके अलावा कृषि विभाग हो, गृह विभाग हो, पशुपालन विभाग हो, प्राविधिक शिक्षा निदेशालय हो, राजस्व मण्डल हो, महिला अधिकारिता हो, परिवहन विभाग हो, कार्मिक विभाग हो, शिक्षा विभाग हो, इन सब को मिलाकर नये पदों की संख्या 13652 है, जिस पर काम चल रहा है।

प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने इस महामारी के दौरान जो कहा है, हमारे

(श्री रघु शर्मा)

भूतपूर्व प्रधान मंत्री, प्रख्यात अर्थशास्त्री और भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार डा. मनमोहन सिंह ने 10 अगस्त, 2020 को कहा कि केन्द्र सरकार का लॉकडाउन के प्रति विस्मयकारी रवैये से आम जनता को अपूरणीय हानि हुई। बगैर किसी पूर्व सूचना के कठोर लॉकडाउन लागू करना अदूरदर्शी एवं असंवेदनशील फैसला था। भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में बहुत ही कठिन और जटिल दौर से गुजर रही थी। ऐसे समय में यह स्टेप उठाये गये। यह हमारे पूर्व प्रधान मंत्रीजी ने कहा। नोबेल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री अभिजित बनर्जी ने 5 मई, 2020 को कहा, भारत की अर्थव्यवस्था को कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभाव से उबारने के लिए अमेरिका एवं जापान जैसे देशों के समान बड़े राहत एवं प्रोत्साहन के पैकेज की आवश्यकता है। इसका मतलब है ये मिले नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और प्रख्यात अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने 25 जुलाई, 2020 को कहा कि भारत कोविड-19 महामारी से जनहित स्वास्थ्य संकट में प्रवेश कर चुका है। साथ ही गिरती हुई विकास दर, खस्ता हाल राजकोषीय स्थिति एवं बढ़ती हुई एनपीए की स्थिति और गंभीर है और यह सर्वविदित है कि भारत की अर्थव्यवस्था पहले से ही आर्थिक मंदी से जूझ रही थी। कोविड-19 महामारी के प्रकोप से और भी कमजोर हुई है। वाणिज्यिक एवं वैश्विक गतिविधियों से इसे गहरा आघात पहुंचा है। इसके दुष्प्रभावों से केन्द्र सरकार के साथ-साथ कोई भी अछूता नहीं रहा है। इसलिए माननीय सभापति महोदय, अध्यक्ष महोदय आ गए हैं, जब मैंने बोलना शुरू किया था तब सभापति जी बैठे थे, अब आप आ गए।

अध्यक्ष महोदय, संविदाकर्मियों को हमने बोनस दिया 2500 रुपये, हनुमानगढ़ जिले में एक नहीं मिला, लैब-टैक्निशियन, लैब-असिस्टेंट समेत सारे संविदाकर्मियों को हमने दिया है। कुल-मिलाकर राजस्थान में हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री आदरणीय अशोक गहलोत जी के नेतृत्व में जो काम हुआ है, जिसकी सारे देश में, दुनिया में तारीफ हो रही है। उन्होंने जो ये काम किया है राजस्थान की आठ करोड़ जनता की जिन्दगी बचाने का, मैं पहले भी कह चुका हूं और फिर कह रहा हूं ये चाहे पक्ष हो, चाहे विपक्ष हो, आप लोगों के सहयोग के बिना सम्भव नहीं था। थोड़ा धीरज रखिए। अगर केन्द्र सरकार अच्छा काम करेगी, हम तारीफ करेंगे। अगर राज्य सरकार अच्छा काम कर रही है, आपको भी खुले दिल से तारीफ करनी चाहिए। इसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए और यह महामारी जब तक चलेगी, कोई नहीं कह सकता कब

(श्री रघु शर्मा)

तक यह महामारी चलेगी? लेकिन मैं इस सदन के माध्यम से राजस्थान की आठ करोड़ जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि राजस्थान की सरकार संवेदनशील है। राजस्थान की संवेदनशील सरकार अशोक गहलोत जी के नेतृत्व में एक-एक फैसला राज्य के प्रत्येक जन को समर्पित होकर करेगी। धन की कोई कमी नहीं आएगी। हमारे लिए आम आदमी की जिन्दगी बचाना प्राथमिकता है, रहेगी और हम आदमी की जिन्दगी बचाएंगे। आप सब लोगों ने आज इस चर्चा में भाग लिया, मैं आप सब लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, चर्चा समाप्त हुई। आज विधायी कार्य लेने थे और जब बिजनस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग की थी, तब हमने निर्णय किया था कि कोरोना के कारण एक दिन में ही सारी कार्यवाही संपादित करेंगे। परंतु मुझे खुशी है कि आज जिस तरह चर्चा की और माननीय सदस्यों में से कोई कोरोना का पेशेंट आज हमारा सदन में नहीं है, इसलिए आप सबकी अनुमति हो तो जो विधायी कार्य हम आज लेने वाले थे, वह विधायी कार्य हम मंडे के दिन लेना चाहते हैं, इसलिए आपकी अनुमति हो, तो सदन की कार्यवाही सोमवार, 24 तारीख को 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 18.44 बजे सोमवार, दिनांक 24 अगस्त 2020 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)